RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 92
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 20 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

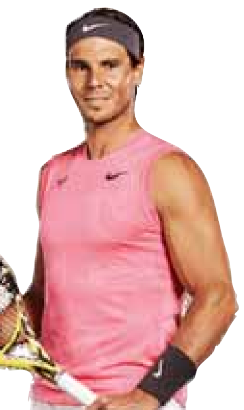

नडाल आसान जीत के साथ तीसरे दौर में

स्पोर्ट्स-12

मुलायम की पुत्रवधु अपर्णा भाजपा में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली, लखनऊ

समाजवादी पार्टी के संरक्षक और वरिष्ठ नेता मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव बुधवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने परिवार की बहू को इसके लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पार्टी के मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी की मौजूदगी में अपर्णा यादव ने भाजपा का दामन थामा। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से भी मुलाकात की।

योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा, अपर्णा जी का भाजपा परिवार में स्वागत हैं। मुख्यमंत्री ने अपर्णा के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ उनकी एक तस्वीर भी ट्वीट की। यादव ने इस अवसर पर कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी नीतियों से हमेशा से प्रभावित रही हैं और अब वह भाजपा की सदस्यता लेकर राष्ट्र की आराधना करने निकल पड़ी हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से प्रधानमंत्री जी से प्रभावित रही हूं। मेरे चिंतन में हमेशा राष्ट्र सबसे पहले है। राष्ट्र धर्म मेरे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। मैं बस, यही बोलना चाहती हूं कि अब मैं राष्ट्र की आराधना करने निकली हूं। उन्होंने कहा कि वह अपनी क्षमता के अनुरूप जो

नई दिल्ली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अपर्णा यादव

भी कर सकती हैं, भाजपा के लिए करेंगी। उप-मुख्यमंत्री मौर्य ने अपर्णा यादव का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि वह हमेशा से ही भाजपा की विचारधारा की समर्थक रही हैं और समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से उन्होंने यह जाहिर भी किया है। उप-मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह अपने परिवार में ही असफल रहे हैं। उन्होंने कहा, अखिलेश यादव अपने परिवार में ही सफल नहीं हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में भी असफल रहे हैं। सांसद के रूप में भी असफल हैं। अखिलेश यादव के विधानसभा चुनाव लड़ने की अटकलों के मद्देनजर मौर्य ने चुटकी लेते कहा कि वह सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी पहली सूची जारी कर दी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर से तथा उनके सिराथू से लड़ने की घोषणा (शेष पेज 9)

जलालाबाद के सपा विधायक का इस्तीफा, अखिलेश यादव पर लगाए आरोप

शाहजहांपुर। जिले की जलालाबाद सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक शरद वीर सिंह ने इस बार अपना टिकट कटने से नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अपने त्यागपत्र में सिंह ने आरोप लगाया कि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की अगुवाई वाली सपा पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव की नीतियों से भटक गई है। सपा विधायक शरद वीर सिंह ने फोन पर बताया कि उनका टिकट काटकर नीरज मौर्य को दे दिया गया है, इसलिए उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया है। भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में सिंह ने कहा कि उन्होंने अभी भाजपा की सदस्यता नहीं ली है लेकिन टिकट के लिए आवेदन जरूर किया है। अगर उन्हें पार्टी टिकट देती है तो वह चुनाव लड़ेंगे, अन्यथा जिसे भी भाजपा का टिकट मिलेगा उसे चुनाव में मदद करेंगे। उन्होंने बताया, हमारा लक्ष्य सपा प्रत्याशी नीरज मौर्य को किसी भी कीमत पर हराना है। हमारे समर्थकों का भी यही सुझाव है।

सपा को भी पता है, बहू-बेटी सिर्फ भाजपा में सुरक्षितः अनुराग

लखनऊ। बीजेपी के प्रदेश चुनाव सहप्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को सपा नेत्री अपर्णा यादव का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा परिवार लगातार बड़ा हो रहा है। विभिन्न दलों से आने वाले नेताओं से भाजपा की ताकत बढ़ेगी। भाजपा सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए जितने काम किये हैं उतना काम किसी भी सरकार में नहीं हुआ है। भाजपा सरकार ने महिलाओं को स्वावलंबन, स्वाभिमान, सम्मान और सुरक्षा प्रदान की है। सपा नेताओं को भी पता है कि भाजपा सरकार में उनकी बहू बेटियां भी सुरक्षित हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में बहुत सारे एमएलए, एमएलसी, पूर्व विधायक समाजवादी पार्टी को और बाकी पार्टियों को छोड़कर भाजपा में आए हैं जिनका (शेष पेज 9)

भाजपा का अपना दल (एस), निषाद पार्टी से गठबंधन

- अनुप्रिया पटेल और संजय निषाद की उपस्थिति में जेपी नड्डा ने की घोषणा
- भाजपा ने अलीगढ़ से मुक्ता राजा को बनाया अपना उम्मीदवार

नई दिल्ली में अपना दल की अनुप्रिया पटेल और निषाद पार्टी के संजय निषाद के साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अपने सहयोगियों, अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के साथ मिलकर राज्य की 403 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगा। दूसरी ओर पार्टी ने अलीगढ़ से मुक्ता राजा को अपना उम्मीदवार घोषित किया। मुक्ता अलीगढ़ से भाजपा के विधायक संजीव राजा की पत्नी हैं। करीब 22 साल पुराने एक मामले में अदालत ने संजीव राजा को दो साल की सजा सुनाई थी।

नड्डा ने अपना दल (एस) की नेता व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद की मौजूदगी में भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में हालांकि यह नहीं बताया कि कौन सा दल कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा, अपना दल (एस) और निषाद पार्टी साथ मिलकर राज्य की 403 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के साथ विस्तार से चर्चा हुई और उसके बाद सीटों के तालमेल पर फैसला हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने विकास में एक नई छलांग लगाई है और प्रदेश के विकास को तेज गति दी है।

इस अवसर पर अनुप्रिया पटेल और संजय निषाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समाज के शोषित और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की और विश्वास जताया कि राज्य में फिर से एक बार राजग की सरकार बनेगी। पटेल ने कहा, उत्तर प्रदेश में विकास और सामाजिक न्याय का संयोजन एक बेहतरीन कॉकटेल साबित हुआ है। उत्तर प्रदेश को विकास की भी आवश्यकता है और सामाजिक न्याय की भी जरूरत है। अपना दल ने अपनी स्थापना के साथ ही सदैव, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के अधिकार और भागीदारी के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ मिलकर हम इसे और आगे लेकर जाएंगे। पटेल ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग को संवैधानिक दर्जा दिए जाने और नीट परीक्षा सहित शिक्षा के क्षेत्र में ओबीसी वर्ग को आरक्षण दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सामाजिक न्याय से जुड़ी तमाम समस्याओं का समाधान किया गया है। उन्होंने भाजपा नेताओं के समक्ष केंद्र सरकार में अलग से ओबीसी मंत्रालय के गठन की अपनी मांग भी दोहराई। पटेल ने कहा, विकास के साथ ही सामाजिक न्याय की अवधारणा को और मजबूती प्रदान करने के लिए हम सभी ने तय किया है कि हम एक बार फिर मजबूती के साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा का (शेष पेज 9)

विकास, सुशासन, राष्ट्रवाद है चुनाव के लिए भाजपा का एजेंडाः योगी

- विरोधी दलों पर वंशवाद और पारिवारिक राजनीति को बढ़ावा देने का लगाया आरोप

भाषा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद को चुनाव के लिए एजेंडा के रूप में प्राथमिकता दी है, जबकि अन्य दलों ने वंशवाद और पारिवारिक राजनीति को बढ़ावा दिया। गौतमबुद्ध नगर की आधिकारिक यात्रा के दौरान योगी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा और अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी पर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों का चयन करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, हमने विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद को एजेंडा बनाया है। राज्य में पहले वंशवाद और पारिवारिक राजनीति ने न केवल भाई-भतीजावाद को बढ़ावा दिया और राज्य के लोगों, गरीबों, किसानों तथा युवाओं का शोषण किया, बल्कि इससे असुरक्षा का माहौल भी पैदा हुआ। योगी ने कहा, हर तीसरे दिन राज्य में दंगा भड़क जाता था। कहीं भी कर्फ्यू लगाए जाने पर विकास अपने आप बाधित हो जाता है। जब बेईमानी और भ्रष्टाचार आपके जीवन का हिस्सा बन जाते हैं, तब आपको सुशासन नहीं मिल सकता है।

उन्होंने सपा, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, वंशवाद और परिवारवाद से जुड़े इन लोगों ने अतीत में यह सब किया है। उन्होंने कहा कि 2017 से मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, अपराधी या तो जेल में कैद हैं या उन्होंने राज्य छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री ने सपा, बसपा और कांग्रेस पर विधानसभा चुनाव से पहले असामाजिक तत्वों को टिकट देकर ऐसे लोगों को वापस लाने का आरोप लगाया। उन्होंने (शेष पेज 9)

नितिन अग्रवाल का विस उपाध्यक्ष और सपा से इस्तीफा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चुनाव से पहले नितिन अग्रवाल ने यूपी विधानसभा उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही समाजवादी पार्टी की सदस्यता से भी नितिन ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित को पत्र भेजकर इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा है कि मैं सदन से अपने स्थान से बुधवार से पद त्याग करता हूं। नितिन अग्रवाल वरिष्ठ भाजपा नेता नरेश अग्रवाल के पुत्र हैं। उन्होंने वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव सपा के टिकट पर हरदोई से लड़ा था और विधायक चुने गए थे। भाजपा ने उन्हें विधानसभा उपाध्यक्ष बनाया था। नितिन इस बार विधानसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़ने वाले हैं। इसीलिए उन्होंने इस्तीफा दिया है। अभी हाल ही में भाजपा से नितिन अग्रवाल को विधानसभा उपाध्यक्ष के लिए नामित किया गया था। नितिन अग्रवाल सपा से हरदोई शहर विधायक हैं। नितिन अग्रवाल काफी पहले ही सपा में बगावत करके भाजपा से नजदीकियां बढ़ाने में जुट गए थे।

चन्नी के रिश्तेदार सहित अन्य लोगों के यहां से 10 करोड़ की नकदी जब्त

- अवैध खनन में ईडी की छापेमारी

भाषा। नई दिल्ली, चंडीगढ

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब में अवैध बालू खनन के खिलाफ जारी धनशोधन निरोधी जांच के सिलसिले में की गई छापेमारी के दौरान दस करोड़ रुपए की नकदी जब्त की है। इसमें मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के एक रिश्तेदार के ठिकाने से जब्त किए गए आठ करोड़ रुपए भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईडी की ओर से जारी बयान के मुताबिक, छापेमारी के दौरान पंजाब में अवैध खनन और संपत्ति हस्तांतरण से जुड़े दस्तावेज, मोबाइल फोन, 21 लाख रुपए मूल्य से अधिक का सोना और 12 लाख रुपए कीमत की रोलेक्स घड़ी भी जब्त की गई है।

ईडी सूत्रों ने छापेमारी के दौरान मनमानी के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि मंगलवार को शुरू की गई कार्रवाई उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए की गई थी और इस दौरान न तो कोई व्यक्तिगत टिप्पणी की गई थी, न ही कोई धमकी दी गई थी। सूत्रों ने बताया कि अवैध खनन मामले में पंजाब के मोहाली, लुधियाना, रूपनगर, फतेहगढ़ साहिब और पठानकोट सहित अन्य शहरों में मंगलवार को दर्जनभर ठिकानों पर छापेमारी की कार्वाई शुरू की गई थी, जो बुधवार तड़के खत्म हुई। उन्होंने बताया कि यह छापेमारी धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की गई थी और इस दौरान जांच एजेंसी ने बड़ी संख्या में दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की छापेमारी के दौरान दस करोड़ रुपए की नकदी भी जब्त की गई, जिसमें भूपिंदर सिंह उर्फ हनी के ठिकाने से मिले लगभग आठ करोड़ रुपए शामिल हैं। हनी रिश्ते में मुख्यमंत्री चन्नी का भतीजा लगता है। सूत्रों ने बताया कि दो करोड़ रुपए की नकदी संदीप कुमार नाम के एक शख्स के (शेष पेज 9)

प्रदेश में 17776 नए केस, सात की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार में उतार-चढ़ाव जारी है। राहत की बात यह है कि नए केस मिलने की अपेक्षा डिस्चार्ज होने वालों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। बुधवार को जहां पूरे प्रदेश में कोरोना के 17776 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 20532 मरीज डिस्चार्ज हुए हैं। वहीं सात मरीजों की मौत हुई है। लखनऊ में कोरोना के 3517 नए केस पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक टॉप फ़ाइव में लखनऊ के अलावा गौतमबुद्ध नगर में 1403 केस, गाजियाबाद में 2003 केस, मेरठ में 958, वाराणसी में 570 मामले आज सामने आए हैं। प्रदेश में 98238 कोरोना के केस वर्तमान में एक्टिव है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने आज बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 2,30,753 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 9,69,73,563 सैम्पल की जांच की गयी हैं। कल विभिन्न जनपदों से आरटीपीसीआर के लिए 1,24,295 सैम्पल भेजे गये है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोरोना के कुल 98,238 एक्टिव मामले है, जिनमे 95,293 लोग होम आइसोलेशन में हैं।

भारत में 23 को चरम पर पहुंच सकती है तीसरी लहर

कोलकाता में किशोरों को कोरोनारोधी टीका लगाते स्वास्थ्यकर्मी

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-कानपुर के एक वैज्ञानिक के अनुसार, भारत में कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर 23 जनवरी को चरम पर पहुंच सकती है और इस दौरान रोजाना संक्रमण के चार लाख से कुछ कम मामले सामने आ सकते हैं। आईआईटी-कानपुर के प्रोफेसर व सूत्र कोविड मॉडल से जुड़े अनुसंधानकर्ताओं में शामिल मनिंद्र अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में पहले ही, बीते सात दिन में संक्रमण के मामलों की संख्या चरम पर पहुंच चुकी है। महामारी की शुरुआत के बाद से देश में कोविड मामलों की संख्या का पता लगाने और इस संबंध में अनुमान जताने के लिए सूत्र कोविड मॉडल का उपयोग किया गया है। अग्रवाल के अनुसार इस सप्ताह महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात और (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	60,098	↓	656	
निफ्टी	17,938	↓	174	
सोना	47,878	↑	16	/10g
चांदी	63,435	↑	1603	/kg

क्विक न्यूज

शराबबंदी कानून में ढील देने की योजना बना रही है बिहार सरकार

पटना। बिहार में शराबबंदी कानून के निष्प्रभावी क्रियान्वयन के आरोपों और हाल में हुई जहरीली शराब संबंधी घटनाओं के बीच राज्य सरकार इस कानून को कम सख्त बनाने के लिए इसमे संशोधन करने की योजना बना रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पहली बार शराब के नशे मे पकड़े जाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार नही किया जाएगा, बल्कि जुर्माना अदा करने के बाद उसे मौके पर ही छोड़ दिया जाएगा। इस संबंध मे फरवरी मे विधानसभा के अगले सत्र मे संशोधन विधेयक पेश किए जाने की संभावना है। सरकार बिहार मद्य निषेध और उत्पाद शुल्क अधिनियम 2016 मे कुछ बदलाव ला सकती है। वह नियमो मे ढील देने के लिए वित्तीय दंड का प्रावधान शुरू करने पर विचार कर रही है।

भाजपा महाराष्ट्र नगर पंचायत चुनावों में सबसे आगे

मुंबई। महाराष्ट्र नगर पंचायत चुनाव के नतीजे बुधवार को घोषित किए गए जिसमें भारतीय जनता पार्टी 1,649 सीटों में से 384 सीटों पर विजय प्राप्त कर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। इससे पहले आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने दावा किया था कि उनकी पार्टी राज्य में सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी है और 24 नगर पंचायत का नेतृत्व कर सकती है। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने बुधवार शाम को नतीजों की घोषणा की जिसमें भाजपा को 384 और राकांपा को 344 सीटों पर जीत मिली है। एसईसी के आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस ने 316 सीटें जीती हैं जबकि शिवसेना को केवल 284 सीटों पर जीत हासिल हुई है। हाल में हुए पंचायत चुनाव में 206 निर्दलीय उम्मीदवार विजई हुए हैं। एसईसी ने कहा कि गढ़चिरौली जिले के नौ नगर पंचायत में मतगणना बृहस्पतिवार को (शेष पेज 9)

5जी से बाधा का अंदेशा, अमेरिका की 8 उड़ानें रद्द

- एयर इंडिया ने कहा, 5जी इंटरनेट लागू होने से विमानों के सिस्टम आ सकती है दिक्कत

राजेश कुमार। नई दिल्ली

अमेरिका के एयरपोर्ट पर 5जी इंटरनेट सेवा लागू के चलते एयर इंडिया ने वहां जाने वाली आठ उड़ानों को रद्द कर दिया है। भारतीय एयरलाइंस का कहना है कि इंटरनेट की नई व्यवस्था के कारण उसके विमानों का नेवीगेशन सिस्टम गड़बड़ा सकता है। मालूम हो कि अमेरिका के एयरपोर्ट पर बुधवार से 5 जी सेवाएं सेवाएं शुरू की गई हैं। भारत-अमेरिकी रूट पर एयर इंडिया के बोइंग 777 विमान न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, शिकागो जाते हैं। नई इंटरनेट तकनीक के चलते भारतीय

प्रतीकात्मक चित्र

विमानों पर वहां के एयरपोर्ट पर उतरते समय कोई दिक्कत न आए, इसके मद्देनजर दिल्ली-न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क-दिल्ली, दिल्ली-शिकागो, शिकागो-दिल्ली, दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को, सैन फ्रांसिस्को-दिल्ली जैसी आठ फ्लाइटों को तत्काल रूप से रोक दिया है। मामले की जानकारी देते हुए एयर इंडिया ने बताया कि अमेरिकी में 5जी तकनीक का प्रयोग शुरू हो गया है। 19 जनवरी से कुल आठ फ्लाइटों को रोका गया है। हालांकि इस दौरान तीन भारतीय मालवाहक जहाज अमेरिका के लिए उड़ान भरते रहेंगे। अमेरिकी एयरलाइंस, डेल्टा एयरलाइंस और एयर इंडिया तीनों वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच सीधी उड़ानें संचालित करते हैं। वहीं दूसरे देशों की बात करें तो 5जी के चलते जापान, यूएई आदि की एयरलाइंस ने कुछ उड़ानों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। एयर इंडिया के अधिकारी के अनुसार अमेरिकी एयरपोर्ट पर 5जी इंटरनेट में जो तकनीक प्रयोग हो रही है, उसकी वजह से हवाई जहाज की ऊंचाई मापने में गड़बड़ी हो सकती है। जानकारी मिली है कि इंटरनेट का पांचवा जनरेशन पुरानी तकनीक रेडियो सिग्नल से ज्यादा ताकतवर है। हवाई जहाज के उतरने और उड़ने के दौरान सिग्नल समस्या आ सकती है, इसलिए यात्रियों की सुरक्षा के लिए एयरइंडिया ने फ्लाइट रोकने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी तरफ दुबई की अमीरात एयरलाइन ने कहा कि वह शिकागो, न्यर्याक और सैन फ्रांसिस्को सहित कई अमेरिकी शहरों के लिए उड़ानें निलंबित कर देगी, जबकि जापान एयरलाइंस कंपनी और एएनए होल्डिंग्स इंक ने कहा कि वे कुछ मार्गों को छोड़ देंगे और अपने 777 जेट विमानों को यहां से आने-जाने नहीं देंगे। वहीं दूसरी तरफ सिंगापुर एयरलाइंस ने बोइंग 777 के बजाय एयरबस ए 350 के साथ न्यूयॉर्क और लॉस एंजिल्स के लिए उड़ानें संचालित (शेष पेज 9)

इंडिगो के दो विमानों के बीच हवा में टक्कर टली

भाषा। नई दिल्ली

विमानन नियामक डीजीसीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि नौ जनवरी की सुबह बेंगलुरू हवाई अड्डे पर उड़ान भरने के तुरंत बाद इंडिगो के दो विमानों के बीच हवा में टक्कर टल गई थी। उन्होंने बताया कि घटना को किसी लॉगबुक में दर्ज नहीं किया गया था और न ही भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने इसकी सूचना दी थी। इस बीच, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) प्रमुख अरुण कुमार ने पीटीआई-भाषा को बताया कि विमानन नियामक घटना की जांच कर रहा है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। इंडिगो और एएआई ने इस मामले पर बयान के लिए पीटीआई-भाषा के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। डीजीसीए के अधिकारियों ने कहा कि इंडिगो के दो विमान – 6ई455 (बेंगलुरु से कोलकाता) और 6ई246 (बेंगलुरु से भुवनेश्वर) – बेंगलुरु हवाई अड्डे पर अलगाव के उल्लंघन में शामिल थे। अलगाव का उल्लंघन तब होता है जब दो विमान किसी हवाई क्षेत्र में न्यूनतम अनिवार्य ऊर्ध्वाधर या क्षैतिज दूरी को पार कर लेते हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन दोनों विमान ने नौ जनवरी की सुबह करीब पांच मिनट के अंतराल में बेंगलुरू हवाई अड्डे से उड़ान (शेष पेज 9)

अखिलेश के शासनकाल में गुंडागर्दी को महत्व दिया जाता था: स्वतंत्र देव

● सपा प्रमुख जब अपने परिवार को संभालने में सफल नहीं हुए तो प्रदेश को क्या संभालेंगे: केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपर्णा यादव का स्वागत करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की लोककल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर अपर्णा यादव ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है जबकि अखिलेश यादव के शासन काल में गुंडागर्दी को महत्व दिया जाता था। बेटा-बेटी या किसान कोई भी सुरक्षित नहीं था, शाम ढलते ही लोग घरों का दरवाजा बंद कर लेते थे। अपर्णा यादव के पार्टी में शामिल होने से पार्टी के चुनाव अभियान को और मजबूती मिलेगी। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मोदी-योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का सतत विकास हो रहा है जबकि अखिलेश यादव दूसरे के विकास कार्यों पर अपना स्टीकर चस्पा करने का काम करते रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल में राज्य के किसी क्षेत्र का विकास नहीं किया। अखिलेश यादव जब अपने परिवार को संभालने में सफल नहीं हुए तो प्रदेश को क्या संभालेंगे। अखिलेश यादव राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में असफल थे ही साथ ही सांसद के रूप में भी असफल रहे हैं। अपर्णा यादव ने भाजपा में शामिल होने पर मोदी-योगी और केशव प्रसाद मौर्य का आभार जताते हुए कहा कि मैं हमेशा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यों से प्रभावित रही हूँ। स्वच्छ भारत मिशन हो या महिला स्वावलंबी योजना, भाजपा की सभी योजनाओं से मैं प्रभावित रही हूँ। मैं राष्ट्र प्रथम की भावना से राष्ट्र की आराधना करने निकली हूँ, भाजपा में रह कर मुझे जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, अपनी क्षमता अनुसार उसका निर्वाह करने की कोशिश करुँगी।

वहीं बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता समीर सिंह ने बुधवार को अपने बयान में कहा कि गरीबों-किसानों की जमीनें कब्जा करने वाले सपाई आज किसान हितैषी होने का ढोंग कर रहे हैं। खेती से जीवन यापन करने वाले किसानों का कैराना से पलायन कराने वाले दंगाइयों को सपा प्रमुख टिकट देकर सम्मानित कर रहे हैं। जिनके राज में कर्ज के बोझ के तले किसान आत्महत्या कर रहे थे वो किसानों के भले की बात का स्वांग रच रहे हैं जबकि भाजपा सरकार इकलौती ऐसी सरकार है 2017 में जिसकी सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में ही 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ के ऋण माफ किये गए। उन्होंने कहा कि किसानों की आय को दोगुना करने के लिए सरकार ने हर स्तर पर प्रयास किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 53 लाख 98 हजार किसानों के खाते में 37388 करोड़ हस्तांतरित किये गए हैं। पिछले साढ़े चार सालों में किसानों से 435 लाख मीट्रीक टन खद्यान खरीदे कर 79 हजार करोड़ का भुगतान किया। 2007 से 2017 के बीच केवल 221.07 लाख मीट्रीक टन खद्यान खरीदा गया था। आंकड़े बताते हैं कि किसान हितैषी कौन है? उन्होंने कहा कि तिलहन, दलहन, गेहूं, धान और अन्य दूसरी फसलों के एमएसपी में डेढ़ से दो गुना तक की बढ़ोतरी की गई है। हमने जहां गन्ना किसानों को पुराने बकाए के साथ ही डेढ़ लाख करोड़ का भुगतान किया। वहीं गन्ने के समर्थन मूल्य में भी इजाफा किया जबकि सपा बसपा सरकार मिलकर भी 95 हजार करोड़ से ज्यादा का भुगतान नहीं कर पाई थी। कहा कि जिन्होंने चीनी मिलों को बंद कर कौड़ियों के भाव बेच दिया आज वे किसान हितैषी होने की बात कहते हैं तो मन में पहला भाव संदेह का ही उत्पन्न होता है। सरकार ने किसानों के बिजली बिल भी हॉफ किये हैं। यह बहुत ही दूरगामी निर्णय है। किसानों को निर्बाध बिजली के लिए अलग से कृषि फीडरों का निर्माण किया गया है। जिस पर 10 घंटे की निर्बाध सप्लाई दिन में दी जा रही है, जिससे किसानों को रात में जगकर सिंचाई नहीं करनी पड़ती। पहले तो किसानों को बिजली मिलती ही नहीं थी। किसानों के ट्यूबवेल के बिल आधे किये गए।

अखिलेश ने जनता को छलने का ही काम किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व जॉइनिंग कमेटी के अध्यक्ष डा लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने बुधवार को कहा कि झूठे वादे और दावे करने वाली सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सत्ता में रहते समय प्रदेश की जनता को केवल छलने का ही काम किया।

जब प्रधानमंत्री 2014 में जनधन खाते खुलवाने की अपील कर रहे थे तो अखिलेश यादव ने लोगों को गुमराह किया। जब गरीबों और वंचितों को जनधन खातों से सीधे मदद मिलने लगी तो विपक्ष की राजनीति बंद हो गई। गरीबों के लिए योगी और मोदी सरकार के कल्याणकारी कार्य सपा-बसपा और कांग्रेस को खराब लग रहे हैं। क्योंकि पहले उनके लोग गरीबों के हक पर डाका डालने का काम करते थे। बुधवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही गरीबों, वंचितों के लिए काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल लगातार झूठे वादे करते आ रहे हैं। आज अखिलेश यादव ने एक और झूठा वादा और दावा दोनों किया है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों के खातों में पैसा डालने का काम उन्होंने किया था लेकिन वे यह भूल गए कि उनकी सरकार जाने के बाद से यूपी में 7.7 करोड़ जनधन खाते खुले हैं और उनके माध्यम से गरीबों को सीधे लाभ मिल रहा है। अब यूपी में बिचौलिया राज खत्म हो गया है। उनका रोजगार चला गया है इसीलिए अखिलेश को कष्ट हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब गरीब को मकान के लिए ढाई लाख सीधे खाते में गया तो सपा प्रमुख को कष्ट हुआ। जब शौचालय के लिए सीधे खाते में पैसा गया तो उन्हें कष्ट हुआ। जब बुजुर्गों, निराश्रित महिलाओं, वृद्धा, दिव्यांगजनों को सीधे सरकार की सीधी मदद मिलना शुरू हो गई तो अखिलेश जी और उनकी पार्टी को और भी अधिक कष्ट हुआ। जब कोरोना की विपत्ति में सरकार ने करोड़ों जनधन खाता धारक महिलाओं, रेहड़ी पटरी वालों, मजदूरों के खाते में सीधी मदद की तो अखिलेश जी के कष्ट का स्तर और बढ़ गया। आज सभी प्रकार की सब्सिडी, सरकारी मदद सब सीधे लाभार्थी के खाते में जा रही है तो अखिलेश जी समेत सम्पूर्ण विपक्ष को खराब लग रहा है।

उन्होंने कहा कि अखिलेश जिस समाजवादी पेंशन की बात कर रहे थे, उसमें हुआ घोटाला भी उन्हें याद ही होगा। जिसमें बुजुर्गों, दिव्यांगों, महिलाओं और अन्य लाभार्थियों का हक सपाई लुटेरों ने लूटा था। कागजों में लाखों ऐसे लोगों को पेंशन दी गई जिनका वजूद ही नहीं था जो मृतक थे। आज उन्होंने घोषणा भी की है संभवत: सपने में सरकार बनाई हो और उसी में समाजवादी लूट योजना पार्ट-2 की घोषणा कर अपने साथियों को खुश करने का प्रयास किया हो लेकिन प्रदेश की जनता उनका सपना सच नहीं होने देगी।

बीजेपी ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

मोदी-योगी समेत केंद्रीय मंत्री और संगठन से जुड़े पदाधिकारी शामिल, वरुण को नहीं मिली जगह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी विधानसभा चुनाव

भाजपा ने यूपी चुनाव के लिए 30 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भाजपा के कई बड़े नेता शामिल हैं जबकि सूची में भाजपा सांसद वरुण गांधी व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी का नाम शामिल नहीं है। पार्टी ने यह सूची पहले चरण के चुनावों को ध्यान में रखते हुए जारी की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि यदि चुनाव आयोग कोविड मामलों की समीक्षा के बाद रैलियां करने की इजाजत देता है तो पार्टी के स्टॅार प्रचारक चुनावी मैदान में उतरकर जनता से रूबरू संवाद करेंगे। इजाजत मिलने तक वर्चुअल और डिजिटल माध्यम से चुनाव प्रचार करेंगे। इस सूची में पार्टी ने केंद्रीय मंत्री, योगी सरकार के मंत्री, सांसद, प्रदेश संगठन के पदाधिकारी शामिल हैं। भाजपा की स्टार प्रचारकों की सूची में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राधा मोहन सिंह, मुख्तार अब्बास नकवी, स्मृति ईरानी, सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, दिनेश शर्मा, संजीव बालियान, जसवंत सैनी, हेमा मालिनी, अशोक कटारिया, सुरेन्द्र नागर, वीके सिंह, चौधरी भूपेन्द्र सिंह, बीएल वर्मा, राजवीर सिंह राजू भईया, एसपी सिंह बघेल, साध्वी निरंजन ज्योति, कांता कर्दम, रजनीकांत महेश्वरी, मोहित बेनीवाल, धर्मेन्द्र कश्यप, जेपीएस राठौर और भोला सिंह खटिक शामिल हैं।

आजमगढ़ की जनता से अनुमति लेकर ही लड़ूंगा चुनाव

● सरकार बनने पर 18000 रुपए समाजवादी पेंशन दी जाएगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आजमगढ़ की जनता से अनुमति लेकर ही मैं चुनाव लड़ूंगा। सपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने घोषणा की कि समाजवादी सरकार के दौरान चलाई गई समाजवादी पेंशन को 18000 रुपए सालाना किया जाएगा। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने अपर्णा यादव के भाजपा में शामिल होने के प्रश्न पर कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि समाजवाद का विस्तार हो रहा है। अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार बनने पर फिर से समाजवादी पेंशन योजना शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस बार जरूरतमंद गरीब परिवार की महिलाओं को प्रतिवर्ष 18 हजार रुपए पेंशन दी जाएगी। श्री यादव ने कहा कि पिछली बार सपा सरकार के दौरान 50 लाख महिलाओं को समाजवादी पेंशन योजना में 6 हजार रुपए वार्षिक का लाभ दिया जा रहा था। समाजवादी सरकार में सबसे ज्यादा बैंक खाते खुलवाए गए थे। खातों में सीधे पैसा पहुंचाया जा रहा था। प्रदेश में डायरेक्ट बेनिफिट योजना की शुरुआत भी समाजवादी सरकार ने की थी।

अखिलेश यादव ने बताया कि उन्होंने अपने कार्यकाल में वाराणसी, कुशीनगर में मुसहर जाति के गरीब लोगों को लोहिया आवास और पेंशन दी थी। ललितपुर में गरीबों को पेंशन एवं आवास दिया था। लखनऊ में पीजीआई के पास और कन्नौज में सपेरों को पेंशन और लोहिया आवास दिया गया। सरकार बनने पर एक्सप्रेस.वे के किनारे सपेरा गांव भी बसाया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि जिन परिस्थितियों में इस बार चुनाव हो रहा है उसमें समाजवादी पार्टी का कोई विकल्प नहीं है। जनता समाजवादी पार्टी के साथ खड़ी है। हमने जिन नेताओं को पार्टी में शामिल किया है उनका व्यापक जनाधार है। गठबंधन में जो साथ आए हैं उनके साथ से लड़ाई में मजबूती आएगी। उन्होंने जनता के बीच संघर्ष किया है और काम किया है। श्री यादव ने कहा कि इस बार भाजपा को गाय मां का पाप लगने जा रहा है। पूरे प्रदेश में जगह जगह गाय मां भूखी हैं।

एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों को और मुझे भाजपा से राष्ट्रवाद का सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। मैं खुद मिलिट्री स्कूल में पढ़ा हूं। हमारे साथ मिलिट्री स्कूल में पढ़ने वाले कई सीनियर और मित्र आज देश की सीमाओं पर खड़े हैं और देश की रक्षा कर रहे हैं। क्या भाजपा की टॉप लीडरशिप बता सकती है कि उनके साथ पढ़ा हुआ कोई देश की सीमाओं पर खड़ा है। अखिलेश यादव ने कहा कि हमने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस.वे बनाया। एक्सप्रेस वे पर सेना के लड़ाकू विमान उतारने के लिए डिज़ाइन बनवाया। समाजवादियों का क्लियर विजन था कि एक्सप्रेस वे पर फाइटर प्लेन उतरे। हमारी सरकार ने एक्सप्रेस.वे पर लड़ाकू विमान उतार कर दिखा दिया। पूर्वांचल एक्सप्रेस.वे की भी डिजाइन में लड़ाकू विमान उतारने के लिए हवाई पट्टी का निर्माण प्रस्तावित था। प्रधानमंत्री का विमान एक्सप्रेस वे की हवाई पट्टी पर उतरा उसका डिजाइन समाजवादियों ने किया था। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर सबसे घटिया प्रचार बीजेपी कर रही है। समाजवादी पार्टी चुनाव आयोग और पुलिस से इसकी शिकायत कर रही है। इस अवसर पर श्री यादव ने एडवोकेट भानु प्रताप सिंह की पुस्तक अंबेडकरवादी लोहियावादी नए कृषि कानून का सच का विमोचन किया।

भाजपा के कई विधायक हमारे टच में हैं: सपा प्रमुख

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा विधायकों का संपर्क होने की बात स्वीकारी। सपा मुखिया अखिलेश यादव से जब यह सवाल किया गया कि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेई का कहना है कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव उनके टच में है, इसमें कितनी सच्चाई है। इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि सच्चाई तो यह है कि भाजपा के कई विधायक हमारे टच में हैं। अखिलेश ने कहा कि भाजपा केवल झूठ पर चलती है।

कांग्रेस की पोस्टर गर्ल प्रियंका मौर्या भाजपा में हो सकती हैं शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

टिकट न मिलने से नाराज कांग्रेस की महत्वपूर्ण कैंपेन लड़की हूं, लड़ सकती हूं की पोस्टर गर्ल और महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष प्रियंका मौर्य भाजपा में शामिल हो सकती हैं। प्रियंका मौर्य ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि टिकट वितरण की प्रक्रिया में व्यापक पैमाने पर धांधली हुई है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए लड़की हूं, लड़ सकती हूं अभियान की शुरुआत की थी। इस कैंपेन के लिए प्रियंका मौर्य कांग्रेस की पोस्टर गर्ल थीं। हालांकि उन्हें कांग्रेस ने विधानसभा का टिकट नहीं दिया। प्रियंका मौर्य ने कहा कि कांग्रेस ने मेरे चेहरे, मेरे नाम और मेरे 10 लाख सोशल मीडिया फॉलोअर्स का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया, लेकिन जब आने वाले चुनाव के लिए टिकट की बात आई तो यह किसी और को दे दिया गया, यह अन्याय है। उन्होंने कहा कि मुझे टिकट नहीं मिला क्योंकि मैं एक ओबीसी लड़की हूं और प्रियंका गांधी के सचिव को रिश्वत नहीं दे सकती थी। बता दें कि महिला वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा ने लड़की हूं, लड़ सकती हूं नाम से कैंपेन की शुरुआत की थी।

फूलन स्वाभिमान सेना ने सपा को दिया समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बुधवार को फूलन स्वाभिमान सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुखदेव साहनी और भीम फाउण्डेशन नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शास्त्री ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर समाजवादी पार्टी को पूर्ण समर्थन दिया है। दोनों संगठनों ने अखिलेश यादव के नेतृत्व में अपनी आस्था जताई।

पूर्व राज्य मंत्री राम हृदय राम ने सपा की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल होने पर कहा कि भाजपा सरकार संविधान को कमजोर कर रही है। आरक्षण और नौकरियां खत्म कर रही है। हमारा संविधान और समाज समाजवादी पार्टी सरकार में ही सुरक्षित रहेगा। इस मौके पर वीरांगना उदा देवी पासी गौरव मंच के संयोजक मनोज पासवान, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के रविदत्त राव ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। भारतीय किसान मजदूर यूनियन राष्ट्रवादी के प्रदेश अध्यक्ष सुखदेव सिंह खिण्डा एवं किसान मजदूर संघर्ष पार्टी के सौरभ कुमार शुक्ल, राष्ट्रीय संयोजक, हनुमान प्रसाद मिश्र राष्ट्रीय अध्यक्ष, नन्हें उर्फ चंद्रमौलि द्विवेदी संसदीय बोर्ड अध्यक्ष, पीर अली खान प्रदेश अध्यक्ष, मो शान खान राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ डॉ रिजवान प्रदेश अध्यक्ष युवा जय मिगलानी प्रदेश अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ संदीप श्रीवास्तव, प्रदेश कोषाध्यक्ष, राजेश शुक्ला राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने भी समाजवादी पार्टी को समर्थन देने का पत्र सौंपा है।

मैं सपा गठबंधन के साथ हूं: शिवपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कहा है कि मैं समाजवादी पार्टी के गठबंधन के साथ हूं। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेई के इस दावे में कोई सच्चाई नहीं है कि मैं भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकता हूं, यह दावा पूर्णतया निराधार और तथ्यहीन है। शिवपाल ने कहा कि मैं अखिलेश यादव के नेतृत्व वाले समाजवादी पार्टी गठबंधन के साथ हं और अपने समर्थकों से आह्वान करता हूं कि प्रदेश की भाजपा सरकार को उखाड़ कर फेंक दें एवं प्रदेश में समाजवादी पार्टी के गठबंधन वाली सरकार बनाएं। ज्ञात हो कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर लिया है। गठबंधन के कई दिन बीत जाने के बाद भी शिवपाल व देश के मध्य सीटों को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। अभी दो दिन पहले ही शिवपाल सिंह यादव की अखिलेश यादव के साथ करीब एक घंटे तक बैठक चली थी उसमें भी सीटों को लेकर कोई खास निर्णय नहीं निकल पाया था।

पूर्वोत्तर रेलवे
सार्वजनिक सूचना
रेलवे लाईनों और परिसरों को सभी उपयोग कर्ताओं को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि पूर्वोत्तर रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर शिरोपरि कर्षण तारों के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में 2200 वोल्ट, 50 हर्टज एसी से चार्ज किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरि कर्षण लाईन को सब समय विद्युतीय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरि लाईन की समीपयता में दाखिल होने या काम करने नहीं जायेगा।
क्रम. सं0 1:— खण्ड का नाम : परसेन्डी—बिसवॉं, **मंडल** : लखनऊ, **किलोमीटर से** : 80/11 (Ch. 288.00), **किलोमीटर तक** : 61/19 (Ch. 575.50), **उर्जीकृत की तारीख** : 17.01.2022
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, लखनऊ
मुजाधि/विद्युत—88
यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो. नं.: 09794845955 पर एसएमएस करें।
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

यूपी में कांग्रेस की सरकार बनी तो लागू की जाएगी गोधन न्याय योजना: भूपेश बघेल

● छत्तीसगढ़ के सीएम ने किसानों की बदहाल स्थिति पर आमदनी न हुई दोगुनी, दर्द सौ गुना श्वेतपत्र जारी किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार बनी तो आवारा पशुओं को लेकर छत्तीसगढ़ की तर्ज पर यहां पर भी गोधन न्याय योजना लागू की जाएगी। यहां पर भी गोबर खरीदा जाएगा ताकि किसानों को आय हो और लोग पशुओं को अपने घर पर रखें। यूपी की समस्याओं का हल कांग्रेस की प्रतिज्ञाओं में शामिल है।

बघेल बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर रहे थे। इस दौरान पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल खत्री भी मौजूद रहे। इस मौके पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने मोदी राज में किसानों की बदहाल स्थिति पर श्वेतपत्र आमदनी न हुई दोगुनी दर्द सौ गुना जारी किया। छुट्टा जानवरों के मुद्दे और गाय पर हो रही राजनीति को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यूपी में गाय के नाम पर खूब राजनीति हुई। अब लोगों ने मवेशी रखना बंद कर दिया। मवेशी बाजार बंद हो गए। जानवर खुले में घूम रहे हैं और उत्तर प्रदेश के किसान रतजगा करके फसल की रखवाली कर रहे हैं। इसी उत्तर प्रदेश में किसान अपनी फसल बचाने में नाकाम हो रहे हैं, दूसरी तरफ गौशालाओं में गायें मर रही हैं, गायें दुबली हो रही हैं और गौशाला चलाने वाले मोटे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जानवरों और पशुपालन से जुड़ी सभी समस्याओं के समाधान के बारे में छत्तीसगढ़ सरकार ने सोचा और अपनी योजनाओं को लागू किया। इससे छत्तीसगढ़ में आवारा पशुओं की संख्या में कमी आई है। किसानों की डीएपी की समस्या को को हमने वर्मी कंपोस्ट के माध्यम से खत्म किया। हमने छत्तीसगढ़ में छुट्टा जानवरों का समाधान निकाला। गायों का गोबर दो रुपये प्रति किलो खरीदना शुरू किया और लाखों टन गोबर खरीदा। वर्मी कंपोस्ट का कार्य शुरू हुआ। आज छत्तीसगढ़ में आवारा पशुओं की संख्या में भारी कमी आई है।

बघेल ने कहा कि भारत के गरीब, मज़दूर, किसान ने मोदी जी के वायदों पर ऐतबार करके वोट दिया था पर उन्होंने विश्वासघात किया। मोदी सरकार व भाजपा ने भारत के भाग्यविधाता अन्नदाता किसानों पर आघात किया है। भारत कभी इन्हें माफ़ नहीं करेगा। छः साल होने को आए हैं जब नरेंद्र मोदी ने 28 फ़रवरी 2016 को बरेली, उत्तर प्रदेश की रैली में देश के किसानों से वादा किया था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी कर देंगे। स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू करेंगे। अब 2022 है, आय तो दोगुनी हुई नहीं, दर्द सौ गुना जरूर हो गया। उन्होंने कहा छह साल बाद मोदी सरकार ने सितंबर 2021 में एनएसएसओ की रिपोर्ट जारी कर बताया कि किसानों की औसत आय 27 रुपए प्रतिदिन रह गई है और औसत कर्ज़ 74,000 रुपए प्रति किसान हो गया है। सच तो यही है कि मोदी सरकार व भाजपा का डीएनए ही किसान-मज़दूर विरोधी है। मई 2014 में सत्ता में आते ही भाजपा व मोदी सरकार किसानों की ज़मीन हड़पने के लिएए उनके ज़मीन के उचित मुआवज़ा कानून के खिलाफ़ एक के बाद एक तीन अध्यादेश लेकर आई। फिर गेहूं एवं धान पर राज्य सरकारों द्वारा दिया जाने वाला 150 रुपए का बोनस बंद करा दिया।

इस मौके पर सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि मोदी सरकार ने तीन काले कानून लाकर 700 किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर किया। उनके सिर फोड़ने के आदेश देकर लहू लुहान किया गया। किसानों के रास्ते में कील-कांटे बिछाए गए। इससे भी पेट नहीं भरा तो उन्हें लखीमपुर खीरी में देश के गृह राज्यमंत्री की जीप से रौंदकर मार डाला गया।

छपरौली से रालोद ने बदला प्रत्याशी

मुजफ्फरनगर से सौरभ स्वरूप होंगे उम्मीदवार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी-रालोद गठबंधन की तरफ से पूर्व में जारी प्रत्याशियों की सूची में छपरौली सीट से घोषित प्रत्याशी को विरोध के बाद बदल दिया गया है। अब वहां से रालोद के सिम्बल पर प्रो अजय कुमार पार्टी के प्रत्याशी होंगे। जबकि मुजफ्फरनगर से सौरभ स्वरूप को पार्टी का प्रत्याशी बनाया गया है।

पहले चरण में पश्चिमी यूपी की सीटों पर चुनाव होना है, ऐसे में आरएलडी के ज्यादा उम्मीदवार खड़े किए गए हैं। राष्ट्रीय लोकदल ने तीन दिन पूर्व छपरौली विस सीट पर पूर्व विधायक वीरपाल राठी को प्रत्याशी घोषित किया था। वीरपाल राठी का टिकट घोषित होते ही छपरौली से लेकर दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के आवास पर विरोध होना शुरू हो गया था। क्षेत्रीय लोगों ने जयंत चौधरी से टिकट बदलने की मांग की थी। बताया जा रहा है कि पहले तो जयंत चौधरी ने इससे मना कर दिया लेकिन विरोधी प्रत्याशी के खिलाफ पंचायत कर निर्दलीय प्रत्याशी उतारने की बात कहते हुए दिल्ली से बैरंग लौट आए थे। साथ ही निर्दलीय प्रत्याशी उतारने तक की धमकी दे दी थी। ऐसे में आज रालोद ने छपरौली के टिकट परिवर्तन की सूची जारी कर दी। जिसमें छपरौली सीट से वीरपाल राठी की जगह पूर्व विधायक डा. अजय कुमार को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया। वहीं मुजफ्फरनगर सदर सीट पर पूर्व मंत्री स्वर्गीय चित्तरंजन स्वरूप के बेटे सौरभ स्वरूप को गठबंधन का प्रत्याशी घोषित किया गया है। बताया जा रहा है कि इस सीट पर सगे भाई गौरव स्वरूप भी टिकट के दावेदार थे। लेकिन सदर सीट पर सौरभ स्वरूप को टिकट दिया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई—निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई—निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत हैं:—
1. ई निविदा संख्या:—NER-LJN-2022-06, कार्य का नाम:— गोण्डा—लखनऊ ज0 अनुभाग :— वरिष्ठ मण्डल इंजी0/तृतीय के अनुभाग में सी. एम.एस. क्रासिंग की Reconditioning का कार्य।, **अनुमानित लागत (₹):**— 48,37,800.00, **अग्रिम धन (₹):**—96,800.00, **समापन अवधि:**— 24 माह, **2. ई निविदा संख्या:— NER-LJN-2022-07, कार्य का नाम:**— इण्टरलाक्ड समपार सं0 284 (सरयु— करनैलगंज) पर सिग्नल एवं दूरसंचार सर्विस भवन का निर्माण कार्य।, **अनुमानित लागत (₹):**— 21,13,463.25, **अग्रिम धन(₹):**—42,300.00, **समापन अवधि:**—04 माह, 1. उपरोक्त ई—निविदा संख्या NER-LJN-2022-06-07 के लिये ई—निविदा दिनांक 11.02.2022 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई—निविदा की खोली जायेंगी।, 2. उपरोक्त ई—निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।
मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग, लखनऊ
मुजाधि/डबलू—352
यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.—09794845955 पर SMS करें
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

सर्दी का सितम

राजधानी में पिछले कई दिनों से कड़कड़ाती ठंड पड़ रही है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, ऐसे में ठंड से पार पाने के लिए अलाव व गरम कपड़े ही सहारा बने हुए हैं

सतर्कता, सावधानी व टीकाकरण कोविड नियंत्रण का आधार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सावधानी, सतर्कता तथा टीकाकरण कोविड नियंत्रण का आधार है। उन्होंने कोरोना संक्रमण से बचाव और उपचार की व्यवस्थाओं को निरंतर सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि कोविड प्रोटोकॉल का पूर्णतया पालन सुनिश्चित कराया जाए।

मुख्यमंत्री टीम-9 की वर्चुअल बैठक में प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने में ट्रेसिंग का महत्वपूर्ण योगदान है। निगरानी समितियों के माध्यम से संक्रमण की पिछली लहर में घर-घर स्क्रीनिंग का कार्य किया गया जिससे कोविड नियंत्रण में सहायता मिली। इस बार भी ऐसे ही प्रयास की जरूरत है। अत: प्रदेशव्यापी सर्विलांस कार्यक्रम चलाया जाए। इस कार्यक्रम में निगरानी समितियां, स्वास्थ्यकर्मी घर-घर पहुंचकर लक्षण युक्त लोगों की पहचान करें और जरूरत के अनुसार टेस्ट कराएं। हर संदिग्ध मरीज को मेडिसिन किट उपलब्ध कराएं। अपूर्ण टीकाकरण वाले लोगों की सूची तैयार की जाए। इस विशेष अभियान के लिए कर्मियों को प्रशिक्षण भी दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड के खिलाफ वैक्सीन एक सुरक्षा कवच है। वैक्सीनेशन की उपयोगिता को देखते हुए जल्द से जल्द सभी पात्र लोगों का टीकाकरण किया जाए। संभल, आगरा, रामपुर, जालौन जैसे टीकाकरण में धीमी गति वाले जनपदों से संवाद बनाकर टीकाकरण की गति बढ़ाई जाए। स्कूल, कॉलेजों में टीकाकरण के लिए विशेष कैम्प लगाये जाएं। उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण बच्चों का नियमित टीकाकरण प्रभावित हुआ है। ऐसे बच्चों को चिन्हित करते हुए आगामी फरवरी माह में विशेष अभियान चला कर टीकाकरण पूरा किया जाए। बचपन में लगने वाले यह टीके जीवन भर अनेक बीमारियों से सुरक्षित रखने में सहायक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में इण्टीग्रेटेड कोविड कमाण्ड सेण्टर्स को पूर्णत: सक्रिय रखा जाए। मुख्य सचिव स्तर से इनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा की जाए। होम आइसोलेशन, निगरानी समितियों से संवाद, एम्बुलेंस की आवश्यकता और टेलिकन्सल्टेशन के लिए पृथक-पृथक नम्बर जारी किए जाएं। जनपदीय आईसीसीसी में चिकित्सकों का पैनल तैनात करते हुए लोगों को टेलीकन्सल्टेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। कोविड के उपचार में उपयोगी जीवनरक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल में उपचाराधीन कोविड पॉजिटिव मरीजों के परिजनों से नियमित संवाद किया जाए। होम आइसोलेशन में स्वास्थ्य लाभ ले रहे संक्रमित लोगों से संवाद बनाकर उन्हें मेडिकल परामर्श, दवाएं आदि उपलब्ध कराई जाएं। संवाद का यह क्रम सीएम हेल्पलाइन के जरिए सतत जारी रखा जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण की थर्ड वेव में बहुत कम संख्या में लोगों को अस्पताल जाने की जरूरत पड़ रही है। अत: इससे डरने की आवश्यकता नहीं है लेकिन सभी जरूरी सावधानियां अवश्य बरती जाएं। राज्य में गत दिवस तक 23 करोड़ 71 लाख 96 हजार से अधिक कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी हैं। 9 करोड़ 45 हजार से अधिक लोगों को टीके की दोनों डोज देकर कोविड सुरक्षा कवच प्रदान किया जा चुका है। 61 प्रतिशत से अधिक लोग कोविड टीके की दोनों डोज ले चुके हैं। 14 करोड़ 03 लाख 39 हजार से अधिक लोगों ने कोविड वैक्सीन की पहली डोज प्राप्त कर ली है। यह संख्या टीकाकरण के लिए पात्र प्रदेश की कुल आबादी की 95.19 प्रतिशत है।

लखनऊ में मिले कोरोना के 3517 नए मामले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार में उतार.चढ़ाव जारी है। राहत की बात यह है कि नए केस मिलने की अपेक्षा डिस्चार्ज होने वालों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। बुधवार को लखनऊ में कोरोना के 3517 नए केस पाए गए हैं।

राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में पहली बार पॉजिटिव मरीजों का आंकड़ा 500 के पार पहुंच गया है। अलीगंज में 502 कोरोना के संक्रमित केस सामने आए हैं। अभी तक यह आंकड़ा 400 तक सीमित था। चिनहट में 423 लोग वायरस की गिरफ्त में आ गए हैं। आलमबाग में संक्रमितों का आंकड़ा 381 पहुंच गया है। जबकि इंदिरा नगर में 269 लोगों में वायरस की पुष्टि हुई है। सरोजनीनगर में 209 लोग वायरस की चपेट में आ गए हैं। सिल्वर जुबली हॉस्पिटल के तहत 241 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वायरस तेजी से फैल जरूर रहा है। पर इससे लोगों की सेहत को नुकसान नहीं हो रहा है। अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत भी कम लोगों को पड़ रही है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने आज बताया कि कोविड

वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। प्रदेश में कल 18 जनवरी 2022 को एक दिन में कुल 25,81,162 डोज दी गयी है। प्रदेश में कल 18 वर्ष से अधिक लोंगों को पहली डोज 14,03,39,175 दी गयी है। उत्तर प्रदेश देश मे पहला राज्य है जहाँ कोविड की दूसरी डोज 9 करोड़ से अधिक दी गई है। कल 18 वर्ष से अधिक लोंगों को दूसरी डोज 9,00,45,225 दी गयी है। उन्होने बताया कि 15 से 18 वर्ष के बच्चों को अब तक 62,83,447 वैक्सीन की प्रथम डोज दी गयी है। उन्होंने बताया कि अब तक 5,29,013 प्रीकॉशन डोज दी गयी है। कल तक कुल 23,71,96,860 डोज दी जा चुकी है। शीघ्र ही उत्तर प्रदेश में कोविड टीकाकरण का आंकड़ा 24 करोड़ तक पहुँच जाएगा। प्रसाद ने बताया कि कोविड संक्रमण 10 से कम आयुवर्ग में 2.89 प्रतिशत, 10 से 20 के आयुवर्ग में 8.52 प्रतिशत, 20 से 40 के आयुवर्ग में 46.54 प्रतिशत, 40 से 60 के आयुवर्ग में 30.34 प्रतिशत तथा 60 से अधिक आयुवर्ग में 11.70 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और 60 वर्ष से अधिक लोगो का ध्यान रखे। उन्होने कहा कि सभी लोग अपना कोविड टीकाकरण अवश्य करवाये। जिन लोगों ने अपनी पहली डोज ले ली है समय आने पर दूसरी डोज भी अवश्य ले।

आसानी से कोरोना के शिकार हो रहे हैं किडनी के गम्भीर मरीज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में कोरोना संक्रमण की रफ्तार किडनी के गम्भीर मरीजों के लिए खतरनाक साबित हो रही है। कोविड अस्पतालों में भर्ती 30 से 40 प्रतिशत कोरोना संक्रमित किडनी की गम्भीर बीमारी की चपेट में हैं। कोविड संक्रमित मरीजों में से केजीएमयू, पीजीआई, लोहिया संस्थान में 152 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं। इनमें 40 फीसदी किडनी की पुरानी बीमारी से पीड़ित शामिल हैं। अकेले लोहिया संस्थान में 20 से ज्यादा कोरोना संक्रमित किडनी रोगी हैं। इसी तरह केजीएमयू के कोविड हॉस्पिटल में 18 से ज्यादा किडनी मरीज भर्ती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि 20 फीसदी गर्भवती महिलाएं व प्रसूताएं कोरोना संक्रमण की चपेट में आने के बाद भर्ती कराई गई हैं। इसके अलावा पांच किडनी मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर भर्ती हैं। एक किडनी रोगी को संक्रमण की चपेट में आने के बाद वेंटिलेटर पर भर्ती किया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि मरीजों को हर हफ्ते डायलिसिस कराने की जरूरत पड़ती है। भर्ती से पहले मरीजों को कोरोना जांच कराना अनिवार्य है। इन मरीजों में रोगों से लड़ने की ताकत पहले से कम होती है। कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता होने की वजह से किडनी मरीज आसानी से वायरस के शिकार हो रहे हैं।

टेली कन्सल्टेशन से इलाज को लेकर लोहिया संस्थान ने जारी किए नम्बर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या से स्वास्थ्य कर्मियों के संक्रमित होने को देखते हुए भीड़ नियंत्रित करने के लिए डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा ओपीडी सेवाओं के साथ-साथ टेली कन्सल्टेशन के माध्यम से भी चिकित्सीय परामर्श की सुविधा शुरू कर दी गई है।

इस बाबत बुधवार को संस्थान की तरफ से 30 विभागों के नम्बर जारी कर दिए गए हैं। संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो राजन भटनागर ने बताया कि प्रत्येक विभाग के लिए एक दूरभाष नम्बर चिन्हित कर दिया गया है। मरीज इन नम्बरों पर सोमवार से शुक्रवार प्रात: 9 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक तथा शनिवार प्रात: 9 बजे से अपरान्ह 12 बजे तक अपनी बीमारी-तकलीफ के अनुसार सम्बन्धित चिकित्सक से परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन नम्बरों के अतिरिक्त कोई और जानकारी के लिए संस्थान की हेल्पलाइन संख्या 0522-6692000, 6692001 और 6692002 पर भी फोन किया जा सकता है।

कोरोना संक्रमित महिला के नवजात की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

झलकारीबाई महिला अस्पताल में भर्ती कोरोना संक्रमित महिला के नवजात की मौत हो गई है। महिला का अस्पताल में ही नार्मल डिलीवरी कराया गया था। नवजात की तबियत गड़बड़ होने पर डॉक्टरों ने उसे केजीएमयू रेफर किया था, जहां नवजात की सांसें थम गई।

हैवतमऊ मवैया निवासी सूरज रावत की पत्नी मोहनी गर्भवती थी। प्रसव पीड़ा होने पर परिवारीजन गर्भवती को लेकर हजरतगंज के झलकारीबाई महिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने तुरंत ही गर्भवती को भर्ती किया। जांच में गर्भवती को कोरोना की पुष्टि हुई। कोरोना संक्रमित गर्भवती का अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने मंगलवार देर शाम को सफलतापूर्वक सामान्य प्रसव कराया। प्रसव के बाद बाल रोग विशेषज्ञ ने देखा कि नवजात की तबियत ठीक नहीं है। इस पर डॉक्टरों ने तुरंत ही नवजात को केजीएमयू रेफर कर दिया। परिवारीजन नवजात को लेकर केजीएमयू पहुंचे। जहां नवजात की मौत हो गई। झलकारीबाई महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ रंजना खरे ने बताया कि कोरोना संक्रमित गर्भवती का मंगलवार शाम को सामान्य प्रसव कराया गया। नवजात की हालत नाजुक होने पर उसे उच्च संस्थान के लिए रेफर किया गया था। अस्पताल में नवजात की मौत नहीं हुई है।

लविवि में 25 तक भर सकते हैं फर्स्ट सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने यूजी स्तर पर फर्स्ट सेमेस्टर के परीक्षा फार्म 25 जनवरी तक भरने की तिथि बढा दी है। जबकि 28 जनवरी तक फार्म जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा के लिए केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। माना जा रहा है कि कोविड की स्थिति सामान्य होने पर मार्च-अप्रैल में फर्स्ट सेमेस्टर की परिक्षस हो सकती हैं। एलयू से पहली बार रायबरेली, लखीमपुर खीरी, हरदोई व सीतापुर के 300 से ज्यादा डिग्री कालेज जुड़े हैं। इनमें सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले यूजी-पीजी प्रथम सेमेस्टर के स्टूडेंट्स के एग्जाम एलयू कराएगा। एग्जाम कंट्रोलर विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि इन एग्जाम के लिए 21 नोडल केंद्र बनाए गए हैं। इन नोडल केंद्रों के माध्यम से ही परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सामग्री भेजी जाएगी।

एकेटीयू में संबद्धता और नामांकन के लिए अब अलग से होगा डीन

● फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग को मिलेगा ऑटोनॉमस का दर्जा

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग को जल्द ऑटोनॉमस का दर्जा प्रदान कर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग कर दिया जाएगा। बुधवार को यह जानकारी डीन के साथ बैठक में विवि के कुलपति प्रो पीके मिश्रा ने दी। बैठक के दौरान कुलपति प्रो पीके मिश्रा ने बताया कि उच्चीकरण के बाद अलग से एक स्वायत्तशासी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग की स्थापना के प्रयास शुरू किए जाएंगे। यूनिवर्सिटी द्वारा इंटरनेशनल स्कूल ऑफ फार्मेसी की स्थापना जल्द होगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि यूनिवर्सिटी में एक डीन संबद्धता एवं नामांकन की तैनाती की जाएगी। जिससे संबद्धता के मामलों को पारदर्शिता के साथ तय समय में पूरा किया जा सके। बैठक के दौरान कुलपति ने कहा कि करियर एडवांसमेंट स्कीम कैस के अंतर्गत शिक्षकों के लंबित पदोन्नति के मामलों को जल्द निपटाए जाने को संस्तुति दे दी गई है। स्वयंप्रभा चैनल पर प्रसारित हो रहे लेक्चर्स की संख्या बढ़ाई जाएगी। यूनिवर्सिटी शिक्षण, शोध, नवाचार आदि पर विशिष्ट रूप से कार्य करने को प्रतिबद्ध है। कुलपति ने यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध संस्थानों के निदेशकों से अपील की है कि यूनिवर्सिटी को और बेहतर ढंग से कार्य करने हेतु अपने विचारों एवं सुझावों से अवगत कराएं।

31 जनवरी तक सम्बद्धता को लेकर जिलाधिकारियों को उपलब्ध करानी होगी जमीन की वेरिफिकेशन रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सम्बद्धता और नए कोर्स के संचालन को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के पास आये आवेदन पत्रों के आधार पर संबंधित जिलाधिकारियों को 31 जनवरी तक भूमि की वेरीफिकेशन रिपोर्ट आनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध करानी होगी। इस बाबत बुधवार को शासन स्तर पर सम्पन्न हुई। बैठक के बाद विवि के कुलसचिव डा विनोद कुमार सिंह ने पत्र जारी कर दिया है। वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय से 500 से अधिक कालेज संबद्ध हैं। आगामी सत्र में 20 नए कालेज खोलने के लिए यूनिवर्सिटी में आनलाइन आवेदन आए हैं। इनमें लखनऊ से नौ, हरदोई से तीन, लखीमपुर खीरी से एक, सीतापुर से चार और रायबरेली से तीन प्रस्ताव आए हैं। रजिस्ट्रार डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि इन प्रस्तावों को संबंधित जिले के डीएम को भूमि वेरीफिकेशन के लिए भेज दिया गया है। ऑनलाइन बैठक के बाद इसकी हार्ड कापी उच्च शिक्षा अधिकारी और संबंधित महाविद्यालय के प्रबंधक को भी भेज दी गई है। शासन ने भूमि वेरीफिकेशन की आख्या 31 जनवरी तक मांगी है, इसलिए जिलाधिकारियों से निर्धारित तिथि तक आख्या आनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

सीएमएस शिक्षिका वंदना ओझा को मिला भारतीय शिक्षा रतन अवार्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ग्लोबल टॉक एजूकेशन फाउण्डेशन ट्रस्ट द्वारा सिटी मोन्टेसरी स्कूल, महानगर कैम्पस की शिक्षिका वंदना ओझा को शिक्षण पद्धति में उल्लेखनीय योगदान हेतु 'भारतीय शिक्षा रतन अवार्ड' से नवाजा गया है। इस अवार्ड के माध्यम से वंदना को देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया है, जिन्होंने अपनी शिक्षणेतर प्रतिभा व प्रोफेशनल कौशल का परचम लहराकर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। उक्त जानकारी सीएमएस के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि सुश्री वंदना ने वर्तमान दौर में छात्रों की क्षमताओं को समझते हुए अपनी शिक्षण पद्धति में सृजनात्मकता व नवीनता को प्रमुखता से अपनाया है और नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर 'टीचिंग-लर्निंग' के उच्चस्तरीय मानक स्थापित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। श्रीमती ओझा ने अमेरिका एवं मलेशिया के अनेकों स्कूलों की शैक्षिक यात्रायें भी की हैं। उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में प्रशंसनीय योगदान हेतु अमेरिका के प्रिंसटन शहर के मेयर द्वारा प्रिंसटन शहर की चाबी भेंटकर सम्मानित किया जा चुका है। सीएमएस संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने सीएमएस शिक्षिका को उनकी सफलता हेतु हार्दिक बधाई दी है। श्री शर्मा ने बताया कि सीएमएस शिक्षकों की लगन व कर्तव्यनिष्ठा के बलबूते ही विद्यालय दिन प्रतिदिन नये कीर्तिमान गढ़ रहा है तथापि सीएमएस शिक्षकों ने विद्यालय के 63 वर्षीय शैक्षिक सफर में कई आयाम स्थापित किए हैं जिस पर सिर्फ लखनऊ वासियों को ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश व देश को गर्व है। इन्हीं विद्वान शिक्षकों की बदौलत सीएमएस अपने छात्रों को भौतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक तीनों प्रकार की शिक्षा दे रहा है।

पांच जुआरी गिरफ्तार, एक लाख से अधिक की नकदी बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंदिरा नगर पुलिस ने पानी गांव के पास एक मकान की आड़ में जमीन पर चटाई बिछाकर जुआ खेल रहे पांच बड़े जुआरियों को घेर कर गिरफ्तार कर लिया है। मकान की आड़ में सार्वजनिक स्थान पर चटाई बिछाकर जुआ खेल रहे जुआरियों के पास से पुलिस ने 1 लाख 30 हज़ार 5 सौ रुपए की नकदी बरामद की मुखबिर की है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर इंदिरानगर रामफल प्रजापति की टीम ने पानी गांव पैलेस के पास मकान की आड़ में जमीन पर चटाई बिछा के खेल रहे जुआरियों को तब घेरा जब दीवार की आड़ से छुप कर पुलिस कर्मियों ने जुआरियों को यह कहते हुए सुना कि हमारे पास हुक्म का इक्का आ गया है यह बाजी हमारी। इस्पेक्टर इंदिरानगर रामफल प्रजापति की टीम ने मौके से ग्राम रसूलपुर इंदिरा नगर के रहने वाले हंसराज, मुलायम नगर गाजीपुर के रहने वाले मो चांद, अमराई गांव इंदिरा नगर के रहने वाले विपिन पालए सेक्टर 8 इंदिरा नगर के रहने वाले वासीम और ज्ञान विहार कॉलोनी इंदिरा नगर के रहने वाले अभिषेक मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया।

लालच ने बेटे को बना दिया अपनों का ही कातिल

कलयुगी बेटे ने मां-बाप व भाई तीनों को उतारा मौत के घाट

● विकासनगर क्षेत्र से हुए थे लापता, तीन थाना क्षेत्रों में मिले थे तीनों के शव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

छह जनवरी 2022 इटौंजा रोड पर युवक का खून से लथपथ शव मिला था। इसके बाद मलिहाबाद में बुजुर्ग का खून से लथपथ शव मिला था, जबकि माल क्षेत्र में बुजुर्ग महिला की हत्या कर फेंकी गई लाश मिली थी। ये तीनों की जान किसी और ने नहीं बल्कि कलयुगी बेटे ने ही मौत के घाट उतारा था।

समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने बुजुर्ग मृतक के बेटे सरफराज को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो पता चला कि दो गज जमीन की लालच में आकर अपने माता-पिता और भाई को पहले किसी चीज में नशीला पदार्थ दिया फिर उनकी गला रेत कर निर्मम हत्या कर शवों को तीन थाना क्षेत्रों में फेंक दिया था। पुलिस ने इस घटना का राजफाश कर कातिल बेटे को गिरफ्तार कर लिया। विकासनगर क्षेत्र के सेक्टर दो में रहने वाले इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से रिटायर्ड महमूद अली खान अपने परिवार के साथ रहते थे। बताया जा रहा है कि परिवार में महमूद के अलावा उनकी पत्नी दरख्शॉ दो बेटे शावेज़ वह सरफराज हैं। बताते चलें कि छह जनवरी से लेकर तीन दिनों के भीतर तीन थाना क्षेत्रों में सिलसिलेवार तीन लोगों की लाशे मिलने से हड़कंप मच गया था। पुलिस शवों की शिनाख्त न होने पोस्टमार्टम के लिए भेज कर कातिलों की तलाश शुरू की तो पता चला कि जिन तीन लोगों की खून से लथपथ शव मिले थे वे पिता-पुत्र और मां के थे। पुलिस सक्रिय हुई और संदेह के आधार पर मृतक महमूद अली खान के बेटे सरफराज को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो हत्यारोपी ने बताया कि उसने ही अपने पिता महमूद अली, मां दरख्शॉ व अपने भाई शावेज़ को मौत की नींद सुलाने के बाद शवों को अलग-अलग थानों में फेंक दिया था। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में बताया कि जमीन के लालच में आकर इस घटना को अंजाम दिया। विकासनगर क्षेत्र के सेक्टर दो निवासी सरफराज के कृत्य से सेक्टर दो में हर कोई हैरान था।

इससे पहले भी कइयों ने बहाया अपनों का खून

सरफराज की तरह अपनों का खून बहाने वाले कम नहीं हैं। 14 अप्रैल वर्ष 2008 की रात अमरोहा के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित बावन खेड़ी निवासी शौकत अली की बेटी शबनम ने अपने प्रेमी सलीम के साथ मिलकर अपने पिता, मां, दो भाइयों व भाभी के अलावा दस महीने के मासूम भतीजे तथा फुफेरी बहन को चाय में नशीली गोलियां खिलाकर कुल्हाड़ी से काट डाला था। 14 मई वर्ष 2010 को पुलिस लाइन में रहने वाले दरोगा रमाशंकर साहू के 17 वर्षीय बेटे उत्कर्ष ने अपनी बूढ़ी दादी और पिता के सीने में गोलियों की बौछार कर मार डाला था। इसके अलावा वर्ष 2020 में गुडंबा के शिवानी विहार में चालक पिंटू गुप्ता ने अपने दो मासूम बच्चों की जान लेने के बाद पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी और खुद भी फांसी पर लटक गया था।

अब तक कुल 44 लाख से अधिक प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी

आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में सार्वजनिक व निजी स्थानों पर की गयी कार्रवाई

● सीआरपीसी के तहत 20,42,995 लोग पाबन्द, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर अब तक 167 लोगों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

● 7.20 करोड़ रुपए से अधिक का कैश बरामद, 6,16,330 लाइसेन्सी शस्त्र जमा कराये गये, 250 लाइसेन्स जब्त एवं 690 लाइसेन्स निरस्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश भर में लागू आदर्श आचार संहिता को सुनिश्चित कराने के लिये सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से अब तक कुल 44,80,204 प्रचार प्रसार सामग्री हटायी गयी है, जिसमें से सार्वजनिक स्थानों से 33,19,558 एवं निजी स्थानों से 11,60,646 प्रचार प्रसार सामग्री हटायी गयी हैं। उन्होंने बताया कि विगत 24 घंटों में सार्वजनिक स्थानों से कुल 1,71,380 तथा निजी स्थानों से 56, 251 प्रचार सामग्री हटाई गयी है। विगत 24 घंटों में सार्वजनिक स्थानों से वाल राइटिंग के 11,732 पोस्टर के 71,619 बैनर के 61,498 तथा 26, 531 अन्य मामलों में कार्रवाई की गयी है। इसी प्रकार निजी स्थलों से वाल राइटिंग के 5,334 पोस्टर के 25,011 बैनर के 17,209 तथा 8,697 अन्य मामलों में कार्रवाई की गयी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, समावेशी एवं कोविड सुरक्षित मतदान कराने के लिए प्रदेश में आदर्श आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। इस परिप्रेक्ष्य में पुलिस, आयकर, आबकारी, नारकोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा अब तक 6,16,330 लाइसेन्सी शस्त्र जमा कराये गये। अब तक 250 लाइसेन्स जब्त किये गये तथा 690 लाइसेन्स को निरस्त किया गया है। इसी प्रकार सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करते हुये 20,42,995 लोगों को पाबन्द किया गया हैं। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में अब तक 167 लोगों के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करायी गयी है, जिसमें से आज 24 लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की गयी। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा अब तक 4164 शस्त्र, 4357 कारतूस, 214 विस्फोटक एवं 92 बम बरामद किये गये। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा रेड डालकर अवैध शस्त्र बनाने वाले 84 केन्द्रों को अब तक सीज किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आबकारी एवं पुलिस विभाग द्वारा अब तक 9.19 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की 4,62,651 लीटर मदिरा जब्त की गयी हैं। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग की कार्रवाई में अब तक लगभग 7.20 करोड़ रूपये से अधिक का कैश भी बरामद किया गया है, जिसमें से 2.31 करोड़ रुपये का कैश आज बरामद किया गया है। इसी प्रकार नारकोटिक्स एवं पुलिस विभाग द्वारा अब तक 14.31 करोड़ रूपये मूल्य का 5001 किग्रा गांजा भी जब्त किया गया है। साथ ही पुलिस विभाग द्वारा अब तक 33.62 लाख रुपये से अधिक मूल्य की 37.207 किग्रा की बहुमूल्य धातुएं बरामद की गयी, जिसमें से 23 लाख रुपये मूल्य की 36 किग्रा की बहुमूल्य धातुएं आज बरामद की गयी है।

आखिर रंग लाया अपर्णा का भगवा से अपनत्व

● उत्तराखंड से नाता और गोसेवा की लगन से जुड़ी हैं डोर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में विधान सभा चुनाव में सभी दल एक दूसरे को शहमात देने में लगे हुए हैं। सपा ने बीजेपी के तीन मंत्रियों को अपने दल में शामिल कराया है तो वहीं बीजेपी ने मुलायम सिंह यादव की बहू को भगवा झंडा पकड़वा दिया। बीजेपी के प्रति अपर्णा का लगाव पिछले पांच साल पहले ही दिख गया था जब 2017 में भाजपा की सरकार बनने पर अपर्णा अपने पति प्रतीक के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देने के लिए वीवीआईपी गेस्ट हाउस पहुंच गई थी। उस समय भी यह बात काफी चर्चा में आई थी कि अपर्णा भाजपा ज्वाइन कर सकती हैं।

योगी आदित्यनाथ और बीजेपी की तरफअपर्णा यादव का झुकाव नया नहीं है। योगी आदित्यनाथ और अपर्णा यादव दोनों ही गोसेवक हैं। अपर्णा यादव और योगी आदित्यनाथ उत्तराखंड से भी जुड़े हुए हैं। वहीं कान्हा उपवन में सीएम योगी आदित्यनाथ की अपर्णा यादव और प्रतीक यादव के साथ करीब 30 मिनट तक बात हुई थी। उसी समय कयास लगाया जा रहा था कि अब अपर्णा यादव बीजेपी में जल्द शामिल हो जाएंगी। इतना ही नहीं समय-समय पर अपर्णा यादव पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की खुल कर तारीफ करती रहीं। इसका अपर्णा को सपा में विरोध भी कई बार झेलना पड़ा। बीजेपी ने जब राम मंदिर निर्माण के लिए धन एकत्रित करने के लिए अभियान चलाया था तो ट्रस्ट को राम मंदिर निर्माण के लिए अपर्णा यादव ने 11 लाख रुपये का दान भी दिया था।

अब उनके भाजपा में आने से लखनऊ कैंट विधान सभा सीट का हाल एक आनार और सौ बीमार हो गया है। मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव के बीजेपी में शामिल होने के बाद इस वीआईपी सीट पर मारामारी वाले हालात पैदा हो गए हैं। कैंट सीट से लगातार दो बार विधायक रहीं और अब सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी अपने बेटे मयंक जोशी के लिए टिकट की पैरवी कर रही हैं। वह इसके लिए अपनी सांसदी की कुर्सी छोड़ने के लिए भी तैयार हैं। लखनऊ की मेयर संयुक्ता भाटिया ने अपनी बहू रेशू भाटिया के लिए खेमेबंदी शुरू कर दी है। डिप्टी सीएम डॉ दिनेश शर्मा के भी चुनाव लड़ने की चर्चा तेज हो गई है। डा शर्मा की कैंट सीट उनकी पसंदीदा सीटों में एक मानी जा रही है। कैंट से निवर्तमान विधायक सुरेश तिवारी ने भी टिकट की दावेदारी करते हुए जनसंपर्क शुरू कर दिया है। योगी सरकार में मंत्री रहे महेंद्र सिंह भी कैंट सीट के दावेदार माने जा रहे हैं। अपर्णा यादव ने सपा के टिकट पर लखनऊ कैंट से 2017 में विधानसभा चुनाव लड़ा था हालांकि वह चुनाव हार गईं थीं। इस सीट से रीता बहुगुणा जोशी ने चुनाव जीता था और 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने डा. जोशी को सांसदी का चुनाव लड़ाया तो इस रिक्त पर हुए विधान सभा के उप चुनाव में सुरेश तिवारी ने बाजी मार ली थी। विधान सभा में भले ही अपर्णा और बीजेपी के बीच चुनाव को लेकर तल्खी हुई हो लेकिन वह काभी गहरी नहीं हुई। यही कारण रहा कि सीएम योगी जब कान्हा उपवन गए तो उन्होंने अपर्णा के साथ गौवंशों को गुड़ और हरा चारा खिलाया था। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों के बीच राजनीतिक दुश्मनी कभी नहीं थी। योगी आदित्यनाथ और अपर्णा यादव दोनों ही गोसेवक हैं। यह बात शुरू से ही योगी आदित्यनाथ को पसंद थी। इसलिए जब अपर्णा यादव ने सीएम योगी को सरोजनी नगर में गोसेवा के लिए उनकी संस्था की तरफ से संचालित कान्हा उपवन में आने का निमंत्रण भेजा तो वह पहुंच गए। यहां पर सिर्फ सीएम योगी ही नहीं मंत्री स्वाति सिंह, डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं भी पहुंचे थे।

केन्द्रीय राज्यमंत्री के करीबी रहे मनोज पासवान समेत अन्य नेता सपा में शामिल

संवाददाता। मोहनलालगंज

वीरांगना उदादेवी पासी गौरव मंच के संयोजक मनोज पासवान बुधवार को समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी में उनका स्वागत कर बधाई दी। इसके अतिरिक्त रविदत्त रावत, धर्मवीर पासवान, राजकुमार रावत और पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामसुमिरन भी सपा में शामिल हो गए। जबकि राष्ट्रीय जनहित संघर्ष पार्टी से भानुप्रताप सिंह एडवोकेट भी सपा गठबन्धन में शामिल हुए। मनोज पासवान भाजपा सांसद और केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के प्रतिनिधि भी रह चुके हैं। उन्हें सांसद का करीबी भी माना जाता था। सपा की सदस्यता लेने के बाद इन सभी नेताओं ने पार्टी को मजबूत करने और भाजपा को उखाड़ फेंकने का संकल्प दोहराया। मनोज पासवान ने बताया भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए उनकी टीम गांव-गांव अभियान चलाकर लोगों को समाजवादी पार्टी से जोड़ने की मुहिम चलाएगी।

प्रदेश में कांग्रेस को लेकर जनता में जोश का माहौल है: भूपेश

● कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक ने यूपी कांग्रेस नेताओं के साथ की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पर्यवेक्षक भूपेश बघेल ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय पर पार्टी नेताओं व पदाधिकारियों के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर बैठक की।

बैठक में भूपेश बघेल ने आगामी डोर टू डोर चुनाव प्रचार, जनसंपर्क अभियान व प्रतिज्ञा चौपालों के आयोजन के बारे में पूरी जानकारी ली। साथ ही कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए विचारए विमर्श किया। चार विधानसभा क्षेत्र में अपने डोर टू डोर चुनाव प्रचार व जनसंपर्क अभियान के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को लेकर जनता में जोश है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का युवाए बेटियां व महिलाएं और किसान बदलाव के लिए तैयार है। कांग्रेस ने अपनी प्रतिज्ञाओं के माध्यम से इस बदलाव को मूर्त रूप दिया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के परिणाम में इसका प्रभाव दिखेगा। यही वक्त है कि कांग्रेस पार्टी के सभी पदाधिकारीए कार्यकर्ता जुट जाएं और क्षेत्रों में जाकर लोगों से कांग्रेस के लिए मतदान करने की अपील करें। इस बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कई वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

लाइलाज बन गया है क्रासिंग पर लगने वाला जाम

संवाददाता। मोहनलालगंज

रेलवे क्रासिंग पर दिनभर लगने वाले जाम की समस्या ने मोहनलालगंज में छह लाख की आबादी को बेहाल कर रखा है। रेल आवागमन के लिए हर आधे घण्टे में क्रासिंग बन्दी सालों से समूचे कस्बे के लिए परेशानी का सबब है। फिर भी क्षेत्रीय लोगों को लाइलाज हो चुकी इस समस्या के दर्द से अब तक छुटकारा नहीं मिल सका है। लिहाजा मोहनलालगंज रेलवे क्रासिंग पर ओवर ब्रिज निर्माण की मांग मौजूदा विधानसभा चुनाव में स्थानीय मुद्दा बन सकता है।

राजधानी की चौखट पर मौजूद मोहनलालगंज कस्बे को विधानसभा और संसदीय क्षेत्र का गौरव प्राप्त है। तहसील से लेकर ब्लाक मुख्यालय के अफसरों का कार्यालय भी यहीं हैं। कोतवाल और सहायक पुलिस आयुक्त भी यहीं बैठकर पूरी सर्किल में कानून-व्यवस्था की निगरानी करते हैं। इसके अतिरिक्त तहसील स्तरीय विभिन्न विभागों के अधिकारी कस्बे में बने अपने कार्यालयों में आमजन की सुनवाई के लिए सुलभ रहते हैं। बावजूद इसके विडम्बना है कि तमाम जिम्मेदार अफसरों की चौखट पर ही तहसील मुख्यालय आने वाले क्षेत्रीय लोग दिन भर जाम की भीषण समस्या से जूझने को मजबूर रहते हैं। यहां तक कि अक्सर पुलिस और प्रशासन के अफसर भी आम लोगों के साथ

● क्षेत्र की छह लाख की आबादी के लिए बना है परेशानी का सबब

जाम में फंसते रहते हैं। फिर भी मोहनलालगंज कस्बे से लेकर नई जेल रोड पर दिनभर लगने वाले जाम की भीषण समस्या के निराकरण की उम्मीद तक नजर नही आ रही है। दरअसल मोहनलालगंज से नई जेल रोड पर कस्बे में मौजूद रेलवे क्रासिंग दिनभर में तकरीबन 50-60 बार बन्द होती रहती है। इस रोड पर तहसील मुख्यालय आवागमन के लिए सर्वाधिक ट्रैफिक लोड रहता है। ऐसे में रेल आवागमन के लिए क्रासिंग बन्द होते ही रोड पर दोनों ओर वाहनों की काफी लम्बी कतारें लग जाती है। चंद मिनटों में देखते ही देखते रेलवे क्रासिंग के दोनों ओर करीब एक किलोमीटर तक भीषण जाम से पैदल निकल पाना भी मुश्किल नजर आने लगता है। इस दरम्यान रोड के दोनों ओर खचाखच भरे वाहनों की कतारों की वजह से ट्रेन गुजरने के आधे घण्टे बाद तक आम लोगों को आवागमन के लिए यातायात सामान्य होने का इंतजार करना पड़ता है। इस बीच कुछ देर बाद ही फिर से क्रासिंग बन्द हो जाने से हालात सामान्य होने से पूर्व ही दोबारा भीषण जाम की नौबत आ जाती है। लिहाला दिन भर क्षेत्रीय लोग जाम के झाम से जूझते रहते हैं।

वर्षो पुरानी है ओवर ब्रिज निर्माण की मांग

मोहनलालगंज से नई जेल रोड पर दिनभर लगने वाले भीषण जाम की समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए क्षेत्रीय लोग पिछले एक दशक से जनप्रतिनिधियों और सरकार से रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज निर्माण की मांग करते रहे हैं। आश्वासन की घुट्टी पीते आ रहे क्षेत्रीय लोगों के देखते ही देखते रायबरेली रेलखण्ड के दोहरीकरण का कार्य भी पूरा हो चुका है। लेकिन जाम की समस्या का समाधान अभी भी कोसों दूर है।

बाईपास रोड का भी नही मिल रहा फायदा

मोहनलालगंज से नई जेल रोड पर रेलवे क्रासिंग पर दिनभर लगने वाने जाम से राहत दिलाने के लिए प्रशासन ने कस्बे में मौरावां रोड तिराहे से अतरौली होकर बाईपास रोड का निर्माण कराया। इसके अतिरिक्त तहसील के पिछले हिस्से से भी रोड का निर्माण कराया गया । लेकिन अतरौली रोड पर ब्लाक के सामने रेलवे क्रासिंग और नई जेल रोड रेलवे क्रासिंग पर लगने वाले काफी लम्बे जाम से बाईपास रोड तक वाहनों की कतारें लग जाती हैं। जिससे बाईपास रोड भी आमलोगों को राहत नही दिला पाई है।

क्या कहते हैं सपा विधायक

मोहनलालगंज से सपा विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने बताया मोहनलालगंज और गोशाईगंज रेलवे क्रासिंग पर जाम की समस्या दूर कराने के लिए ओवरब्रिज का निर्माण बेहद आवश्यक है। जिसके लिए वह विधानसभा सदन में कई बार प्रमुखता से सवाल उठा चुके हैं। लेकिन सरकार ने ओवरब्रिज निर्माण के लिए क्षेत्र की उपेक्षा कर अब तक बजट नहीं दिया है। चुनाव बाद समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही प्राथमिकता पर जनहित के इस कार्य को मंजूरी दिलाकर ओवरब्रिज निर्माण कराया जाएगा।

क्या कहते हैं ब्लाक प्रमुख

मोहनलालगंज से भारतीय जनता पार्टी के ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ल ने बताया भाजपा सरकार जनहित की तमाम योजनाएं चला रही है। भाजपा सांसद कौशल किशोर के प्रयासों से सरकार ने मोहनलालगंज को नगर पंचायत का दर्जा भी दे दिया है। छह माह के अन्दर ही क्षेत्र पंचायत निधि से 37 सड़कें बनवाई मंजूर कर निर्माण कराया जा रहा है। रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज निर्माण के लिए भी प्रस्ताव स्वीकृति के लिए भेजा गया है। चुनाव बाद शासन स्तर पर पैरवी कर प्राथमिकता पर जाम की समस्या दूर कराई जाएगी। मोहनलालगंज क्षेत्र से भाजपा का विधायक बनने के बाद चौतरफा विकास कराया जाएगा।

बसपा ने पहले चरण की 12 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में विधान सभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। सभी दल अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर रहे हैं। इसी क्रम में बहुजन समाज पार्टी ने प्रदेश विधानसभा चुनाव में पहले चरण के तहत बची हुई सीटों के लिए बुधवार देर शाम प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। पार्टी द्वारा जारी सूची में थानाभवन से जहीर मलिक, खतौली से करतार सिंह भड़ाना, मेरठ शहर से मोहम्मद दिलशाद, बागपत से अरुण कसाना, साहिबाबाद से अजित कुमार पाल, गाजियाबाद से कृष्ण कुमार शुक्ला उर्फ केके शुक्ला, गढ़मुक्तेश्वर से मदन चौहान, बुलन्दशहर से मोबिन कल्लू कुरैशी, खैर से चारूकेन केन, मथुरा से सतीश कुमार शर्मा, एत्मादपुर से प्रबल प्रताप सिंह उर्फ राकेश बघेल, आगरा उत्तरी से शब्बीर अब्बास को टिकट दिया गया है।

सदर फ्लाइओवर के नीचे लगी अवैध दुकानें प्रशासन के अतिक्रमण विरोधी अभियान को आइना दिखा रही हैं

पूर्वांचल का कुख्यात इनामी अपराधी रमेश सिंह मऊ से गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने पूर्वांचल के कुख्यात रमेश सिंह उर्फ काका गैंग के सक्रिय सदस्य एवं 25 हजार रुपए के पुरस्कार घोषित अपराधी अरविन्द सिंह को मऊ जिले से गिरफ्तार किया है। एसटीएफ को सूचना मिली कि पुरस्कार घोषित अपराधी अरविन्द सिंह जो कि कुख्यात रमेश सिंह उर्फ काका गैंग का सक्रिय सदस्य भी है , बढुआगोदाम थाना क्षेत्र सरायलखंसी के पास मौजूद है। इस सूचना पर एसटीएफ टीम द्वारा विश्वस्त सूत्र से ज्ञात स्थान पर पहुंचकर अरविन्द सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त अरविन्द सिंह ने पूछताछ में बताया कि उसके गांव के बगल का ही रमेश सिंह उर्फ काका रहने वाला है, जिससे उसकी घनिष्ठता हो गयी थी । वर्ष 2007 में हम लोगों ने आपसी रंजिश के कारण एडवोकेट आलोक श्रीवास्तव निवासी जसड़ा थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर का अपहरण कर हत्या कर दी थी। जिसमें थाना रानीपुर जनपद मऊ पर मुकदमा पंजीकृत हुआ था। इस मुकदमें में पहली बार मैं अपने साथियों के साथ जेल गया था। जेल से छूटकर आने के बाद जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र कुमार से विवाद हो गया था, जिसमें थाना कोतवाली मऊ में एससीएसटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत हुआ था । वर्ष 2009 में जनपद मऊ के कृषि अनुसंधान केन्द्र कुसमौर के निदेशक से रमेश सिंह उर्फ काका और हम लोगों का विवाद हो गया था। इसमें रमेश सिंह उर्फ काका पर रासुका लगा और इसमें हम लोग फिर से जेल चले गये। इसके बाद जमानत पर छूटकर आने के बाद रमेश सिंह उर्फ काका के कहने पर जनपद जौनपुर का अपराधी राहुल राजपूत हम लोगों के साथ रहने लगा। राहुल राजपूत और हम लोगों द्वारा कई व्यापारियों को धमका कर रंगदारी वसूलने का काम किया जा रहा था कि इसी दौरान मुझे और राहुल राजपूत को जौनपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । जमानत से छूट कर आने के बाद विगत ब्लाक प्रमुख चुनाव में रमेश सिंह उर्फ काका द्वारा समर्थित जनपद मऊ के परदहा ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी को जिताने को लेकर दूसरे प्रत्याशी से विवाद हो गया था। जिसमें हम लोगों के खिलाफ थाना सरायलखन्सी में मुकदमा दर्ज हो गया और इसी में मेरे खिलाफ थाना सरायखन्सी से गैंगेस्टर एक्ट की कार्यवाही की गयी है। जिसमें मैं फरार चल रहा था और लुक छिप कर रहा था।

डीसीएम चालक से लूट करने वाले दो गिरफ्तार

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत टिकैतगंज में कल डीसीएम चालक को बंधक बनाकर मोबाइल और नगदी लूटने वाले दो शातिर लुटेरों धुमानी पुरवा हरदोई के रहने वाले रामनिवास और नानकगंज जिला हरदोई के रहने वाले दिलशेर को आज काकोरी पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर दुबग्गा मछली मंडी के पीछे से घेरकर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय लुटेरों का एक साथी मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। काकोरी की दुबग्गा चौकी के इंचार्ज फिरोज आलम ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लुटेरों के पास में दो तमंचे, दो कारतूस और 8 हज़ार रुपए के अलावा घटना में इस्तेमाल की गई कार भी बरामद कर ली गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए रामनिवास ने 15 से ज्यादा लूट की घटनाओं को विभिन्न जिलों में अंजाम देने की बात कुबूल की है उन्होंने बताया कि दिलशेर भी अपराधिक प्रवृत्ति का बदमाश है उसने भी चार से पांच घटनाएं अंजाम देने की बात कुबूल की है।

साधु-संतों, संस्थाओं को मूलभूत सुविधाएं भी नहीं

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

- हाल माघ मेला काः कार्यालय में अराजकता का माहौल, आये दिन हो रहा है धरना-प्रदर्शन
- कोविड के कारण नहीं आईं तमाम संस्थाएं, करोड़ों रुपए के बजट का भी अता-पता नहीं

माघमेला में साधु संतों और तमाम संस्थाओं को इस बार मूलभूत सुविधाएं तक मुहैया नहीं कराई जा रही हैं। मेला में पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिलने के कारण आए दिन साधु संत मेला कार्यालय का घेराव भी कर रहे हैं। लेकिन उनकी एक नही सुनी जा रही है। आवश्यक और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर हर रोज और दिनभर मेला कार्यालय में साधु संतों का जमावड़ा लगा रहता है। बावजूद इसके उनकी कोई खबर लेने वाला नही है। कहने को तो मेले के लिए करोड़ों रुपये का बजट प्रदेश सरकार से मेला के लिए आता है। माघमेला में मेलाधिकारी के अलावा

दर्जन भर पीसीएस अधिकारियों को मेले में बतौर ओएसडी तैनात किया गया है। बावजूद इसके मेले में अव्यवस्था जमकर हावी है। कोई भी अधिकारी कार्यालय में सिर्फ इसलिए नहीं बैठते की तमाम साधु संत मूलभूत सुविधाओं और सरकार की तरफ से जारी करोड़ों रुपए के बजट के आधार पर मिलने वाली सुविधाओं के लिए मेला कार्यालय का चक्कर लगाते रहते हैं। साधु संतों और संस्था के पदाधिकारियों से न मिलना पड़े इसे लेकर वह कार्यालय में बैठते ही नहीं हैं। इसके अलावा संबंधित वरिष्ठ लिपिक और लिपिक साधु संतों से कार्यालय में बदसलूकी भी करते हैं। आये दिन ऐसे मामले प्रकाश में आ रहे हैं। जिससे खिन्न होकर साधु संत वापस चले जाते हैं। कुछ लोग मेला कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन भी करते हैं लेकिन पुलिस को बुलाकर मेला प्रशासन उन्हें वहां से खदेड़वा देते हैं। मेले में व्यापक स्तर पर अव्यवस्था का आलम है। रुपए लेकर जमीन मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जा रहीं हैं लेकिन नि:शुल्क तौर पर मिलने वाली सुविधाओं को साधु संतों और संस्थाओं को नहीं दिया जा रहा है। तमाम साधु संत सुविधाओं के लिए हर रोज मेला कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं। मेले में उच्च स्तर पर अराजकता का माहौल है। पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिलने का आरोप लगाकर कई साधु संतों ने मेला प्रशासन कार्यालय में मंगलवार को जमकर हंगामा किया। कई महिला संतों का रौद्र रूप देखकर मेला कार्यालय में अफरातफरी मच गई। मेला कार्यालय के भीतर और बाहर पुलिसकर्मी लगा दिए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम को महिला पुलिस की मदद से महिला संतों का धरना समाप्त कराया गया। संतों का आरोप था कि उन्होंने बीते 13 दिसंबर को सुविधाओं के 10 मांगों की सूची मेला प्रशासन को सौंपी थी। उनकी अधिकतर मांगे पूरी नहीं हुई।मेला प्रशासन का दावा था कि उनकी मांगे ने मान ली गई हैं और उनको नियमानुसार सुविधाएं दे दी गयीं हैं। आपको बता दें कि कोरोना के कारण पिछली बार और इस बार भी मेले में 60 फ़ीसदी संस्थाएं नहीं आयीं हैं। लेकिन प्रदेश की योगी सरकार ने मेले पिछली बार की तरह इस बार भी करोड़ों रुपए का बजट मेला के लिए आवंटित किया है। बजट की बात करें तो जब मेले में साधु संतों को सुविधाएं ही नही दी जा रहीं हैं तो बजट कहाँ व्यय होगा।

मेले में कोविड की अनदेखी, साधु-संतों को जारी किया कथा और प्रवचन के लिए पंडाल

बेलगाम मेला प्रशासन के अधिकारी, खुद उड़ाई कोविड 19 की धज्जियां

प्रयागराज। एक तरफ कोविड बहुत तेजी से बढ़ रहा है और दूसरी ओर मेला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कुछ कारखास साधु संतों को कथा प्रवचन के लिए पंडाल मुहैया करा रहे हैं। ऐसे दर्जनभर साधु संत हैं जिन्हें इस बार मेले में बढ़ते कोविड 19 के बीच जुगाड़ तंत्र से प्रवचन और कथा के लिए पंडाल निर्गत कर दिए गए हैं। खुद मेला प्रशासन के अधिकारी खुले तौर पर कोविड 19 की गाइडलाइन का उल्लंघन कर रहे हैं। गौरतलब है कि मेले में कोविड 19 का असर है तो साधु संतों को किस आधार पर कथा और प्रवचन के पंडाल लगाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। जबकि और भी साधु संतों की ओर से हमेशा की तरह बड़े पंडाल की मांग की गई है लेकिन मेला के अधिकारियों ने उन्हें कोविड बताकर पंडाल देने से मना कर दिया। इसे लेकर साधु संतों में खासा नाराजगी है। ऐसे नाराज साधु संतों ने मेला प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करने का मन बनाया है। उनका कहना है कुछ साधु संतों कथा के लिए पंडाल दिए गए हैं उसी तर्ज पर उन्हें भी सुविधा उपलब्ध करायी जाए। साधु संतों ने मेला अधिकारी समेत सभी ओएसडी को हिदायत दी है कि अगर उन्हें यह सारी सुविधाएं नहीं प्रदान की गयीं तो वह मेला को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न नहीं होने देंगे।

साधु-संतों और तीर्थपुरोहितों ने जाम किया पीपा पुल पांच

प्रयागराज। माघमेला के गंगद्वीप में पानी भरने से कल्पवासी हैरान परेशान हैं। मेला प्रशासन की ओर से उनकी कोई व्यवस्था नही की गई। यही कारण है कि आज पांटून पुल नंबर 5 के पास तमाम साधु संतों और कल्पवासियों ने सुविधाओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया। साथ ही पुल पर चक्काजाम कर दिया जिससे बहुत देर तक मेले में अव्यवस्था का आलम रहा। बता दें कि माघमेला में गंगद्वीप में पिछले तीन दिन से बिजली नहीं है और निचला इलाका होने के कारण कई टेंट में पानी भर गए हैं। इसी के विरोध में साधु महात्मा पंडा कल्पवासी और तीर्थपुरोहितों ने पीपा पुल नंबर 5 को अवरुद्ध करके आवागमन बाधित कर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम की जानकारी पाकर कई अधिकारी मौके पर पहुंच गए। इस दौरान साधु संतों मेला प्रशासन के खिलाफ़ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना है कि कई हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जिससे कल्पवासियों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा। लेकिन मेला की ओर से कोई व्यवस्था नही की जा रही है।

सपा को झटका भाजपा के हुए पूर्व विधायक निर्मल वर्मा

सीतापुर। समाजवादी पार्टी ने भाजपा के विधायक को पार्टी में मिलाया, जवाब में भारतीय जनता पार्टी ने सपा के पूर्व विधायक को पार्टी में शामिल कराया। पिछड़ी जाति के नेता किसके पाले में ज्यादा इसको लेकर भाजपा सपा में चल रही होड़ के बीच बिसवां से पूर्व विधायक निर्मल वर्मा को सपा से भाजपा में शामिल कराकर भाजपा ने संकेत दे दिया है कि बिसवां विधानसभा में वह किसे प्रत्याशी बनाएंगी। हालांकि शुरूआत समाजवादी पार्टी ने की थी, सीतापुर सदर से भाजपा विधायक राकेश राठौर को सपा में शामिल कर भाजपा को तगड़ा झटका दिया था। जैसे-जैसे प्रत्याशियों की घोषणा होने का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे नेताओं का दलबदल का सिलसिला तेज होता जा रहा है। बिसवां से भाजपा विधायक महेन्द्र यादव को लेकर पार्टी के अंदर ही विरोध के स्वर उठ रहे थे, इसी बीच एक अश्लील चैट वायरल हो गई, जिससे विरोधियों को और बल मिल गया। बिसवां से भाजपा विधायक महेन्द्र यादव और सीतापुर से सांसद राजेश वर्मा के बीच 36 के आंकड़े जगजाहिर है, बिसवां में किसी पिछड़ी जाति के मजबूत नेता की भाजपा को जरूरत थी। निर्मल वर्मा को लेकर शायद पार्टी ने वह कमी पूरी कर ली है। निर्मल वर्मा वर्ष 2007 में बसपा से बिसवां के विधायक रह चुके है। 2012 और 2017 में बसपा से फिर किस्मत आजमाई लेकिन हार का सामना करना पड़ा। बाद में बसपा प्रमुख मायावती ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया।

चौंकाने वाला होगा चुनाव परिणाम : सचिन पायलट

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

कांग्रेस के युवा नेता और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का परिणाम चौकाने वाला आयेगा। प्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और बसपा धरातल पर नहीं है। कांग्रेस ही सिर्फ जन समस्याओं को लेकर पॉच वर्षो तक प्रदेश में मुखर रही है। अपनी विपक्षी दल की भूमिका अच्छे से निभाई है।

बुधवार को शहर में आये सचिन पायलट ने विधानसभा चुनाव में पार्टी की तैयारियों को जाना और संभावित प्रत्याशियों के साथ बातचीत की। अंधरापुल स्थित एक होटल में पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद मीडिया से भी रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि भले ही कांग्रेस तीस सालों तक प्रदेश में सत्ता में नहीं है लेकिन राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के अगुवाई में आम जन, महिलाओं, युवाओं, किसानों, पीड़ितों के हितों के लिए लगातार संघर्ष करती रही। जन समस्याओं के निस्तारण और पीड़ितों के साथ मजबूती से खड़े रहने से आज प्रदेश में बेहतर विकल्प बन गई है। सचिन पायलट ने भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बहुमत से बनी ये सरकार जिन मुद्दों को लेकर सत्ता में आई,सात साल तक हर तबका जिसने इस पार्टी पर विश्वास किया उसे धोखा दिया। किसानों की आय दुगुनी नहीं हुई। न तो लोगों के खाते में 15 लाख रूपये आये। कृषि उपकरणों का दाम बढ़ाकर इस सरकार ने किसानों का दर्द जरूर बढ़ा दिया। किसान आंदोलन के बहाने केन्द्र और प्रदेश सरकार को घेरते हुए सचिन पायलट ने कहा कि किसानों की आमदनी घटकर 27 रुपये प्रतिदिन हो गयी है। कर्ज बढ़कर 74 हजार हो गया है। खाद बीज कई गुना महंगा हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की डॉ मनमोहन सिंह की तत्कालीन सरकार ने किसानों के 70 हजार करोड़ रूपये कर्ज के माफ किये थे। भाजपा सरकार ने देश की सार्वजनिक सम्पतियों को बेचने,विज्ञापन देने के अलावा कुछ नहीं किया। कोरोना काल की विभीषिका का उल्लेखकर कहा कि नदियों में बहती लाशों की दुर्दशा और ध्वस्त चिकित्सा व्यवस्था को लोग भूल नहीं सकते। प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए सचिन पायलट ने कहा कि कानून के दायरे से बाहर जाकर कार्य करने वाले अब 80 बनाम 20 ,मंदिर और मस्जिद,हिन्दू की बात करने लगे है।

निजी कूरियर कंपनी के वाहन से 200 किलोग्राम चांदी की हुई लूट

आगरा। आगरा में बुधवार दोपहर करीब साढ़े बारह बजे कार सवार चार बदमाशों ने एक निजी कूरियर कंपनी की गाड़ी से 200 किलोग्राम चांदी और एक लाख रुपए नकदी लूट ली। अतिरिक्त महानिदेशक राजीव कृष्ण ने बताया कि कूरियर कंपनी के कर्मचारी आकाश ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा है कि वह अपने सहकर्मी के साथ एक कार से 200 किलोग्राम चांदी और एक लाख रुपए नकदी लेकर आगरा से धौलपुर जा रहा था। शिकायत के अनुसार, ग्वालियर रोड पर एक कार ने उनकी कार को ओवर टेक किया और उन्हें रूकने पर मजबूर कर दिया। कार में सवार चार बदमाशों ने आकाश और उनके सहकर्मी को डरा कर 200 किलोग्राम चांदी अपनी कार में रखवा लिया। कृष्ण ने बताया कि शिकायत के आधार पर 200 किलोग्राम चांदी की लूट का मामला दर्ज कर आगे की कार्वाई शुरू कर दी गई है।

पूर्वांचल से लेकर बुंदेलखंड तक सर्दी ढा रही सितम

- बर्फीली हवाएं चलने से हाड़ कंपाने वाली ठंड तापमान और गिरा

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वाराणसी सहित पूर्वांचल के जिलों में सर्दी अपना सितम ढाह रही है। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। तो वहीं नम हवाओं के चलने से ठिठुरन बढ़ गई है। बच्चे और बुजुर्ग घर से बाहर निकल नहीं पा रहे हैं। वाराणसी में मंगलवार के बाद दूसरे दिन बुधवार को भी गलन ने लोगों को कंपा दिया है। दस से 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली सर्द पछुआ हवाओं ने लोगों को ठिठुरा दिया। मंगलवार को न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। वहीं, आज अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

मौसम वैज्ञानिक के अनुसार इस तरह का मौसम अभी 21 जनवरी तक बने रहने की संभावना हैं। ठंड बढ़ने के साथ ही कोहरा भी छाया रहेगा।जनवरी महीने के दूसरे सप्ताह की शुरुआत से ही पहाड़ों पर बर्फ़बारी अधिक हो रही है। इसका असर मैदानी भागों में भी दिखने लगा है।जनवरी महीने के दूसरे सप्ताह की शुरुआत से ही पहाड़ों पर बर्फ़बारी अधिक हो रही है। इसका असर मैदानी भागों में भी दिखने लगा है। दिन में हल्की धूप जरूर हो रही है लेकिन हवा में नमी अधिक होने की वजह से उसका कोई असर नहीं है। मंगलवार को तो दिन की तरह ही शाम को भी नम हवाएं चलती रही।सोमवार को जहां अधिकतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस था, वहीं मंगलवार को 15.0 जबकि न्यूनतम तापमान भी 7.7 डिग्री सेल्सियस से कम होकर 5.0 तक आ गया। मौसम वैज्ञानिक एसएन पांडेय ने बताया कि बर्फीली हवाओं के चलने की वजह से गलन बढ़ी है।

मौसम वैज्ञानिक एसएन पांडेय ने बताया कि जनवरी महीने में औसत अधिकतम तापमान 22.8 और न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए। मंगलवार को अधिकतम-न्यूनतम दोनों को मिलाकर कुल 20.4 डिग्री सेल्सियस ही हो रहा है। औसत तापमान की तुलना में मंगलवार को इसमें 12 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई।

कड़ाके की ठंड से सब बेहाल

चित्रकूट। सर्दी के मौसम में मौसम का मिजाज खासा सर्द होने से लोग बेहाल हैं। लगातार बढ रही गलन से मंगलवार व बुधवार को लोग खासे परेशान रहे। मंगलवार को सवेरे आसमान में कोहरा छाया रहा तो बुधवार को कोहरा तो नहीं पर गलन बरकरार रही। पारा लुढककर चार डिग्री सेल्सियस से भी कम पहुंच गया। टेम्पो व बसों की रफ्तार धीमी रही। बुधवार को निर्धारित समय से काफी देर बाद सूरज के दर्शन हुए। सर्द हवाओं के चलते मंगलवार को दोपहर दो बजे तक सूर्य के दर्शन नहीं हुए। कुछ देर के लिए सूर्यदेव निकले तो सूर्यास्त के बाद हालत कपकपी के बन गये। जिले में मौसम का मिजाज खासा सर्द है। शीतलहर लोगों को कंपा रही है। गलन का हाल ये है कि लोग गर्म कपडे के बाद भी कांप रहे हैं। भीषण सर्दी में रोज कमाने-खाने वाले मजदूर काम करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। आसमान में धुंध छायी रही।

गणेश चौथ कल, माताएं पुत्र की दीर्घायु के लिए रखेंगी व्रत

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

- मैदागिन से लेकर पिपलानी कटरा और कबीरचौरा से लेकर मैदागिन तक यातायात पूरी तरह डायवर्ट रहेगा

श्री आशुतोष की नगरी में पुत्र गणेश जी की उत्पत्ति गणेश चतुर्थी के दिन हुई थी। इसलिए इसे तिलकुटी एवं वक्रतुण्ड चतुर्थी भी कहते हैं। यह पर्व 21 जनवरी दिन शुक्रवार को पड़ रहा है। श्री गणेश चतुर्थी का व्रत प्रत्येक महीने में दो बार होता है। लेकिन माघ महीने में पड़ने वाली (संकट चतुर्थी) गणेश चौथ की महिता सबसे ज्यादा है। संकट चतुर्थी का अर्थ होता है दु:खों को हरने वाली संकट चतुर्थी का व्रत भगवान गणेश को समर्पित होता है और इस दिन श्री गणेश जी का पूजन-अर्चन किया जाता है। धर्मशास्त्रों में श्री गणेश जी को प्रथम देव माना गया हैं। इसलिए हर शुभ कार्य में इनकी पूजा पहले की जाती है।

श्री काशी विश्वनाथ न्यास के सदस्य एवं ख्यातिलब्ध ज्योतिषाचार्य पं0 दीपक मालवीय ने बताया कि इस वर्ष माघ मास की संकट चतुर्थी(गणेश चौथ)का पर्व 21 जनवरी 2022, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस दिन चतुर्थी तिथि प्रात: 7:26 बजे से प्रारम्भ होगी और अगले दिन 22 जनवरी शनिवार को प्रात: 7:24 बजे तक रहेगी। चन्द्रमा का दर्शन (चन्द्रोदय)रात्रि 8:39 बजे पर होगा। इसी के पश्चात चन्द्रमा को अर्घ्य दिया जाएगा। संकट चतुर्थी

का व्रत भविष्योत्तर पुराण के अनुसार चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी तिथि में करने को कहा गया है।अत: यह व्रत 21 नवरी, शुक्रवार को ही होगा। संकट चतुर्थी व्रत के दिन लोहटिया स्थित बड़ा गणेश, सोनारपुरा स्थित श्री चिंतामणि गणेश, विघ्न विनायक मंदिर सहित सभी गणेश मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं के लिए सुबह से ही भीड़ रहेगी। लोहटिया स्थित बड़ा गणेश मंदिर के बाहर दोनों पटरियों पर माला-फूल, फलाहार, आदि के अस्थायी दुकानें सज जाएगी।

संकट चतुर्थी गणेश चौथ पर बनेगा शुभ मुहुर्त

श्री काशी विश्वनाथ न्यास परिषद के सदस्य पं0 दीपक मालवीय ने बताया कि इस वर्ष संकट चतुर्थी पर अत्यंत उत्तम शुभ योग बन रहे हैं। पंचाग के अनुसार गणेश चतुर्थी को सौभाग्य नाम का शुभ योग बनेगा जो कि मध्याह्न में 2:26 बजे तक रहेगा। इसके पश्चात शोभन नाम का शुभ योग प्रारंभ हो जाएगा। यह अगले दिन शनिवार को दिन 1:05 मिनट तक रहेगा। सौभाग्य योग-शोभन योग में शुभ कार्य करने पर हमेशा उत्तम सफलता प्राप्त होती है और शुभ कार्यो के अनंत फल प्राप्त होते हैं। मनोवांक्षित कामना की पूर्ति होती है। दोनों ही अत्यंत उत्तम योग है।

कोरोना प्रोटोकॉल का पूर्णतः पालन

कोतवाली एसीपी त्रिलोचन त्रिपाठी ने बताया कि गणेश चतुर्थी के दिन सुबह से ही बड़ा गणेश मंदिर में कोरोना प्रोटोकाल के तहत समस्त श्रद्धालुओं को सोशल डिस्टेसिंग, मास्क आदि का पालन के साथ ही महिला पुलिस की ड्यूटी मंदिर के गेट से लेकर बाहर तक सुरक्षा की दृष्टि से लगाया गया है तथा पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं को बार-बार एलाउंस किया जाएगा जिससे कोरोना का प्रोटोकाल का पालन हो सके।एसीपी श्री त्रिपाठी ने बताया कि मैदागिन से कबीरचौरा मार्ग वाले रूट पर वाहनों को दारानगर की तरफ डायवर्जन तथा पिपलानी कटरा से डीएवी मार्ग की तरफ सभी दो, तीन व चार पहिया वाहनों को यातायात का डायवर्जन किया गया है।

घर में घुसकर प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

बागपत। जिले के दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर मेट्रो अस्पताल के निकट बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी डीलर के मकान में घुसकर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। बड़ौत पुलिस के अनुसार घटना मंगलवार देर रात की है। पुलिस ने परिवार वालों से मिली जानकारी के आधार पर बताया कि बिजेंद्र (48) बागपत जिला के महावतपुर में बावली गांव के निवासी थे और वह करीब डेढ़ साल से दिल्ली-सहारनपुर राजमार्ग पर मेट्रो अस्पताल के समीप परिवार के साथ रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि मंगलवार देर रात बिजेंद्र अपने कमरे में थे तभी परिजनों ने गोली चलने की आवाज सुनी। इसके बाद उन्होंने बिजेंद्र को कमरे में लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा देखा। बिजेंद्र के सिर में गोली लगी थी।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 20 जनवरी, 2022

चुनावों के समय
दलितों पर राजनीति

दलितों के प्रति राजनीतिक सद्भावना केवल चुनावों के समय दिखती है। निर्वाचन आयोग ने पंजाब विधानसभा चुनाव 14 फरवरी के बजाय 20 फरवरी को कराने का निर्णय किया है। अपने आप में यह बदलाव उल्लेखनीय न होकर केवल एक प्रशासनिक निर्णय है। लेकिन देश में सभी लोग समझ गए हैं कि यह राजनीतिक रूप से कितना महत्वपूर्ण है। यह सभी राजनीतिक दलों द्वारा विविधता में एकता का आश्चर्यजनक प्रदर्शन है जिन्होंने अपने राजनीतिक मतभेद भुला कर यह सुनिश्चित किया कि चुनाव की तिथियां पंजाब के मतदाताओं के महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सव में बाधा न डालें। चुनाव की बदली तिथियां एक खास दलित समुदाय को 16 फरवरी को गुरु रविदास के जन्मदिन पर वाराणसी जाने का अवसर प्रदान करती हैं। चमत्कारी संत-कवि के समर्थक 'रविदासिया' मुख्यत: पंजाब के दोआबा क्षेत्र में रहते हैं और वे 23 विधानसभा क्षेत्रों में फैले हुए हैं। राज्य की जनसंख्या में 32 प्रतिशत दलित हैं। उनमें से एक तिहाई दोआबा में केन्द्रित हैं और दोआबा के 60 प्रतिशत से अधिक दलित रविदासिया हैं। यह राजनीतिक पार्टियों के 'मानवतावादी' दृष्टिकोण का कारण है। इस निर्णय के बाद पार्टियां इसका श्रेय लेने की होड़ में लगी हैं। उनके लिए यह पुरस्कार महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बहुकोणीय चुनाव में सभी लोग दलितों का अधिकतम समर्थन प्राप्त करना चाहते हैं जो 117 सदस्यों वाली विधानसभा में किसी को भी विजय दिला सकते हैं।

क्या दलितों को इस बात पर आश्चर्य नहीं होगा कि राजनीतिक पार्टियों

की उनके प्रति सद्भावना तभी प्रदर्शित होती है जब चुनावों का समय आता है? दलितों के लिए चुनाव की तिथि इसलिए बदली गई क्योंकि उनका वोट महत्वपूर्ण है और ऐसा न होने पर यही पार्टियां उनके प्रति लापरवाही बरतती हैं। आरक्षण जैसे सकारात्मक कदमों के लाभ उनको निश्चित रूप से मिले हैं और इससे वे मुक्ति के रास्ते पर अग्रसर हैं, लेकिन वे अनेक मामलों में आज भी पहले की तरह जोखिम के शिकार हैं। इनमें मंदिरों में प्रवेश, मूंछे रखने, घोड़े पर सवारी, समान श्मसान स्थलों के प्रयोग आदि पर जातीय हिंसा शामिल है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार भारत में 2020 में हर 10 मिनट पर दलितों के खिलाफहिंसा होती थी और 2021 में भी यह स्थिति बनी हुई है। दलितों पर मामूली कारण होने पर हमला किया जाता है, उनको गुजरात में चमड़े के जूते पहनने पर पीटा जाता है, महाराष्ट्र में एक कुंए में तैरने पर नंगा कर घुमाया जाता है तथा यहां तक कि तमिलनाडु में मंदिर के एक त्यौहार पर बैठे रहने पर मार डाला जाता है। उनके ऊपर पेशाब करने जैसे घृणित व अमानवीय अपमानजनक अत्याचार होते हैं। एक महीने पहले बिहार में हुई एक घटना में गांव में चुनाव हारे एक व्यक्ति ने इसका आरोप दलितों पर लगाया और दंडस्वरूप एक दलित को थूक कर चाटने पर मजबूर किया। दलित महिलाओं और लड़कियों से छेड़खानी, बलात्कार और उनकी हत्या जैसी घटनायें होती हैं। लेकिन चुनाव आने पर दलित राजनीति केन्द्रीय स्थान पर आ जाती है और आम समय में लापरवाही के स्थान पर संवेदना का व्यवहार होने लगता है। यदि पंजाब चुनाव की तिथि बदलना केवल स्वार्थी दृष्टिकोण से एक संकेत नहीं है तो राजनीतिक पार्टियों को सक्रिय रूप से दलितों के खिलाफहोने वाले भेदभाव और हिंसा को संबोधित करना चाहिए तथा इसे केवल अतीत में उत्पीड़न कह कर खारिज नहीं करना चाहिए।

यूपी चुनाव में ओबीसी की भूमिका

भाजपा, जिसने एक हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी के रूप में जन्म लिया, ने सामाजिक रूप से विषम ओबीसी को राष्ट्रीय स्तर पर एक राजनीतिक इकाई के रूप में समेकित किया और धीरे-धीरे यह अपने हिंदू वोट की रीढ़ बन गई।

स्वर्ण कुमार आनंद
(लेखक दि पायनियर के सह संपादक एवं समाचार संपादक हैं)

जाति भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति के डीएनए में है और अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वर्ग के भीतर राजनीतिक रूप से जागृत जातियों के मिश्रित समूह का प्रभाव चुनाव परिणामों को निर्धारित करने में गहरा है। इसलिए, जाति समीकरण में कोई भी बदलाव राजनीतिक दलों द्वारा एक श्रृंखला प्रतिक्रिया को जन्म देता है। उत्तर प्रदेश में इसी तरह की राजनीतिक उथल-पुथल देखी जा रही है, जो ओबीसी मंत्रियों और योगी आदित्यनाथ कैबिनेट और भाजपा के नेताओं के दलबदल से शुरू हुई है। यह भाजपा और अन्य विपक्षी दलों द्वारा राजनीतिक पैंतरेबाज़ी का एक हिमस्खलन बन गया है क्योंकि ओबीसी वोट सभी दलों के लिए मायने रखता है क्योंकि समूह कुल वोट का एक तिहाई से थोड़ा अधिक है। इसके अलावा, विद्रोह ने कुछ हलकों में अटकलें लगाईं - मीडिया और राजनीतिक पर्यवेक्षकों का एक वर्ग - कि ओबीसी नेताओं का पलायन यूपी में भाजपा शासन के अंत को दर्शाता है।

अपनी जातियों के एकमात्र प्रतिनिधि होने का दावा करने वाले ओबीसी मंत्रियों के साथ दुर्व्यवहार के बारे में धारणा से अटकलों को बल मिला है। अगर इस दावे पर कोई भरोसा किया जाता है, तो इन ओबीसी नेताओं ने योगी सरकार को अपनी व्यक्तिगत और राजनीतिक आकांक्षाओं को साकार करने में एक बाधा पाया। लेकिन यह आश्चर्य की बात नहीं है। भाजपा शायद भारत की एकमात्र पार्टी है जहाँ नेता पार्टी या सरकार से बड़े नहीं होते हैं। इसके अलावा, केंद्र में नरेंद्र मोदी और यूपी में योगी के शासन में किसी अन्य नेता को बेलगाम बोलबाला नहीं होने दिया जाता है। हालाँकि, यदि कोई नीतिगत निर्णयों और सरकार की पहुँच की जाँच करता है, तो इस समूह में ओबीसी या किसी भी जाति के खिलाफ भेदभाव का कोई सबूत नहीं है। पलायन का दूसरा कारण भी इस धारणा की ओर इशारा करता है कि क्षत्रिय मुख्यमंत्री आगामी चुनाव में बहुमत बरकरार नहीं रख पाएंगे क्योंकि वह गैर-क्षत्रिय उच्च जाति के मतदाताओं का विश्वास भी बनाए रखने में असमर्थ रहे हैं। और इसके परिणामस्वरूप राजनीतिक मौसम वैज्ञानिकों द्वारा पलायन का तूफान आया, जो बदलती लहर की सवारी करने के किसी भी अवसर को हमेशा हड़प लेते हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ऐसे ही गौरवशाली मौसम वैज्ञानिकों में से एक हैं। वह एक स्व-घोषित क्लैरवॉयंट है जो देखता है कि समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रति वफादारी को स्थानांतरित करने में उसका राजनीतिक भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। हालाँकि, भले ही दलबदल राजनीतिक अवसरवाद के बारे में हो, यह भाजपा, विशेष रूप से योगी के लिए अच्छा नहीं है, क्योंकि यह मतदाताओं को हिंदू वोट के टूटने के बारे में एक बेकार संकेत भेजता है, जिसमें एक वर्ग के अलावा ज्यादातर ओबीसी शामिल हैं। उच्च जातियों और अनुसूचित जातियों के। अटकलें मोदी के भाजपा के सबका साथ संकल्प की ईमानदारी को भी धूमिल करती हैं। तीसरा कारण एक बार फिर यह धारणा है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव विपक्षी खेमे से भाजपा के खिलाफ एक विकट चुनौती के रूप में उभर रहे हैं, जिसके पास कांग्रेस के रूप में कोई अन्य गंभीर खिलाड़ी नहीं है, बावजूद इसके कि प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में कुछ खोई हुई जमीन हासिल करने में असमर्थ है। एक खर्च की गई शक्ति के रूप में अपनी छवि को बहाल करने के लिए। और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अब गिनती में नहीं है। इसके अलावा, पार्टियों के बीच यह एक सामान्य समझ है कि किसी एक दल के पास भाजपा को एक सफल चुनौती देने का साधन नहीं है, दलबदलू अपनी सारी उम्मीदें अखिलेश पर टिका रहे हैं जो बिल में फिट लगते हैं। हालांकि, विभाजित विपक्ष, कुछ यूपीए और अन्य तीसरे मोर्चे को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है, अखिलेश को ओबीसी नेताओं के पलायन के बाद कुछ नुकसान नियंत्रण करने के लिए संघर्ष करने के बावजूद भाजपा की ताकत के खिलाफ पर्याप्त रूप से हथियार नहीं देता है। चुनावी राजनीति में ओबीसी की केंद्रीयता निर्विवाद है लेकिन यूपी में समूह के भीतर भी जातिगत समीकरण बहुत जटिल हैं। मंडल के बाद के युग ने ओबीसी राजनीति की चुनावी संभावनाओं में उल्कापिंड देखा है, लेकिन ये दल क्षेत्रीय जेब तक ही सीमित हैं। ओबीसी वोट यूपी में छोटे एकल-जाति आधारित दलों द्वारा काटा गया है, जैसे ओपी राजभर और अनुप्रिया पटेल ने अपने प्रभाव क्षेत्र में। जहां सपा यादव के नेतृत्व वाली ओबीसी राजनीति मुस्लिम वोट को बरकरार रखते हुए करती है, वहीं बसपा के पास जाटव हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुसलमानों और एससी के विपरीत, ओबीसी वह समरूप राजनीतिक इकाई नहीं है। इसलिए, जाति के नेता उस सार्वभौमिक ओबीसी श्रेणी के उपसमुच्चय हैं। चूंकि क्षेत्रीय धर्मनिरपेक्ष पार्टियां पूरे ओबीसी वोट पर कब्जा नहीं कर सकीं, इसलिए वे समीचीन मुस्लिम वोट को लालच देकर नुकसान की भरपाई करते हैं। हालाँकि, भाजपा, जिसने एक हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी के रूप में जन्म लिया, ने सामाजिक रूप से विषम ओबीसी को राष्ट्रीय स्तर पर एक राजनीतिक इकाई के रूप में समेकित किया और धीरे-धीरे यह अपने हिंदू वोट की रीढ़ बन गई। और इसीलिए भाजपा हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति करने के बावजूद, जो जाति की राजनीति के विपरीत प्रतीत होती है, ओबीसी वोट को मजबूत करने की कोशिश करती है - हिंदू वोट का मूल - और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने की कोशिश करती है। इसलिए, अगर इन अटकलों में कोई सच्चाई है कि ओबीसी मतदाताओं का भाजपा पर से विश्वास उठ गया है, तो यह निश्चित रूप से यूपी में पार्टी के लिए एक श्रद्धांजलि है। हालाँकि, अटकलें कितनी भी मजबूत क्यों न हों, यह कहना जल्दबाजी होगी कि कुछ असंतुष्ट ओबीसी नेताओं द्वारा दलबदल भाजपा से ओबीसी वोट के पलायन में कैसे तब्दील होगा। दिलचस्प बात यह भी है कि इन नेताओं ने योगी सरकार पर ओबीसी ही नहीं युवाओं, किसानों और व्यापारियों की आकांक्षाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है. हालांकि चुनावी राजनीति में, सामाजिक सच्चाई और कुछ नहीं बल्कि जनता के बीच धारणा है कि मतदान केंद्रों पर उनकी प्राथमिकताओं को आकार देता है, जनता की धारणा को मापने के लिए आसान नहीं है। परस्पर विरोधी आख्यानों की स्थिति में धारणाएँ बदलती रहती हैं, और किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि कथाएँ बुनने की कला में भाजपा शीर्ष पर है। इसके अलावा, यूपी में बदलती परिस्थितियों का चुनावी परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि एससी और मुस्लिम अन्य पार्टियों द्वारा पेश किए गए प्रलोभन को कैसे लेते हैं। जहां तक ??मुसलमानों की बात है तो उनका वोट किसी भी होनहार पार्टी या उम्मीदवार को जाना लगभग तय है जो भाजपा के खिलाफ मुख्य दावेदार है। यदि ओबीसी वोट को हथियाने वाली पार्टी द्वारा पूरा मुस्लिम वोट एकत्र नहीं किया जाता है, तो मुस्लिम वोट चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की अपनी ताकत खो देता है। जब कई तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दल मैदान में हैं, तो मुस्लिम वोट के प्रबंधन का यह सबसे मुश्किल हिस्सा है। यह अखिलेश के लिए चिंता का विषय है। दूसरा, यह निश्चित नहीं है कि ओबीसी नेताओं का पलायन भाजपा से ओबीसी वोटों के पलायन में तब्दील हो जाएगा, क्योंकि पहले कुछ ओबीसी नेता सरकार में लगभग पूर्ण कार्यकाल का आनंद लेने के बाद चुनाव के समय वफादारी बदलने के लिए बदनाम हैं। साथ ही नेताओं का पलायन हमेशा नुकसान की भविष्यवाणी नहीं करता है। पश्चिम बंगाल में हमारे पास एक उदाहरण है। मीडिया में बीजेपी के मजबूत होने की अटकलों ने टीएमसी नेताओं द्वारा इसी तरह के पलायन की शुरुआत की थी, लेकिन चुनाव परिणाम सभी गलत साबित हुए। योगी शासन के पिछले पांच वर्षों के दौरान, जनता की धारणा यह है कि मौर्य ने पूर्वी यूपी में ओबीसी पर अपना प्रभाव बरकरार रखा है, लेकिन उत्तर प्रदेश के उस हिस्से में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का निर्वाचन क्षेत्र है, जिसका करिश्मा विशेष रूप से वितरण के बाद फीका नहीं हुआ है। अयोध्या प्रतिज्ञा। साथ ही यह दावा कि मौर्य इस क्षेत्र में निर्विवाद रूप से ओबीसी नेता हैं, तब बिखर गया जब मौर्य भाजपा की स्पष्ट लहर के बावजूद 2017 में अपने बेटे को विधानसभा चुनाव जीतने में मदद नहीं कर सके। लेकिन साथ ही, तथ्य इतिहास है और जब तक भाजपा इन तथ्यों के साथ एक कथा बुनती है, यह धारणा बनाने के लिए कि इन ओबीसी नेताओं ने अपने समुदाय के लिए नहीं बल्कि अपने हितों के लिए भाजपा छोड़ी, भाजपा के लिए नुकसान है कुछ। जबकि राजनीतिक पंडित परिणाम की भविष्यवाणी करते हैं, उनके चेहरे पर अंडे के साथ छोड़ दिया जाएगा यदि वे मोदी के जादू को भाजपा द्वारा भुनाने की संभावना को नकारते हैं। दिलचस्प बात यह है कि न तो यूपी की बीजेपी सरकार ने और न ही केंद्र में कोई नीतिगत फैसला लिया है जो ओबीसी की आकांक्षाओं की अनदेखी करता है। इसके बजाय एनईईटी की अखिल भारतीय श्रेणी में ओबीसी कोटा बढ़ाने का केंद्र का हालिया निर्णय एक उदाहरण है जिसे भाजपा ओबीसी समर्थक कथा बुनने के लिए नियोजित कर सकती है। जैसे ही कोविड की तीसरी लहर चरम पर है, चुनाव आयोग द्वारा शारीरिक चुनावी रैलियों की अनुमति देने की संभावना अधिक है, और फिर सभी की निगाहें मोदी पर होंगी। किसी भी चुनाव परिणाम की भविष्यवाणी करने से पहले मतदान के दिन तक प्रतीक्षा करें क्योंकि राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है।

धार्मिक मतभेदों के बावजूद राष्ट्रीय एकता

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं प्रख्यात स्तम्भकार हैं)

पिछले पखवाड़े मीडिया में कैपिटाल हिल पर हमले की काफी चर्चा हुई जब एक निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेट जो बाइडेन के पक्ष में चुनावी विजय को न स्वीकार कर एक प्रकार से विद्रोह के संकेत दिए थे। कुछ लेखकों ने सुझाव दिए थे कि अमेरिका के रिपब्लिकन बहुसंख्य लाल राज्य डेमोक्रेटिक बहुसंख्य नीले राज्यों से अलग होने की तैयारी कर रहे हैं। इसे उदारवादियों व कट्टरपंथी अमेरिकनों के बीच मतभेद की तरह भी देखा जा सकता है, पर यह कभी भी और किसी प्रकार इतना व्यापक नहीं था कि देश टूटने का कारण बन सके। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका में उत्तरी यांक और दक्षिणी कन्फेडरेट के बीच 1861 से 1865 तक चार साल भयानक गृहयुद्ध हुआ था।

अब्राहम लिंकन ने पूरे जोश से यांक का नेतृत्व कर विजय प्राप्त की थी तथा देश की एकजुटता बनाए रखी थी। इसी कारण उनको संयुक्त राज्य अमेरिका का महानतम राष्ट्रपति माना जाता है। लेकिन यह भी सच है कि पंद्रहवीं शताब्दी के बाद से अनियमित विस्थापन से बने संयुक्त राज्य अमेरिका में एकसूत्रता की भावना नहीं है। यहां यूरोपीय, जापानी, चीनी, कोरियाई, भारतीय, हिस्पैनिक, अरब व अन्य इस्लामी मूल वाले लोग हैं। अधिकांश भारतीय राजनीतिक रूप से अपना सिर नहीं उठाते हैं। अन्य राजनीतिक रूप से शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपना लक्ष्य आगे बढ़ाते रहते हैं। भारतीय मूल के नागरिक ब्रिटेन के क्रिकेट मैदानों में नस्ली आधार पर भारत की टीम का समर्थन करते हैं, जबकि उनके पास ब्रिटिश पासपोर्ट होता है। लेकिन यह एक इच्छित संकेत नहीं है क्योंकि इससे पता चलता है कि देश में एक एकसूत्रता नहीं है और उसके टूटने का खतरा बना हुआ है। हम इसी मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं।

लेकिन ज्यादा दूर जाने की क्या जरूरत? भारत में एक एकसूत्रता के साथ अनेक राजनीतिक भावनायें व्याप्त हैं। 1947 में धार्मिक आधार पर हुए विभाजन के बावजूद हमारे यहां अब भी ऐसे धार्मिक समूह हैं जिनका अंतिम लक्ष्य ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों के समान है। लेकिन अमेरिका व ब्रिटेन के उलट भारत में अनियमित विस्थापन जैसी स्थिति नहीं रही है। भारत की स्थिति इस मामले में एकदम अलग है। कोई इतिहासकार इसे एकसूत्रता की कमी कह सकता है जो हमेशा के लिए और सभी परिस्थितियों में राष्ट्रीय एकजुटता सुनिश्चित करती है। ऐसे समय आते हैं जब परिस्थितियां राष्ट्रीय हितों पर भारी पड़ती हैं। वास्तव में 18वीं शताब्दी के अंत से 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ तक राष्ट्रीय जागरण के नाम पर बहुत कुछ नहीं हुआ। उस समय यदि कोई विचारधारा थी तो वह धर्म या

भाषा आधारित थी। हालांकि, परिस्थितियों से अधिक संबंधित देशों में तत्कालीन नेताओं की गलतियों की ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उदाहरण के लिए फ्रांस पर गौर करें। सभ्यता के एक संकेत के रूप में पेरिस ने समुद्रपारीय साम्राज्य को मेट्रोपालिटन फ्रांस घोषित कर दिया था। इससे अल्जीरिया, मोरक्को, आदि फ्रांसीसी उपनिवेशों के लोग फ्रांस के शहरों और कस्बों में जाने लगे। आज इस यूरोपीय देश में जनसंख्या के दो महत्वपूर्ण हिस्से हैं, यूरोपीय और अफ्रीकन। सांस्कृतिक व धार्मिक रूप से बहुत अलग होने के कारण उनका एकसाथ सह-अस्तित्व बहुत कठिन है। दो विश्वयुद्धों में जर्मनी और तुर्की सहयोगी देश थे। जहां अनेक तुर्कों को समुचित रोजगार नहीं मिला था, वहीं जर्मनी सस्ते श्रमिक चाहता था। इस कारण बड़ी संख्या में तुर्क वहां पहुंचे और उन्होंने जर्मनी को अपना घर बना लिया, लेकिन बर्लिन ने जोर दिया कि वे वहां केवल खोजी कामगारों के रूप में बस सकते हैं, नागरिकों के रूप में नहीं। लेकिन इन अतिथि कामगारों के बच्चों का क्या हुआ? सीरिया में गृहयुद्ध छिड़ने के बाद देश में बड़ी संख्या में शरणार्थी आए जिससे एशियाइयों की संख्या और बढ़ गई। उनका स्वागत करने वालों में पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल भी थीं। ब्रिटेन ने भी द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यही गलती की जब उसको सस्ते श्रमिकों की जरूरत थी। वहां वेस्ट इंडीज़, भारत और पाकिस्तान से लोग पहुंचने लगे। अब वहां बहु-नस्ली राष्ट्रीय जीवन में सभ्यतापूर्ण रहने की समस्यायें सामने आ रही हैं। 17वीं और 18वीं शताब्दी में अमेरिका ने पश्चिम अफ्रीका से बड़े पैमाने पर गुलामों को अपने यहां बुलाया। जैसा कि हमने पहले उल्लेख किया है, गुलामी समाप्त करने की इच्छा रखने वाले उत्तरी राज्यों तथा इस बुराई और अमानवीय संस्थान को वैध जीवनशैली मानने वाले दक्षिणी राज्यों के बीच चार साल गृहयुद्ध चला था। लेकिन अमेरिकी नेताओं ने इससे कोई सबक नहीं सीखा और उन्होंने ज्यादा से ज्यादा बसने वालों को अनुमति देना जारी रखा। डेमोक्रेटिक पार्टी इन आप्रवासियों का समर्थन करती है, जबकि रिपब्लिकन मोटेतौर से संयुक्त राज्य अमेरिका का श्वेत या यूरोपीय चरित्र बनाए रखना चाहते हैं। इसी कारण वहां नीले बनाम लाल राज्यों में मतभेद पाए जाते हैं जिनका उल्लेख पहले किया जा चुका है।

लेकिन भारत इन देशों को सलाह देने वाला कौन है? उसने स्वयं भयानक गलती की है। विभाजन के समय और 1846-47 के पूरे कालखंड में मुस्लिम लीग ने जनसंख्या के हस्तांतरण की बात की थी क्योंकि पाकिस्तान को इस उप-महाद्वीप के सारे मुसलमानों के देश के रूप में पेश किया जा रहा था। स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद ने इस विषय पर 'इंडिया डिवाइडेड' नामक एक पुस्तक लिखी थी। इनमें उन लोगों के लिए एक सुझाव था जो देश छोड़ कर जाने में सफल नहीं हुए थे। वे यहां रह सकते थे, पर नागरिकों के रूप में नहीं। इसके बजाय उनके साथ आवासीय वीसा वाले विदेशियों जैसा व्यवहार होता और उनको कोई राजनीतिक अधिकार न मिलते। पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना ने डा. राजेन्द्र प्रसाद के विचारों से सहमति प्रकट की थी। लेकिन गांधीजी व जवाहरलाल नेहरू ने न केवल इस राजनीतिक समाधान का विरोध किया, बल्कि लाखों लोगों के साथ अन्याय भी किया। विख्यात पाकिस्तानी विद्वान सुश्री आयशा जलाल ने अपनी पुस्तक 'द सोल स्पोक्समैन' में सवाल उठाया, फिर विभाजन क्यों हुआ?

पंजाब व बंगाल के मुस्लिम बहुल प्रांत विभाजन नहीं चाहते थे, बल्कि मुख्यत: उत्तर प्रदेश व बंबई प्रेसीडेंसी के मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रांतों ने देश विभाजन व पाकिस्तान की अवधारणा को बढ़ावा दिया। लेकिन आखिरकार उनके अधिकांश अल्पसंख्यक भारत में बने रहे। इससे पैदा विभीषिका बाद में सबके सामने आई।

आप की बात

जीव-जंतुओं में कोरोना

इंसानों के बाद अब जीव जंतुओं की भी कोरोना संक्रमित होने की खबर आ रही है। कोरोना वायरस के ओमिक्रोन वेरिएंट के कारण बढ़ते संक्रमण के बीच हांगकांग में हैमस्टर (चूहे जैसे दिखने वाले जीव मगर अलग प्रजाति) कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। यहाँ के प्रशासन ने कोरोना संक्रमण की आशंका के चलते करीब दो हजार हैमस्टरों को मारने का फैसला किया है। प्रशासन के इस ऐलान के चलते जानवरों के लिए काम करने वाली संस्थाएं दी लोकल सोसायटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रूएलिटी टू एनिमल्स (एसपीसीए) डरी हुई हैं। उन्हें आशंका है कि कहीं लोग डरकर अपने पालतू जानवरों को छोड़ न दें। एसपीसीए ने कुछ तरीके भी बताए, जिनका पालन करके इंसानों और जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है इसमें जानवरों को न चूमना, उनके नजदीक ना छींकना, उन्हें छूने के बाद हाथ धोना जैसी सावधानियां शामिल हैं। ऑनलाइन याचिकाएं इस बीच हांग कांग में कई लोग प्रशासन से अपना फैसला बदलने की भी अपील कर रहे हैं। दुनियाभर के कई वैज्ञानिकों और हांग कांग के वेटनरी विशेषज्ञों का कहना है कि दुनियाभर मे पालतू जानवरों से इंसानों में संक्रमण फैलने का एक भी मामला साबित नहीं हुआ।

- **विभूति बुपक्या**, आष्टा, मप्र

समावेशी हो बजट

कौटिल्य अर्थशास्त्र में कहा गया है कि राज्य का सबसे महत्वपूर्ण अंग वित्त है अत: राजा को सबसे ज्यादा ध्यान अपने राजकोष देना चाहिए । कोविड-19 ने देश की अर्थव्यवस्था को बहुत बुरी तरह से प्रभावित किया है। बजट केवल गणित विषय नहीं है बल्कि व्यक्तियों की समृद्धि और वर्गों के संबंधों और साम्राज्य की शक्ति की जड़ तक पहुंचते हैं। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि सरकार उन विषयों पर अत्यधिक ध्यान दें जिससे हम इस महामारी से उत्पन्न प्रभाव से उभर सकें। बजट में सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योगों पर खास ध्यान दिया जाना चाहिए वैसे तो जीएसटी की दर जीएसटी परिषद के अधीन होती है लेकिन अगर हमें विनिर्माण क्षेत्र में आगे बढ़ना है और भारत को एक और औद्योगिक राष्ट्र बनाना है तो विनिर्माण के दरों में कमी करने की जरूरत है । विनिवेश की प्रक्रिया अविलंब पूरी की जानी चाहिए जिससे कि सरकार का उठाने का लक्ष्य शीघ्र पूरा हो सके ।कर की चोरी रोकने का एक साधारण उपाय हो सकता है कि प्रत्यक्ष करो कि दरों में कमी लाई जाए। डिजिटल इंडिया का सपना सपना साकार हो सके इसके लिए सरकार को चाहिए कि जिस तरह से गांव में इंटरनेट पहुंच चुका है उसी तरह गांव में ब्राडबैंड सुविधा भी पहुंचाई जाए।

- **मंगल सिंह**, आजमगढ़

संवेदनशीलता का परिचय दें

कोरोना काल मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए घोर आर्थिक संकट का समय है। सारी दुनिया इसकी चपेट में है और चहुंओर इससे बचने के लिए संघर्ष चल रहा है। लोगों की जीविकाए खत्म हुई है। जमीन और घर भी बिक गए है। बैंकों, बीमा की जमा पूंजी भी खत्म हो गई। जीवन को चलाने के लिए अत्यंत संकटों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों की शिक्षा भी पूरी तरह से प्रभावित हुई है। पृथ्वी में पर निर्भरता का जीवन इस तरह संकट में आ जाएगा किसी ने सोचा भी नहीं था। संपन्न वर्ग एवं सरकारें ऐसी आर्थिक नीतियां बनाएं कि सामान्य मध्यम वर्गों के जीवन में भी खुशहाली लाई जा सके। केंद्र और राज्यों के बजट का निर्माण का समय है। अच्छी लोक कल्याणकारी आर्थिक नीतियां बनाकर सरकारें आम जनता के जीवन को आत्म निर्भरता की पटरी पर ला सकती हैं। सरकारें व संपन्न वर्ग संवेदनशीलता का परिचय दें तो अच्छे दिन शीघ्र ही लाए जा सकते हैं। पृथ्वी में सभी को जीवन एक निश्चित समय के लिए मिला है। सभी कर्म योगी व सभ्य होने का परिचय दें।

- **प्रदीप गौतम**, रीवा, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक के बीच रार छिड़ी हुई है। डायमंड हार्बर के पोस्टरों में ममता का चित्र नहीं है।

- **अमित मालवीय**
भाजपा नेता

राह दिखा रहा है युवा और युवा भारत! यह उत्साहवर्धक खबर है। आइए गति बनाए रखें। टीकाकरण और सभी कोविड संबंधित प्रोटोकॉल का पालन करना महत्वपूर्ण है।

- **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

मैं भाजपा नेताओं से सहमत नहीं हूं। महिला शक्ति देश बदलने की क्षमता रखती है।

- **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

आईपीसी की धारा 377 और 375 में विसंगति

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की पूर्ववर्ती धारा 377 और बलात्कार कानून में विसंगति थी जो एक पति को अपनी पत्नी के साथ बिना सहमति के यौन संबंध बनाने समेत अप्राकृतिक यौन संबंध के खिलाफ अभियोजन से संरक्षण देती है। इस धारा को उच्चतम न्यायालय ने 2018 में अपराध की श्रेणी से हटा दिया था।

उच्च न्यायालय ने उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की, जिनमें वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में रखने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति राजीव शकधर और न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की पीठ बृहस्पतिवार को भी इस मामले पर सुनवाई जारी रखेगी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति शकधर ने कहा कि आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध के लिए सजा) को अपराधमुक्त किए जाने से पहले, मैं विषमलैंगिक जोड़ों के बारे में बात कर रहा हूं, क्या धारा 375 और धारा 377 में विसंगति नहीं थी।

विडंबना यह है कि सुखी वैवाहिक जीवन में यह जारी रहा और किसी ने शिकायत नहीं की।

न्यायाधीश ने कहा कि इस तथ्य के बावजूद कि आप्रकृतिक यौन संबंध भी यौन क्रिया का हिस्सा है और, इसलिए, अगर इसमें सहमति है तो यह बलात्कार नहीं है। लेकिन, उच्चतम न्यायालय के फैसले से पहले धारा 377 की विसगंति प्रभावी रही।

आईपीसी की धारा 375 में दिए गए अपवाद के तहत, अपनी पत्नी के साथ एक पुरुष द्वारा यौन संबंध या यौन क्रिया, पत्नी की उम्र 15 वर्ष से कम नहीं होने की सूरत में बलात्कार नहीं है। अदालत की टिप्पणी पर न्यायमित्र और वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने कहा कि इस पर आईपीसी की धारा 377 लागू नहीं होती।

● वैवाहिक बलात्कार मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा

जॉन ने कहा कि अगर हम एक अपवाद को देखते हैं तो हम एक विसंगति को हावी नहीं होने दे सकते।

इससे पहले मंगलवार को सुनवाई के दौरान अन्य न्यायमित्र एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राजशेखर राव ने अदालत से कहा था कि विवाह संस्था की रक्षा और दुरुपयोग की आशंका वैवाहिक बलात्कार को भारतीय दंड संहिता के तहत अपवाद मानने का आधार नहीं हो सकते।

न्याय मित्र के रूप में अदालत का सहयोग कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजशेखर राव ने कहा कि पहले भी आपराधिक मामलों के दुरुपयोग की आशंका रही है और विवाह संस्था की रक्षा के लिए कानून भी रहे हैं, लेकिन पत्नियों को कम गंभीर प्रकृति के यौन अपराधों समेत किसी अपराध के लिए पतियों के खिलाफ अभियोजन चलाने की शक्ति नहीं दी गई।

अदालत ने 17 जनवरी को केंद्र से वैवाहिक बलात्कार के अपराधीकरण के मुद्दे पर अपनी सैद्धांतिक स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा था। उच्च न्यायालय की पीठ गैर सरकारी संगठन आरआईटी फाउंडेशन, ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक विमेन्स एसोसिएशन, एक पुरुष और एक महिला द्वारा दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

इसमें भारतीय बलात्कार कानून के तहत पतियों को दिए गए अपवाद को खत्म करने की मांग की गई है। न्याय मित्र ने इसके पहले कहा था कि एक विवाहित महिला को अपने पति पर मुकदमा चलाने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है, अगर उसे लगता है कि उसके साथ बलात्कार किया गया था। केंद्र सरकार ने इस मामले में दायर अपने पहले हलफनामे में कहा है कि वैवाहिक बलात्कार को एक आपराधिक उल्लंघन नहीं बनाया जा सकता क्योंकि यह एक ऐसी घटना बन सकती है जो विवाह की संस्था को अस्थिर कर सकती है और पतियों को परेशान करने का सरल औजार बन सकती है।

दिल्ली सरकार ने अदालत को बताया है कि वैवाहिक बलात्कार को पहले से ही भारतीय दंड संहिता के तहत क्रूरता के अपराध के रूप में शामिल किया गया है। याचिकाकर्ताओं ने भारतीय दंड संहिता की धारा 375 (बलात्कार) के तहत वैवाहिक बलात्कार अपवाद की संवैधानिकता को इस आधार पर चुनौती दी है कि यह उन विवाहित महिलाओं के साथ भेदभाव करती है जिनका उनके पतियों द्वारा यौन उत्पीड़न किया जाता है।

वाराणसी में कोविड-19 से संक्रमितों के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करते ब्राह्मण समुदाय के श्रृद्धालु

दिल्ली की तिहाड़ जेल में जांच से डरकर कैदी ने निगला मोबाइल फोन

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल में जांच के दौरान एक कैदी ने अधिकारियों के हाथों पकड़े जाने के डर से एक मोबइल फोन को निगल लिया। पुलिस ने बताया कि एंडोस्कोपी करने के बाद कैदी के शरीर से मोबाइल निकाला गया। कैदी के पेट में रखे मोबाइल से संबंधित एक्स-रे का कथित वीडियो भी मिला है। महानिदेशक संदीप गोयल के अनुसार घटना पांच जनवरी को हुई जब जेल कर्मचारी जांच कर रहे थे। कर्मचारी जैसे ही सेंट्रल जेल नंबर। में बंद कैदी के पास पहुंचे, उसने फोन निगल लिया। अधिकारियों ने कहा कि कैदी को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया और बाद में इलाज के लिए जीबी पंत अस्पताल भेजा गया। गोयल ने कहा कि चिकित्सकों ने एंडोस्कोपी के जरिए उसके शरीर से मोबाइल फोन निकाला। अधिकारी ने बताया कि कैदी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और वह वापस जेल में है और उसकी हालत स्थिर है।

अंगीठी के जहरीले धुएं से महिला और चार बच्चों की दर्दनाक मौत

भाषा। नई दिल्ली

शाहदरा के सीमापुरी इलाके में बुधवार को कथित तौर पर कमरे में रखी अंगीठी से निकले जहरीले धुएं में सांस लेने से 30 वर्षीय महिला और उसके चार बच्चों की मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी के मुताबिक बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) पर कॉल आई, जिसमें पुराने सीमापुरी इलाके की एक इमारत की पांचवीं मंजिल पर स्थित कमरे में चार से पांच लोगों के बेहोश पड़े होने की जानकारी दी गई। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचने पर एक महिला और उसके तीन बच्चे मृत मिले, जबकि सबसे छोटे बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि मोहित कालिया (35) अपनी पत्नी राधा और दो बेटियों तथा दो बेटों के साथ किराए के मकान में रहता था। जान गंवाने वाले बच्चों की पहचान कोमल (11), जितिन (8), रौशनी (4) और आरव (3) के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) आर सत्यसुंदरम के अनुसार जिस फ्लैट में वे रह रहे थे, उसका मालिक शालीमार गार्डन निवासी अमरपाल सिंह है।

पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि उन सभी की मौत भीषण ठंड के बीच कमरे के अंदर रखी अंगीठी के कारण दम घुटने से हुई क्योंकि छोटे से उस कमरे में हवा आने-जाने का कोई रास्ता नहीं था। उन्होंने कहा कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम के बाद ही चल पाएगा।

पुलिस ने कहा कि सभी कोणों से जांच की जा रही है और मोहित उनकी हिरासत में है। राधा के बड़े भाई ने घटना को लेकर संदेह जताया है। उन्होंने कह कि दोपहर एक बजे के आसपास जब मैं कार चला रहा था तो एक कॉल आई। जब मैं घर पहुंचा, तो मैंने देखा कि मेरे परिवार के सदस्य रो रहे थे और मुझे बताया गया कि मेरी बहन और उसके चार बच्चों की आज सुबह सोते समय मृत्यु हो गई।

हम तुरंत उसके घर पहुंच गए। राधा के भाई बंटू कुमार ने जीटीबी अस्पताल के आपातकालीन वार्ड के बाहर कहा कि मोहित ने कहा कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ कमरे के अंदर सो रहा था।

वह लगभग 11 बजे उठा और देखा कि वे सो रहे थे और शरीर में कोई हरकत नहीं थी। उसने उन्हें जगाने की कोशिश की, लेकिन कुछ नहीं हुआ और बाद में वह अपने छोटे बेटे को अस्पताल ले गया। कुमार ने कहा कि ऐसा कैसे हो सकता है कि उसी कमरे में उसके साथ सो रहे पांच लोगों की मौत हो गई और उसे कुछ पता ही नहीं चला।

सफाई कर्मचारी आयोग का कार्यकाल 2025 तक बढ़ाया गया

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का कार्यकाल तीन साल के लिए 31 मार्च, 2025 तक बढ़ा दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया। इस आयोग के कार्यक्षेत्र में सफाई कर्मचारियों के लिए सुविधाओं तथा अवसरों में असमानताओं को दूर करने की दिशा में केद्र सरकार को विशिष्ट कार्य योजनाओं की सिफारिश करना शामिल है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का गठन 1993 में संसद से पारित अधिनियम के तहत किया गया था। शुरुआत में इसका कार्यकाल 31 मार्च,1997 तक के लिए था। इस अधिनियम की वैधता को पहले 31 मार्च, 2002 तक और फिर 29 फरवरी 2004 तक बढ़ाया गया। वर्ष 2004 में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग अधिनियम की अवधि समाप्त होने के बाद से यह आयोग एक गैर सांविधिक संस्था के रूप में काम कर रहा है।

महाराष्ट्र सरकार को ओबीसी आयोग के समक्ष आंकड़े देने का निर्देश

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित आंकड़े अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के समक्ष पेश करे ताकि इनकी सत्यता की जांच की जा सके और वह स्थानीय निकायों के चुनावों में उनके प्रतिनिधित्व पर सिफारिशें कर सके।

शीर्ष अदालत ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (एसबीसीसी) को यह निर्देश दिया कि वह राज्य सरकार से सूचना मिलने के दो हफ्ते के अंदर संबंधित प्राधिकारियों को अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपे। न्यायमूर्ति एएम खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की तीन सदर्स्यय पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र ने इस अदालत से अन्य पिछड़े वर्गों के संबंध में राज्य के पास पहले से उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर चुनाव की अनुमति देने के लिए कहा है। आंकड़ों की जांच करने की बजाय, इन आंकड़ों को राज्य द्वारा नियुक्त आयोग के समक्ष प्रस्तुत करना उचित कदम होगा जो इनकी सत्यता की जांच कर सकता है। पीठ ने कहा कि

ओबीसी आरक्षण

अगर वह उचित समझे तो राज्य को सिफारिशें करें जिसके आधार पर राज्य या राज्य चुनाव आयोग आगे कदम उठा सकता है। राज्य सरकार से सूचनााआंकड़े प्राप्त होने के दो हफ्ते के भीतर संबंधित प्राधिकारियों को अगर सलाह दी जाती है तो आयोग अपनी अंतरिम रिपोर्ट दे सकता है।

हालांकि शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के संबंध में राज्य सरकार की ओर से तैयार की जाने वाली सूची केंद्र द्वारा की गई जनगणना से अलग होगी।

पीठ ने कहा कि राज्य उपलब्ध जानकारी और आंकड़े संबंधित आयोग के समक्ष पेश कर सकता है जो इसकी प्रभावशीलता के बारे में निर्णय ले सकता है और राज्य सरकार को आवश्यकतानुसार सिफारिशें कर सकता है।

यह स्पष्ट रूप से ओबीसी श्रेणी के लिए स्थानीय निकायों में सीटों का आरक्षण देने से पहले तीन स्तरीय जांच की कवायद को पूरा नहीं करेगा जो (2010 के फैसले के अनुसार) पूरी की जानी चाहिए थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह टिप्पणी उन विभिन्न राज्यों में लागू होगी जहां स्थानीय चुनाव होने हैं। उसने कहा कि जब तक तीन स्तरीय जांच पूरी नहीं होगी तब तक इन सीटों को सामान्य श्रेणी का माना जाएगा।

महाराष्ट्र की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर नफड़े ने कहा कि राज्य के पास कुछ आंकड़े हैं जिनके आधार पर आरक्षण कायम रखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि मार्च में चुनाव हैं और आंकड़ें आयोग के पास पहले से ही हैं। उन्होंने कहा कि आयोग से दो हफ्ते में रिपोर्ट देने के लिए कहा जा सकता है, ताकि सरकार मार्च में होने वाले चुनाव पर काम कर सके। उन्होंने कहा अन्यथा समुदाय का बड़ा वर्ग प्रतिधिनित्व से वंचित रह सकता है।

मध्य प्रदेश के संबंध में राज्य की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि चुनाव आयोग ने मध्य प्रदेश पंचायत राज और ग्राम स्वराज (संशोधन) अध्यादेश 2021 रद्द कर दिया है।

उन्होंने आश्वासन दिया है कि नया अध्यादेश शीर्ष अदालत के निर्देश के मुताबिक होगा।

पटना में एक ज्वैलर्स की गोली मारकर हत्या किए जाने के विरोध में प्रदर्शन करते दुकानदार

प्रधानमंत्री मोदी 27 को पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक की मेजबानी करेंगे

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जनवरी को डिजिटल माध्यम से पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक की मेजबानी करेंगे जिस दौरान रिश्तों को नई उंचाई पर लाने के लिए उठाए जाने वाले कदमों और क्षेत्रीय सुरक्षा के मौजूदा हालात पर चर्चा हो सकती है।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक इस शिखर बैठक में कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जुमरात तोकाएव, उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोएव, ताजकिस्तान के राष्ट्रपति इमामअली रहमान, तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति गुरबांगुली बर्दीमुहम्मदेवो और किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सद्र जापारोप भाग लेंगे। बयान में कहा गया है कि भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच शीर्ष नेताओं के स्तर पर इस तरह का यह पहला संवाद होगा। यह शिखर बैठक गणतंत्र दिवस के एक दिन बाद हो रही है। सूत्रों का कहना है कि 2021 की तरह इस साल भी कोविड माहामारी और संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर गणतंत्र दिवस पर कोई विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या शासन प्रमुख बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित नहीं होगा।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक मध्य एशियाई देशों के साथ भारत के बढ़ते संपर्क को प्रतिबिंबित करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में मध्य एशियाई देशों का पहला ऐतिहासिक दौरा किया था। इसके बाद द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों पर संवाद होता रहा है। बयान के अनुसार पिछले साल 18 से 20 दिसंबर तक विदेश मंत्रियों के स्तर पर भारत-मध्य एशिया संवाद का आयोजन नई दिल्ली में हुआ जिससे भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच संबंधों को गति मिली।

इससे पहले 10 नवंबर, 2021 को नई दिल्ली में अफगानिस्तान के संदर्भ में क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद का आयोजन हुआ जिसमें मध्य एशियाई देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों के सचिवों ने भाग लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक में भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच रिश्तों को नई उंचाई पर ले जाने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा हो सकती है।

मोदी आजादी के अमृत महोत्सव को समर्पित पहलों की शुरुआत करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर से संबंधित पहलों की राष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत होने के मौके पर आयोजित एक समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने यह जानकारी दी। पीएमओ ने कहा कि इस कार्यक्रम में सालभर से चल रहे आजादी के अमृत महोत्सव के तहत ब्रह्मा कुमारियों द्वारा की गईं पहलों की शुरुआत की जाएगी। इनमें 30 से अधिक अभियान और 15,000 से अधिक कार्यक्रम शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी 20 जनवरी को पूर्वाह्न 10:30 बजे आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर से संबंधित पहलों की राष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत होने के मौके पर आयोजित समारोह में मुख्य भाषण देंगे।

भारतीय कैदियों के जीवन पर एक नई पुस्तक

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय कैदियों का जीवन और उनकी स्वतंत्रताओं को एक पुस्तक ने सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास किया है। होप बिहाइंड बार्स-नोट्स फ्रॉम इंडियन प्रिजंस शीर्षक यह पुस्तक कारावास के जटिल विचार के बारे में पाठकों के समक्ष कई मूल्यवान दृष्टियां रखती है।

यह पुस्तक निबंधों का एक संकलन है जिसके लेखकों में सर्वोच्च अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के अलावा कई पूर्व जेल प्रशासक, वकील, पत्रकार, शिक्षाविद, शोधकर्ता और जमीनी स्तर के संगठनों के नेता और पूर्व कैदी शामिल हैं। इसे राष्ट्रमंडल मानवाधिकार पहल (सीएचआरआई) के निदेशक संजय हजारिका और सीएचआरआई के जेल सुधार कार्यक्रम की प्रमुख मधुरिमा धानुका द्वारा संपादित किया गया है। पैन मैकमिलन इंडिया द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का उद्देश्य प्रणाली की अपारदर्शिता पर प्रकाश डालना है।

धनखड़ ने मुख्य सचिव को जवाब के लिए सात दिन की समयसीमा दी

भाषा। कोलकाता

तलब किए जाने के बावजूद दो बार पेश होने में विफल रहे पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव एच के द्विवेदी को राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने पत्र लिखकर इस बारे में सात दिन के भीतर जवाब देने को कहा है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी नेता विपक्ष शुभेन्दु अधिकारी को एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए झारग्राम जाने से क्यों रोका गया।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि नेता विपक्ष के आवागमन पर कोई प्रतिबंध नहीं होना चाहिए। धनखड़ ने मुख्य सचिव को 18 जनवरी को लिखे दो पन्नों के अपने पत्र में कड़े शब्दों में कहा है कि इस मामले में जवाब देने के लिए उन्हें यह आखिरी मौकौ दिया जा रहा है और अगर वह इस बार भी उनके सामने पेश नहीं होते हैं तो आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम होंगे। राज्यपाल ने कहा कि मुख्य सचिव को मामले में अपने कार्य के बारे में भी पूरी जानकारी देनी होगी। पत्र में कहा गया है, घटनाओं का क्रम इस बात में कोई संदेह नहीं छोड़ता है कि मुख्य सचिव के स्तर पर यह कर्तव्य की अवहेलना का चरम है।

वास्तव में यह रुख आदत बन गया है। राज्यपाल ने लिखा कि मुख्य सचिव को उपरोक्त मामले के संबंध में अपना व्यापक उत्तर प्रदान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, किसी भी स्थिति में इस संचार की प्राप्ति से सात दिनों के भीतर ऐसा नहीं होने पर यह मान लिया जाएगा कि वह इस कार्यालय के वैध निर्देशों की पूर्ण अवहेलना कर रहे हैं और उनके कार्य अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 का उल्लंघन हैं, जिसके आने वाले समय में गंभीर परिणाम होंगे।

धनखड़ ने आठ जनवरी को मुख्य सचिव एच के द्विवेदी और राज्य के पुलिस महानिदेशक मनोज मालवीय को एक दिन पहले की उस कथित घटना पर जानकारी देने के लिए तलब किया था जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेन्दु अधिकारी को झारग्राम जिले के नेताई में एक कार्यक्रम में शामिल होने से रोका गया था। राज्यपाल ने यह कदम नेता विपक्ष द्वारा राजभवन में की गई शिकायत के बाद उठाया था। धनखड़ ने दोनों अधिकारियों से एक लिखित रिपोर्ट भी मांगी थी।

दोनों अधिकारी 10 जनवरी को राज्यपाल से मिलने नहीं पहुंचे थे। ए अधिकारी 12 जनवरी को भी पेश नहीं हुए थे और न ही अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) तथा न ही पुलिस महानिदेशक की ओर से कोई पुलिस अधिकारी जानकारी देने के लिए धनखड़ के सामने पेश हुआ था। शुभेन्दु अधिकारी ने दावा किया था कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद पुलिस ने उन्हें झारग्राम के नेताई जाने से रोक दिया था। नेता विपक्ष भीमपुर गए थे जहां उन्हें उन नौ लोगों को श्रद्धांजलि देनी थी जो सात जनवरी 2011 को तत्कालीन वाम मोर्चा शासन के दौरान एक कथित माकपा कार्यकर्ता के घर से हुई गोलीबारी में मारे गए थे।

बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर में हथियारों और गोला बारूद का जखीरा मिला

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में बुधवार को जमीन में दबा हुआ हथियारों का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गोलतोरे के नोलबोना पंचायत क्षेत्र के बरदाना गांव में सड़क निर्माण के दौरान, मिट्टी के नीचे दबाए गए बोरों में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मौके से 35-40 हथियार और 400-450 गोलियां मिलीं।

अधिकारी ने कहा कि देखने से ऐसा लगता है कि इन हथियारों को कई साल पहले गाड़ा गया था। हथियार भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। हमने उन्हें जब्त कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

अधिकारी ने कहा कि अपराह्न एक बजे मिट्टी को समतल किया जा रहा था जिसके दौरान हथियारों का जखीरा मिला।

कोविड-19 से मृत्यु पर मुआवजे के वितरण के मामले में राज्यों से सुप्रीम कोर्ट नाखुश

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कोविड-19 से मृत्यु के मामलों में मृतकों के परिजनों को मुआवजा नहीं दिए जाने को लेकर बुधवार को राज्य सरकारों पर अप्रसन्नता जताई और आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा कि क्यों नहीं उनके खिलाफ अवमानना कार्वाई शुरू की जाए। शीर्ष अदालत ने आंध्र प्रदेश और बिहार सरकार के मुख्य सचिवों को बुधवार अपराह्न दो बजे ऑनलाइन पेश होने और यह स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया कि कोविड-19 से मृत्यु के मामलों में परिजनों को 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि का वितरण उनके राज्यों में कम क्यों हुआ है। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की पीठ ने कहा कि वह अपराह्न दो बजे आदेश सुनाएगी।

● आंध्र और बिहार के मुख्यसचिव तलब

पीठ ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों से कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से संपर्क करने तथा मुआवजा दावों का पंजीकरण और वितरण उसी तरह करने के लिए कहा कि जैसा 2001 में गुजरात में आए भूकंप के दौरान किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह कोविड-19 से मृत्यु के बिहार द्वारा दिए गए आंकड़ों को खारिज करती है और ए आंकड़े वास्तविक नहीं बल्कि सरकारी हैं।

पीठ ने बिहार सरकार की तरफ से पेश हुए वकील से कहा कि हमें भरोसा नहीं हो रहा कि बिहार राज्य में कोविड के कारण केवल 12,000 लोगों की मृत्यु हुई। हम चाहते हैं कि आपके मुख्य सचिव दो बजे डिजिटल तरीके से यहां पेश हों। शीर्ष अदालत वकील गौरव कुमार बंसल और अन्य लोगों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें कोविड-19 से मारे गए लोगों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत ने कोविड-19 से मृत्यु के मामलों में अनुग्रह राशि के वितरण के लिए बनाए गए पोर्टल के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार नहीं होने पर भी पिछले साल 13 दिसंबर को अप्रसन्नता व्यक्त की थी।

पीठ ने कहा था कि जब तक व्यापक प्रचार नहीं किया जाता, तब तक लोग उस पोर्टल के बारे में नहीं जान पाएंगे, जिस पर वे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा था कि कुछ राज्यों ने अखबारों में विशेष रूप से स्थानीय भाषा के अखबारों और स्थानीय चैनलों में विज्ञापनों में पोर्टल के संबंध में पूरा विवरण देकर व्यापक प्रचार नहीं किया। उच्चतम न्यायालय ने कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने के संबंध में दिए गए उसके निर्देशों के विपरीत अधिसूचना जारी करने पर 18 नवंबर को गुजरात सरकार से अप्रसन्नता जताई थी। शीर्ष अदालत ने चार अक्टूबर को कहा था कि कोविड-19 से मृत किसी व्यक्ति के परिजन को 50,000 रुपए का मुआवजा देने से कोई भी सरकार केवल इस आधार पर मना नहीं करेगी कि मृत्यु प्रमाणपत्र में कारण में वायरस का उल्लेख नहीं है।

पश्चिम बंगाल में अंदरूनी कलह से त्रस्त भाजपा को सभी मुद्दों का समाधान होने की उम्मीद

भाषा। कोलकाता

अंदरूनी कलह से त्रस्त भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई विधानसभा चुनाव में मिली हार से उभरने की कोशिश कर रही है लेकिन वरिष्ठ नेता पार्टी को आगे बढ़ाने में अधिक समय न देकर सोशल मीडिया पर झगड़े में लिप्त हैं। हालांकि पार्टी को उम्मीद है कि जल्द ही सभी समस्याओं को सुलझा लिया जाएगा। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई में हाल के संगठनात्मक सुधार के बाद मंथन शुरू हो गया था, जिसमें कई वरिष्ठ नेताओं और पार्टी विधायकों ने शीर्ष नेताओं की उनके फैसलों को लेकर खुले तौर पर आलोचना की थी।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा, हां, कुछ मुद्दे रहे हैं, कुछ लोग खुश नहीं हैं... लेकिन हमें उम्मीद है कि जल्द ही समस्याओं का समाधान हो जाएगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल रॉय सहित पांच विधायकों के तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के बाद अपने नेताओं को एक साथ रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही पार्टी को आंतरिक विद्रोह का सामना करना पड़ है क्योंकि प्रमुख पदों से हटाए जाने से नाराज नेता अलग-अलग बैठकें आयोजित कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, मतुआ समुदाय के प्रमुख नेता और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने हाल में पार्टी के व्हाट्सएप समूहों को छोड़ दिया है और राज्य नेतृत्व पर नए लोगों को लाने के लिए उनके समुदाय के नेताओं को दरकिनार करने का आरोप लगाया है। अशोक किरतनिया, सुब्रत ठाकुर और मुकुटमणि अधिकारी सहित समुदाय के नौ भाजपा विधायक पिछले एक महीने में भाजपा विधायकों के व्हाट्सएप समूह से बाहर हो गए हैं। शांतनु ठाकुर ने कहा, ऐसा लगता है कि भाजपा अब पार्टी में मतुआ समुदाय द्वारा निभाई गई भूमिका को स्वीकार नहीं करती है। जिस तरह से मुट्ठी भर नेताओं द्वारा पार्टी चलाई जा रही है वह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। राज्य पदाधिकारियों की समिति बिना किसी उचित परामर्श के बनाई गई थी।

हालांकि राज्य नेतृत्व ने नाराजगी पर ध्यान दिया है और आश्वासन दिया है कि मुद्दों को सुलझा लिया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि नाराज नेताओं का समूह जाहिर तौर पर जिलों में अन्य नाराज सदस्यों के संपर्क में है और उन्हें एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहा है। मतुआ समुदाय के एक नेता ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम असंतुष्ट नेताओं के लिए एक मंच बनाना चाहते हैं ताकि वे अपने विचारों को व्यक्त कर सकें। हम केंद्रीय नेतृत्व के कदम उठाने का इंतजार करेंगे, उम्मीद है कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद केन्द्रीय नेतृत्व कोई कदम उठाएगा। असंतुष्ट नेताओं के एक वर्ग ने दावा किया कि नए प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, जिन्होंने पिछले साल सितंबर में पदभार संभाला था, और राज्य भाजपा महासचिव (संगठन) अमिताभ चक्रवर्ती को पार्टी सदस्यों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा के एक नेता ने कहा, बंगाल में भाजपा को महान ऊंचाइयों पर ले जाने वाले पदाधिकारियों की टीम मुकुल रॉय, बाबुल सुप्रियो और कुछ केन्द्रीय नेताओं के इशारे पर, चुनाव से ठीक छह-सात महीने पहले 2020 में महासचिव (संगठन) सुब्रत चटर्जी को हटाने से परेशान थी। फिर तृणमूल कांग्रेस से लोगों को लाकर टिकट दिया गया और पुराने लोगों की अनदेखी की गई। परिणाम सभी को पता है।

सोनिया, राहुल, प्रियंका से मिले बघेल, उप्र चुनाव और छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं पर चर्चा की

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात कर उप्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान और छत्तीसगढ़ सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, बघेल ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को अपने पुत्र के विवाह का निमंत्रण भी दिया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ बघेल की मुलाकात के दौरान उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रचार अभियान और खासतौर पर डिजिटल प्रचार के तौर-तरीकों को लेकर चर्चा की गई। बघेल ने उप्र में अपने चुनावी दौरे के आधार पर कांग्रेस नेतृत्व को अपना फीडबैक भी दिया। बघेल उप्र विधानसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक हैं। मुख्यमंत्री के करीबी सूत्रों का कहना है कि छत्तीसगढ़ में लागू कई जनहितैषी योजनाओं को पार्टी द्वारा चुनावी राज्यों के घोषणा पत्र में शामिल करने की संभावना है।

आगरा में कड़ाके की ठण्ड में ऐतिहासिक ताजमहल को देखने पहुंचे पर्यटक।

असम-मेघालय सीमा विवाद को लेकर संगमा, हिमंत अमित शाह से मिलेंगे

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने बुधवार को कहा कि वह असम के अपने समकक्ष हिमंत बिस्व सरमा के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बृहस्पतिवार को मिलेंगे तथा उन्हें छह इलाकों में सीमा विवाद के हल के लिए पूर्वोत्तर के दोनों राज्यों की सिफारिश सौंपेंगे। संगमा ने संवाददाताओं को बताया कि यह मुलाकात बृहस्पतिवार की शाम नई दिल्ली में होगी। मेघालय मंत्रिमंडल की एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संगमा ने यह घोषणा की। बैठक में, उनकी सरकार द्वारा सीमा विवाद पर गठित तीन क्षेत्रीय समितियों की सिफारिशों को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि मेघालय की क्षेत्रीय समितियों और असम सरकार की सिफारिशें केंद्रीय गृह मंत्रालय को आगे की कार्वाई के लिए दी जाएंगी।

संगमा ने कहा, असम के मुख्यमंत्री और मैं बृहस्पतिवार की शाम (छह बजे के बाद) दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री को रिपोर्ट सौंपेंगे। हम कम से कम एक साझा रिपोर्ट सौंपेंगे और तब मुझे लगता है कि भारत सरकार को कानून के मुताबिक आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि चर्चा के बाद गृह मंत्रालय एक निष्कर्ष को अंतिम रूप देगा। उन्होंने कहा कि सीमांकन, संसदीय प्रक्रिया के बाद किया जाएगा। संगमा ने कहा, भारतीय सर्वेक्षण विभाग को आना होगा और संयुक्त अवलोकन करना पड़ सकता है तथा विधेयक भी पारित करना होगा। उन्होंने कहा कि दोनों राज्य सीमावर्ती इलाकों में गांवों पर सहमत हो गए हैं तथा नदियों और वनों सहित प्राकृतिक सीमाओं की पहचान कर ली गई है। मतभेद वाले छह स्थानों पर 36 गांव है जिनका कुल क्षेत्रफल 36.79 वर्ग किमी है। संगमा ने कहा कि सीमा विवाद 50 वर्षों से है और इसका हल करना मुश्किल कार्य है लेकिन दोनों राज्यों की कोशिशों के चलते हम एक समाधान पर पहुंच गए हैं

चन्नी बेईमान आदमी हैः अरविंद केजरीवाल

चंडीगढ़। आप के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी आम आदमी नहीं बल्कि बेईमान आदमी हैं। केजरीवाल ने चन्नी के रिश्तेदारों के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी पर कांग्रेस नेता को घेरने की कोशिश की है। केजरीवाल ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब ईडी ने बालू माफिया के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत चन्नी के रिश्तेदार और अन्य से जुड़े परिसरों पर छापा मारा है। चन्नी ने छापेमारी को मामले में उन्हें फंसाने का प्रयास करार दिया और दावा किया कि यह बदला लेने के लिए किया जा रहा है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस महीने की शुरुआत में फिरोजपुर में एक रैली को संबोधित किए बिना लौटना पड़ा था। केजरीवाल ने अपनी टिप्पणी के जरिए चन्नी की आम आदमी की छवि को निशाना बनाने की कोशिश की है। चन्नी पिछले साल मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही खुद को आम आदमी दिखाने की कोशिश में जुटे हैं।

हरक सिंह की वापसी को लेकर कांग्रेस में विरोध तेज

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए 14 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले भाजपा से निष्कासन के राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत ने कांग्रेस में जल्द वापसी के प्रयास तेज कर दिए हैं, लेकिन प्रदेश कांग्रेस में उनकी वापसी को लेकर विरोध बढता जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस में अपने वापसी के खिलाफ बढ़ते विरोध के मद्देनजर हरक सिंह ने दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेताओं से संपर्क कर अपना पक्ष रखा है। हालांकि, सूत्रों ने यह नहीं बताया कि हरक सिंह ने किन नेताओं से संपर्क किया था। उन्होंने बताया कि हरक सिंह ने शीर्ष नेताओं से मुलाकात के दौरान अपने प्रभाव से पांच से 10 सीटें पार्टी को दिलवाने का भरोसा दिलाया है।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस आलाकमान से अभी तक हरक सिंह को पार्टी में शामिल करने का कोई संकेत नहीं मिला है। दूसरी तरफ, हरीश रावत द्वारा हरक सिंह की कांग्रेस में वापसी का विरोध किए जाने के बाद रावत के समर्थक कई नेता भी खुलकर विरोध में बोलने लगे हैं।

हरीश रावत ने संवाददाताओं से बातचीत में कई बार संकेत दिए कि वह हरक सिंह तथा अन्य बागियों की कांग्रेस में वापसी को लेकर सहज नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2016 में उनकी सरकार के खिलाफ बगावत हरीश रावत के खिलाफ नहीं बल्कि लोकतंत्र और उत्तराखंड के खिलाफ थी। गौरतलब है कि तत्कालीन हरीश रावत सरकार के खिलाफ बगावत करने वाले 10 कांग्रेस विधायकों में हरक सिंह भी शामिल थे। बगावत के बाद प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लग गया था।

रावत के करीबी राज्यसभा सदस्य प्रदीप टम्टा ने कहा कि 2016 में साजिश के तहत लोकतंत्र की हत्या करने वालों को पार्टी में वापस लेने पर जनता को जवाब देना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने ऐसे लोगों को पार्टी से दूर रखे जाने पर जोर देते हुए कहा कि इसकी क्या गारंटी है कि एक बार लोकतंत्र की हत्या कर चुके पापी अपने उस कृत्य को फिर नहीं दोहराएंगे? केदारनाथ से कांग्रेस विधायक मनोज रावत ने भी हरक सिंह को लोकतंत्र का हत्यारा बताते हुए कहा कि वरिष्ठ पार्टी नेताओं को इस पर अच्छी तरह विचार करना चाहिए कि ऐसे लोगों को पार्टी में लिया जाए या नहीं।

क्विक न्यूज

गोवा में आप के सीएम पद के उम्मीदवार होंगे अमित पालेकर

पणजी। आप ने गोवा में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए वकील से नेता बने अमित पालेकर को बुधवार को पार्टी का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया। पालेकर (46) हाल ही में आप में शामिल हुए थे और वह सेंट क्रूज़ विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार हैं। अभी यह सीट भाजपा के पास है। आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री ने पणजी में उनके नाम की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा, गोवा बदलाव चाहता है और आप को तटीय राज्य में अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। लोग दिल्ली के शासन मॉडल से प्रभावित हैं। केजरीवाल ने कहा कि इस बार पार्टी ने पूरे राज्य में नए चेहरों को टिकट दिया है। पालेकर, गोवा के लिए एक नया चेहरा है। आप ने घोषणा की थी कि वह गोवा में अपने मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में भंडारी समुदाय के किसी व्यक्ति को लाएंगे। पालेकर का नाता भंडारी समुदाय से है। केजरीवाल ने इस बात से इनकार कर दिया कि गोवा में भंडारी समुदाय के एक सदस्य को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बना कर आप जातिगत राजनीति कर रही है। हम अन्य राजनीतिक दलों द्वारा की जाने वाली जातिगत राजनीति को ठीक कर रहे हैं।

गोवा में शिवसेना और राकांपा के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन कांग्रेस ने प्रस्ताव पर नहीं दिया जवाब

पणजी। गोवा में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने चुनाव पूर्व गठबंधन करने की घोषणा की है। बुधवार को दोनों दलों ने यह निर्णय लिया और कहा कि कांग्रेस ने गठबंधन के प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नही दी। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि गोवा मे, शिवसेना और राकांपा के शामिल हुए बिना अगली सरकार नही बन सकती। वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि शिवसेना और राकांपा प्रत्एक, कम से कम 10-12 सीटों पर अपने उम्मीदवार पेश करेगी। पटेल ने राउत के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता मे कहा, गोवा मे चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए राकांपा ने कांग्रेस से बात करने की कोशिश की थी। हमने उनसे कहा कि सरकार बनाने के लिए साथ मिलकर काम करते है। पटेल ने कहा कि संजय राउत ने भी कांग्रेस को मुख्य दल के रूप मे रखते हुए संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस को प्रस्ताव दिया था। पटेल ने कहा, लेकिन हमारे इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया नही दी गई। हमें लगा कि कांग्रेस हमें वह सम्मान नही दे रही जिसके हम हक्दार है। उन्होंने कहा कि शिवसेना और राकांपा प्रत्एक, कम से कम 10-12 सीटो पर प्रत्याशी उतारेगी। गोवा मे कुल 40 सीटे है। राउत ने कहा कि कांग्रेस को लगता है कि वह अकेले सरकार बना लेगी। उन्होने कहा कि इसके लिए कांग्रेस को शुभकामनाएं।

ईवीएम के इस्तेमाल को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय बुधवार को जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 61ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर विचार करने को लेकर सहमत हो गया है। जन प्रतिनिधित्व कानून के इस प्रावधान के तहत ही देश में चुनाव मे मतपत्र की बजाय ईवीएम से मतदान की शुरुआत हुई थी। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने दलीलें सुनी और कहा कि वह उनके मामले को सूचीबद्ध करने पर विचार करेंगे। जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 61ए, जो ईवीएम के इस्तेमाल की अनुमति देती है, को संसद ने पारित नही किया था। इसलिए इस प्रावधान को लागू नही किया जा सकता है।

बयान में मोदी नाम लेने से उठे विवाद पर पटोले की सफाई को झूठा बताया भाजपा विधायक ने

लातूर। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और भाजपा के विधायक संभाजी पाटिल निलंगेकर ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के विवादित भाषण में मोदी का उल्लेख होने के संबंध में कांग्रेस नेता की तरफ से दी गई सफाई को गलत बताया। पिछले दिनो एक वीडियो मे सामने आए पटोले के बयान पर विवाद खड़ा हो गया है जिसमे वह कथित तौर पर कहते सुने जा सकते है कि वह मोदी को पीट सकते है और गाली दे सकते है। बाद में उन्होंने सफाई दी कि वह भंडारा जिले के एक स्थानीय गुंडे मोदी का जिक्र कर रहे थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात नही कर रहे थे। निलंगेकर ने बयान जारी कर मांग की कि पटोले को उस आदमी की तस्वीर जारी करनी चाहिए और उसका ब्योरा देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, वह डरावनी है।

कांग्रेस ने गोवा के लिए पांच और उम्मीदवार घोषित किए

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को पांच उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की। पार्टी की ओर से जारी सूची मे प्रमुख नाम पूर्व मंत्री माइकल लोबो की पत्नी डलैला लोबा है जिन्हे सियोलिम विधानसभा क्षेत्र टिकट दिया गया है। माइकल लोबो और डेलैला हाल मे भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। माइकल लोबो को कालंग्यूट विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है।

मुंबई में कोविड-19 के वैरियंट ओमिक्रान के बढ़ते संक्रमण में भी दादर बाजार में लोगों की लगी भीड़।

तमिलनाडु के राजनीतिक दलों ने शहरी निकाय के लिए एकल चरण चुनाव का समर्थन किया

चेन्नई। तमिलनाडु में राजनीतिक दलों ने शहरी निकायों के लिए एकल चरण में चुनाव कराने और इन चुनावों के सुचारू संचालन के लिए अर्द्धसैन्य बलों की तैनाती किए जाने का बुधवार को समर्थन किया। तमिलनाडु राज्य निर्वाचन अधिकारी (एसईसी) वी पलानीकुमार की अध्यक्षता में विचार-विमर्श के लिए यहां हुई एक बैठक में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अलावा अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) समेत विपक्षी दलों ने राय रखी कि चुनाव एक दिन में आयोजित किए जाने चाहिए।

बैठक में भाग लेने वाले 11 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने एसईसी से मांग की कि चुनाव के दौरान कोविड-19 संबंधी सरकारी सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। निर्वाचन आयोग की तमिलनाडु में 21 निगमों, 138 नगर पालिकाओं और 498 नगर पंचायतों के लिए चुनाव कराने की योजना है।

इस बीच, नगरपालिका प्रशासन मंत्री के एन नेहरू ने कहा कि तमिलनाडु सरकार चुनाव कराने के लिए तैयार है और उसने चुनाव की संभावित तारीखों के बारे में एसईसी को पहले ही बता दिया है। उन्होंने यहां एक रेलवे पुल की समीक्षा करने के बाद संवाददाताओं से कहा, चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने का निर्णय निर्वाचन आयोग को लेना है। अन्नाद्रमुक और उसकी सहयोगी भाजपा ने चुनाव के सुचारू संचालन के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को संवेदनशील मतदान केंद्रों पर तैनात किए जाने का आयोग से आग्रह किया। छह साल बाद संभवत: फरवरी में होने वाले चुनावों से पहले एसईसी ने मतदाताओं की सूची को अंतिम रूप दे दिया है।

पूर्व सीडीएस दिवंगत जनरल रावत के भाई कर्नल विजय भाजपा में हुए शामिल

भाषा। नई दिल्ली

देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष दिवंगत जनरल विपिन रावत के भाई सेवानिवृत्त कर्नल (सेवानिवृत्त) विजय रावत उत्तराखंड विधानसभा चुनाव से पहले बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक और राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी की मौजूदगी में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। विजय रावत ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा का काम करने का तरीका बहुत प्यारा है और यही एक पार्टी है जो वास्तव में देश का भला करना चाहती है। उन्होंने कहा, भाजपा की सोच भी बहुत अच्छी है। ज्ञात हो कि पिछले साल एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जनरल विपिन रावत और उनकी पत्नी सहित कई अन्य सैन्यकर्मियों का निधन हो गया था।

कोर्ट में महाराष्ट्र में बारह भाजपा विधायकों के निलंबन के मामले में सुनवाई पूरी, फैसला बाद में

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र विधानसभा से पीठासीन अधिकारी से दुर्व्यवहार करने के आरोप में एक साल के लिए निलंबित किए गए भाजपा के 12 विधायकों की याचिका पर बुधवार को सुनवाई पूरी कर ली। न्यायालय इस पर अपना फैसला बाद में सुनाएगा। न्यायमूर्ति एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने संबंधित पक्षों से कहा है कि वे एक हफ्ते के अंदर-अंदर लिखित दलीलें दें।

शुरुआत में, एक विधायक की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने दलील दी थी कि लंबे समय तक निलंबित रखना, निष्कासन से भी बदतर है क्योंकि इससे निर्वाचकों के अधिकार प्रभावित होते हैं। अन्य विधायकों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि एक साल के निलंबन का फैसला पूरी तरह से तर्कहीन है।

शीर्ष अदालत ने मंगलवार को कहा था कि विधानसभा से एक साल के लिए निलंबित करने को कोई मकसद होना चाहिए और सदस्यों को अगले सत्र तक में शामिल होने की अनुमति नहीं देने का ‘जबरदस्त’ कारण होना चाहिए। भाजपा के 12 विधायकों ने एक साल के लिए निलंबित करने वाले विधानसभा में पारित प्रस्ताव को चुनौती दी है। उन्हें पिछले साल पांच जुलाई को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। राज्य सरकार ने उन पर विधानसभा के अध्यक्ष के कक्ष में पीठासीन अधिकारी भास्कर जाधव के साथ ‘दुर्व्यवहार’ करने का आरोप लगाया था। निलंबित 12 सदस्यों में संजय कुटे, आशीष शेलार, अभिमन्यु पवार, गिरीश महाजन, अतुल भटकलकर, पराग अलवानी, हरीश पिंपले, योगेश सागर, जय कुमार रावत, नारायण कुचे, राम सतपुते और बंटी भांगड़िया शामिल हैं।

ईडी की छापेमारी मुझे फंसाने का एक षड्यंत्र हैः पंजाब के मुख्यमंत्री चन्नी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार उन्हें उस मामले में फंसाने के लिए षड्यंत्र रच रही है, जिसे लेकर राज्य में कई स्थानों पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की है। चन्नी ने आरोप लगाया कि जब भी चुनाव होते हैं, केंद्र में भाजपा नीत सरकार राजनीतिक विपक्षियों को निशाना बनाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल करती है। चन्नी ने अपने रिश्तेदार के आवास पर ईडी द्वारा मंगलवार को की गई छापेमारी का जिक्र करते हुए कहा, इस मामले में मुझे फंसाने के लिए एक षड्यंत्र रचा गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि संघीय जांच एजेंसी के कर्मी इस मामले में उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। चन्नी ने सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत कुछ मंत्रियों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। प्रवर्तन निदेशालय के सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पंजाब में अवैध बालू खनन के खिलाफ जारी धनशोधन रोधी जांच के सिलसिले में की गई छापेमारी के दौरान 10 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई, जिसमें से आठ करोड़ रुपए चन्नी के भतीजे भूपिंदर सिंह उर्फ हनी से जुड़े परिसरों से जब्त किए गए। सूत्रों ने बताया कि दो करोड़ रुपए की नकदी संदीप कुमार नाम के एक शख्स के ठिकाने से बरामद हुई है।

चन्नी ने अपने भतीजे के परिसरों पर ईडी की छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए दावा किया कि नवांशहर (शहीद भगत सिंह नगर जिला) पुलिस द्वारा 2018 में दर्ज प्राथमिकी में उनका नाम शामिल भी नहीं था। बहरहाल, अधिकारियों ने कहा कि नवांशहर पुलिस की 2018 की प्राथमिकी और राज्य में अवैध रेत खनन के कारोबार में कथित रूप से शामिल कुछ कंपनियों एवं व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस को मिली इसी प्रकार की अन्य शिकायतों का संज्ञान लेने के बाद यह कार्वाई की गई।

चन्नी ने अपने भतीजे के परिसरों में ईडी की छापेमारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिरोजपुर की हालिया यात्रा से जोड़ने की कोशिश की। इस यात्रा के दौरान मोदी का काफिला किसानों के प्रदर्शन के कारण 15 से 20 मिनट तक रोके जाने के बाद प्रधानमंत्री को रैली को संबोधित किए बिना लौटना पड़ा था। मुख्यमंत्री ने ईडी की छापेमारी का जिक्र करते हुए कहा, यदि मोदी को लौटना पड़ा, तो इसमें मेरी क्या गलती है?... मुझसे बदला क्यों लिया जा रहा है? पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए 20 फरवरी को मतदान होना है।

पालमपुर में मिलिट्री स्टेशन पर परमवीर चक्र कैप्टन विक्रम बत्रा की मूर्ति का अनावरण करते हुए सैन्य अधिकारी

मंत्रिमंडल की बैठक

कर्जदारों को अनुग्रह राशि भुगतान को एसबीआई को 973 करोड़ जारी करने की मंजूरी दी

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के लिए 973.74 करोड़ रुपए की राशि जारी करने की स्वीकृति दी। यह राशि कोविड-19 महामारी के बीच 2020 में कर्ज की किस्त के भुगतान के लिए दी गई मोहलत से संबंधित है। मंत्रिमंडल के निर्णय की जानकारी देते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने संवाददाताओं से कहा कि निर्दिष्ट ऋण खातों में कर्ज लेने वाले लोगों को छह महीने के लिए चक्रवृद्धि ब्याज और साधारण ब्याज के बीच अंतर के बराबर अनुग्रह भुगतान के लिए बजट में 5,500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था।

उन्होंने कहा कि इसमें से 4,626 करोड़ रुपए का भुगतान 2020-21 में किया गया। अतिरिक्त 1,846 करोड़ रुपए का दावा लंबित है। मंत्री ने कहा कि इसके निपटान के लिए केंद्रीय

मंत्रिमंडल ने बकाया भुगतान को लेकर शेष राशि 973.74 करोड़ रुपए एसबीआई को देने को मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने कोविड संकट को देखते हुए 27 मार्च, 2020 को विभिन्न अवधि के कर्ज की किस्त लौटाने को लेकर मोहलत दी थी। यह मोहलत उन किस्तों के लिए दी गई थी, जो एक मार्च से 31 मई, 2020 के चुकाई जानी थी। बाद में इसे बढ़ाकर 31 अगस्त तक कर दिया गया था। वित्तीय और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों से मोहलत अवधि के दौरान 30 नवंबर, 2020 तक दो करोड़ रुपए तक के कर्ज पर लिए गए चक्रवृद्धि ब्याज और साधारण ब्याज के बीच अंतर के बराबर राशि संबंधित खातों में जमा करने को कहा गया था। वित्त मंत्रालय ने कहा था कि इस राशि को संबंधित खातों में डालने के बाद वित्तीय संस्थान केंद्र सरकार के समक्ष उसके भुगतान के लिए दावा करेंगे। दावा राशि के भुगतान के लिए एसबीआई को नोडल एजेंसी बनाया गया था।

मंत्रिमंडल ने इरेडा में 1,500 करोड़ रुपए की पूंजी डालने की मंजूरी दी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) लि. में 1,500 करोड़ रुपए की पूंजी डालने का निर्णय किया। इससे इरेडा की कर्ज देने की क्षमता बढ़कर 12,000 करोड़ रुपए हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के कर्ज संबंधी नियमों को देखते हुए यह फैसला किया गया है। मंत्री ने कहा कि इरेडा में 1,500 करोड़ रुपए की पूंजी डाले जाने से उसकी नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को कर्ज देने की क्षमता 12,000 करोड़ रुपए हो जाएगी। मंत्रिमंडल के इस निर्णय से इरेडा को 3,500 से 4,000 मेगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सृजित करने में मदद मिलेगी।

इंडियन गैस एक्सचेंज में इंडियन ऑयल को मिली 4.93 फीसदी हिस्सेदारी

भाषा। नई दिल्ली

बिजली बाजार इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) ने अपने गैस एक्सचेंज मंच इंडियन गैस एक्सचेंज (आईजीएक्स) की 4.93 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को बेचने की बुधवार को घोषणा की। आईजीएक्स के प्रवर्तक आईईएक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) हैं। इसकी स्थापना देश में गैस कारोबार को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। इस प्राकृतिक गैस कारोबार मंच में गेल (इंडिया), ओएनजीसी लिमिटेड, टॉरेंट गैस प्रालि और अडाणी टोटल गैस लिमिटेड रणनीतिक निवेशक हैं। आईईएक्स ने एक बयान में कहा, इंडियन एनर्जी एक्सचेंज और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, इंडियन गैस एक्सचेंज लिमिटेड में इंडियन ऑयल की 4.93 फीसदी रणनीतिक हिस्सेदारी की घोषणा करते हैं।

आईईएक्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक और आईजीएक्स के निदेशक एसएन गोयल ने कहा कि यह कदम भारत में गैस बाजार के निर्माण के संयुक्त प्रयास के लिहाज से एक अच्छा संकेत है और यह 2030 तक ऊर्जा मिश्रण में गैस की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। गोयल ने एक बयान में कहा, गैस क्षेत्र में इंडियन ऑयल की विशेषज्ञता भारतीय बाजारों के लिए नए उत्पादों को जोड़ने में मदद करेगी।

इंडियन ऑयल की तेल, गैस, पेट्रोकैमिकल के साथ-साथ उर्वरक क्षेत्र में भी मौजूदगी है। इंडियन ऑयल के चेयरमैन श्रीकांत माधव वैद्य ने कहा, गैस-आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण और देश मे जीवंत गैस बाजार बनाने में इंडियन गैस एक्सचेंज की महत्वपूर्ण भूमिका को हम स्वीकार करते हैं।

खाद्य तेल आयात पर भारत का खर्च 75 प्रतिशत बढ़कर 1,04,354 करोड़ रुपए पर : सोपा

भाषा। इंदौर

प्रसंस्करणकर्ताओं के एक प्रमुख संगठन ने बुधवार को कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष के शुरुआती नौ महीनों में खाद्य तेलों के आयात पर देश का खर्च 75 प्रतिशत के उछाल के साथ 1,04,354 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

इंदौर स्थित सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) के चेयरमैन डेविश जैन के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान अप्रैल से दिसंबर के बीच देश ने खाद्य तेल आयात पर 59,543 करोड़ रुपए खर्च किए थे। जैन ने खाद्य तेलों के धड़ल्ले से किए जा रहे आयात पर चिंता जताते हुए कहा, भारत दुनिया में खाद्य तेलों का सबसे बड़ा आयातक है। इस आयात पर हमारी बढ़ती निर्भरता से तेल निर्यातक देशों और उनके किसानों को फायदा हो रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार को खाद्य तेलों के आयात पर कर की दरें बढ़ाकर आयात नियंत्रित करना चाहिए और इन करों से मिलने वाले राजस्व को तेल-तिलहन क्षेत्र को बढ़ावा देने पर खर्च किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि भारत अपनी घरेलू खाद्य तेल जरूरत का करीब 60 प्रतिशत आयात से पूरा करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए पिछले साल अगस्त में एक राष्ट्रीय मिशन की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि इस मिशन के तहत खाद्य तेलों और पाम तेल का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए उपयुक्त वातावरण विकसित करने में 11,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया जाएगा।

अर्थव्यवस्था का पुनरुद्धार अभी टिकाऊ स्तर पर नहीं : रिपोर्ट

मुंबई। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने बुधवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में आर्थिक पुनरुद्धार के व्यापक होने के कुछ संकेत दिखे हैं लेकिन इसे अभी टिकाऊस्तर हासिल करना होगा। इक्रा रेटिंग्स को उम्मीद है कि देश का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अक्टूबर-दिसंबर, 2021 की तिमाही में एक साल पहले की तुलना में 6-6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर सकता है। इसके साथ ही उसे फरवरी में प्रस्तावित अगली मौद्रिक समीक्षा में भी नीतिगत दरें यथावत रहने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी की एक रिपोर्ट में उसकी मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि दिसंबर तिमाही में आर्थिक गतिविधियां फिर से पटरी में लौटती दिखीं। कुछ क्षेत्रों का प्रदर्शन अक्टूबर तिमाही की तरह पिछड़ने के बावजूद तीसरी तिमाही में स्थिति सुधरी है।

नायर के मुताबिक, कोविड-पूर्व की तुलना में तीसरी तिमाही में वृद्धि का फलक व्यापक होने के संकेत नजर आए हैं जो कि काफी उत्साहजनक है। उन्होंने कहा, हालांकि, महामारी की तीसरी लहर आने से राज्यों के स्तर पर फिर से पाबंदियां लगनी शुरू हो गई हैं। इससे पता चलता है कि यह पुनरुद्धार अभी टिकाऊ नहीं हो पाया है। रिपोर्ट कहती है कि दिसंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था के 15 में से 10 उच्च-आवृत्ति संकेतकों का प्रदर्शन एक साल पहले की तुलना में बेहतर रहा है।

जेएसडब्लू एनर्जी लि. 3री तिमाही 2020-21 (करोड़ ₹ में)

	31 दिसंबर 2020	31 दिसंबर 2021	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि %
संचालन राजस्व	1608.86	1893.54	17.69
आय	1659.26	1984.34	19.59
व्यय	1487.23	1578.96	6.17
कर-पूर्व लाभ	175.91	407.49	131.65
शुद्ध लाभ	123.53	323.93	162.23
प्रति शेयर आय(₹)	0.75	1.95	

समेकित, अनंकेक्षित
पीटीआई ग्राफिक

क्विक न्यूज

वित्त मंत्रालय ने आईआरडीएआई में पूर्णकालिक सदस्य के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बीमा नियामक आईआरडीएआई में पूर्णकालिक सदस्य के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। वित्तीय सेवा विभाग ने एक विज्ञापन में कहा कि भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) में पूर्णकालिक सदस्य के लिए पात्र उम्मीदवारों के आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उसने कहा कि आवेदक को बीमा के क्षेत्र में कम से कम 25 वर्ष का अनुभव होना चाहिए और न्यूनतम तीन वर्ष का अनुभव किसी वरिष्ठ पद पर कार्य करने का होना चाहिए। इसमें कहा गया कि आवेदक भारतीय रिजर्व बैंक में मुख्य महाप्रबंधक से नीचे रैंक का नहीं होना चाहिए या अन्य वित्तीय संस्थानों अथवा नियामक संस्थाओं में इस पद के समकक्ष होना चाहिए। आईआरडीएआई में 10 सदस्ईय टीम होती है जिनकी अगुवाई चेयरमैन करते हैं। इसमें पांच पूर्णकालिक सदस्य और चार अंशकालिक सदस्य होते हैं।

वित्त मंत्रालय ने मंत्रालयों, विभागों से खर्चों को तय सीमा तक रखने को कहा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने राजकोषीय घाटे को निर्धारित लक्ष्य की सीमा में रखने के प्रयासों के तहत मंत्रालयों और विभागों से कहा है कि वे संशोधित अनुमानों के अनुरूप अपने खर्चों को सीमित करें। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले आर्थिक मामलों के विभाग ने कार्यालय ज्ञापन में अनुदानों के लिए अनुपूरक मांगों के तीसरे और अंतिम बैच के लिए प्रस्ताव मांगे हैं और मंत्रालयों एवं विभागों से कहा है कि वे अपने प्रस्ताव 10 फरवरी तक भेजे। इसमें कहा गया, सभी मंत्रालयों और विभागों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने खर्चे संशोधित अनुमान की सीमा के भीतर सीमित करें। सरकार का आकलन है कि 31 मार्च को खत्म होने जा रहे चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 6.8 प्रतिशत रह सकता है। दो चरणों में होने वाला बजट सत्र 31 जनवरी को शुरू होगा और आठ अप्रैल तक चलेगा।

क्रेडआर पुराने दो पहिया वाहनों के कारोबार में विस्तार के लिए 1.5 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी

नई दिल्ली। पुराने दो पहिया वाहनों के खरीद-बिक्री मंच क्रेडआर ने बुधवार को कहा कि अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए वह 2022-23 में करीब 1.5 करोड़ डॉलर (करीब 110 करोड़ रुपए) का निवेश करेगी। क्रेडआर ने एक बयान में कहा कि उसकी योजना वित्त वर्ष 2022-23 में 50 क्रेडआर शोरूम खोलने और 2024 तक 100 से अधिक शोरूम खोलने की है। कंपनी की योजनाओं के बारे क्रेडआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सह-संस्थापक शशिधर नंदीगाम ने कहा, वैश्विक महामारी के दौरान हमारे कारोबार में असाधारण तरीके से तेजी आई। कोविड के बाद का प्रतिसाद बहुत बढ़िया था इसलिए हमने अपनी विस्तार योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का फैसला किया। कंपनी ने अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा, गुड़गांव और फरीदाबाद में अपने परिचालन का विस्तार किया है। जबकि बेंगलुरु, पुणे, जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और दिल्ली में उसकी मौजूदगी पहले से थी।

गेल ने निदेशक (विपणन) रंगनाथन के निलंबन की पुष्टि की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड (गेल) ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तारी के बाद कंपनी के विपणन निदेशक ई एस रंगनाथन के निलंबन की पुष्टि की है। सीबीआई ने निजी कंपनियों को पेट्रोरसायन उत्पादों पर छूट देने का वादा कर कथित तौर पर रिश्वत लेते के आरोपों में रंगनाथन को गिरफ्तार किया था। गेल ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया, राष्ट्रपति ने गेल कर्मचारी (आचरण अनुशासन और अपील) नियम, 1986 के नियम 25 के तहत श्री ई.एस. रंगनाथन को 18 जनवरी, 2022 से निलंबित कर दिया है। रंगनाथन को जुलाई, 2020 में गेल का निदेशक (विपणन) नियुक्त किया गया था। उन्हे अगले साल मई में सेवानिवृत्त होना था। सीबीआई ने रंगनाथन द्वारा 50 लाख रुपए की रिश्वत के एवज में निजी कंपनियों को छूट का वादा करने के मामले में 14 जनवरी को अपनी छापेमारी शुरू की थी। शनिवार को रंगनाथन के नोएडा स्थित घर की तलाशी लेने के साथ भीकाजी कामा प्लेस स्थित गेल मुख्यालय में उनके दफ्तर की भी तलाशी हुई। रंगनाथन के कार्यालय को सीबीआई ने सील कर दिया और उनसे पूछताछ की। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई ने इस मामले में शनिवार को निजी कंपनियों के कुछ लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद आवश्यक मंजूरी लेने के बाद रंगनाथन को 16 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। इसके साथ ही मंत्रालय ने गेल के निदेशक (कारोबार विकास) एम वी अय्यर को निदेशक (विपणन) का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का भी आदेश जारी किया है।

सेबी ने निवेशकों को जागरूक करने के लिए पेश किया मोबाइल ऐप साथी

नई दिल्ली। मोबाइल फोन के जरिए शेयर कारोबार के बढ़ते चलन के बीच बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को अपना मोबाइल ऐप...साथी...पेश किया। इस पहल का मकसद निवेशकों को प्रतिभूति बाजार की बुनियादी बातों से अवगत कराना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन अजय त्यागी ने ऐप पेश करते हुए कहा, निवेशकों को प्रतिभूति बाजार की जानकारी के साथ सशक्त बनाने की दिशा में यह मोबाइल ऐप सेबी का एक और कदम है। उन्होंने कहा कि हाल में बाजार में व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या बढ़ी है और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इनमें से बड़ी संख्या में निवेशक कारोबार फोन के जरिए कर रहे हैं। यह ऐप जरूरी जानकारी आसानी से हासिल करने में मददगार होगा। सेबी के ऐप का मकसद निवेशकों को प्रतिभूति बाजार की बुनियादी बातों, केवाईसी प्रक्रिया, कारोबार और निपटान, म्यूचुअल फंड, बाजार के ताजा घटनाक्रम, निवेशक शिकायत निपटान व्यवस्था आदि के बारे में जागरूक करना है। यह ऐप हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है।

पावर फाइनेंस, आरईसी ने ऋण पर ब्याज दरों में 0.4 प्रतिशत की कटौती की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गैर-बैकिंग वित्तीय कंपनी पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) और आरईसी लिमिटेड ने अपने सभी प्रकार के ऋण पर ब्याज दरों में 0.4 प्रतिशत की कटौती की है। बिजली मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पीएफसी और आरईसी ने अपने हर तरह के ऋण पर ब्याज दरों को 0.4 प्रतिशत तक घटाया है। मंत्रालय ने कहा कि कर्ज की कम लागत के कारण इन संगठनों ने ब्याज दरों को कम किया है। पीएफसी और आरईसी पहले से ही 6.25 प्रतिशत की न्यूनतम ब्याज दरों पर अल्पकालिक ऋण प्रदान कर रही है। बयान के अनुसार, केंद्रीय ऊर्जा और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने दरों को कम करने और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए दोनों कंपनियों द्वारा जारी प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऋण की दरों में लगातार कमी करने से बिजली इकाइयों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उधार लेने तथा बिजली क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए निवेश करने में मदद मिलेगी।

वैश्विक बाजारों में गिरावट के बीच सेंसेक्स 656 अंक लुढ़का, निफ्टी 18,000 अंक से फिसला

भाषा। मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और मानक सूचकांक... बीएसई सेंसेक्स 656 अंक लुढ़क गया। एनएसई निफ्टी भी 18,000 अंक से नीचे आ गया। वैश्विक बाजारों में गिरावट का असर घरेलू बाजार पर भी पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरू में बढ़त के साथ खुला। लेकिन यह तेजी कायम नहीं रह पाया और कुछ देर के लिए सेंसेक्स 60,000 के नीचे तक चला गया। अंत में यह 656.04 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,098.82 अंक पर बंद हुआ।

सात जनवरी के बाद सेंसेक्स का यह निचला स्तर है। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी

174.65 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,938.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस सबसे अधिक 2.77 प्रतिशत नुकसान में रही। इसके अलावा एशियन पेंट्स, एचयूएल, नेस्ले, बजाज फाइनेंस, विप्रो और कोटक बैंक 2.71 प्रतिशत तक नुकसान में रहे। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 22 नीचे आए। लाभ में रहने वाले शेयरों में एसबीआई, टाटा स्टील, मारुति, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। बीएसई मिडकैप 0.34 प्रतिशत नीचे आया जकि स्मॉलकैप (छोटी कंपनियों के शेयरों का सूचकांक) लगभग स्थिर रहा। बीएसई में कुल 3,495 शेयरों में 1,827 में गिरावट जबकि 1,579 लाभ में रहे। 89 के भाव अपरिवर्तित रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई है। इसका कारण मुद्रास्फीति में वृद्धि से बांड प्रतिफल बढ़ना है। इसके अलावा भू-राजनीतिक तनाव और तेल कीमतों में तेजी से भी निवेशकों का भरोसा प्रभावित हुआ है। इसके साथ विदेशी संस्थागत निवेशकों की मुनाफा वसूली के कारण घरेलू बाजार लगातार दूसरे दिन नुकसान में रहे।

बिल्डरों को इस साल संपत्ति की कीमतों में 30 प्रतिशत के उछाल की उम्मीद : सर्वे

भाषा। नई दिल्ली

बिल्डरों को उम्मीद है कि वर्ष 2022 में संपत्ति की कीमतों में 30 प्रतिशत तक का उछाल आएगा। भवन निर्माण सामग्रियों की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए संपत्तियों के भाव बढ़ सकते हैं। रियल एस्टेट कंपनियों के राष्ट्रीय संगठन क्रेडाई की एक सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 60 प्रतिशत डेवलपरों को इस साल संपत्ति की कीमतों में 20 फीसदी तक बढ़ोतरी की उम्मीद है। करीब 35 प्रतिशत का कहना है कि कीमत वृद्धि 10-20 प्रतिशत तक हो सकती है, जबकि 25 का मानना है कि संपत्ति के दामों में वृद्धि 10 फीसदी तक ही सीमित रह सकती है। हालांकि, सर्वे में शामिल 21 फीसदी डेवलपर इस साल संपत्ति के दाम 30 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद जता रहे हैं। देशभर के 1,322 डेवलपरों के बीच 30 दिसंबर 2021 से लेकर 11 जनवरी, 2022 के दौरान कराए गए इस सर्वे के नतीजे रियल एस्टेट डेवलपर धारणा सर्वे 2022 के नाम से जारी किए गए हैं। सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, बिल्डरों का कहना है कि भवन निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों के दाम बढ़ने से उनके लिए संपत्ति के दाम बढ़ाना जरूरी हो गया है। क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष हर्षवर्द्धन पटोदिया ने कहा कि महामारी के दौर में डेवलपर अपनी डिजिटल मौजूदगी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं ताकि ऑनलाइन बिक्री बढ़ाई जा सके।

फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंड के क्षेत्र में शीर्ष सेवा प्रदाता बना रिलायंस जियो, बीएसएनएल दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंड सेवाओं की व्यावसायिक शुरुआत करने के दो वर्ष के भीतर रिलायंस जियो ने 20 साल पुरानी सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल को पीछे छोड़कर क्षेत्र के शीर्ष सेवा प्रदाता का स्थान ले लिया है। दूरसंचार क्षेत्र के नियामक भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) की मासिक दूरसंचार उपभोक्ता रिपोर्ट में मंगलवार को बताया गया कि नवंबर में करीब 43 लाख 40 हजार वायर्ड फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंड कनेक्शन के साथ जियो क्षेत्र का सबसे बड़ा सेवा प्रदाता है। अक्टूबर में जियो के करीब 41 लाख 60 हजार फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंड कनेक्शन थे। इससे पहले, करीब 20 वर्ष से इस क्षेत्र का सबसे बड़ा सेवा प्रदाता बीएसएनएल था। बीएसएनएल के कनेक्शन अक्टूबर में 47 लाख 20 हजार थे जो नवंबर में घटकर 42 लाख रह गए।

पेज एक का शेष

मुलायम की...

की जा चुकी है। लेकिन अभी तक अखिलेश अपनी सीट का फैसला नहीं कर सके हैं। मौर्य ने कहा अखिलेश यादव अक्सर दावा करते रहते हैं कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने बहुत विकास कार्य किए हैं। ऐसा ही है तो वह क्यों नहीं उस क्षेत्र से चुनाव लड़ लेते हैं जिन्हें वह विकसित करने का दावा करते हैं। लेकिन आश्चर्य यह हो रहा है कि वह अपने लिए एक सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे हैं। ऐसी चर्चा है कि अखिलेश आजमगढ़ से चुनाव लड़ सकते हैं। अखिलेश ने भी लखनऊ में संवाददाताओं से बातचीत में इस बात के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि वह कोई भी फैसला आजमगढ़ की जनता से पूछ कर करेंगे। ज्ञात हो कि अखिलेश आजमगढ़ से सांसद हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने भी भाजपा परिवार में अपर्णा यादव का स्वागत करते हुए कहा कि उनके आने से पार्टी का कद और सम्मान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सपा के शासन में गुंडागर्दी को इतना महत्व दिया जाता है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शाम होते ही लोग अपने घरों के दरवाजे बंद कर देते थे। उन्होंने कहा, यदि पुलिस किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लेती थी तो मियां जान का फोन आ जाता था। यानी सपा के शासन में अखिलेश यादव की नहीं चलती थी, केवल आजम खान की चलती थी। तब आतंक का माहौल था। अपर्णा यादव के भाजपा में शामिल होने को हाल में पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य और दारा सिंह चौहान सहित अन्य नेताओं के भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल होने के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि अखिलेश यादव ने अपर्णा यादव को भाजपा में शामिल होने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा सबसे पहले मैं बधाई और शुभकामनाएं दूंगा। साथ ही साथ खुशी इस बात की है कि हमारी समाजवादी विचारधारा का विस्तार हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि हमारी विचारधारा वहां पहुंच कर संविधान और लोकतंत्र को बचाने का काम करेगी। उनसे जब यह पूछा गया कि क्या उनको (अपर्णा को) रोकने की कोशिश नहीं की गई, इसके जवाब में अखिलेश ने कहा, नेता जी (मुलायम सिंह यादव) ने उन्हें समझाने की बहुत कोशिश की।

सपा को...

हम स्वागत करते हैं। जिनसे पार्टी को ताकत मिलेगी। आज मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव पार्टी में शामिल हुई हैं, हम उनका भी स्वागत करते हैं ये अपने आप में उस ओर इशारा करता है कि उत्तर प्रदेश में पिछले 5 वर्षों में योगी की सरकार ने किस तरह से बहू-बेटी को सुरक्षा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि महिला आज रात को भी बाहर निकल सकती है, काम पर जा सकती है सुरक्षित महसूस करती है, महिला को सुरक्षा और अधिकार देने का काम पार्टी ने किया है। फर्क साफ है बहू और बेटी सब बीजेपी में सुरक्षित हैं। स्वामी प्रसाद मौर्या की बेटी हो या मुलायम सिंह यादव की बहू यह उदाहरण सबके सामने है। दोनों ही पार्टी में अपने आप को सुरक्षित महसूस करती हैं। मोदी जी और योगी जी के राज में उत्तर प्रदेश में हमारी 25 करोड़ की आबादी में मेरी माताएं, बहने, बहू-बेटियां भी अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रही हैं।

भाजपा का...

चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य में पिछड़ों की आबादी 50 प्रतिशत से भी ज्यादा है और वहां की सरकार ने सामाजिक न्याय की अवधारणा को और मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा, अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, जो हमें साथ मिलकर करना है। उत्तर प्रदेश में 403 सीटों पर पूरी मजबूती के साथ अपना दल, भाजपा और निषाद पार्टी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। संजय निषाद ने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश व केंद्र की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने समाज के पिछड़े तबकों को सिर्फ छलने और विकास से दूर रखने का काम किया जबकि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र व राज्य की सरकारों ने बिना किसी भेदभाव के उनका वास्तविक विकास किया। इस घोषणा से पहले भाजपा मुख्यालय में राजग नेताओं की एक बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, अध्यक्ष जे पी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और केंद्रीय मंत्री व उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के अलावा अनुप्रिया पटेल और संजय निषाद भी मौजूद थे।

विकास, सुशासन...

कहा कि उत्तर प्रदेश के चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची के साथ सपा बैकफुट पर आ गई है और अब वह दूसरी सूची जारी करने के लिए पर्याप्त साहस नहीं जुटा पा रही है। योगी ने कहा, जिस तरह के पेशेवर अपराधियों और माफियाओं को इसकी पहली सूची में टिकट दिए गए हैं, वे राज्य के लोगों का सामना करने की स्थिति में नहीं होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा लोगों तक विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद के मुद्दे पर पहुंच रही है। उन्होंने कहा, हमने इन्हीं मुद्दों पर 2017 का चुनाव जीता था। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2017 में जो वादे किए थे, उन्हें पूरा किया है और 10 मार्च, 2022 को जब भाजपा एक बार फिर उप्र में सरकार बनाएगी, तब वह इस एजेंडा को फिर से आगे बढ़ाएगी। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों के लिए सात चरणों में होने वाले चुनाव की शुरुआत 10 फरवरी से होगी। परिणामों की घोषणा 10 मार्च को की जाएगी।

चन्नी के...

ठिकाने से बरामद हुई है। सूत्रों ने बताया कि ईडी कुदरतदीप सिंह नाम के एक शख्स से हनी के संबंध खंगाल रही है, जो इस जांच का केंद्र है। उन्होंने कहा कि हनी और कुदरतदीप एक कंपनी में साझेदार हैं। विपक्षी दलों ने चन्नी पर हनी के वित्तीय लेन-देन में शामिल होने के आरोप लगाए हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री ने खारिज किया है। ईडी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि छापेमारी की कार्वाई कुदरतदीप सिंह, द पिंजोर रॉयल्टी कंपनी और उसके साझेदारों, कंवरमहीप सिंह, मनप्रीत सिंह, सुशील कुमार जोशी, जगवीर इंदर सिंह, रणदीप सिंह, प्रोवाइडर्स ओवरसीज कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड व उसके निदेशकों तथा शेयरधारकों के खिलाफ की गई, जिनमें भूपिंदर सिंह और संदीप कुमार शामिल हैं। सूत्रों की मानें तो ईडी छापेमारी के दायरे में आए लोगों को विस्तृत पूछताछ के लिए जल्द समन भेज सकती है। उन्होंने बताया कि इन लोगों से बीते चौबीस घंटों में कई दौर की प्रारंभिक पूछताछ की गई है।

भारत में...

हरियाणा में कोविड -19 के मामले चरम पर होंगे, जबकि आंध्र प्रदेश, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों में अगले सप्ताह इनके चरम पर पहुंचने की आशंका है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, भारत में 23 जनवरी को दैनिक मामलों की संख्या चरम पर पहुंचने का अनुमान है। तब इन मामलों की संख्या चार लाख से कुछ कम रह सकती है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता महानगरों में पहले ही इनकी संख्या चरम पर हैं। अग्रवाल ने पहले अनुमान जताया था कि कोविड -19 की तीसरी लहर जनवरी के अंत तक चरम पर होगी। महामारी की स्थिति में बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, देश भर में, प्रक्षेपवक्र महत्वपूर्ण रूप से बदल रहे हैं। मैंने पहले अनुमान लगाया था कि जांच रणनीति में बदलाव को लेकर आईसीएमआर के दिशानिर्देशों के कारण ऐसा हुआ है। हालांकि, कई जगहों पर, ए दिशानिर्देश अभी तक लागू नहीं हुए हैं और फिर भी, प्रक्षेपवक्र बदल गया है। एक नए सरकारी परामर्श के अनुसार, अंतर-राज्ईय घरेलू यात्रा करने वाले व्यक्तियों और कोविड संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की तब तक जांच करने की आवश्यकता नहीं है जब तक कि उन्हें उम्र या विभिन्न रोगों के चलते खतरा न हो। अग्रवाल ने कहा कि पिछले साल नवंबर में जब ओमीक्रोन स्वरूप फैलना शुरू हुआ तो बहुत चिंता थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते या उससे पहले, लगभग हर जगह लोगों ने निष्कर्ष निकाला है कि इस स्वरूप में केवल हल्का संक्रमण होता है और जांच कराने के बजाय मानक उपचार के जरिए इससे निपटा जा सकता है। इससे पहले, संस्थान में एक अलग शोध दल द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला था कि भारत में महामारी की तीसरी लहर 3 फरवरी तक चरम पर हो सकती है। भारत में बुधवार को एक दिन में कोविड-19 के नए मामलों की संख्या बढ़ोतरी के साथ 2,82,970 दर्ज की गई। इसके अलावा 441 रोगियों की मौत हुई। देश में अब तक कुल 3,79,01,241 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जा चुके हैं। 4,87,202 लोगों की मौत हो चुकी है।

भाजपा महाराष्ट्र...

होगी। इससे पहले आज पाटिल ने संवाददाताओं से कहा था, राज्य की 106 नगर पंचायत के लिए चुनाव हुए थे जिसमें अब तक भाजपा ने 400 से ज्यादा सीटें जीती हैं। हम 24 निकाय संस्थाओं का नेतृत्व करने की मजबूत हालत में हैं और छह अन्य में दावा करने के लिए हमें कुछ पार्षदों का समर्थन चाहिए होगा।

5जी से...

कर रही है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने चेतावनी दी है कि संभावित 5 जी ऊंचाई रीडिंग को प्रभावित कर सकता है जो कुछ जेट पर खराब मौसम में लैंडिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इंडिगो के...

भरी थी। एक अधिकारी ने कहा, प्रस्थान के बाद दोनों विमान एक दूसरे की ओर बढ़ रहे थे। अप्रोच रडार कंट्रोलर ने डायवर्जिंग हेडिंग का संकेत दिया जिससे दोनों विमानों के बीच हवा में टक्कर टल गई।

पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से संबंध और मजबूत हुए: भारत

भाषा। न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों के साथ अल-कायदा के संपर्क लगातार मजबूत हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने यह बात कही। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम ने इस आतंकवादी संगठन को ताकतवर होने का मौका ही दिया है।संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म काउंसिल द्वारा मंगलवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक कार्वाई सम्मेलन 2022 में कहा कि इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने अपने तरीके बदल लिए हैं और उसका मुख्य रूप से ध्यान सीरिया तथा इराक में फिर से जमीन मजबूत करने पर है तथा इसके क्षेत्रीय सहयोगी संगठन विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया में अपना विस्तार कर रहे हैं।उन्होंने कहा, इसी तरह, अल-कायदा बड़ा खतरा बना हुआ है तथा अफगानिस्तान के हालिया घटनाक्रम ने उन्हें फिर से मजबूत होने का मौका ही दिया है। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के साथ अल-कायदा के संपर्क लगातार मजबूत हो रहे हैं। अफ्रीका में इसके क्षेत्रीय सहयोगी लगातार विस्तार कर रहे हैं। तिरुमूर्ति यूएनएससी की आतंकवाद निरोधक कार्वाई समिति के 2022 के लिए अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक आतंकवाद निरोधक कार्वाई के संदर्भ में 2001 के 9।11 के आतंकवादी हमले आतंकवाद को लेकर हमारे प्रयासों की दिशा में निर्णायक मोड़ साबित हुए थे। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर को हुए इन हमलों ने इस बात को रेखांकित किया था कि आतंकवाद का खतरा गंभीर और सार्वभौमिक है तथा संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों के समन्वित प्रयासों से ही इसे हराया जा सकता है। तिरुमूर्ति ने कहा, आतंकवादियों को आपके आतंकवादी और मेरे आतंकवादी के रूप में वर्गीकृत करने का समय चला गया है। आतंकवाद के सभी स्वरूपों की निंदा होनी चाहिए और आतंकवाद के किसी भी कृत्य को अपवाद नहीं माना जा सकता या जायज नहीं ठहराया जा सकता, चाहे इस तरह के कृत्यों के पीछे मकसद कुछ भी हो और इन्हें कहीं भी, कभी भी और किसी ने भी अंजाम दिया हो।

मुंबई बम धमाकों के आरोपी पा रहे सुविधाएं: तिरुमूर्ति

भाषा। न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने कहा है कि 1993 में मुंबई में हुए श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोटों के लिए जिम्मेदार अपराधी पाकिस्तान में पांच-सितारा सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं और उन्हें सरकारी संरक्षण मिला हुआ है। उनका परोक्ष इशारा अंतरराष्ट्रीय अपराधी दाऊद इब्राहीम की तरफ था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने मंगलवार को ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म काउंसिल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक कार्वाई सम्मेलन 2022 में कहा कि आतंकवाद और देशों के बीच संगठित अपराध के संपर्कों को पूरी तरह पहचाना जाना चाहिए तथा उन पर पुरजोर तरीके से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने देखा है कि 1993 के मुंबई बम विस्फोटों के लिए जिम्मेदार अपराधियों के सिंडिकेट को न केवल सरकारी सुरक्षा दी गई है बल्कि वह पांच-सितारा सुविधाओं का लुत्फ उठा रहा है। तिरुमूर्ति के बयानों को डी-कंपनी और उसके सरगना दाऊद इब्राहीम से जोड़कर देखा जा रहा है जिसके पाकिस्तान में छिपे होने की बात मानी जाती है। पाकिस्तान ने अगस्त 2020 में पहली बार अपने यहां दाऊद की मौजूदगी को कबूल किया था। इससे पहले, वहां की सरकार ने 88 प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके नेताओं पर पाबंदियां लगाई थीं, जिनमें भारत द्वारा वांछित अंतरराष्ट्रीय अपराधी दाऊद का भी नाम था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 2022 के लिए आतंकवाद निरोधक कार्वाई समिति के अध्यक्ष तिरुमूर्ति ने कहा कि 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति समेत संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध प्रणलियां आतंकवाद के वित्तपोषण, आतंकवादियों की यात्राओं को रोकने और आतंकवादियों तक हथियारों की पहुंच पर लगाम लगाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि इन उपायों का क्रियान्वयन चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। भारतीय राजदूत ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि परिषद द्वारा स्थापित सभी प्रतिबंध व्यवस्थाएं अपनी कार्य प्रणाली और निर्णय लेने में उचित प्रक्रिया का पालन करें। निर्णय लेने की प्रक्रिया और आतंकवादी संगठनों को सूचीबद्ध करने या सूची से हटाने के कदम उद्देश्यपरक, त्वरित, प्रामाणिक, साक्ष्य आधारित और पारदर्शी होने चाहिए तथा राजनीतिक एवं धार्मिक विचार-विमर्श के लिए नहीं होने चाहिए।

नर्सिंग होम में आग लगने से पांच की मौत

मैड्रिड। स्पेन के एक नर्सिंग होम में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। वैलेंसिया क्षेत्र में आपातकालीन सेवाओं से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अन्य 11 लोगों को की हालत गंभीर है। वैलेंसिया के क्षेत्रीय प्रमुख शिमो पुइग ने कहा कि स्पेन का सिविल गार्ड पुलिस बल आग के कारणों की जांच कर रहा है। पुइग ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात अब घायलों के जल्द स्वस्थ होने की है। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने घटना के शिकार व्यक्तियों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। सांचेज ने स्पेनिश में ट्वीट किया, मोंकाडा की दुखद खबर मिली। पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। हम घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। परिवारों और शहर को हर संभव मदद दी जाएगी। मोंकाडा नगर पालिका के नर्सिंग होम से निकाले गए कुल 70 मरीजों में से 25 लोगों को बचाया।

इजरायली पुलिस ने यरुशलम में विवादित इलाका खाली कराया

एपी। यरुशलम

इजरायली पुलिस ने बुधवार को यरुशलम के पड़ोस में स्थित एक विवादित संपत्ति फलस्तीनी नागरिकों के कब्जे से खाली करा लिया और इमारत को ढहा दिया। यह कार्वाई काफी समय से चल रही तनातनी के बाद की गई है।

शेख जर्रा की आवासीय इमारतों में रह रहे फलस्तीनी नागरिकों की इस हफ्ते की शुरुआत में इलाका खाली कराने आए पुलिस कर्मियों से हिंसक झड़प हो गई थी। पास के इलाके में स्थित कई अन्य संपत्तियां भी विवादों के घेरे में हैं। पुलिस के मुताबिक, अधिकारियों ने बुधवार तड़के शेख जर्रा में इमारतें ढहाने के काम को अंजाम दिया। इस दौरान उन्होंने अदालत के आदेश के उल्लंघन, हिंसक घेरेबंदी और कानून व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के संदेह में 18 लोगों को गिरफ्तार भी किया। पूर्वी यरुशलम स्थित शख जर्रा से फलस्तीनी नागरिकों को हटाने की कोशिशों का लंबे अरसे से विरोध होता आया है। बीते साल इस कारण इजरायली सेना और गाजा पट्टी के लड़ाकों के बीच 11 दिनों तक संघर्ष चला था। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी शेख जर्रा से फलस्तीनी नागरिकों को हटाने की कोशिशों की निंदा करता आया है। फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने शेख जर्रा से साहलिया परिवार सहित अन्य बाशिंदों को हटाने की कड़ी निंदा करते हुए इसे युद्ध अपराध करार दिया। उन्होंने कहा कि घटना से होने वाले गंभीर नतीजों की पूरी जिम्मेदारी इजरायल पर होगी। अब्बास ने अमेरिका से मामले में तत्काल दखल देने की मांग भी की। शेख जर्रा में रह रहे सालहिया परिवार का कहना है कि उसने यह संपत्ति 1967 से पहले खरीदी थी, जबकि प्रशासन ने अदालत में इस दावे को चुनौती दी है। यरुशलम नगर निगम ने विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए एक स्कूल खोलने के इरादे से 2017 में इस संपत्ति को जब्त कर लिया था। बहरहाल, सालहिया परिवार ने यहां पौधों की नर्सरी का संचालन जारी रखा। यरुशलम की एक अदालत ने बीते वर्ष नगर प्रशासन के पक्ष में फैसला सुनाते हुए इलाका खाली कराने का आदेश दिया था। सालहिया परिवार ने फैसले के खिलाफ अपील दायर कर रखी है, जिस पर निर्णय आना बाकी है। हालांकि, अदालत ने इलाके को खाली कराने के आदेश पर रोक नहीं लगाई है।यरुशलम नगर निगम और पुलिस ने बुधवार को एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि सालहिया परिवार सार्वजनिक स्थल पर जबरन कब्जा कर विशेष जरूरतों वाले हजारों बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर रहा है।

विस्फोट के बाद तेल की एक प्रमुख पाइपलाइन बंद

अंकारा। दक्षिण-पूर्वी तुर्की में विस्फोट के बाद एक प्रमुख पाइपलाइन बंद कर दिया गया है, जिससे इराक से विश्व बाजारों में तेल भेजा जाता था। सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलू ने एक खबर में बताया कि कहरमान मरअस प्रांत के पाजारजेक शहर के पास मंगलवार देर रात हुए विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई, जिससे अधिकारियों को एक राजमार्ग को भी बंद करना पड़ा। विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ है। पाइपलाइन से उत्तरी इराक के किरकुक तेल क्षेत्रों से तुर्की के जेजान बंदरगाह तक तेल पहुंचाया जाता है। तुर्की की पाइपलाइन कम्पनी बीओटीएएस ने कहा कि आग बुझा दी गई है और आवश्यक उपाय किए जाने के बाद जितनी जल्द हो पाएगा इसका परिचालन फिर से शुरू किया जाएगा। विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

यूक्रेन के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी इस तस्वीर में कनाडा के विदेश मंत्री व यूक्रेन के विदेश मंत्री संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता करते हुए

चीन के तियानमेन स्क्वायर के पास ओलंपिक के लिए हो रही सजावट के दौरान एक बच्चा लाल रंग के कपड़े से खेलता हुआ

अपनी भूमिका परिभाषित करने के लिए संघर्ष कर रही हैं अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले सप्ताह मताधिकार संबंधी विधेयक को पारित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी और इसके लिए सीनेट में नियम बदलने पर जोर दिया। लेकिन उप राष्ट्रपति कमला हैरिस इस बैठक में नहीं थीं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी और हैरिस के सहयोगियों, दोनों से जब पूछा गया कि बैठक में उप राष्ट्रपति शामिल क्यों नहीं हुईं तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। हैरिस के कार्यकाल के पहले साल में उनके सामने आई कठिनाइयों का यह एक और उदाहरण है, जहां वह खुद को और अपनी भूमिका को परिभाषित करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। हैरिस पर कई मुश्किल जिम्मेदारियां हैं। उन्हें राष्ट्रपति के साथ अपने तालमेल को लेकर पूछे गए प्रश्नों का सामना करना पड़ा।

आतंकी हमले के पीड़ित चीनी नागरिकों को मुआवजा देगा पाकिस्तान: रिपोर्ट

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान सरकार एक प्रमुख पनबिजली परिजयोजना में कार्यरत उन 36 चीनी नागरिकों को मुआवजा देगी, जो बीते साल देश के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए आतंकी हमले में या तो मारे गए थे या फिर घायल हुए थे। एक मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को यह दावा किया गया। इस फैसले को पाकिस्तान की क्षेत्र में अपने सदाबहार करीबी सहयोगी चीन को लुभाने की एक और कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

13 जुलाई 2021 को आतंकियों ने चीनी कर्मचारियों को खैबर पख्तूनख्वा की दासू पनबिजली परियोजना के कार्यस्थल पर ले जा रही बस को निशाना बनाया था। इस हमले में दस चीनी कर्मचारी, जिनमें अधिकतर इंजीनियर शामिल थे, मारे गए थे, जबकि 26 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, वित्त मंत्री शौकत तरीन की अध्यक्षता वाली पाकिस्तान की आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) चीनी नागरिकों को दिए जाने वाले मुआवजे की रकम तय करेगी। यह रकम 46 लाख डॉलर से लेकर 2.03 करोड़ डॉलर तक हो सकती है। दासू पनबिजली परियोजना का वित्त पोषण विश्व बैंक करता है। यह परियोजना चीन-पाक आर्थिक गलियारे (सीपेक) के दायरे में नहीं आती है।

अखबार के अनुसार आतंकी हमले के पीड़ति चीनी नागरिकों को मुआवजा देने का मकसद द्विपक्षीय संबंधों में आई बड़ी दरार को दूर करना है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने सरकार पर कोई कानूनी या संविदा संबंधी बाध्यता न होने के बावजूद चीनी नागरिकों को मुआवजा देने का निर्णय लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने अपने नागरिकों पर हमले को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। उसने घटना के विरोध में सीपेक की संयुक्त सहयोग समिति की एक प्रस्तावित बैठक भी कथित रूप से रद्द कर दी थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले के बाद चीनी ठेकेदारों ने परियोजना से जुड़ा काम भी रोक दिया था। उन्होंने पीड़ितों के लिए 3.7 करोड़ डॉलर तक के मुआवजे की मांग की थी। यह रकम चीन में आतंकी हमले की सूरत में सरकार की ओर से दी जाने वाली मुआवजा राशि से 500 फीसदी ज्यादा थी।पाकिस्तान सरकार ने शुरुआत में हमले को आतंकी वारदात मानने से इनकार कर दिया था। उसने घटना को गैस लीक से जोड़ने की कोशिश की थी। हालांकि, बाद में इस्लामाबाद ने स्वीकार किया था कि यह एक आतंकी वारदात थी। चीन ने घटना की जांच के लिए विशेषज्ञों का एक दल भी पाकिस्तान भेजा था।

कोविड-19 से जुड़ी स्वास्थ्य आपात स्थिति इस साल खत्म हो सकती है: डब्ल्यूएचओ

एपी। जिनेवा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंगलवार को कहा कि विश्व में कोविड रोधी टीकाकरण और दवाओं के वितरण की असमानताओं को शीघ्रता से दूर किया जाता है, तो इस वर्ष कोविड-19 वैश्विक महामारी से जुड़ी स्वास्थ्य आपात स्थिति यानी उससे होने वाली मौत, अस्पतालों में मरीजों के भर्ती होने और लॉकडाउन से निजात पाया जा सकता है।

विश्व आर्थिक मंच द्वारा टीकों को लेकर असमानता पर आयोजित एक चर्चा के दौरान डॉ. माइकल रेयान ने कहा, हम शायद इस वायरस को कभी खत्म ना कर पाएं, क्योंकि वैश्विक महामारी का रूप लेने वाले ऐसे वायरस अकसर अंत में पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन हमारे पास इस वर्ष जन स्वास्थ्य आपात स्थिति को समाप्त करने का मौका है, अगर हम वे करें जिनके बारे में हम अभी तक बात कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने अमीर और गरीब देशों के बीच कोविड-19 रोधी टीकाकरण में असमानता को एक भयावह नैतिक विफलता बताया। कम आय वाले देशों में अभी तक 10 प्रतिशत से कम लोगों को कोविड-19 रोधी टीकों की पहली खुराक ही दी गई है।

रेयान ने विश्व एवं व्यापारिक जगत के नेताओं की ऑनलाइन बैठक में कहा कि यदि टीकों और अन्य उपकरणों को उचित रूप से साझा नहीं किया गया, तो वायरस की त्रासदी, जिसने अब तक दुनिया भर में 55 लाख से अधिक लोगों की जान ली है...वह जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि हमें अपनी अधिकतम आबादी का टीकाकरण करने की जरूरत है, ताकि इससे किसी की जान ना जाए। रेयान ने कहा, समस्या, इससे होने वाली मौत है। इससे लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आना है। यह हमारी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व्यवस्था का विघटन है, जो त्रासदी का कारण बना है...

रेयान ने कहा, स्थानिक (एक क्षेत्र तक सीमित) मलेरिया से लाखों लोगों की जान गई। स्थानिक एचआईवी, स्थानिक हिंसा हमारे शहरों में विद्यमान है। स्थानिक का मतलब अच्छा नहीं है। स्थानिक का मतलब है कि यह हमेशा के लिए मौजूद रहेगा। सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने आगाह किया है कि इसकी ज्यादा संभावना नहीं है कि कोविड-19 को समाप्त कर दिया जाएगा और इससे लोगों की मौत भी होगी भले ही ऐसा बहुत कम हो या यह स्थानिक हो। इस कार्यक्रम में इज़राइल के प्रधानमंत्री नफताली बेनेट जैसे विश्व नेताओं ने वैश्विक महामारी से निपटने के तरीकों पर अपने विचार रखे।

बेनेट ने कहा कि उनके देश ने व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया है और उनके पास कोविड-19 से निपटने की दिशा में दवाओं और टीकों के लिए अग्रणी रहने की रणनीति है। इज़राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि देश में 62 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है, उन्हें बूस्टर खुराक भी लग चुकी है।

जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा ने कहा कि उनके देश में व्यापक स्तर पर टीकाकरण किया है, क्योंकि समाज बुजुर्गों और कमजोर स्वास्थ्य वाले लोगों की रक्षा करना चाहता है। फरवरी के अंत तक सीमा पर कड़ी पाबंदियां रखने की योजना भी है।

रूस की सेना का बख्तरबंद गाड़ियों का काफिला यूक्रेन की सीमा की ओर एक राजमार्ग के माध्यम से जाता हुआ

कैलिडोस्कोपिक दृश्य

पंकज कुमार ने नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल के लिए अपनी गुवाहाटी यात्रा के दौरान इस क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति, विविध नृत्य परंपराओं, टिकाऊ शिल्प और फुट-टैपिंग संगीत की एक झलक देखी और इसको अपने कैमरे में कैद किया

एक रसीला पैलेट

उमा नायर कहती हैं, अप्पाराव गैलरी में प्रदर्शित सोहन कादरी की कृतियों में दोतरफा विरोधों का एक शांत सह-अस्तित्व है।

अप्पाराव गैलरी में कागज पर सोहन कादरी के कार्यों की प्रदर्शनी, टीएपी इंडिया प्लेटफॉर्म पर, एक ऐसे कलाकार की भावना और अभिव्यक्ति है जो एकांत में काम करने में प्रसन्नता रखता है। कवि और तांत्रिक गुरु कादरी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कलाकार थे, जो आध्यात्मिकता और योग से गहराई से जुड़े थे। प्रसिद्ध कला समीक्षक डोनाल्ड कुस्पित ने कादरी को ''आधुनिकता के पूर्व-प्रतिष्ठित सौंदर्यवादी रहस्यवादी'' कहा।

कागज पर ये काम आपके अस्तित्व को चमकीले रंग और चिपचिपाहट की झांकी की तरह आलिंगन करते हैं; वे भारत के देहाती गांवों में जीवन के हरे-भरे पैलेट को भी याद करते हैं। कादरी, जिन्होंने कुमार गैलरी में एक साक्षात्कार में मुझसे कहा, 'मैं एक बिंदु हूं', ने उत्कृष्टता की अपनी खोज में अमूर्त प्रतिनिधित्व को छोड़ दिया। इन कार्यों में उनके बारे में एक तैरती हुई वस्तु की एक अदृश्य कृपा है।

कलात्मक अन्वेषण के मामले में कादरी की कागज और डाई का उपयोग करने की प्रक्रिया अद्वितीय और दुर्लभ थी। वह कागज को तरल से नहलाता था और ब्रश से स्याही और रंग लगाते समय उसे कई चरणों में तराशता था। ये कृतियाँ तुरंत जीवंत और सूक्ष्म रंगों से ओत-प्रोत हैं। कागज के साथ कादरी का सबसे बड़ा प्रतीक चिन्ह दाँतेदार सतहें थीं जिनके बारे में उनके बारे में ऊर्जा और लचीली लय की आभा थी। कादरी, द्रष्टा और विचारक के हाथों में, कागज की प्रकृति ही त्रि-आयामी माध्यम में बदल जाएगी।

पश्चिम में उनके कई वर्षों ने उन्हें अधिकांश भारतीय कलाकारों की तुलना में अमूर्तता का अभ्यास और गहरी समझ दी, जो केवल यह सोचते हैं कि यह प्रतिनिधित्व है। उसके लिए, रंग की पट्टी, गहरी तह और उसके क्षेत्र में कहीं न कहीं एक छोटी सी बिंदी के संकेत उसके बारे में दुर्लभ और अदृश्य दोनों तरह का आध्यात्मिक उत्साह रखते थे। उनके अधिकांश संग्राहक यूरोपीय थे जो डिजाइन की गतिशीलता को समझते थे और अक्सर कहते थे कि वह भारत के रोथको थे।

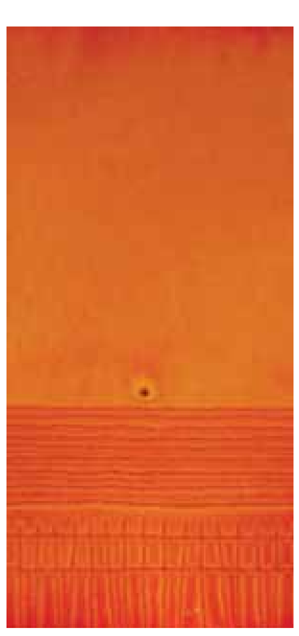

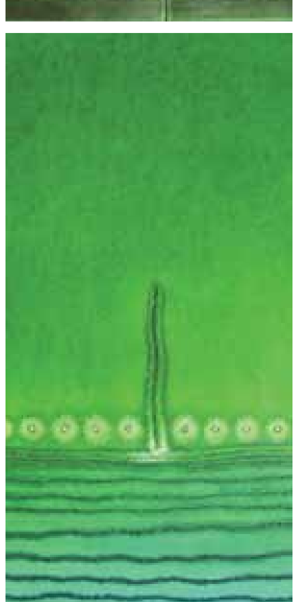

कादरी के सबसे अधिक शो दिल्ली में कुमार गैलरी और न्यूयॉर्क में सुंदरम टैगोर द्वारा आयोजित किए गए थे। कादरी के काम में द्विअर्थी विरोधों का एक शांत सह-अस्तित्व है - पुरुष और महिला, ज्ञात और अज्ञात, भौतिक और आध्यात्मिक। यह प्राच्य दर्शन के प्रतीकों के शाब्दिक अनुवाद से कहीं अधिक है। जब कादरी पेंट करते हैं, तो वे बताते हैं, ''पहले मैं अपने दिमाग को सभी छवियों से खाली कर देता हूं। वे आदिकालीन स्थान में विलीन हो जाते हैं। केवल खालीपन जो मुझे लगता है कि कैनवास के खालीपन के साथ संवाद करना चाहिए।''

एक हिंदू-सिख परिवार में जन्मे, कादरी की कला एक आध्यात्मिक यात्रा से बहुत प्रभावित थी जो कम उम्र में शुरू हुई थी। उन्हें सात साल की उम्र में योग अभ्यास में शुरू किया गया था। एक किशोर के रूप में, वह उच्च सत्य की तलाश में एक तिब्बती बौद्ध मठ में भाग गया। उन्होंने अंत में हिमालय और तिब्बत के सुदूर मंदिरों में दिन बिताए। उस समय उन्होंने जिस अलगाव का अनुभव किया, वह पेंट करने के लिए उनके प्रभावों में से एक था। बाद में जीवन में, वह सूफीवाद और वज्रयान बौद्ध धर्म से मोहित हो गए, जो बाद के कार्यों के लिए प्रेरणा के प्रबल स्रोत बन गए।

आज़ादी की खोज

नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली ने कला कुंभ कलाकार कार्यशालाओं के साथ आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया।

नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली ने कला कुंभ के साथ आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया - भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों की वीरता की कहानियों का प्रतिनिधित्व करते हुए लगभग 750 मीटर मापने वाले स्क्रॉल के लिए कलाकार कार्यशालाएँ।

ये स्क्रॉल देश के विविध भौगोलिक स्थानों से कला के विभिन्न रूपों के साथ राष्ट्रीय गौरव और उत्कृष्टता को व्यक्त करने के साधन के रूप में कला की क्षमता का विश्लेषण करते हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत के सच्चे सार का उत्सव इन कार्यशालाओं में दिखाई देता था जहां भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों के वीर जीवन और संघर्षों को चित्रित करते हुए हमारे देश की सांस्कृतिक पहलुओं में समृद्ध विविधता देखी गई थी। इन पर दो स्थानों, ओडिशा और चंडीगढ़ में फैले 500 से अधिक कलाकारों द्वारा परिश्रमपूर्वक शोध किया गया है और उत्साहपूर्वक चित्रित किया गया है। संस्कृति मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम के अनुरूप इन कार्यशालाओं में सहयोग और सामूहिक कार्य के पहलू को रेखांकित किया गया है। ओडिशा में, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली ने 11 से 17 दिसंबर के बीच भुवनेश्वर में कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और सिलिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ सहयोग किया और चंडीगढ़ में 25 दिसंबर से 2 जनवरी तक चितकारा विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया गया।

कला कुंभ-आजादी का अमृत महोत्सव भारत के 75 साल और इसके लोगों, संस्कृति और इसकी उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए विविधता में एकता के सार को दर्शाता है। इन कार्यशालाओं में चित्रित स्क्रॉल को भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान के बारे में प्रगतिशील सभी के एक अवतार के रूप में देखा जा सकता है, जिसे एनजीएमए के महानिदेशक, प्रख्यात वरिष्ठ कलाकार अद्वैत गरनायक की कलात्मक दृष्टि के अनुसार बड़े पैमाने पर स्क्रॉल पर प्रमुखता प्रदान की गई है।

लगभग 750 मीटर के दस विशाल स्क्रॉल वीरता की कहानियों और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों की विरासत को चित्रित करते हैं। प्रेरणा भारत के संविधान में रचनात्मक दृष्टांतों से भी ली गई है जिसमें नंदलाल बोस और उनकी टीम द्वारा चित्रित कलात्मक तत्वों ने भारत की स्वदेशी कलाओं के कई अभ्यावेदन के साथ एक विशिष्ट अपील प्रदान की है। ये भारत की स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए गुमनाम नायकों द्वारा किए गए संघर्षों की अंतर्दृष्टि के साथ-साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व और प्रदर्शन करते हैं। भुवनेश्वर में, आख्यानों ने ओडिशा, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, बंगाल, भारत के उत्तरपूर्वी हिस्सों और आंध्र प्रदेश पर केंद्रित स्वतंत्रता संग्राम के भारत के आंदोलन की वीरता और ऐतिहासिक तत्वों की कहानियों को कलात्मक अभिव्यक्तियों के साथ दर्शाया है, जो कला के स्वदेशी रूपों को दर्शाती हैं जैसे कि पट्टाचित्र, तलपत्र चित्र, मंजुसा, मधुबनी और जादू पटुआ कुछ नाम हैं।

चंडीगढ़ में, कथाएं लद्दाख, जम्मू, कश्मीर, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान के गुमनाम नायकों की वीरता की कहानियों का प्रतिबिंब रही हैं, जिसमें कलात्मक अभिव्यक्तियां कला के स्वदेशी रूपों जैसे फड़, को दर्शाती हैं। पिचवई, लघु, कलमकारी, मंदाना, थंगका और वारली। छात्रों ने दोनों जगहों का दौरा किया। एनसीसी कैडेटों ने चंडीगढ़ में स्वतंत्रता संग्राम के भारत के गुमनाम नायकों के रचनात्मक प्रतिनिधित्व को भी देखा है। लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा, एसएम, चीफ ऑफ स्टाफ, मुख्यालय पश्चिमी कमान, लेफ्टिनेंट कर्नल अभिनव नवनीत, पीआरओ (रक्षा), डीपीआर, मेजर डीपी सिंह (सेवानिवृत्त) के साथ-साथ रक्षा मंत्रालय के अन्य अधिकारियों ने भी चंडीगढ़ में कार्यशाला का दौरा किया। चंडीगढ़ में कलाकुंभ-आजादी का अमृत महोत्सव के समापन समारोह में पंजाब के राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित और भुवनेश्वर में सांसद डॉ अच्युत्य सामंत, जो केआईआईआईटी और केआईएसएस के संस्थापक भी हैं, ने शिरकत की। इन कार्यशालाओं के दौरान शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जो पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र और उत्तरी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से भारत की लोक और स्वदेशी प्रदर्शन कलाओं की समृद्ध परंपराओं को दर्शाती है। अगले चरण में, इन स्क्रॉलों को गणतंत्र दिवस समारोह के लिए राजपथ पर कलात्मक रूप से रखा जाएगा। इन स्क्रॉलों का रणनीतिक स्थान सभी नागरिकों के लिए एक खुली गैलरी के रूप में काम करेगा और इसका उद्देश्य लोगों को समृद्ध राष्ट्रीय विरासत और भारत की विरासत के बारे में सही मायने में प्रेरित करना है।

पहले वनडे में भारत को मिली पराजय

द. अफ्रीका ने 31 रन से मैच जीतकर सीरीज में 1-0 से बढ़त बनायी

●वान डेर डूसेन और बावुमा ने जड़े शतक

भाषा। पार्ल (दक्षिण अफ्रीका)

रेसी वान डेर डुसेन और कप्तान तेंबा बावुमा के विपरीत अंदाज में जड़े शतक और दोनों के बीच दोहरी शतकीय साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को यहां पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को 31 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई। वान डेर डुसेन (96 गेंद में नाबाद 129, नौ चौके, चार छक्के) और बावुमा (143 गेंद में 110 रन, आठ चौके) के बीच चौथे विकेट की 204 रन की साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 296 रन बनाए।

भारतीय टीम इसके जवाब में शिखर धवन (79), विराट कोहली (51) और शारदुल ठाकुर (नाबाद 50) के अर्धशतक के बावजूद आठ विकेट पर 265 रन ही बना सकी। धवन और कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 92 रन भी जोड़े। दोनों जब तक क्रीज पर थे तब तक भारत का पलड़ा भारी नजर आ रहा था लेकिन इन दोनों के जल्दी जल्दी आउट होने के बाद शारदुल ही टिककर बल्लेबाजी कर पाए। शारदुल ने जसप्रीत बुमराह (नाबाद 14) के साथ 51 रन की अटूट साझेदारी करके हार के अंतर को कम किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एंडिले फेहलुकवायो ने 26, तबरेज शम्सी ने 52 और लुंगी एनगिडी ने 64 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। केशव महाराज ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 42 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत ने कप्तान लोकेश राहुल (12) का विकेट जल्द गंवा दिया जो गेंदबाजी का आगाज करने वाले कामचलाऊ स्पिनर ऐडन मार्कराम की गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच दे बैठे। धवन शुरुआत से ही अच्छी लय में दिखे। उन्होंने मार्को जेनसन को निशाने पर रखा और उनके पहले चार ओवर में पांच चौके मारे। कोहली ने मार्कराम पर चौके के साथ खाता खोला और नौवें ओवर में भारत के रनों का अर्धशतक पूरा किया। धवन ने बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज की गेंद पर एक रन के साथ सिर्फ 51 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। धवन और कोहली ने 25वें ओवर में टीम का स्कोर 137 रन तक पहुंचाया। धवन 26वें ओवर में केशव महाराज की गेंद पर बोल्ड हो गए। धवन ने 84 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके मारे।

कोहली ने महाराज की गेंद पर एक रन के साथ 60 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में शम्सी की गेंद को स्वीप करने की कोशिश में बावुमा को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 63 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके मारे। पंत और अय्यर ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया।

अय्यर हालांकि एनगिडी की उछाल लेती गेंद पर डिकॉक को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 17 रन बनाए। एक गेंद बाद पंत भी फेहलुकवायो की गेंद पर स्टंप हो गए जिससे भारत का स्कोर पांच विकेट पर 182 रन हो गया।

पंत ने 16 रन बनाए। वेंकटेश अय्यर (02) भी एनगिडी की उछाल लेती गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में वान डेर डुसेन को कैच दे बैठे। फेहलुकवायो ने रविचंद्रन अश्विन (07) को बोल्ड किया। भारत के 200 रन 39वें ओवर में पूरे हुए। भारत को अंतिम 10 ओवर में 94 रन की दरकार थी और टीम के लिए यह लक्ष्य पहाड़ जैसा साबित हुआ। शारदुल ने मैच की अंतिम गेंद पर एक रन के साथ अपना पहला अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 43 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा। इससे पहले धीमी शुरुआत के बाद वान डेर डुसेन और बावुमा ने भारत के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी करके टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। भारत के लिए सबसे सफल गेंदबाज बुमराह रहे जिन्होंने 48 रन देकर दो विकेट चटकाए। अश्विन ने 53 रन देकर एक विकेट चटकाया।

बोलैंड पार्क की धीमी पिच पर दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बुमराह ने पांचवें ओवर में आउटस्विंगर पर सलामी बल्लेबाज यानेमन मलान (06) को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया।

भारतीय गेंदबाजों ने रन गति पर अंकुश लगाए रखा जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 10 ओवर में एक विकेट पर 39 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के बाद पहला मैच खेल रहे क्विंटन डिकॉक (41 गेंद में 27 रन) और बावुमा को रन बनाने के लिए जूझना पड़ रहा था। डिकॉक जून 2017 के बाद पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे अश्विन की सीधी गेंद को कट करने की कोशिश में बोल्ड हो गए।

शतक पूरा करने के बाद रेसी वान डेर डुसेन

अर्धशतकीय पारी के दौरान एक गेंद को बाउंड्री के लिए भेजते विराट कोहली

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका: क्विंटन डिकॉक बो अश्विन 27, यानेमन मलान का पंत बो बुमराह 06, तेंबा बावुमा का राहुल बो बुमराह 110, ऐडन मार्कराम रन आउट 04, रेसी वान डेर डुसेन नाबाद 129, डेविड मिलर नाबाद 02
अतिरिक्त: 18
कुल: 50 ओवर में चार विकेट पर: 296 रन
विकेट पतन:1-19, 2-58, 3-68, 4-272
गेंदबाजी: बुमराह 10-0-48-2, भुवनेश्वर 10-0-64-0, शारदुल 10-1-72-0, अश्विन 10-0-531, चहल 10-0-53-0

भारत: लोकेश राहुल का डिकॉक बो मार्कराम 12, शिखर धवन बो महाराज 79, विराट कोहली का बावुमा बो शम्सी 51, ऋषभ पंत स्टं डिकॉक बो फेहलुकवायो 16, श्रेयस अय्यर का डिकॉक बो एनगिडी 17, वेंकटेश अय्यर का वान डेर डुसेन बो एनगिडी 02, रविचंद्रन अश्विन बो फेहलुकवायो 07, शारदुल ठाकुर नाबाद 50, भुवनेश्वर कुमार का बावुमा बो शम्सी 04, जसप्रीत बुमराह नाबाद 14
अतिरिक्त: 13
कुल: 50 ओवर में आठ विकेट पर: 265 रन
विकेट पतन: 1-46, 2-138, 3-152, 4-181, 5-182, 6-188, 7-199, 8-214
गेंदबाजी:
मार्कराम 6-0-30-1, जेनसन 9-0-49-0, महाराज 10-0-42-1, एनगिडी 10-0-64-2, शम्सी 10-1-52-2, फेहलुकवायो 5-0-26-2

पीवी सिंधु हमवतन खिलाड़ी को हराकर अगले दौर में पहुंचीं

सैयद मोदी बैडमिंटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शीर्ष वरीय पीवी सिंधु ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल सुपर 300 बैडमिंटन में आसान जीत के साथ अगले दौर में जगह बना ली है। बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में खेले गए महिला एकल मैच में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने हमवतन तान्या हेमंत को 27 मिनट चले मैच में 21-9, 21-9 से हराया। पहले गेम में तान्या ने कुछ अंक जुटाए लेकिन सिंधु ने उम्दा कोर्ट कवरेज के सहारे अंक जुटाने शुरू किए और पहले 8-3 और फिर 14-5 की बढ़त बनाई।

इसके बाद तान्या 4 अंक और जुटा सकीं। सिंधु ने उम्दा स्मैश और ड्राप शॉट के सहारे तान्या को खासा छकाया और पहला गेम 21-9 से जीत लिया। दूसरे गेम में सिंधु तान्या से 2-1 पिछड़ गयीं। हालांकि सिंधु ने कुछ उम्दा ड्राप शॉट खेलकर अंक जुटाए। दोनों के बीच एक-एक अंक के लिए संघर्ष हुआ लेकिन सिंधु ने 8-4 से बढ़त के बाद 16-8 के स्कोर से लगातार अंक जुटाते हुए 20-8 स्कोर पर गेम प्वाइंट बनाया लेकिन अगली ही सर्विस पर तान्या ने गेम प्वाइंट बचाया। हालांकि कुछ पल बाद सिंधु ने अंक जुटाते हुए 21-9 से मैच अपने नाम कर लिया।

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु की अब अगले दौर में अमेरिका की लॉरेन लैम से टक्कर होगी, जिन्होने ईरा शर्मा को 15-21, 21-16, 21-16 से मात दी थी। सिंधु ने पिछला खिताब दो साल पहले जीता था।

उन्हें इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में हार मिल थी। महिला एकल में भारत की कनिका कंवल ने अमेरिका की दिशा गुप्ता को 21-15, 16-21, 21-6 से मात दी। पांचवी सीड रूस की एवगेनिया कोसत्सकाया ने भारत की वैदेही चौधरी को 21-16, 21-10 से मात दी। अन्य मैचों में छठीं वरीय थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग ने भारत की श्रीकृष्णा कुद्रावल्ली को 21-13, 21-13 से हराया। एक अन्य मैच में फ्रांस की येले होयॉक्स ने भारत की अनुरा प्रभुदेसाई को 21-17, 21-18 से हराया।

बुल्गारियन इंटरनेशनल की चैंपियन भारत की सामिया इमाद फारूकी ने श्रुति मुंदादा को तीन गेम तक चले मुकाबले में 17-21, 21-11, 21-10 से हराया। सामिया का अगले दौर में हमवतन कनिका कंवल से मुकाबला हागा। वहीं भारत की छठीं वरीय रिया मुखर्जी का अभियान हार से खत्म हो गया। उनको अमेरिका की इशिका जायसवाल ने 21-8, 21-15 से जीत दर्ज की। साई उत्तेजिता राव चुका ने अंजना कुमारी को 21-9 21-12 से मात दी। साई उत्तेजिता की अब आकर्षी कश्यप से टक्कर होगी। मिश्रित युगल में चौथी वरीय भारत के वेंकट गौरव प्रसाद व जूहील देवानगर ने हमवतन क्षितिज त्यागी व मेनी बोरा को करीबी मुकाबले में 21-18, 21-17 से हराया।

दूसरी वरीय मलेशिया के चेन तांग जेई व पेइक येन वेई ने भारत के प्रतीक रानाडे व कनिका कंवल को 21-14, 21-12 से हराया। पुरुष एकल में भारत के 10वीं वरीय चिराग सेन ने भारत में नंबर टू अंसल यादव को आसानी से 21-9, 21-6 से मात दी। पुरुष एकल में कौशल व मिथुन मंजूनाथ ने भी जीत दर्ज की।

आठ खिलाड़ियों को हुआ कोरोना संक्रमण

लखनऊ। चैंपियनशिप में दूसरे दिन आठ खिलाड़ियों की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव मिली। इसमें ऋद्धि कौर तूर, लिखिता श्रीवास्तव, सतेंद्र मलिक, अपूर्व जावेडकर, दीपक खत्री, कुशल राज और गर्व साहनी व एक अन्य खिलाड़ी की रिपोर्ट पाजिटिव मिली। मिश्रित युगल में मयंक राणा की पार्टनर ऋद्धि कौर तूर की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव रही, जिसके चलते ये जोड़ी भी बाहर हो गयी। महिला युगल में भारत की लेकिन लिखिता की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव मिलीं जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी जोड़ी में से भी एक खिलाड़ी की रिपोर्ट पाजिटिव थी जिसके चलते यह मैच कैंसिल हो गया। पुरुष डबल्स में सतेंद्र मलिक व पंकज नैथानी की जोड़ी में से सतेंद्र की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव होने से ये जोड़ी भी बाहर हो गयी। पुरुष डबल्स में ऋत्विक अंबेकर व अपूर्व जावेडकर का भारत की ही केतन चहल व दीपक खत्री से मैच था, लेकिन अपूर्व जावेडकर व दीपक खत्री की रिपोर्ट पाजिटिव होने से ये जोड़ी भी बाहर हो गई। पुरुष डबल्स में भारत के कुशल राज व प्रकाश राज की जोड़ी भी मैच से बाहर हो गई। भारत के ही गर्व साहनी की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव होने से बाहर हो गई।

नडाल, ऐश बार्टी और ओसाका ने आसान जीत के साथ तीसरे दौर में प्रवेश किया

आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

एपी। मेलबर्न

अपने रिकार्ड 21वें ग्रैंडस्लैम की कवायद में लगे राफेल नडाल और महिलाओं के वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी और गत चैम्पियन नाओमी ओसाका ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आसान जीत के साथ आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। बार्टी ने रॉड लेवर एरिना पर विश्व में 142वीं रैंकिंग की लूसिया ब्रोनजेटी को आसानी से 6-1, 6-1 से पराजित किया। वह लगातार छठे वर्ष इस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। बार्टी ने पिछले 48 गेम से अपनी सर्विस नहीं गंवाई है।

पहले दौर में केवल एक गेम गंवाने वाली बार्टी का अगला मुकाबला इटली की एक अन्य खिलाड़ी और 30वीं वरीयता प्राप्त कैमिला जियोर्गी से होगा जिन्होंने चेक गणराज्य की टेरेजा मार्टिनकोवा को 6-2, 7-6 से हराया। वहीं पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ओसाका ने मेडिसन ब्रेंगल को आसानी से 6-0, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई, जहां उनका सामना 20 वर्षीय अमेरिकी अमांडा एनीसिमोवा से होगा जिन्होंने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बेलिंडा बेनसिच को 6-2 7-5 से पराजित किया। पुरुष वर्ग में छठी वरीयता प्राप्त नडाल ने जर्मनी के क्वालीफायर यानिक हांफमैन को 6-2, 6-3, 6-4 से हराया। नडाल के पास तीसरे सेट के नौवें गेम में हांफमैन की सर्विस पर दो मैच प्वाइंट थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए।

इसके बाद अगले गेम में भी अपनी सर्विस पर उनके पास दो मैच प्वाइंट थे। हांफमैन के फोरहैंड बाहर मार देने से नडाल ने दो घंटे 42 मिनट तक चला यह मैच अपने नाम किया। सर्बिया के मियोमीर केसमानोविच भी अमेरिका के टॉमी पॉल को 7-6 (7), 7-5, 7-6 (8) से हराकर तीसरे दौर में पहुंच गए है। केसमानोविच को शुरुआती कार्यक्रम के अनुसार पहले दौर में हमवतन जोकोविच से भिड़ना था। दूसरे दौर के अन्य मैचों में 23वीं वरीयता प्राप्त रेली ओपेल्का ने डोमिनिक कोएफर पर 6-4, 6-3, 7-6 (4) से, 19वीं वरीयता प्राप्त पाब्लो कारेनो बुस्टा ने टैलन ग्रिक्सपुर को 6-3, 6-7 (6), 7-6 (3), 3-6, 6-4 से और 31वें नंबर के कार्लोस अल्कराज ने डुसान लाजोविच को 6-2, 6-1, 7-5 से हराया।

कनाडा के 14वीं वरीयता प्राप्त डेनिस शापोवालोव को दक्षिण कोरिया के सुन वू क्वान के खिलाफ 7-6 (6), 6-7 (3), 6-7 (6), 7-5, 6-2 से जीत दर्ज करने में पांच सेट तक जूझना पड़ा। यह मैच चार घंटे 25 मिनट तक चला।

इस बीच महिला वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त पाउला बाडोसा ने भी इटालियन क्वालीफायर मार्टिना ट्रेविसान को 6-0, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। दो बार की आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका भी जिल टिचमान को 6-1, 6-2 से हराकर आगे बढ़ने में सफल रही। अमेरिका की मेडिसन कीज ने रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टीन को 6-2, 7-6 से पराजित किया।

जीत के बाद विरोधी खिलाड़ी की प्रशंसा में ताली बजाते राफेल नडाल

लूसिया ब्रोनजेटी के खिलाफ खेलतीं ऐश बार्टी

रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा बाहर

मेलबर्न। भारत के रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा बुधवार को यहां अपने पहले दौर के मैच गंवाने के कारण क्रमशः पुरुष और महिला युगल के पहले दौर से बाहर हो गए। बोपन्ना और फ्रांस के उनके जोड़ीदार एडुआर्ड रोजर वेसलिन ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले क्रिस्टोफर रंगकाट और ट्रीट हुए के खिलाफ अच्छी शुरुआत की लेकिन इसके बाद उनकी लय गड़बड़ा गई और आखिर में उन्हें पहले दौर के इस मैच में 6-3, 6-7(2), 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटा 48 मिनट तक चला। दूसरी तरफ सानिया और यूक्रेन की उनकी जोड़ीदार नादिया किचनोक स्लावानिया की तमारा जिदानसेक और काजा जुवान की जोड़ी से एक घंटे 37 मिनट में 4-6, 6-7(5) से हार गई। किचनोक आज लय में नहीं थी और उन्होंने कई सहज गलतियां की। बोपन्ना और सानिया अब मिश्रित युगल में अपना भाग्य आजमाएंगे। बोपन्ना ने क्रोएशिया की दारिया जुराक श्राइबर जबकि सानिया ने अमेरिका के राजीव राम के साथ जोड़ी बनाई है। भारत के चार खिलाड़ियों ने एकल क्वालीफायर्स में हिस्सा लिया था लेकिन उनमें से कोई भी मुख्य ड्रा में जगह नहीं बना पाया।

सानिया मिर्जा 2022 सत्र के बाद संन्यास लेंगी

मेलबर्न। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने बुधवार को घोषणा की कि 2022 उनका अंतिम सत्र होगा क्योंकि उनका शरीर थक रहा है और उनके अंदर प्रत्येक दिन के दबाव के लिए ऊर्जा और प्रेरणा अब पहले जैसी नहीं है। सानिया (35 वर्ष) ने छह ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम किए हैं जिसमें तीन मिश्रित युगल ट्राफियां शामिल हैं। वह भारत की सबसे सफल महिला टेनिस खिलाड़ी के तौर पर संन्यास लेंगी।

सानिया ने अपनी जोड़ीदार नादिया किचनोक के साथ आस्ट्रेलियाई ओपन के महिला युगल के पहले दौर में हारने के बाद संन्यास की यह घोषणा की।

न्यूजीलैंड का आस्ट्रेलिया दौरा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

एपी। क्राइस्टचर्च

न्यूजीलैंड का सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए 30 जनवरी से शुरू होने वाला आस्ट्रेलिया का दौरा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है।

क्योंकि न्यूजीलैंड की सरकार ने कोविड-19 से जुड़े प्रतिबंधों के कारण खिलाड़ियों को स्वदेश वापसी पर अनिवार्य कड़े पृथकवास से छूट देने से इन्कार कर दिया।

न्यूजीलैंड को इस दौरे में 30 जनवरी से आठ फरवरी के बीच तीन एकदिवसीय और एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना था लेकिन इसे अब अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है क्योंकि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि खिलाड़ी वापस न्यूजीलैंड लौट सकते हैं। कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रान की लहर को देखते हुए न्यूजीलैंड सरकार ने 10 दिन के कड़े पृथकवास नियम को लागू किया है।

चेल्सी की खिताब जीतने की उम्मीदों को लगा झटका

इंग्लिश प्रीमियर लीग

एपी। ब्राइटन

चेल्सी को शुरुआती बढ़त के बावजूद मंगलवार की रात को यहां ब्राइटन के खिलाफ मैच 1-1 से ड्रा खेलना पड़ा जिससे उसकी इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब जीतने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा।

चेल्सी लीग में पिछले चार मैच से जीत दर्ज नहीं कर पाया है। उसे हाकिम जिएक ने 29वें मिनट में बढ़त दिला दी थी लेकिन ब्राइटन के डिफेंडर एडम वेबस्टर ने 60वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

चेल्सी अब भी पहले की तरह तीसरे स्थान पर है। वह शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी से 12 अंक पीछे है। सिटी के 22 मैचों में 56 और चेल्सी के 23 मैचों में 44 अंक हैं। लिवरपूल 21 मैचों में 45 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

रीयल बेटिस बड़ी जीत से स्पेनिश लीग में तीसरे स्थान पर बरकरार

मैड्रिड। स्ट्राइकर बोर्जा इगलेसियास के दो गोल की मदद से रीयल बेटिस ने अलावेस को 4-0 गोल से करारी शिकस्त देकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपने तीसरे स्थान को मजबूत किया। इस जीत से रीयल बेटिस चौथे नंबर पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक आगे हो गया है। वह शीर्ष पर काबिज रीयाल मैड्रिड से 12 अंक पीछे है।

बेटिस ने इगलेसियास के दो गोल और सर्जियो कनालेस के एक गोल से पहले हाफ में ही 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी। जुआनमी जिमीनेज ने दूसरे हाफ के शुरू में टीम की तरफ से चौथा गोल करके उसकी बड़ी जीत सुनिश्चित की।

भारतीय महिला फुटबाल टीम की दो सदस्यों को कोरोना

भाषा। मुंबई

भारतीय महिला फुटबॉल टीम की दो खिलाड़ियों को एएफसी एशियाई कप से पहले बुधवार को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया जिससे आयोजकों ने उन्हें पृथकवास के लिए एक चिकित्सा सुविधा में रख दिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने ट्वीट किया, एएफसी महिला एशियाई कप भारत 2022 के लिए भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम की दो सदस्यों को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया है और उन्हें इस समय चिकित्सा सुविधा में पृथकवास में रखा गया है।आयोजक महासंघ ने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि एआईएफएफ अपने खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देता है और एशियाई फुटबॉल परिसंघ द्वारा जारी जरूरी स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन कर रहा है।

कोरोना की चपेट में जूनियर टीम के खिलाड़ी

●अंडर-19 विश्व कप में कप्तान सहित छह खिलाड़ी संक्रमित

भाषा। तारोबा (त्रिनिदाद)

भारत की अंडर-19 टीम के कप्तान यश धुल, उप कप्तान शेख रशीद और टीम के उनके चार साथी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं जिसके कारण उन्हें बुधवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ विश्व कप के ग्रुप बी मैच में बाहर रहने को बाध्य होना पड़ा।

इससे भारत के अभियान को बड़ा झटका लगा है। धुल और रशीद के अलावा बल्लेबाज आराध्य यादव, वासु वत्स, मानव परख और सिद्धार्थ यादव भी इस वायरस से संक्रमित पाए गए हैं जिसके कारण भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ बामुश्किल 11 खिलाड़ियों को उतार पाई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि भारत के तीन खिलाड़ी कल पॉजिटिव पाए गए और उन्हें पहले ही पृथकवास में भेज दिया गया था। सुबह मैच से पहले हमारे कप्तान और उप कप्तान भी रेपिड एंटीजेन परीक्षण में पॉजिटिव पाए गए जो निर्णायक नहीं था। उन्होंने कहा कि इसलिए एहतियात के तौर पर उन्हें मुकाबले से हटा दिया गया।

इन खिलाड़ियों में कप्तान यश धुल और उप कप्तान शेख रशीद भी शामिल हैं। हमारे पास सिर्फ 11 खिलाड़ी उपलब्ध हैं और छह खिलाड़ी पृथकवास में हैं। धुल और रशीद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मुकाबले में खेले थे लेकिन अराध्य उस मैच का हिस्सा नहीं थे। धुल की गैरमौजूदगी में निशांत सिंधू बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ टीम की अगुआई कर रहे हैं।

भारत ने अपना पहला मैच ज्ञाना में खेला और आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए त्रिनिदाद आई। संदेह है कि घाना में रहने के दौरान खिलाड़ी संक्रमित हुए।

कप्तान प्रेस्ट के आलराउंड प्रदर्शन के चलते इंग्लैंड की आसान जीत

बासेटेरे **(सेंट कीट्स)**। कप्तान टॉम प्रेस्ट ने पहले 93 रन की लाजवाब पारी खेली और बाद में तीन विकेट लिए जिससे इंग्लैंड ने अंडर-19 विश्व कप के ग्रुप ए लीग मैच में कनाडा पर 106 रन की बड़ी जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी कर निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 320 रन बनाए। प्रेस्ट ने अपनी पारी में 93 गेंद का सामना किया और 10 चौके लगाए। उनके अलावा जार्ज बेल (57), जार्ज थामस (51) और विलियम लक्सटन (41) ने उपयोगी योगदान दिया। इसके बाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोशुआ बोडेन (44 रन देकर चार विकेट) तथा स्पिनर जैकब बाथेल (45 रन देकर तीन) और प्रेस्ट (38 रन देकर तीन) ने गेंदबाजी में कमाल दिखाया जिससे इंग्लैंड ने कनाडा को 48.1 ओवर में 214 रन पर समेट दिया। इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप बी के मैच में युगांडा पर 121 रन से आसान जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका पहले बल्लेबाजी करते हुए डेवाल्ड ब्रेविस के 104 रन की मदद से नौ विकेट पर 231 रन बनाए। इसके जवाब में युगांडा 33.4 ओवर में 110 रन बनाकर आउट हो गया।

उधर ग्रुप सी में अफगानिस्तान ने पापुआ न्यूगिनी (पीएनजी) को 135 रन से करारी शिकस्त देकर जीत से अपने अभियान की शुरुआत की। अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.2 ओवर में 200 रन पर आउट हो गई लेकिन उसने पीएनजी को केवल 20.5 ओवर में 65 रन पर ढेर कर दिया।

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 92
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 20 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

नडाल आसान जीत के साथ तीसरे दौर में
स्पोर्ट्स-12

मुलायम की पुत्रवधु अपर्णा भाजपा में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली, लखनऊ

समाजवादी पार्टी के संरक्षक और वरिष्ठ नेता मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव बुधवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने परिवार की बहू को इसके लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पार्टी के मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी की मौजूदगी में अपर्णा यादव ने भाजपा का दामन थामा। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से भी मुलाकात की। योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा, अपर्णा जी का भाजपा परिवार में स्वागत हैं। मुख्यमंत्री ने अपर्णा के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ उनकी एक तस्वीर भी ट्वीट की। यादव ने इस अवसर पर कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी नीतियों से हमेशा से प्रभावित रही हैं और अब वह भाजपा की सदस्यता लेकर राष्ट्र की आराधना करने निकल पड़ी हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से प्रधानमंत्री जी से प्रभावित रही हूं। मेरे चिंतन में हमेशा राष्ट्र सबसे पहले है। राष्ट्र धर्म मेरे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। मैं बस, यही बोलना चाहती हूं कि अब मैं राष्ट्र की आराधना करने निकली हूं। उन्होंने कहा कि वह अपनी क्षमता के अनुरूप जो भी कर सकती

नई दिल्ली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अपर्णा यादव

हैं, भाजपा के लिए करेंगी। उप-मुख्यमंत्री मौर्य ने अपर्णा यादव का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि वह हमेशा से ही भाजपा की विचारधारा की समर्थक रही हैं और समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से उन्होंने यह जाहिर भी किया है। उप-मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह अपने परिवार में ही असफल रहे हैं। उन्होंने कहा, अखिलेश यादव अपने परिवार में ही सफल नहीं हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में भी असफल रहे हैं। सांसद के रूप में भी असफल हैं। अखिलेश यादव के विधानसभा चुनाव लड़ने की अटकलों के मद्देनजर मौर्य ने चुटकी लेते कहा कि वह सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी पहली सूची जारी कर दी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर से तथा उनके सिराथू से लड़ने की घोषणा की जा चुकी है।

जलालाबाद के सपा विधायक का इस्तीफा, अखिलेश यादव पर लगाए आरोप

शाहजहांपुर। जिले की जलालाबाद सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक शरद वीर सिंह ने इस बार अपना टिकट कटने से नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अपने त्यागपत्र में सिंह ने आरोप लगाया कि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की अगुवाई वाली सपा पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव की नीतियों से भटक गई है। सपा विधायक शरद वीर सिंह ने फोन पर बताया कि उनका टिकट काटकर नीरज मौर्य को दे दिया गया है, इसलिए उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया है। भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में सिंह ने कहा कि उन्होंने अभी भाजपा की सदस्यता नहीं ली है लेकिन टिकट के लिए आवेदन जरूर किया है। अगर उन्हें पार्टी टिकट देती है तो वह चुनाव लड़ेंगे, अन्यथा जिसे भी भाजपा का टिकट मिलेगा उसे चुनाव में मदद करेंगे। उन्होंने बताया, हमारा लक्ष्य सपा प्रत्याशी नीरज मौर्य को किसी भी कीमत पर हराना है।

सपा को भी पता है, बहू-बेटी सिर्फ भाजपा में सुरक्षितः अनुराग

लखनऊ। बीजेपी के प्रदेश चुनाव सहप्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को सपा नेत्री अपर्णा यादव का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा परिवार लगातार बड़ा हो रहा है। विभिन्न दलों से आने वाले नेताओं से भाजपा की ताकत बढ़ेगी। भाजपा सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए जितने काम किये हैं उतना काम किसी भी सरकार में नहीं हुआ है। भाजपा सरकार ने महिलाओं को स्वावलंबन, स्वाभिमान, सम्मान और सुरक्षा प्रदान की है। सपा नेताओं को भी पता है कि भाजपा सरकार में उनकी बहू बेटियां भी सुरक्षित हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में बहुत सारे एमएलए, एमएलसी, पूर्व विधायक समाजवादी पार्टी को और बाकी पार्टियों को छोड़कर भाजपा में आए हैं जिनका हम स्वागत करते हैं।

भाजपा का अपना दल (एस), निषाद पार्टी से गठबंधन

- अनुप्रिया पटेल और संजय निषाद की उपस्थिति में जेपी नड्डा ने की घोषणा
- भाजपा ने अलीगढ़ से मुक्ता राजा को बनाया अपना उम्मीदवार

नई दिल्ली में अपना दल की अनुप्रिया पटेल और निषाद पार्टी के संजय निषाद के साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अपने सहयोगियों, अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के साथ मिलकर राज्य की 403 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगा। दूसरी ओर पार्टी ने अलीगढ़ से मुक्ता राजा को अपना उम्मीदवार घोषित किया। मुक्ता अलीगढ़ से भाजपा के विधायक संजीव राजा की पत्नी हैं। करीब 22 साल पुराने एक मामले में अदालत ने संजीव राजा को दो साल की सजा सुनाई थी।

नड्डा ने अपना दल (एस) की नेता व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद की मौजूदगी में भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में हालांकि यह नहीं बताया कि कौन सा दल कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा, अपना दल (एस) और निषाद पार्टी साथ मिलकर राज्य की 403 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के साथ विस्तार से चर्चा हुई और उसके बाद सीटों के तालमेल पर फैसला हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने विकास में एक नई छलांग लगाई है और प्रदेश के विकास को तेज गति दी है।

इस अवसर पर अनुप्रिया पटेल और संजय निषाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समाज के शोषित और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की और विश्वास जताया कि राज्य में फिर से एक बार राजग की सरकार बनेगी। पटेल ने कहा, उत्तर प्रदेश में विकास और सामाजिक न्याय का संयोजन एक बेहतरीन कॉकटेल साबित हुआ है। उत्तर प्रदेश को विकास की भी आवश्यकता है और सामाजिक न्याय की भी जरूरत है। अपना दल ने अपनी स्थापना के साथ ही सदैव, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के अधिकार और भागीदारी के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ मिलकर हम इसे और आगे लेकर जाएंगे। पटेल ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग को संवैधानिक दर्जा दिए जाने और नीट परीक्षा सहित शिक्षा के क्षेत्र में ओबीसी वर्ग को आरक्षण दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सामाजिक न्याय से जुड़ी तमाम समस्याओं का समाधान किया गया है। उन्होंने भाजपा नेताओं के समक्ष केंद्र सरकार में अलग से ओबीसी मंत्रालय के गठन की अपनी मांग भी दोहराई। पटेल ने कहा, विकास के साथ ही सामाजिक न्याय की अवधारणा को और मजबूती प्रदान करने के लिए हम सभी ने तय किया है कि हम एक बार फिर मजबूती के साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे।

विकास, सुशासन, राष्ट्रवाद है चुनाव के लिए भाजपा का एजेंडाः योगी

- विरोधी दलों पर वंशवाद और पारिवारिक राजनीति को बढ़ावा देने का लगाया आरोप

भाषा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद को चुनाव के लिए एजेंडा के रूप में प्राथमिकता दी है, जबकि अन्य दलों ने वंशवाद और पारिवारिक राजनीति को बढ़ावा दिया। गौतमबुद्ध नगर की आधिकारिक यात्रा के दौरान योगी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा और अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी पर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों का चयन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमने विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद को एजेंडा बनाया है। राज्य में पहले वंशवाद और पारिवारिक राजनीति ने न केवल भाई-भतीजावाद को बढ़ावा दिया और राज्य के लोगों, गरीबों, किसानों तथा युवाओं का शोषण किया, बल्कि इससे असुरक्षा का माहौल भी पैदा हुआ। योगी ने कहा, हर तीसरे दिन राज्य में दंगा भड़क जाता था। कहीं भी कर्फ्यू लगाए जाने पर विकास अपने आप बाधित हो जाता है। जब बेईमानी और भ्रष्टाचार आपके जीवन का हिस्सा बन जाते हैं, तब आपको सुशासन नहीं मिल सकता है। उन्होंने सपा, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, वंशवाद और परिवारवाद से जुड़े इन लोगों ने अतीत में यह सब किया है। उन्होंने कहा कि 2017 से मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, अपराधी या तो जेल में कैद हैं या उन्होंने राज्य छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री ने सपा, बसपा और कांग्रेस पर विधानसभा चुनाव से पहले असामाजिक तत्वों को टिकट देकर ऐसे लोगों को वापस लाने का आरोप लगाया।

नितिन अग्रवाल का विस उपाध्यक्ष और सपा से इस्तीफा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चुनाव से पहले नितिन अग्रवाल ने यूपी विधानसभा उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही समाजवादी पार्टी की सदस्यता से भी नितिन ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित को पत्र भेजकर इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा है कि मैं सदन से अपने स्थान से बुधवार से पद त्याग करता हूं। नितिन अग्रवाल वरिष्ठ भाजपा नेता नरेश अग्रवाल के पुत्र हैं। उन्होंने वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव सपा के टिकट पर हरदोई से लड़ा था और विधायक चुने गए थे। भाजपा ने उन्हें विधानसभा उपाध्यक्ष बनाया था। नितिन इस बार विधानसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़ने वाले हैं। इसीलिए उन्होंने इस्तीफा दिया है। अभी हाल ही में भाजपा से नितिन अग्रवाल को विधानसभा उपाध्यक्ष के लिए नामित किया गया था। नितिन अग्रवाल सपा से हरदोई शहर विधायक हैं।

चन्नी के रिश्तेदार सहित अन्य लोगों के यहां से दस करोड़ की नकदी जब्त

- अवैध खनन में ईडी की छापेमारी

भाषा। नई दिल्ली, चंडीगढ

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब में अवैध बालू खनन के खिलाफ जारी धनशोधन निरोधी जांच के सिलसिले में की गई छापेमारी के दौरान दस करोड़ रुपए की नकदी जब्त की है। इसमें मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के एक रिश्तेदार के ठिकाने से जब्त किए गए आठ करोड़ रुपए भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईडी की ओर से जारी बयान के मुताबिक, छापेमारी के दौरान पंजाब में अवैध खनन और संपत्ति हस्तांतरण से जुड़े दस्तावेज, मोबाइल फोन, 21 लाख रुपए मूल्य से अधिक का सोना और 12 लाख रुपए कीमत की रोलेक्स घड़ी भी जब्त की गई है।

ईडी सूत्रों ने छापेमारी के दौरान मनमानी के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि मंगलवार को शुरू की गई कार्रवाई उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए की गई थी और इस दौरान न तो कोई व्यक्तिगत टिप्पणी की गई थी, न ही कोई धमकी दी गई थी। सूत्रों ने बताया कि अवैध खनन मामले में पंजाब के मोहाली, लुधियाना, रूपनगर, फतेहगढ़ साहिब और पठानकोट सहित अन्य शहरों में मंगलवार को दर्जनभर ठिकानों पर छापेमारी की कार्वाई शुरू की गई थी, जो बुधवार तड़के खत्म हुई। उन्होंने बताया कि यह छापेमारी धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की गई थी और इस दौरान जांच एजेंसी ने बड़ी संख्या में दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की छापेमारी के दौरान दस करोड़ रुपए की नकदी भी जब्त की गई, जिसमें भूपिंदर सिंह उर्फ हनी के ठिकाने से मिले लगभग आठ करोड़ रुपए शामिल हैं। हनी रिश्ते में मुख्यमंत्री चन्नी का भतीजा लगता है। सूत्रों ने बताया कि दो करोड़ रुपए की नकदी संदीप कुमार नाम के एक शख्स के ठिकाने से बरामद हुई है।

प्रदेश में 17776 नए केस, सात की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार में उतार-चढ़ाव जारी है। राहत की बात यह है कि नए केस मिलने की अपेक्षा डिस्चार्ज होने वालों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। बुधवार को जहां पूरे प्रदेश में कोरोना के 17776 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 20532 मरीज डिस्चार्ज हुए हैं। वहीं सात मरीजों की मौत हुई है। लखनऊ में कोरोना के 3517 नए केस पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक टॉप फ़ाइव में लखनऊ के अलावा गौतमबुद्ध नगर में 1403 केस, गाजियाबाद में 2003 केस, मेरठ में 958, वाराणसी में 570 मामले आज सामने आए हैं। प्रदेश में 98238 कोरोना के केस वर्तमान में एक्टिव है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने आज बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 2,30,753 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 9,69,73,563 सैम्पल की जांच की गयी हैं। कल विभिन्न जनपदों से आरटीपीसीआर के लिए 1,24,295 सैम्पल भेजे गये है।

भारत में 23 को चरम पर पहुंच सकती है तीसरी लहर

कोलकाता में किशोरों को कोरोनारोधी टीका लगाते स्वास्थ्यकर्मी

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-कानपुर के एक वैज्ञानिक के अनुसार, भारत में कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर 23 जनवरी को चरम पर पहुंच सकती है और इस दौरान रोजाना संक्रमण के चार लाख से कुछ कम मामले सामने आ सकते हैं। आईआईटी-कानपुर के प्रोफेसर व सूत्र कोविड मॉडल से जुड़े अनुसंधानकर्ताओं में शामिल मनिंद्र अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में पहले ही, बीते सात दिन में संक्रमण के मामलों की संख्या चरम पर पहुंच चुकी है। महामारी की शुरुआत के बाद से देश में कोविड मामलों की संख्या का पता लगाने और इस संबंध में अनुमान जताने के लिए सूत्र कोविड मॉडल का उपयोग किया गया है।

बाजार

सेंसेक्स	60,098	↓	656	
निफ्टी	17,938	↓	174	
सोना	47,878	↑	16	/10g
चांदी	63,435	↑	1603	/kg

क्विक न्यूज

कूरियर कंपनी के वाहन से 200 किलो चांदी की लूट

आगरा। आगरा में बुधवार दोपहर करीब साढ़े बारह बजे कार सवार चार बदमाशों ने एक निजी कूरियर कंपनी की गाड़ी से 200 किलोग्राम चांदी और एक लाख रुपए नकदी लूट ली। अतिरिक्त महानिदेशक राजीव कृष्ण ने बताया कि कूरियर कंपनी के कर्मचारी आकाश ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा है कि वह अपने सहकर्मी के साथ एक कार से 200 किलोग्राम चांदी और एक लाख रुपए नकदी लेकर आगरा से धौलपुर जा रहा था। शिकायत के अनुसार, ग्वालियर रोड पर एक कार ने उनकी कार को ओवर टेक किया और उन्हे रुकने पर मजबूर कर दिया। कार में सवार चार बदमाशों ने आकाश और उनके सहकर्मी को डरा कर 200 किलोग्राम चांदी अपनी कार में रखवा लिया। कृष्ण ने बताया कि शिकायत के आधार पर 200 किलोग्राम चांदी की लूट का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

भाजपा महाराष्ट्र नगर पंचायत चुनावों में सबसे आगे

मुंबई। महाराष्ट्र नगर पंचायत चुनाव के नतीजे बुधवार को घोषित किए गए जिसमें भारतीय जनता पार्टी 1,649 सीटों में से 384 सीटों पर विजय प्राप्त कर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। इससे पहले आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने दावा किया था कि उनकी पार्टी राज्य में सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी है और 24 नगर पंचायत का नेतृत्व कर सकती है। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने बुधवार शाम को नतीजों की घोषणा की जिसमें भाजपा को 384 और राकांपा को 344 सीटों पर जीत मिली है। एसईसी के आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस ने 316 सीटें जीती हैं जबकि शिवसेना को केवल 284 सीटों पर जीत हासिल हुई है। हाल में हुए पंचायत चुनाव में 206 निर्दलीय उम्मीदवार विजई हुए हैं। एसईसी ने कहा कि गढ़चिरौली जिले के नौ नगर पंचायत में मतगणना बृहस्पतिवार को होगी।

5जी से बाधा का अंदेशा, अमेरिका की 8 उड़ानें रद्द

- एयर इंडिया ने कहा, 5जी इंटरनेट लागू होने से विमानों के सिस्टम आ सकती है दिक्कत

राजेश कुमार। नई दिल्ली

अमेरिका के एयरपोर्ट पर 5जी इंटरनेट सेवा लागू के चलते एयर इंडिया ने वहां जाने वाली आठ उड़ानों को रद्द कर दिया है। भारतीय एयरलाइंस का कहना है कि इंटरनेट की नई व्यवस्था के कारण उसके विमानों का नेवीगेशन सिस्टम गड़बड़ा सकता है। मालूम हो कि अमेरिका के एयरपोर्ट पर बुधवार से 5 जी सेवाएं सेवाएं शुरू की गई हैं। भारत-अमेरिकी रूट पर एयर इंडिया के बोइंग 777 विमान न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, शिकागो जाते हैं। नई इंटरनेट तकनीक के चलते भारतीय विमानों पर वहां के एयरपोर्ट पर उतरते समय कोई दिक्कत न आए, इसके मद्देनजर दिल्ली-न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क-दिल्ली, दिल्ली-शिकागो, शिकागो-दिल्ली, दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को, सैन फ्रांसिस्को-दिल्ली जैसी आठ फ्लाइटों को तत्काल रूप से रोक दिया है। मामले की जानकारी देते हुए एयर इंडिया ने बताया कि अमेरिकी में 5जी तकनीक का प्रयोग शुरू हो गया है। 19 जनवरी से कुल आठ फ्लाइटों को रोका गया है। हालांकि इस दौरान तीन भारतीय मालवाहक जहाज अमेरिका के लिए उड़ान भरते रहेंगे। अमेरिकी एयरलाइंस, डेल्टा एयरलाइंस और एयर इंडिया तीनों वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच सीधी उड़ानें संचालित करते हैं। वहीं दूसरे देशों की बात करें तो 5जी के चलते जापान, यूएई आदि की एयरलाइंस ने कुछ उड़ानों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। एयर इंडिया के अधिकारी के अनुसार अमेरिकी एयरपोर्ट पर 5जी इंटरनेट में जो तकनीक प्रयोग हो रही है, उसकी वजह से हवाई जहाज की ऊंचाई मापने में गड़बड़ी हो सकती है। जानकारी मिली है कि इंटरेनट का पांचवा जनरेशन पुरानी तकनीक रेडियो सिग्नल से ज्यादा ताकतवर है। हवाई जहाज के उतरने और उड़ने के दौरान सिग्नल समस्या आ सकती है, इसलिए यात्रियों की सुरक्षा के लिए एयरइंडिया ने फ्लाइट रोकने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी तरफ दुबई की अमीरात एयरलाइन ने कहा कि वह शिकागो, न्यर्याक और सैन फ्रांसिस्को सहित कई अमेरिकी शहरों के लिए उड़ानें निलंबित कर देगी, जबकि जापान एयरलाइंस कंपनी और एएनए होल्डिंग्स इंक ने कहा कि वे कुछ मार्गों को छोड़ देंगे और अपने 777 जेट विमानों को यहां से आने-जाने नहीं देंगे। वहीं दूसरी तरफ सिंगापुर एयरलाइंस ने बोइंग 777 के बजाय एयरबस ए 350 के साथ न्यूयॉर्क और लॉस एंजिल्स के लिए उड़ानें संचालित कर रही है।

प्रतीकात्मक चित्र

इंडिगो के दो विमानों के बीच हवा में टक्कर टली

भाषा। नई दिल्ली

विमानन नियामक डीजीसीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि नौ जनवरी की सुबह बेंगलुरू हवाई अड्डे पर उड़ान भरने के तुरंत बाद इंडिगो के दो विमानों के बीच हवा में टक्कर टल गई थी। उन्होंने बताया कि घटना को किसी लॉगबुक में दर्ज नहीं किया गया था और न ही भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने इसकी सूचना दी थी। इस बीच, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) प्रमुख अरुण कुमार ने पीटीआई-भाषा को बताया कि विमानन नियामक घटना की जांच कर रहा है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्वाई करेगा। इंडिगो और एएआई ने इस मामले पर बयान के लिए पीटीआई-भाषा के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। डीजीसीए के अधिकारियों ने कहा कि इंडिगो के दो विमान - 6ई455 (बेंगलुरु से कोलकाता) और 6ई246 (बेंगलुरु से भुवनेश्वर) - बेंगलुरु हवाई अड्डे पर अलगाव के उल्लंघन में शामिल थे। अलगाव का उल्लंघन तब होता है जब दो विमान किसी हवाई क्षेत्र में न्यूनतम अनिवार्य ऊर्ध्वाधर या क्षैतिज दूरी को पार कर लेते हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन दोनों विमान ने नौ जनवरी की सुबह करीब पांच मिनट के अंतराल में बेंगलुरू हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी।

अखिलेश के शासनकाल में गुंडागर्दी को महत्व दिया जाता था: स्वतंत्र देव

● सपा प्रमुख जब अपने परिवार को संभालने में सफल नहीं हुए तो प्रदेश को क्या संभालेंगे: केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपर्णा यादव का स्वागत करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की लोककल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर अपर्णा यादव ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है जबकि अखिलेश यादव के शासन काल में गुंडागर्दी को महत्व दिया जाता था। बेटा-बेटी या किसान कोई भी सुरक्षित नहीं था, शाम ढलते ही लोग घरों का दरवाजा बंद कर लेते थे। अपर्णा यादव के पार्टी में शामिल होने से पार्टी के चुनाव अभियान को और मजबूती मिलेगी। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मोदी-योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का सतत विकास हो रहा है जबकि अखिलेश यादव दूसरे के विकास कार्यों पर अपना स्टीकर चस्पा करने का काम करते रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल में राज्य के किसी क्षेत्र का विकास नहीं किया। अखिलेश यादव जब अपने परिवार को संभालने में सफल नहीं हुए तो प्रदेश को क्या संभालेंगे। अखिलेश यादव राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में असफल थे ही साथ ही सांसद के रूप में भी असफल रहे हैं। अपर्णा यादव ने भाजपा में शामिल होने पर मोदी-योगी और केशव प्रसाद मौर्य का आभार जताते हुए कहा कि मैं हमेशा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यों से प्रभावित रही हूँ। स्वच्छ भारत मिशन हो या महिला स्वावलंबी योजना, भाजपा की सभी योजनाओं से मैं प्रभावित रही हूँ। मैं राष्ट्र प्रथम की भावना से राष्ट्र की आराधना करने निकली हूँ, भाजपा में रह कर मुझे जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, अपनी क्षमता अनुसार उसका निर्वाह करने की कोशिश करुँगी।

वहीं बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता समीर सिंह ने बुधवार को अपने बयान में कहा कि गरीबों-किसानों की जमीनें कब्जा करने वाले सपाई आज किसान हितैषी होने का ढोंग कर रहे हैं। खेती से जीवन यापन करने वाले किसानों का कैराना से पलायन कराने वाले दंगाइयों को सपा प्रमुख टिकट देकर सम्मानित कर रहे हैं। जिनके राज में कर्ज के बोझ के तले किसान आत्महत्या कर रहे थे वो किसानों के भले की बात का स्वांग रच रहे हैं जबकि भाजपा सरकार इकलौती ऐसी सरकार है 2017 में जिसकी सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में ही 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ के ऋण माफ किये गए। उन्होंने कहा कि किसानों की आय को दोगुना करने के लिए सरकार ने हर स्तर पर प्रयास किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 53 लाख 98 हजार किसानों के खाते में 37388 करोड़ हस्तांतरित किये गए हैं। पिछले साढ़े चार सालों में किसानों से 435 लाख मीट्रीक टन खद्यान खरीदे कर 79 हजार करोड़ का भुगतान किया। 2007 से 2017 के बीच केवल 221.07 लाख मीट्रीक टन खद्यान खरीदा गया था। आंकड़े बताते हैं कि किसान हितैषी कौन है? उन्होंने कहा कि तिलहन, दलहन, गेहूं, धान और अन्य दूसरी फसलों के एमएसपी में डेढ़ से दो गुना तक की बढ़ोतरी की गई है। हमने जहां गन्ना किसानों को पुराने बकाए के साथ ही डेढ़ लाख करोड़ का भुगतान किया। वहीं गन्ने के समर्थन मूल्य में भी इजाफा किया जबकि सपा बसपा सरकार मिलकर भी 95 हजार करोड़ से ज्यादा का भुगतान नहीं कर पाई थी। कहा कि जिन्होंने चीनी मिलों को बंद कर कौड़ियों के भाव बेच दिया आज वे किसान हितैषी होने की बात कहते हैं तो मन में पहला भाव संदेह का ही उत्पन्न होता है। सरकार ने किसानों के बिजली बिल भी हॉफ किये हैं। यह बहुत ही दूरगामी निर्णय है। किसानों को निर्बाध बिजली के लिए अलग से कृषि फीडरों का निर्माण किया गया है। जिस पर 10 घंटे की निर्बाध सप्लाई दिन में दी जा रही है, जिससे किसानों को रात में जगकर सिंचाई नहीं करनी पड़ती। पहले तो किसानों को बिजली मिलती ही नहीं थी। किसानों के ट्यूबवेल के बिल आधे किये गए।

बीजेपी ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

मोदी-योगी समेत केंद्रीय मंत्री और संगठन से जुड़े पदाधिकारी शामिल, वरुण को नहीं मिली जगह

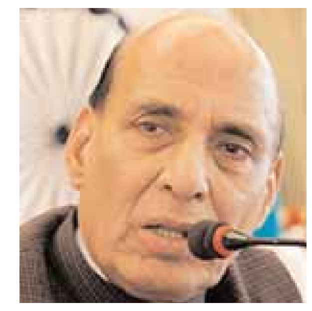

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी विधानसभा चुनाव

भाजपा ने यूपी चुनाव के लिए 30 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भाजपा के कई बड़े नेता शामिल हैं जबकि सूची में भाजपा सांसद वरुण गांधी व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी का नाम शामिल नहीं है। पार्टी ने यह सूची पहले चरण के चुनावों को ध्यान में रखते हुए जारी की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि यदि चुनाव आयोग कोविड मामलों की समीक्षा के बाद रैलियां करने की इजाजत देता है तो पार्टी के स्टॉर प्रचारक चुनावी मैदान में उतरकर जनता से रूबरू संवाद करेंगे। इजाजत मिलने तक वर्चुअल और डिजिटल माध्यम से चुनाव प्रचार करेंगे। इस सूची में पार्टी ने केंद्रीय मंत्री, योगी सरकार के मंत्री, सांसद, प्रदेश संगठन के पदाधिकारी शामिल हैं। भाजपा की स्टार प्रचारकों की सूची में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राधा मोहन सिंह, मुख्तार अब्बास नकवी, स्मृति ईरानी, सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, दिनेश शर्मा, संजीव बालियान, जसवंत सैनी, हेमा मालिनी, अशोक कटारिया, सुरेन्द्र नागर, वीके सिंह, चौधरी भूपेन्द्र सिंह, बीएल वर्मा, राजवीर सिंह राजू भईया, एसपी सिंह बघेल, साध्वी निरंजन ज्योति, कांता कर्दम, रजनीकांत महेश्वरी, मोहित बेनीवाल, धर्मेन्द्र कश्यप, जेपीएस राठौर और भोला सिंह खटिक शामिल हैं।

अखिलेश ने जनता को छलने का ही काम किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व जॉइनिंग कमेटी के अध्यक्ष डा लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने बुधवार को कहा कि झूठे वादे और दावे करने वाली सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सत्ता में रहते समय प्रदेश की जनता को केवल छलने का ही काम किया।

जब प्रधानमंत्री 2014 में जनधन खाते खुलवाने की अपील कर रहे थे तो अखिलेश यादव ने लोगों को गुमराह किया। जब गरीबों और वंचितों को जनधन खातों से सीधे मदद मिलने लगी तो विपक्ष की राजनीति बंद हो गई। गरीबों के लिए योगी और मोदी सरकार के कल्याणकारी कार्य सपा-बसपा और कांग्रेस को खराब लग रहे हैं। क्योंकि पहले उनके लोग गरीबों के हक पर डाका डालने का काम करते थे। बुधवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही गरीबों, वंचितों के लिए काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल लगातार झूठे वादे करते आ रहे हैं। आज अखिलेश यादव ने एक और झूठा वादा और दावा दोनों किया है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों के खातों में पैसा डालने का काम उन्होंने किया था लेकिन वे यह भूल गए कि उनकी सरकार जाने के बाद से यूपी में 7.7 करोड़ जनधन खाते खुले हैं और उनके माध्यम से गरीबों को सीधे लाभ मिल रहा है। अब यूपी में बिचौलिया राज खत्म हो गया है। उनका रोजगार चला गया है इसीलिए अखिलेश को कष्ट हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब गरीब को मकान के लिए ढाई लाख सीधे खाते में गया तो सपा प्रमुख को कष्ट हुआ। जब शौचालय के लिए सीधे खाते में पैसा गया तो उन्हें कष्ट हुआ। जब बुजुर्गों, निराश्रित महिलाओं, वृद्धा, दिव्यांगजनों को सीधे सरकार की सीधी मदद मिलना शुरू हो गई तो अखिलेश जी और उनकी पार्टी को और भी अधिक कष्ट हुआ। जब कोरोना की विपत्ति में सरकार ने करोड़ों जनधन खाता धारक महिलाओं, रेहड़ी पटरी वालों, मजदूरों के खाते में सीधी मदद की तो अखिलेश जी के कष्ट का स्तर और बढ़ गया। आज सभी प्रकार की सब्सिडी, सरकारी मदद सब सीधे लाभार्थी के खाते में जा रही है तो अखिलेश जी समेत सम्पूर्ण विपक्ष को खराब लग रहा है।

उन्होंने कहा कि अखिलेश जिस समाजवादी पेंशन की बात कर रहे थे, उसमें हुआ घोटाला भी उन्हें याद ही होगा। जिसमें बुजुर्गों, दिव्यांगों, महिलाओं और अन्य लाभार्थियों का हक सपाई लुटेरों ने लूटा था। कागजों में लाखों ऐसे लोगों को पेंशन दी गई जिनका वजूद ही नहीं था जो मृतक थे। आज उन्होंने घोषणा भी की है संभवत: सपने में सरकार बनाई हो और उसी में समाजवादी लूट योजना पार्ट-2 की घोषणा कर अपने साथियों को खुश करने का प्रयास किया हो लेकिन प्रदेश की जनता उनका सपना सच नहीं होने देगी।

आजमगढ़ की जनता से अनुमति लेकर ही लड़ूंगा चुनाव

● सरकार बनने पर 18000 रुपए समाजवादी पेंशन दी जाएगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आजमगढ़ की जनता से अनुमति लेकर ही मैं चुनाव लड़ूंगा। सपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने घोषणा की कि समाजवादी सरकार के दौरान चलाई गई समाजवादी पेंशन को 18000 रुपए सालाना किया जाएगा। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने अपर्णा यादव के भाजपा में शामिल होने के प्रश्न पर कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि समाजवाद का विस्तार हो रहा है। अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार बनने पर फिर से समाजवादी पेंशन योजना शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस बार जरूरतमंद गरीब परिवार की महिलाओं को प्रतिवर्ष 18 हजार रुपए पेंशन दी जाएगी। श्री यादव ने कहा कि पिछली बार सपा सरकार के दौरान 50 लाख महिलाओं को समाजवादी पेंशन योजना में 6 हजार रुपए वार्षिक का लाभ दिया जा रहा था। समाजवादी सरकार में सबसे ज्यादा बैंक खाते खुलवाए गए थे। खातों में सीधे पैसा पहुंचाया जा रहा था। प्रदेश में डायरेक्ट बेनिफिट योजना की शुरुआत भी समाजवादी सरकार ने की थी।

अखिलेश यादव ने बताया कि उन्होंने अपने कार्यकाल में वाराणसी, कुशीनगर में मुसहर जाति के गरीब लोगों को लोहिया आवास और पेंशन दी थी। ललितपुर में गरीबों को पेंशन एवं आवास दिया था। लखनऊ में पीजीआई के पास और कन्नौज में सपेरों को पेंशन और लोहिया आवास दिया गया। सरकार बनने पर एक्सप्रेस.वे के किनारे सपेरा गांव भी बसाया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि जिन परिस्थितियों में इस बार चुनाव हो रहा है उसमें समाजवादी पार्टी का कोई विकल्प नहीं है। जनता समाजवादी पार्टी के साथ खड़ी है। हमने जिन नेताओं को पार्टी में शामिल किया है उनका व्यापक जनाधार है। गठबंधन में जो साथ आए हैं उनके साथ से लड़ाई में मजबूती आएगी। उन्होंने जनता के बीच संघर्ष किया है और काम किया है। श्री यादव ने कहा कि इस बार भाजपा को गाय मां का पाप लगने जा रहा है। पूरे प्रदेश में जगह जगह गाय मां भूखी हैं।

एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों को और मुझे भाजपा से राष्ट्रवाद का सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। मैं खुद मिलिट्री स्कूल में पढ़ा हूं। हमारे साथ मिलिट्री स्कूल में पढ़ने वाले कई सीनियर और मित्र आज देश की सीमाओं पर खड़े हैं और देश की रक्षा कर रहे हैं। क्या भाजपा की टॉप लीडरशिप बता सकती है कि उनके साथ पढ़ा हुआ कोई देश की सीमाओं पर खड़ा है। अखिलेश यादव ने कहा कि हमने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस.वे बनाया। एक्सप्रेस वे पर सेना के लड़ाकू विमान उतारने के लिए डिज़ाइन बनवाया। समाजवादियों का क्लियर विजन था कि एक्सप्रेस वे पर फाइटर प्लेन उतरे। हमारी सरकार ने एक्सप्रेस.वे पर लड़ाकू विमान उतार कर दिखा दिया। पूर्वांचल एक्सप्रेस.वे की भी डिजाइन में लड़ाकू विमान उतारने के लिए हवाई पट्टी का निर्माण प्रस्तावित था। प्रधानमंत्री का विमान एक्सप्रेस वे की हवाई पट्टी पर उतरा उसका डिजाइन समाजवादियों ने किया था। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर सबसे घटिया प्रचार बीजेपी कर रही है। समाजवादी पार्टी चुनाव आयोग और पुलिस से इसकी शिकायत कर रही है। इस अवसर पर श्री यादव ने एडवोकेट भानु प्रताप सिंह की पुस्तक अंबेडकरवादी लोहियावादी नए कृषि कानून का सच का विमोचन किया।

भाजपा के कई विधायक हमारे टच में हैं: सपा प्रमुख

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा विधायकों का संपर्क होने की बात स्वीकारी। सपा मुखिया अखिलेश यादव से जब यह सवाल किया गया कि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेई का कहना है कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव उनके टच में है, इसमें कितनी सच्चाई है। इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि सच्चाई तो यह है कि भाजपा के कई विधायक हमारे टच में हैं। अखिलेश ने कहा कि भाजपा केवल झूठ पर चलती है।

कांग्रेस की पोस्टर गर्ल प्रियंका मौर्या भाजपा में हो सकती हैं शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

टिकट न मिलने से नाराज कांग्रेस की महत्वपूर्ण कैंपेन लड़की हूं, लड़ सकती हूं की पोस्टर गर्ल और महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष प्रियंका मौर्य भाजपा में शामिल हो सकती हैं। प्रियंका मौर्य ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि टिकट वितरण की प्रक्रिया में व्यापक पैमाने पर धांधली हुई है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए लड़की हूं, लड़ सकती हूं अभियान की शुरुआत की थी। इस कैंपेन के लिए प्रियंका मौर्य कांग्रेस की पोस्टर गर्ल थीं। हालांकि उन्हें कांग्रेस ने विधानसभा का टिकट नहीं दिया। प्रियंका मौर्य ने कहा कि कांग्रेस ने मेरे चेहरे, मेरे नाम और मेरे 10 लाख सोशल मीडिया फॉलोअर्स का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया, लेकिन जब आने वाले चुनाव के लिए टिकट की बात आई तो यह किसी और को दे दिया गया, यह अन्याय है। उन्होंने कहा कि मुझे टिकट नहीं मिला क्योंकि मैं एक ओबीसी लड़की हूं और प्रियंका गांधी के सचिव को रिश्वत नहीं दे सकती थी। बता दें कि महिला वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा ने लड़की हूं, लड़ सकती हूं नाम से कैंपेन की शुरुआत की थी।

फूलन स्वाभिमान सेना ने सपा को दिया समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बुधवार को फूलन स्वाभिमान सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुखदेव साहनी और भीम फाउण्डेशन नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शास्त्री ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर समाजवादी पार्टी को पूर्ण समर्थन दिया है। दोनों संगठनों ने अखिलेश यादव के नेतृत्व में अपनी आस्था जताई।

पूर्व राज्य मंत्री राम हृदय राम ने सपा की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल होने पर कहा कि भाजपा सरकार संविधान को कमजोर कर रही है। आरक्षण और नौकरियां खत्म कर रही है। हमारा संविधान और समाज समाजवादी पार्टी सरकार में ही सुरक्षित रहेगा। इस मौके पर वीरांगना उदा देवी पासी गौरव मंच के संयोजक मनोज पासवान, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के रविदत्त राव ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। भारतीय किसान मजदूर यूनियन राष्ट्रवादी के प्रदेश अध्यक्ष सुखदेव सिंह खिण्डा एवं किसान मजदूर संघर्ष पार्टी के सौरभ कुमार शुक्ल, राष्ट्रीय संयोजक, हनुमान प्रसाद मिश्र राष्ट्रीय अध्यक्ष, नन्हें उर्फ चंद्रमौलि द्विवेदी संसदीय बोर्ड अध्यक्ष, पीर अली खान प्रदेश अध्यक्ष, मो शान खान राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ डॉ रिजवान प्रदेश अध्यक्ष युवा जय मिगलानी प्रदेश अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ संदीप श्रीवास्तव, प्रदेश कोषाध्यक्ष, राजेश शुक्ला राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने भी समाजवादी पार्टी को समर्थन देने का पत्र सौंपा है।

मैं सपा गठबंधन के साथ हूं: शिवपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कहा है कि मैं समाजवादी पार्टी के गठबंधन के साथ हूं। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेई के इस दावे में कोई सच्चाई नहीं है कि मैं भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकता हूं, यह दावा पूर्णतया निराधार और तथ्यहीन है। शिवपाल ने कहा कि मैं अखिलेश यादव के नेतृत्व वाले समाजवादी पार्टी गठबंधन के साथ हं और अपने समर्थकों से आह्वान करता हूं कि प्रदेश की भाजपा सरकार को उखाड़ कर फेंक दें एवं प्रदेश में समाजवादी पार्टी के गठबंधन वाली सरकार बनाएं। ज्ञात हो कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर लिया है। गठबंधन के कई दिन बीत जाने के बाद भी शिवपाल व देश के मध्य सीटों को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। अभी दो दिन पहले ही शिवपाल सिंह यादव की अखिलेश यादव के साथ करीब एक घंटे तक बैठक चली थी उसमें भी सीटों को लेकर कोई खास निर्णय नहीं निकल पाया था।

पूर्वोत्तर रेलवे
सार्वजनिक सूचना
रेलवे लाईनों और परिसरों को सभी उपयोग कर्ताओं को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि पूर्वोत्तर रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर शिरोपरि कर्षण तारों के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में 2200 वोल्ट, 50 हर्टज एसी से चार्ज किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरि कर्षण लाईन को सब समय विद्युतीय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरि लाईन की समीपयता में दाखिल होने या काम करने नहीं जायेगा।
क्रम. सं0 1:– खण्ड का नाम : परसेन्डी–बिसवॉ, मंडल : लखनऊ, किलोमीटर से : 80/11 (Ch. 288.00), किलोमीटर तक : 61/19 (Ch. 575.50), उर्जीकृत की तारीख : 17.01.2022
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, मुजाधि/विद्युत–88 लखनऊ
यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो. नं.: 09794845955 पर एसएमएस करें।
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

यूपी में कांग्रेस की सरकार बनी तो लागू की जाएगी गोधन न्याय योजना: भूपेश बघेल

● छत्तीसगढ़ के सीएम ने किसानों की बदहाल स्थिति पर आमदनी न हुई दोगुनी, दर्द सौ गुना श्वेतपत्र जारी किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार बनी तो आवारा पशुओं को लेकर छत्तीसगढ़ की तर्ज पर यहां पर भी गोधन न्याय योजना लागू की जाएगी। यहां पर भी गोबर खरीदा जाएगा ताकि किसानों को आय हो और लोग पशुओं को अपने घर पर रखें। यूपी की समस्याओं का हल कांग्रेस की प्रतिज्ञाओं में शामिल है।

बघेल बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर रहे थे। इस दौरान पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल खत्री भी मौजूद रहे। इस मौके पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने मोदी राज में किसानों की बदहाल स्थिति पर श्वेतपत्र आमदनी न हुई दोगुनी दर्द सौ गुना जारी किया। छुट्टा जानवरों के मुद्दे और गाय पर हो रही राजनीति को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यूपी में गाय के नाम पर खूब राजनीति हुई। अब लोगों ने मवेशी रखना बंद कर दिया। मवेशी बाजार बंद हो गए। जानवर खुले में घूम रहे हैं और उत्तर प्रदेश के किसान रतजगा करके फसल की रखवाली कर रहे हैं। इसी उत्तर प्रदेश में किसान अपनी फसल बचाने में नाकाम हो रहे हैं, दूसरी तरफ गौशालाओं में गायें मर रही हैं, गायें दुबली हो रही हैं और गौशाला चलाने वाले मोटे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जानवरों और पशुपालन से जुड़ी सभी समस्याओं के समाधान के बारे में छत्तीसगढ़ सरकार ने सोचा और अपनी योजनाओं को लागू किया। इससे छत्तीसगढ़ में आवारा पशुओं की संख्या में कमी आई है। किसानों की डीएपी की समस्या को को हमने वर्मी कंपोस्ट के माध्यम से खत्म किया। हमने छत्तीसगढ़ में छुट्टा जानवरों का समाधान निकाला। गायों का गोबर दो रुपये प्रति किलो खरीदना शुरू किया और लाखों टन गोबर खरीदा। वर्मी कंपोस्ट का कार्य शुरू हुआ। आज छत्तीसगढ़ में आवारा पशुओं की संख्या में भारी कमी आई है।

बघेल ने कहा कि भारत के गरीब, मज़दूर, किसान ने मोदी जी के वायदों पर ऐतबार करके वोट दिया था पर उन्होंने विश्वासघात किया। मोदी सरकार व भाजपा ने भारत के भाग्यविधाता अन्नदाता किसानों पर आघात किया है। भारत कभी इन्हें माफ़ नहीं करेगा। छ: साल होने को आए हैं जब नरेंद्र मोदी ने 28 फ़रवरी 2016 को बरेली, उत्तर प्रदेश की रैली में देश के किसानों से वादा किया था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी कर देंगे। स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू करेंगे। अब 2022 है, आय तो दोगुनी हुई नहीं, दर्द सौ गुना जरूर हो गया। उन्होंने कहा छह साल बाद मोदी सरकार ने सितंबर 2021 में एनएसएसओ की रिपोर्ट जारी कर बताया कि किसानों की औसत आय 27 रुपए प्रतिदिन रह गई है और औसत कर्ज़ 74,000 रुपए प्रति किसान हो गया है। सच तो यही है कि मोदी सरकार व भाजपा का डीएनए ही किसान-मज़दूर विरोधी है। मई 2014 में सत्ता में आते ही भाजपा व मोदी सरकार किसानों की ज़मीन हड़पने के लिएए उनके ज़मीन के उचित मुआवज़ा कानून के खिलाफ़ एक के बाद एक तीन अध्यादेश लेकर आई। फिर गेहूं एवं धान पर राज्य सरकारों द्वारा दिया जाने वाला 150 रुपए का बोनस बंद करा दिया।

इस मौके पर सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि मोदी सरकार ने तीन काले कानून लाकर 700 किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर किया। उनके सिर फोड़ने के आदेश देकर लहू लुहान किया गया। किसानों के रास्ते में कील-कांटे बिछाए गए। इससे भी पेट नहीं भरा तो उन्हें लखीमपुर खीरी में देश के गृह राज्यमंत्री की जीप से रौंदकर मार डाला गया।

छपरौली से रालोद ने बदला प्रत्याशी

मुजफ्फरनगर से सौरभ स्वरूप होंगे उम्मीदवार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी-रालोद गठबंधन की तरफ से पूर्व में जारी प्रत्याशियों की सूची में छपरौली सीट से घोषित प्रत्याशी को विरोध के बाद बदल दिया गया है। अब वहां से रालोद के सिम्बल पर प्रो अजय कुमार पार्टी के प्रत्याशी होंगे। जबकि मुजफ्फरनगर से सौरभ स्वरूप को पार्टी का प्रत्याशी बनाया गया है।

पहले चरण में पश्चिमी यूपी की सीटों पर चुनाव होना है, ऐसे में आरएलडी के ज्यादा उम्मीदवार खड़े किए गए हैं। राष्ट्रीय लोकदल ने तीन दिन पूर्व छपरौली विस सीट पर पूर्व विधायक वीरपाल राठी को प्रत्याशी घोषित किया था। वीरपाल राठी का टिकट घोषित होते ही छपरौली से लेकर दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के आवास पर विरोध होना शुरू हो गया था। क्षेत्रीय लोगों ने जयंत चौधरी से टिकट बदलने की मांग की थी। बताया जा रहा है कि पहले तो जयंत चौधरी ने इससे मना कर दिया लेकिन विरोधी प्रत्याशी के खिलाफ पंचायत कर निर्दलीय प्रत्याशी उतारने की बात कहते हुए दिल्ली से बैरंग लौट आए थे। साथ ही निर्दलीय प्रत्याशी उतारने तक की धमकी दे दी थी। ऐसे में आज रालोद ने छपरौली के टिकट परिवर्तन की सूची जारी कर दी। जिसमें छपरौली सीट से वीरपाल राठी की जगह पूर्व विधायक डा. अजय कुमार को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया। वहीं मुजफ्फरनगर सदर सीट पर पूर्व मंत्री स्वर्गीय चित्तरंजन स्वरूप के बेटे सौरभ स्वरूप को गठबंधन का प्रत्याशी घोषित किया गया है। बताया जा रहा है कि इस सीट पर सगे भाई गौरव स्वरूप भी टिकट के दावेदार थे। लेकिन सदर सीट पर सौरभ स्वरूप को टिकट दिया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई–निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत हैं:–
1. ई निविदा संख्या:–NER-LJN-2022-06, कार्य का नाम:– गोण्डा–लखनऊ ज0 अनुभाग :– वरिष्ठ मण्डल इंजी0/तृतीय के अनुभाग में सी. एम.एस. क्रासिंग की Reconditioning का कार्य।, अनुमानित लागत (₹):– 48,37,800.00, अग्रिम धन (₹):–96,800.00, समापन अवधि:– 24 माह,
2. ई निविदा संख्या:– NER-LJN-2022-07, कार्य का नाम:– इण्टरलाक्ड समपार सं0 284 (सरयु– करनैलगंज) पर सिग्नल एवं दूरसंचार सर्विस भवन का निर्माण कार्य।, अनुमानित लागत (₹):– 21,13,463.25, अग्रिम धन(₹):–42,300.00, समापन अवधि:–04 माह, 1. उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2022-06-07 के लिये ई–निविदा दिनांक 11.02.2022 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा की खोली जायेंगी।, 2. उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।
मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग मुजाधि/डबलू–352 लखनऊ
यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.–09794845955 पर SMS करें
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

पूर्वांचल में सितम ढा रही सर्दी

● बर्फीली हवाएं चलने से हाड़ कंपाने वाली ठंड तापमान और गिरा

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वाराणसी सहित पूर्वांचल के जिलों में सर्दी अपना सितम ढाह रही है। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। तो वहीं नम हवाओं के चलने से ठिठुरन बढ़ गई है। बच्चे और बुजुर्ग घर से बाहर निकल नहीं पा रहे हैं। वाराणसी में मंगलवार के बाद दूसरे दिन बुधवार को भी गलन ने लोगों को कंपा दिया है। दस से 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली सर्द पछुआ हवाओं ने लोगों को ठिठुरा दिया। मंगलवार को न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। वहीं, आज अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

मौसम वैज्ञानिक के अनुसार इस तरह का मौसम अभी 21 जनवरी तक बने रहने की संभावना हैं। ठंड बढ़ने के साथ ही कोहरा भी छाया रहेगा।जनवरी महीने के दूसरे सप्ताह की शुरुआत से ही पहाड़ों पर बर्फबारी अधिक हो रही है। इसका असर मैदानी भागों में भी दिखने लगा है। दिन में हल्की धूप जरूर हो रही है लेकिन हवा में नमी अधिक होने की वजह से उसका कोई असर नहीं है। मंगलवार को तो दिन की तरह ही शाम को भी नम हवाएं चलती रही।सोमवार को जहां अधिकतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस था, वहीं मंगलवार को 15.0 जबकि न्यूनतम तापमान भी 7.7 डिग्री सेल्सियस से कम होकर 5.0 तक आ गया। मौसम वैज्ञानिक एसएन पांडेय ने बताया कि बर्फीली हवाओं के चलने की वजह से गलन बढ़ी है।

मौसम वैज्ञानिक एसएन पांडेय ने बताया कि जनवरी महीने में औसत अधिकतम तापमान 22.8 और न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए। मंगलवार को अधिकतम-न्यूनतम दोनों को मिलाकर कुल 20.4 डिग्री सेल्सियस ही हो रहा है। औसत तापमान की तुलना में मंगलवार को इसमें 12 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई।

मण्डलायुक्त ने वैक्सीनेशन कैम्प का किया निरीक्षण

मीरजापुर। मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने विभिन्न स्कूलों में 15 से 17 आयु वर्ग के युवाओ/छात्र-छात्राओ को लगाये जाने वाले वैक्सीनेशन कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम मे मण्डलायुक्त सैम्फोर्ड स्कूल बसही में चल रहे वैक्सीनेशन कार्य का निरीक्षण किया जिसमें मात्र 03 छात्रो को दोपहर 01 बजे तक वैक्सीनेशन किया गया था। इसी प्रकार डेफोडिल पब्लिक स्कूल लोहिया तालाब में निरीक्षण के दौरान 15 छात्र.छात्राओं को वैक्सीनेशन लगा हुआ पाया गया। मण्डलायुक्त ने जनपद के सभी प्राधानाचार्यो को निर्देशित करते हुये कि छात्र.छात्रो के अभिभावको से दूरभाष पर वार्ता कर अथवा संदेश भेजकर अधिक से अधिक पात्र छात्र-छात्राओं को वैक्सीनेशन लगवाने हेतु स्कूल लाने हेतु प्रेरित किया जाय। निरीक्षण के क्रम में कोतवाली शहर में पुलिस कर्मियो को लगाये जाने वाले वैक्सीनेशन कैम्प का भी निरीक्षण किया गया जिसमें 45 पुलिस कर्मियो के द्वारा बूस्टर डोज लगवाया जाना पाया गया। उन्होने जनपद के सभी थानाध्यक्षो को निर्देशित करते हुये कहा गया कि निर्वाचन कार्य के दृष्टिगत सभी पुलिस कर्मियो का शत प्रतिशत वैक्सीनेशन सुनिश्चित रहें तथा जिनका दोनो डोज लग चुका हैं और 09 माह पूर्ण हो चुके है बूस्टर लगवाना सुनिश्चित किया जाय।

क्विक न्यूज

तमंचा-कारतूस बरामद दो पशु तस्कर गिरफ्तार

मुग़लसराय/चंदौली। अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे सघन अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक अलीनगर विनय प्रकाश सिंह के नेतृत्व में अलीनगर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान चकिया चौराहा ओवर ब्रिज सर्विस लेन हाईवे एनएच 2 से तस्करी कर बिहार के रास्ते पश्चिम बंगाल वध हेतु ले जा रहे एक बिना नम्बर के कन्टेनर वाहन से कुल 26 राशि गोवंश जिन्दा व दो राशि गोवंश मृत बरामद किया गया। गोवंश की तस्करी में शामिल दो अभियुक्त मो0 परवेज निवासी ग्राम भजेदी थाना मुसफिर जनपद गया बिहार व बबलू निवासी नोनामई थाना बरनाहल जनपद मैनपुरी को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से पुलिस ने वध हेतु ले जा रहे 26 पशु एक कंटेनर ट्रक एक नंबर प्लेट दो तमंचा चार कारतूस पुलिस ने बरामद किया जिनपर पुलिस संबंधित धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

पुलिस पर पथराव के मामले में एक दर्जन लोगों पर मुकदमा

चंदौली। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र स्थित पड़ाव.रामनगर मार्ग पर कटेसर गांव के समीप हुए ट्रक हादसे में युवक की मौत के बाद पथराव मामले में पुलिस ने कार्यवाई करते हुए लगभग एक दर्जन लोगों के खिलाफगंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। बता दें कि मंगलवार की सुबह ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार कटेसर निवासी जोखन गुप्ता (35) की मौके पर ही मौत हो गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने चक्का जाम कर दिया था। वहीं मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस के साथ स्थानीय लोगों की नोकझोंक हो गई। जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। जिसमें मुगलसराय कोतवाल बृजेश चंद्र तिवारी जख्मी हो गए। इस पूरे प्रकरण पर पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल पथराव करने वाले लोगों के खिलाफकार्यवाही करने की बात कही थी। जिसके बाद एक दर्जन लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

वीआईपी से मुग़लसराय विधान सभा लड़ेंगे शैलेश

मुग़लसराय/चंदौली। वीआईपी से 380 विधान सभा मुग़लसराय से शैलेश कुमार की लड़ने की चर्चा नगर में जोड़ो पर है। वीआईपी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी ने गठबंधन को लेकर कई बार प्रयास किया लेकिन गठबंधन न होने की स्थिति में उन्होंने प्रदेश की 167 विधानसभाओ में अपने प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर दिया है जिसके क्रम में उन्होंने कई दर्जन सीटो पर अपने उम्मीदवार की घोषणा भी कर दी है। उन्होंने मुझे दिशा निर्देशित करते हुए कहा कि आप मुग़लसराय विधान सभा मे जाकर अपनी तैयारी शुरू कर दें आपका टिकट तय है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के आश्वासन बाद हमने मुग़लसराय विधान सभा की तैयारी में लग गया हूँ। जल्द ही घर घर जाकर प्रचार प्रसार शुरू कर दूंगा तथा जनता की मूलभूत सुविधा मुहैया कराना ही मेरा प्रयास रहेगा। कहा कि सबसे पहले मैं बाबा भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर जनसंपर्क की शुरुआत करूँगा। वैसे तो मुग़लसराय विधान सभा मे अभी किसी दल ने अपने प्रत्याशी की घोषणा नही किया है वैसे में सपा ए भाजपा ए कांग्रेस व बसपा के सामने पहली बार यूपी में लड़ रही वीआईपी पार्टी कितना टक्कर दे पाएगी।

कोविड टीकाकरण में आगे आए युवा वर्गः सीएमओ

सोनभद्र। जनपद में कोविड टीकाकरण का ग्राफ बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में स्कूलों में शिविर लगाएं जा रहे हैं वहीं युवाओं के बीच कोविड टीके के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न संस्थानों से मदद ली जा रही हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आर एस ठाकुर ने अपील की है कि युवा वर्ग नि:संकोच टीकाकरण के लिए आगे आएं। साथ ही अपने आसपास के लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करें। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जनपद में 43.72 प्रतिशत युवाओं को कोविड टीका से प्रतिरक्षित किया जा चुका है।जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर गिरधारी लाल ने कहा कि जिन ब्लॉक में कोविड टीकाकरण की संख्या अच्छी है वहां यही तेजी बनाए रखना होगा। जहां कम है वहां और काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि 15-18 आयु वर्ग के युवा कोविड टीके की दूसरी डोज की नियत तारीख पर लगवा लें तभी पूरी सुरक्षा मिल पाएगी। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान व अन्य विभागों की मदद और सत्र विभाजन जैसे फार्मूले भी इस टीकाकरण को बढ़ाने में सार्थक भूमिका निभा रहे हैं। सभी के प्रयास से जागरूकता की लहर पैदा की जा रही है।स्वास्थ्य विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक जिले में 18 वर्ष से अधिक उम्र के 21,92,695 लोगों को टीकाकरण से प्रतिरक्षित किया गया। वहीं 15-18 आयु वर्ग के लगभग 43.72 प्रतिशत किशोरों ने टीका कवर प्राप्त कर लिया है। 3305 लोगों को प्री-कॉशन डोज भी मिल चुकी है।

चौंकाने वाला होगा चुनाव परिणाम : सचिन पायलट

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

● नदियों में बहती लाशों की दुर्दशा और ध्वस्त चिकित्सा व्यवस्था को लोग भूल नहीं सकते

● भाजपा सरकार ने देश की सार्वजनिक संपत्तियों को बेचने विज्ञापन देने के अलावा कुछ नहीं किया: पूर्व कैबिनेट मंत्री

कांग्रेस के युवा नेता और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का परिणाम चौकाने वाला आयेगा। प्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और बसपा धरातल पर नहीं है। कांग्रेस ही सिर्फ जन समस्याओं को लेकर पॉच वर्षो तक प्रदेश में मुखर रही है। अपनी विपक्षी दल की भूमिका अच्छे से निभाई है।

बुधवार को शहर में आये सचिन पायलट ने विधानसभा चुनाव में पार्टी की तैयारियों को जाना और संभावित प्रत्याशियों के साथ बातचीत की। अंधरापुल स्थित एक होटल में पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद मीडिया से भी रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि भले ही कांग्रेस तीस सालों तक प्रदेश में सत्ता में नहीं है लेकिन राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के अगुवाई में आम जन, महिलाओं, युवाओं, किसानों, पीड़ितों के हितों के लिए लगातार संघर्ष करती रही। जन समस्याओं के निस्तारण और पीड़ितों के साथ मजबूती से खड़े रहने से आज प्रदेश में बेहतर विकल्प बन गई है। सचिन पायलट ने भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बहुमत से बनी ये सरकार जिन मुद्दों को लेकर सत्ता में आई,सात साल तक हर तबका जिसने इस पार्टी पर विश्वास किया उसे धोखा दिया। किसानों की आय दुगुनी नहीं हुई। न तो लोगों के खाते में 15 लाख रूपये आये। कृषि उपकरणों का दाम बढ़ाकर इस सरकार ने किसानों का दर्द जरूर बढ़ा दिया। किसान आंदोलन के बहाने केन्द्र और प्रदेश सरकार को घेरते हुए सचिन पायलट ने कहा कि किसानों की आमदनी घटकर 27 रुपये प्रतिदिन हो गयी है। कर्ज बढ़कर 74 हजार हो गया है। खाद बीज कई गुना महंगा हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की डॉ मनमोहन सिंह की तत्कालीन सरकार ने किसानों के 70 हजार करोड़ रूपये कर्ज के माफकिये थे। भाजपा सरकार ने देश की सार्वजनिक सम्पतियों को बेचने,विज्ञापन देने के अलावा कुछ नहीं किया।

कोरोना काल की विभीषिका का उल्लेखकर कहा कि नदियों में बहती लाशों की दुर्दशा और ध्वस्त चिकित्सा व्यवस्था को लोग भूल नहीं सकते। प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए सचिन पायलट ने कहा कि कानून के दायरे से बाहर जाकर कार्य करने वाले अब 80 बनाम 20 ,मंदिर और मस्जिद,हिन्दू की बात करने लगे है। उन्होंने कहा कि 2022 में उत्तर प्रदेश और 2024 में केन्द्र से भाजपा की विदाई तय है। बनारस जिले में कितनी सीटें जीतेंगे,सवाल पर सचिन पायलट ने कहा कि यहां भी अच्छा परिणाम देखने को मिलेगा। हमारा चुनाव परिणाम भी चौंकाने वाला होगा। वार्ता में पूर्व विधायक अजय राय, ओमप्रकाश ओझा, इमरान खां आदि नेता भी मौजूद रहे।

महिला क्रिकेट टीम मऊ ने कानपुर महिला टीम को किया पराजित

संवाददाता। मऊ

जिला क्रिकेट संघ एवं शारदा नारायन हॉस्पिटल मऊ के संयुक्त तत्वाधान में डा. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम मऊ में बाइलेटरल वोमेन टी.20 सीरीज का उद्घाटन जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष एवं शारदा नारायन हॉस्पिटल के चैरेमन डॉ संजय सिंह ने फीता काट कर किया। खिलाड़ियो की हौसला अफ़ज़ाई करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि हमेशा जिस भी काम को करो उसको पूरे लगन और मेहनत से करो और हमेशा सबसे आगे रहने का जज़्बा अपने आप में होना चाहिए। परिणाम की परवाह किये बिना हमें अपना शत.प्रतिशत देना चाहिएए खेल में हार.जीत तो लगी रहती है।

हार से हमें सीखना चाहिए और हमेशा अपने लक्ष्य की तरफ अग्रसर रहना चाहिए। अंत में उन्होंने सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए ढ़ेर सारी शुभकामनाएं दी। मैच में कानपुर महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का फैसला कियाए इसमें उन्होंने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर मात्र 67 रन ही बना पायीए जिसके जवाब में मऊ की टीम ने बड़ी आसानी से 13 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। वोमेन ऑफ़ द मैच का पुरुस्कार अनामिका यादव को मिलाएबेस्ट फील्डर हंसिका चन्दनएबेस्ट बॉलर मोनी चौधरी एव बेस्ट बैट्सवुमेन का ख़िताब इ0 सी मावी को मिला। इस मौके पर डीएसओ मुकेश सबरवाल, अश्वनी सिंह, प्रतियोगिता संयोजक एवं जिला क्रिकेट संघ सचिव साबिर खान, गोपाल यादव, सचिन, आकांक्षा यादवए हामिद आदि उपस्थित रहे।

ठंड जनित रोगों को लेकर किया गया जागरुक

मऊ। नगर क्षेत्र के भीटी स्थित मां संतोषी आयुर्वेदिक संस्थान में आयुर्वेद चिकित्सकों की गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें ठंड जनित रोगों व कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए लोगों को जागरुक किया। साथ ही साथ ठंड के मौसम में गर्म पानी व काढ़े का सेवन करने की सलाह दिया गया। गोष्ठी में मुख्य रुप से वैद्य तेज बहादुर सिंह, सुशील पाण्डेय, डॉ. आरएम मिश्रा, डॉ. अजीत यादव, डा. एसवी सिंह, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. गोपाल शरण सिंह, वैद्य राज विजय, वैद्य विनय कुमार सिंह, वैद्य श्रीप्रकाश बरनवाल, डॉ. आलोक सिंह, संजीव सिंह, संजय दुबे आदि उपस्थित रहे।

निष्पक्ष और निर्भिक होकर मतदान का लिया संकल्प

सकलडीहा/चंदौली। मतदाताओं को निष्पक्ष और निर्भिक होकर मतदान कराने को लेकर जिला प्रशासन लगातार कवायद में जुटा हुआ है। मंगलवार को महिला स्वीप आईकॉन डाण् सरिता मौर्या ने गांव गांव और सरकारी कार्यालय में निष्पक्ष और निर्भिक होकर मतदान करने के लिये शपथ पत्र के माध्यम से प्रेरित करने में जुटी हुई है। इस मौके पर सीओ सहित कई पुलिस कर्मियों ने शपथ पत्र वितरण किया गया। शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भिक होकर धर्मए वर्गए जातिए समुदायए भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस अभियान को गति देने के लिये महिला स्वीप आईकॉन डा. सरिता मौर्या ने मतदाताओं द्वारा ली जाने वाली शपथ हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखने का शपथ पत्र वितरण किया। इस दौरान स्वतंत्र और निष्पक्ष और निर्भिक होकर मतदान करने की अपील किया। वही सीओ अनिरूद्ध सिंह ने अपने समस्त थानाओं में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने व लोकतांत्रिक परम्परा में सहयोग करने की अपील किया। इस मौके पर सीओ कार्यालय के पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

डीबीए पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह 21 को

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कचहरी परिसर में 21 जनवरी को सुबह 11 बजे डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का शपथग्रहण समारोह आयोजित किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि यूपी बार काउंसिल के सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन हरिशंकर सिंह एवं विशिष्ट अतिथि जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार यादव जी होंगे। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष सुधाकर मिश्र एडवोकेट ने बताया कि मुख्य अतिथि यूपी बार काउंसिल के सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन हरिशंकर सिंह डीबीए के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विंध्यवासिनी सिंह को शपथ दिलाएंगे, जबकि अध्यक्ष विंध्यवासिनी सिंह बार के महामंत्री रामजियावन सिंह यादव, कोषाध्यक्ष मोहम्मद सलीम कुरैशी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह व वीरेंद्र कुमार राव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्वदेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर पवन कुमार सिंह व राजकुमार सिंह, संयुक्त सचिव प्रशासन मिथिलेश कुमार शास्त्री, संयुक्त सचिव प्रकाशन राजेंद्र प्रसाद मौर्य, संयुक्त सचिव पुस्तकालय मोहम्मद शाहिद इरफान के साथ ही कार्यकारिणी सदस्य वरिष्ठ राजेश कुमार यादव, हरि प्रसाद यादव, गंगेश्वर प्रसाद सिंह, कृष्णानन्द सिंह व महाबीर सिंह तथा कार्यकारिणी सदस्य कनिष्ठ आफ्ताब आलम को शपथ दिलाएंगे।

भयमुक्त व निष्पक्ष होकर करें मतदान

सोनभद्र। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी टीके शिबु के निर्देशन में उप जिाधिकारी घोरावल रमेश कुमार ने विधान सभा सामान्य निर्वाचन, 2022 को बेहतर ढंग से सम्पादित कराये जाने के लिए विधानसभा घोरावल के मतदान केंद्र तिलौली कला और खुटहनियां तथा पटेहरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी ने बूथों पर आवश्यक भौतिक सुविधाओं के निरीक्षण के साथ ही साथ वनरेबल बूथों पर मतदान प्रभावित करने वाले कारकों और प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से मिलकर वनरेबिलिटी की समीक्षा की गई, इस मामले में प्रभावित करने वाले कारकों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की जा चुकी है तथा प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से मिलकर उन्हें भयमुक्त होकर निष्पक्ष रुप से मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान पूरे गांव में क्षेत्राधिकारी घोरावल और क्षेत्रीय सब इंस्पेक्टर और फोर्स के साथ रूट मार्च किया गया और सभी मतदाताओं से मिलकर किसी भी अप्रिय स्थिति में सूचित करने के लिए निर्देश दिया गया। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के मोबाइल ऐप और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई तथा 5 जनवरी,2022 को प्रकाशित मतदाता सूची में शामिल न होने वाले 18 वर्ष से अधिक के व्यक्तियों को फार्म 6 भरकर बी0एल0ओ0 को देने अथवा ऑनलाइन वोटर हेल्पलाइन , एन वी एस पी पोर्टल के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करने के बारे में बताया गया। सभी मतदाताओं को 7 मार्च को अधिक से अधिक संख्या में बूथ पर आकर शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए आह्वान करते हुए उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही साथ कोटे की दुकानों पर लगाए गए टीकाकरण सेसन की जानकारी ली गई और आशा और पंचायत मित्रों से शेष व्यक्तियों को जिनको टीकाकरण नहीं हुआ है, उनसे मिलकर के टीकाकरण हेतु प्रेरित किया गया।

माघ मास का गणेश चौथ कल, माताएं पुत्र की दीर्घायु के लिए रखेंगी व्रत

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

● मैदागिन से लेकर पिपलानी कटरा और कबीरचौरा से लेकर मैदागिन तक यातायात पूरी तरह डायवर्ट रहेगा

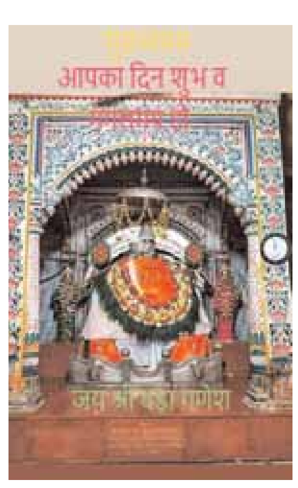

श्री आशुतोष की नगरी में पुत्र गणेश जी की उत्पत्ति गणेश चतुर्थी के दिन हुई थी। इसलिए इसे तिलकुटी एवं वक्रतुण्ड चतुर्थी भी कहते हैं। यह पर्व 21 जनवरी दिन शुक्रवार को पड़ रहा है। श्री गणेश चतुर्थी का व्रत प्रत्येक महीने में दो बार होता है। लेकिन माघ महीने में पड़ने वाली (संकट चतुर्थी) गणेश चौथ की महिता सबसे ज्यादा है। संकट चतुर्थी का अर्थ होता है दु:खों को हरने वाली संकट चतुर्थी का व्रत भगवान गणेश को समर्पित होता है और इस दिन श्री गणेश जी का पूजन-अर्चन किया जाता है। धर्मशास्त्रों में श्री गणेश जी को प्रथम देव माना गया हैं। इसलिए हर शुभ कार्य में इनकी पूजा पहले की जाती है।

श्री काशी विश्वनाथ न्यास के सदस्य एवं ख्यातिलब्ध ज्योतिषाचार्य पं0 दीपक मालवीय ने बताया कि इस वर्ष माघ मास की संकट चतुर्थी(गणेश चौथ)का पर्व 21 जनवरी 2022, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस दिन चतुर्थी तिथि प्रात: 7:26 बजे से प्रारम्भ होगी और अगले दिन 22 जनवरी शनिवार को प्रात: 7:24 बजे तक रहेगी। चन्द्रमा का दर्शन (चन्द्रोदय)रात्रि 8:39 बजे पर होगा। इसी के पश्चात चन्द्रमा को अर्घ्य दिया जाएगा। संकट चतुर्थी का व्रत भविष्योत्तर पुराण के अनुसार चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी तिथि में करने को कहा गया है।अत: यह व्रत 21 नवरी, शुक्रवार को ही होगा। संकट चतुर्थी व्रत के दिन लोहटिया स्थित बड़ा गणेश, सोनारपुरा स्थित श्री चिंतामणि गणेश, विघ्न विनायक मंदिर सहित सभी गणेश मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं के लिए सुबह से ही भीड़ रहेगी। लोहटिया स्थित बड़ा गणेश मंदिर के बाहर दोनों पटरियों पर माला-फूल, फलाहार, लड्डू, खिलौने आदि के अस्थायी दुकानें सज जाएगी।

संकट चतुर्थी गणेश चौथ पर बनेगा शुभ मुहुर्त

श्री काशी विश्वनाथ न्यास परिषद के सदस्य पं0 दीपक मालवीय ने बताया कि इस वर्ष संकट चतुर्थी पर अत्यंत उत्तम शुभ योग बन रहे हैं। पंचाग के अनुसार गणेश चतुर्थी को सौभाग्य नाम का शुभ योग बनेगा जो कि मध्याह्न में 2:26 बजे तक रहेगा। इसके पश्चात शोभन नाम का शुभ योग प्रारंभ हो जाएगा। यह अगले दिन शनिवार को दिन 1:05 मिनट तक रहेगा। सौभाग्य योग-शोभन योग में शुभ कार्य करने पर हमेशा उत्तम सफलता प्राप्त होती है और शुभ कार्यो के अनंत फल प्राप्त होते हैं। मनोवांक्षित कामना की पूर्ति होती है। दोनों ही अत्यंत उत्तम योग है।

कोरोना प्रोटोकॉल का पूर्णतः पालन

कोतवाली एसीपी त्रिलोचन त्रिपाठी ने बताया कि गणेश चतुर्थी के दिन सुबह से ही बड़ा गणेश मंदिर में कोरोना प्रोटोकाल के तहत समस्त श्रद्धालुओं को सोशल डिस्टेसिंग, मास्क आदि का पालन के साथ ही महिला पुलिस की ड्यूटी मंदिर के गेट से लेकर बाहर तक सुरक्षा की दृष्टि से लगाया गया है तथा पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं को बार-बार एलाउंस किया जाएगा जिससे कोरोना का प्रोटोकाल का पालन हो सके।एसीपी श्री त्रिपाठी ने बताया कि मैदागिन से कबीरचौरा मार्ग वाले रूट पर वाहनों को दारानगर की तरफ डायवर्जन तथा पिपलानी कटरा से डीएवी मार्ग की तरफ सभी दो, तीन व चार पहिया वाहनों को यातायात का डायवर्जन किया गया है।

यातायात डायवर्जन

यातायात निरीक्षक पंकज कुमार तिवारी ने बताया कि 'पायनियर संवाददाता' को बताया कि बड़ा गणेश मंदिर में शुक्रवार को भोर से दर्शन-पूजन को लेकर भारी भीड़ को देखते हुए सभी छोटे-बड़े वाहनों को मैदागिन से दारानगर मार्ग की ओर यातायात डायवर्जन किया गया है तथा दूसरी तरह कबीरचौरा राजकीय अस्पताल से पहले बेनिया की तरफ समस्त वाहनों का डायवर्जन किया गया है।

कोविड-19 के दिशा निर्देशों का पालन करते हुये मनाएं राष्ट्रीय मतदाता दिवस

मीरजापुर। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन.2022 के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता हेतु सहभागिता हेतु की जाने वाली गतिविधियों के लिए रूपरेखा तैयार किये जाने के सम्बंध में मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस की अध्यक्षता में स्वीप की महत्वपूर्ण बैठक विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिव प्रताप शुक्ल उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा आपस में समन्वय स्थापित कर मतदाता जागरूकताएकार्यक्रम संचालित किया जाय। साथ ही कहा कि 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाना है जिसको लेकर विभाग अभी से तैयारियां पूरी कर ले मतदाता दिवस पर मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए गोष्ठी प्रतियोगितायेंए वाद विवाद प्रतियोगिताए पेटिंग प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाए साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में भी ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन हो जिससे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके उन्होने कहा कि अधिकारी अपने विभागोंध्कार्यालयों में मतदातास जागरूकता सम्बन्धी शपथ ग्रहण एवं जागरूकता से सम्बन्धित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन कराते वीडियोध्फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करें। उन्होने कहा कि सभी कार्यक्रम के आयोजन के दौरान कोरोना से बचाव के दृष्टिगत कोविड.19 के दिशा निर्देशो का पालन भी सुनिश्चित किया जाय। युवा कल्याण अधिकारी व क्रीड़ा अधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर युवक मंगल दल एवं खिलाड़ियों के द्वारा खेल का आयोजन सुनिश्चित करें। जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि दिव्यांग आइकान ;पी0डब्लू0डी0द्ध से मतदाता जागरूकता एवं अधिक से अधिक लोगो के द्वारा मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग करने से सम्बन्धित संदेश एवं गीत को भी सोशल मीडियाए फेसबुक पर शेयर किया जाय। जिला विद्यालय निरीक्षकध्प्राचार्य जी0आई0सी0 को निर्देशित किया वर्चुल माध्यम से छात्र छात्राओ का प्रतियोगिता आयोजित कर कम से कम 10 विजयी छात्र छात्राओं को पुरस्कृत भी किया जाय। विभिन्न विकास खण्डो में 10.10 सीनियर सिटीजन मतदाताओं से भी मतदान करने से सम्बन्धित संदेश दिलवाते हुये उन्हे सम्मानित किया जाय। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को चुनाव पाठशाला आयोजन के भी निर्देश दिये गये। सभी मतदान केन्द्रो पर दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के दृष्टिगत व्हील चेयर व वालिंटियर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाय।

पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स ने किया मार्च

● नागरिकों से भयमुक्त व निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की गई

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

विधान सभा चुनाव में नागरिकों को सुरक्षा का अहसास करानें के लिये उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कोतवाली पुलिस एवं पैरामिलिट्री फोर्स ने नगर सहित समधन में रूट मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

बुधवार को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक मोह मद तौकीर, उप निरीक्षक राम मनोज द्विवेदी, कस्बा प्रभारी मनोज पांडेय ने पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स के साथ नगर के जीटी रोड, तिर्वा रोड, रेलवे रोड, फतेहगढ़ रोड सहित क्षेत्र के कस्बा समधन के प्रमुख मार्गों पर रूट मार्च कर सुरक्षा का एहसास कराया। वही अराजकतत्वों में हड़कंप मच गया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से भयमुक्त व निर्भीक होकर मतदान करने सहित शरारती तत्वों की सूचना देनें की अपील की। वही नागरिकों से कोरोना नियमों का पालन करने व मास्क लगाने सहित शोशल डिस्टेंशिंग बनाये रखनें की भी अपील की। इस दौरान कांस्टेबल अभय कुमार, अविनाश दुबे, अवधेश यादव सहित तमाम पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

वृद्धा के अशियाने पर बहू ने किया कब्जा, पीटा

संवाददाता। फर्रुखाबाद

वृद्ध सास को पुत्रबधू द्वारा प्रताड़ित करनें के साथ साथ उसके हिस्से की जगह पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उठाते हुए, उसके हिस्से के आशियाने पर कब्जे की कोशिश की गयी है। एतराज जतानें पर उसे बेहरहमी से मारा पीटा गया है। वरिष्ठ नागरिक जिला अनुश्रवण समिति ने प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए वृद्धा की मदद के लिए शहर कोतवाल से कार्यवाही की गुजारिश की है।

शहर कोतवाली के मोहल्ला अंगूरी बाग बांस मंडी निवासी स्वर्गीय रामहरी की 69 वर्षीय पत्नी वेदवती के दो बेटे थे। बड़े पुत्र की पांच वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी है। 15 वर्ष पूर्व आपसी बटवारे के तहत मकान का पिछला हिस्सा बड़े बेटे जबकि आगे के हिस्से में वह अपने छोटे बेटे के साथ रह रही हैं। जबकि बड़े बेटे रामराज की पत्नी सत्यरूपा उर्फ सोनी ने गतदिनों प्रधान,मंत्री योजना के तहत सरकारी धनराशि प्राप्त कर वृद्धा के हिस्से की जगह में निर्माण कार्य शुरू करा दिया। एतराज जाहिर करनें पर बधू नें बेरहमी से मारपीट भी की। वृद्धा नें न्याय के लिए जिला अनुश्रवण समिति के सदस्य डॉ0 दीपक द्विवेदी एडवोकेट से गुहार लगायी। डॉ0 द्विवेदी नें शहर कोतवाल व घोड़ा नखास चौकी प्रभारी विधा सागर तिवारी को पत्र भेजकर कार्यवाही की सिफारिश की है।

कोविड से हुई मौत

फर्रुखाबाद। बुधवार को कोरोना की तीसरी लहर के चपेट में आयी वृद्ध महिला की मौत हो गयी।कोतवाली मोह मदाबाद क्षेत्र के ग्राम कृष्ण बलराम नगर निवासी वीरेंद्र सिंह यादव की 65 वर्षीय पत्नी श्यामा देवी बीते 16 जनवरी घर पर फिसलकर गिर गयी थी। वह पुरानी डायबिटीज की मरीज भी थी।

क्विक न्यूज

सेन्ट्रल जेल में 19 कैदी संक्रमित फर्रखा में 85 कोरोना पॉजिटिव

फर्रुखाबाद। कोरोना वायरस सेंट्रल जेल के भीतर थमने का नाम नही ले रहा है। लगातार बंदी वायरस की चपेट में आते जा रहे है। बुधवार को 19 नये बंदी कोरोना संक्रमित निकले। जबकि पूरे जिले में 85 मरीज पॉजिटिव आये है।बुधवार को आयी कोरोना रिपोर्ट में शमसाबाद में कुल दो,राजेपुर विकास खंड क्षेत्र में एक, नवाबगंज में दो, मोह मदाबाद में एक, कमालगंज में चार मरीज संक्रमित मिले मिले है। वहीं विकास खंड बढ़पुर क्षेत्र में सर्वाधिक 36 मरीज कोरोना पॉजिटिव पाये गये है। जिसमे सेन्ट्रल जेल के कुल 19 संक्रमित बंदी भी शामिल हैं। वही 39 मरीज अन्य जगहों के संक्रमित मिले है। जिले में लगातार बढ़ रही कोरोना की र तार चिंता का विषय बनी हुई है। लेकिन बाजार में मास्क आदि को लेकर कोई स त कदम नही उठाये जा रहे है।

दवाओं की कीमत कम करनें की मांग को लेकर की हड़ताल

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रिजेंटेटिव एसोसिएशन के द्वारा 16 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौपा। इसके साथ हड़ताल पर रहे।संगठन के जिलाध्यक्ष अजीत कुमार तिवारी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पंहुचे, उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट दीपाली भार्गव को ज्ञापन सौंपा। दवा प्रतिनिधियों ने कहा कि दवाओं की कीमत कम की जाये, 44 श्रम कानूनों को दोबारा बहाल किया जाये। न्यूनतम वेतन 26000 रूपये व आठ घंटे काम का समय तय किया जाये। सेल्स के आधार पर दवा प्रतिनिधियों का उत्पीड़न, वेतन कटौती, बर्खास्तगी बंद करनें आदि की मांग रखी। इस दौरान अनुराग मिश्रा, कुलदीप मिश्रा, विवेक मिश्रा, प्रदीप त्रिवेदी, पुनीत मिश्रा, नितिन शुक्ला, मनोज त्रिवेदी, प्रमोद द्विवेदी, राहुल चतुर्वेदी, शमसाद मंसूरी आदि रहे।

बिजली ठीक करने गए मिस्त्री को गांव के युवक ने की मारपीट

पुखरायां। कानपुर देहात भोगनीपुर थाना क्षेत्र के प्रहलादपुर गांव में विद्युत तारों की मर मत करने गए इलेक्ट्रिशियन की गांव के ही शराब के नशे में एक युवक ने पिटाई कर दी। थाने में तहरीर दी गई है। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के अकोढ़ी निवासी वसीम ने बताया कि वह प्रहलादपुर गांव में बिजली ठीक करने गया था तभी गांव का ही बिनोद आकर अकारण गालीगलौज करने लगा। मना करने पर लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। जिससे उसका पैर टूट गया है। एंबुलेंस द्वारा सरकारी अस्पताल पुखरायां में भर्ती कराया गया। वसीम ने बताया कि उसने भोगनीपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है।

व्हाट्सएप से भद्दे कमेंट भेजने पर मुकदमा

पुखरायां। कानपुर देहात कस्बा निवासी एक युवती को व्हाट्सएप के जरिए भद्दे कमेंट्स भेजने पर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफआईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करके जेल भेज दिया है। थाना रेल बाजार, कानपुर निवासी निवासी नीलेश दत्त ने अपने मोबाइल से पुखरायां निवासी एक युवती के मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप के जरिए भद्दे एवं आपत्तिजनक पोस्ट भेजी थी। युवती की शिकायत पर पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिर तार कर जेल भेजा है।

पुलिस ने तमंचे के साथ युवक को पकड़ा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। विगत कई वर्षो से कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपितों से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद कर इतिश्री करने का सिलसिला चल रहा है। लेकिन अवैध हथियारों का कारोबार करने वाले लोग अभी तक पुलिस की गिर त से दूर हैं। बुधवार कि सुबह हमराह सिपाहियों के साथ गश्त कर रहे कस्बा चौकी प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने मुखबिर की सूचना पर नंगापुरवा रोड से शहीद मार्ग पर घेराबंदी कर युवक के पास से अवैध तमंचा व एक कारतूस बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया। पुलिस हिरासत में आरोपी युवक ने अपना नाम सर्वेश कुमार पुत्र राम कृष्ण सक्सेना ग्राम फखरपुर सराय प्रयाग बताया है। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी दिव्यांग की झोपड़ी में आग

गुरसहायगंज (कन्नौज)। झोपड़ी डालकर गुजर बसर कर रहे दिव्यांग की झोपड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों के कारण आग लग गई और झोपड़ी में रखी दिव्यांग की दैनिक उपभोग में आने वाली सामग्री जलकर राख हो गई। बुधवार को नगर के मोहल्ला रामकिशन नगर में बनी दिव्यांग गोपाल की झोपड़ी में किन्ही कारणों से अचानक आग लग गई जिससे हड़कंप मच गया। आनन-फानन में दिव्यांग युवक सहित नागरिकों ने समरसेबिल चलाकर पानी डालकर बमुश्किल आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक दिव्यांग की झोपड़ी एवं उसमें रखा दैनिक उपभोग का सामान जलकर राख हो चुका था। दिव्यांग सहित नागरिकों ने शासन व प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग उठाई है।

दो लोगों पर की आचार संहिता उल्लंघन की कार्रवाई

गुरसहायगंज (कन्नौज)। विधान सभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद जहां एक और प्रशासन द्वारा नगर के प्रमुख मार्गो पर लगे होर्डिंग व वाल पेंटिंग मिटा दी गई है। बावजूद इसके नगर के दो मोहल्लों में राजनैतिक पार्टी के बैनर व स्टीकर लगे पाए जाने पर कोतवाली पुलिस द्वारा आचार संहिता उल्लंघन की कार्रवाई की गई है। बीती शाम उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कस्बा चौकी प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने गश्त के दौरान नगर के मोहल्ला आजाद नगर स्थित शकील पुत्र अकील अहमद एवं मोहल्ला दिलशाद नगर स्थित अकील उर्फ गुड्डू पुत्र रफीक की दुकानों पर समाजवादी पार्टी के बैनर व नेताओं के पोस्टर लगाकर प्रचार प्रसार करते पाए जाने पर आचार संहिता उल्लंघन की कार्रवाई की गई है।

23 संक्रमित मिले

फतेहपुर। जिले में कोरोना संक्रमितो की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। पिछले 24 घण्टे के दरम्यान जिले में 23 और कोरोना संक्रमित मिलने से कुल ऐक्टिव संक्रमितो की संख्या 176 हो गयी है। बताते चलें कि यह रफ्तार पिछले लगभग डेढ सप्ताह से बदस्तूर जारी है, जिससे हड़कंप मच गया है किन्तु अभी भी बड़ी संख्या में लोग कोरोना गाइड लाइन का अनुपालन नहीं कर रहे हैं। साथ ही भीड़-भाड़ वाले इलाकों में फिजिकल डिस्टेंस का कतई ध्यान नहीं रखा जा रहा है और बड़े पैमाने में लोग बगैर मास्क के घूमते देखें जा सकते हैं। आज देर शाम जारी सरकारी विज्ञप्ति में जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे ने बताया कि कोरोना संक्रमितो की आज 23 की संख्या को जोड़कर कुल संक्रमित 176 हो गए हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में जहां पर भी संक्रमित मिल रहे हैं, उस क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने जनपदवासियों से कोरोना गाइड लाइन का अनुपालन करने और जरूरी होने पर ही घर से निकलने की अपील की है। बताया गया कि कई लोग ठीक होकर घर भी जा रहे हैं।

साध्वी बनी विस चुनाव में भाजपा की स्टार प्रचारक

फतेहपुर। जिले की सांसद व केन्द्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा स्टार प्रचारक बनाए जाने पर जनपद वासियों ने प्रसन्नता व गर्व महसूस किया है हालांकि इसके पूर्व में भी साध्वी स्टार प्रचारक रही हैं। इनके इसी दायित्व के समय पूर्व के विधानसभा चुनाव के परिणाम अच्छे रहे हैं। ऐसी ही अपेक्षा एक बार फिर होना लाजिमी है। पार्टी कार्यकर्ताओं में साध्वी को प्रदेश चुनाव समिति का सदस्य बनाए जाने के उपरांत स्टार प्रचारक बनाए जाने पर जनपद का गौरव बढने का गर्व प्राप्त हो रहा है। जिला मंत्री एवं भाजपा प्रवक्ता सांसद कार्यालय शिव प्रताप सिंह ने कहा कि साध्वी की यह उपलब्धि अनूठी है।

टीईटी परीक्षा को लेकर प्रशासन ने कसी कमर

संवाददाता। फतेहपुर

विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती अपूर्वा दुबे की अध्यक्षता में 23 जनवरी को (प्रथम पाली पूर्वाहन 10 बजे से 12:30 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपराह्न 02:30 बजे से 05 बजे तक) आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा-2021 को सकुशल, नकल विहीन, सुचितापूर्ण तथा पारदर्शी ढंग से कोविड गाइड लाईन का पालन कराते हुए सम्पन्न कराने हेतु सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षको तथा केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि टीईटी परीक्षा 2021 के लिए परीक्षा नियामक प्राधिकारी उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा जनपद में प्रथम पाली हेतु 24 परीक्षा केंद्र में 10065 परीक्षार्थी एवं द्वितीय पाली हेतु 16 परीक्षा केंद्र में 6615 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठेंगे। उन्होंने केन्द्र प्रभारियों को परीक्षा केंद्र पर मूलभूत सुविधाओं यथा फर्नीचर, पेयजल, विद्युत, जनरेटर, प्रकाश, शौचालय आदि की व्यवस्था परीक्षा से पूर्व सुनिश्चित करें। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरा की क्रियाशीलता को जांच करते हुए प्रमाण-पत्र की रिपोर्ट उपलब्ध कराये। कक्षा-कक्षों की साफ-सफाई फर्नीचर की सफाई एवं शौचालय की व्यवस्था करा लें। उन्होंने कहा कि नियमानुसार परीक्षा अवधि की वीडियोग्राफी अवश्य कर ले। इसके आलवा प्रश्न पत्रों के बन्डल को खोलतें तथा बन्द करते समय स्टेटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति अनिवार्य होगी और वीडियो रिकार्डिंग कराकर सीडी दो प्रतियों में बनाकर कोषागार में जमा करें। उन्होंने सख्त निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्र पर कोई भी परीक्षार्थी, कक्ष निरीक्षक तथा कर्मचारी मोबाइल लेकर प्रवेश नही करेंगें। परीक्षा के एक दिन पूर्व परीक्षा केंद्र में ड्यूटी लगाए कर्मचारियों/पुलिस बल से आपस मे समन्वय बनाकर जांच करा ले। जिससे किसी कमर्चारी/पुलिस बल को कोई समस्या अथवा दूसरी जगह ड्यूटी लगाई तो उसके स्थान पर प्रतिस्थानी की ड्यूटी लगाई जा सके और परीक्षा के दिन किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु चारों विधान सभाओं की पोलिंग पार्टियों के रवानगी, कार्मिकों के ड्यूटी वितरण, बसों के पार्किंग हेतु स्थल इत्यादि का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट मैदान में पोलिंग पार्टियों के रवानगी, कार्मिकों के ड्यूटी वितरण एवं बसों की पार्किंग को सकुशल तरीके से संपन्न कराए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि चारों विधानसभा हेतु अलग-अलग काउंटर बनाए जाए, जिससे कि कोविड-19 के गाइडलाइन को पालन किया जा सके, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए, जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी विभाग सहायक अभियन्ताओं को निर्देश देते हुए कहा कि पोलिंग पार्टियों की रवानगी, कार्मिकों के ड्यूटी वितरण, बसों के पार्किंग हेतु अलग-अलग नक्शा इत्यादि तैयार कर ले जिसके अनुसार संपूर्ण कार्य किए जा सके, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही ना की जाए। वहीं उन्होंने कहा कि बसों की पार्किंग की व्यवस्था इस तरह की जाए की किसी को कोई समस्या न हो तथा विधान सभावार अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था की जाये।

इस मौके पर मु य विकास अधिकारी सौ या पांडेय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व जगदंबा प्रसाद गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया, जिला विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, पीडब्ल्यूडी विभाग के सहायक अभियन्ता के आशुतोष चतुर्वेदी, प्रान्तीय खण्ड के सहायक अभियन्ता संतोष कनौजिया, एआरटीओ प्रशासन मनोज वर्मा, जिला सूचना अधिकारी नरेन्द्र मोहन, सहायक निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र आदि अधिकारीगण व कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप के शौर्य को याद किया

संवाददाता। फर्रुखाबाद

श्री राष्ट्रीय करणी सेना द्वारा बुधवार सुबह महाराणा प्रताप की 425 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि का आयोजन किया गया। जिसमे महाराणा प्रताप के प्रताप पर चर्चा की गयी। इसके साथ ही उनके शौर्य पर प्रकाश डाला गया।

शहर के बद्री विशाल डिग्री कालेज में स्थापित महाराणा प्रताप का माल्यार्पण किया गया। इसके साथ ही पास में ही स्थापित भगवान परशुराम की प्रतिमा पर भी श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये। जिलाध्यक्ष मंथन ठाकुर ने क्षतिग्रस्त हो रही महाराणा प्रताप व भगवान परशुराम की प्रतिमा का जीर्णोद्धार संगठन के द्वारा कराने की बात कही। जिलाध्यक्ष नें महाराणा प्रताप के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन पर्यंत स्वाभिमान को सर्वोपरि रखते हुए कभी भी किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं किया। हल्दीघाटी के विश्व प्रसिद्ध युद्ध में जहां एक ओर अकबर की एक लाख की सेना थी और महाराणा प्रताप की 20 हजार की सेना थी। फिर भी अतुलनीय शौर्य व साहस का प्रदर्शन करते हुए अकबर की सेना को गाजर मूली की तरह काट गिराया। इतिहास में युद्ध का परिणाम और अनिर्णीत है, परंतु तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो यह निश्चित ही महाराणा प्रताप के आत्मस मान स्वाभिमान व शौर्य की जीत थी। हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। वैभव सोमवंशी, राहुल चौहान, मनोज सिंह गौर, राहुल परिहार, जेपी चौहान,अरुण प्रताप, अरुण प्रताप, सत्यभान, सूरज चन्देल व गौरव राघव आदि रहे।

गोवंश के साथ निर्दयता दिखाने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई करे पुलिसः प्रवीण

संवाददाता। खागा (फतेहपुर)

क्षेत्र में गोवंश की सुरक्षा के लिए हम सचेत न हुए तो इनकी दशा आने वाले दिनों में और भी खराब हो जाएगी। गोवंश की दुर्दशा व्यथित करती है। खखरेरू थाने के पौली गांव से लेकर जयरामपुर गुरगौला के मध्य नहर में बीते कई दिनों से देखा जा रहा है कि बड़ी संख्या में मृत गोवंश पानी में बहकर इधर आ रहे हैं। गोवंश की दुर्दशा के लिए कौन जिम्मेदार है, इस संबंध में बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय ने एक अभियान छेड़ा हुआ है। अधिकारियों से जवाबदेही के साथ ही क्षेत्रीय लोगों से इस संबंध में मदद ली जा रही है। जल्द ही पानी में मृत गोवंश फेंकने वालों को चिह्नित करके उन्हें दंडित कराने में समिति के स्वयंसेवक भागीदार बनेंगे।थाना क्षेत्र में पौली, गुरसंडी, रक्षपालपुर व जयरामपुर गुरगौला आदि गांवों के मध्य देखा जा रहा है कि नहर के पानी में मृत गोवंश के शव बहकर आ रहे हैं। निचली गंगा नहर में ग्रामीणों ने 08 मृत गोवंशी के शव बहते हुए देखे। समिति के केंद्रीय अध्यक्ष व स्वयंसेवक सूचना के बाद मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के साथ मिलकर शवों को बाहर निकालने का प्रयास किया गया हालांकि सीमित संसाधनों की वजह से ऐसा नहीं हो सका। ग्रामीणों ने बताया कि नहर में पानी आने के साथ ही बीते कई दिनों से मृत मवेशियों के शव इसी प्रकार पानी में बहते हुए दिखाई देते हैं। पुलों के आस-पास शव आकर फंस जाते हैं। एक-दो की संख्या होने पर ग्रामीण इन्हें बाहर निकालकर गड्ढों में दफन करा देते हैं। एक साथ आठ-दस की संख्या में शव देखने के बाद ग्रामीणों ने भी इन्हें पानी से बाहर नहीं निकाला। केंद्रीय अध्यक्ष ने खखरेरू थानाध्यक्ष से ऐसे लोगों पर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। जो मृत गोवंशों को पानी में फेंक देते हैं। ग्रामीणों का कहना था मृत मवेशी कहीं दूर से नहीं आए हैं। पौली, खैरई और पचीसापर गांव के आस-पास से ही इन्हें नहर में फेंका जाता है। बीडीओ विजयीपुर उज्जवल सिंह का कहना है कि वास्तव में बेहद गंभीर मामला है। मृत गोवंशों के साथ यह व्यवहार व्यथित करने वाला है। संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिवों को इस बारे में निर्देशित किया जाएगा। वहीं नहर विभाग के अधिकारियों से भी इस बारे में वार्ता की जाएगी।

युवक का शव रेलवे ट्रेक पर मिला

फर्रुखाबाद। बहन के घर आया युवक का क्षतविक्षत शव मंगलवार रात को संदिग्ध हालत में रेलवे ट्रेक पर पड़ा मिला। सूचना पर पंहुची पुलिस नें छानबीन के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।कमालगंज थाना क्षेत्र के गाँव शेखपुर निवासी स्वर्गीय संजय का 19 वर्षीय बिक्की तीन दिन पूर्व अपने भांजे ऋषभ के जन्मदिन में शामिल होनें बहन हिना उर्फ शिवकन्या पत्नी सोनू जाटव निवासी नगला हाथीपुर मऊदरवाजा आया था। मंगलवार रात वह गुमटी नगला निवासी अजय के साथ शराब पीता रहा और देर रात घर से गुटखा खानें की बात कहकर निकल गया। देर रात रेलवे क्रासिंग गेटमैन की सूचना पर गाँव के लोग मौके पर पंहुचे तो शव की शिना त सोनू जाटव के साले बिक्की के रूप में की। ग्रामीणों नें मामले की सूचना डायल 112 को दी। इस बीच परिजन मौके पर पंहुचे और उनका रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

नाबालिक छात्रा प्रेमी के साथ हुई फरार

फर्रुखाबाद। नाबालिक छात्रा लाखों रूपये की नकदी जेबरात लेकर प्रेमी के साथ रफूचक्कर हो गयी। मजे की बात यह भी है कि वह अपने साथ विवाहिता सहेली को भी ले गयी। परिजनों नें माँ-बेटे समेत चार लोगों के खिलाफ शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है। शहर कोतवाली क्षेत्र की निवासी नवीं क्लास की छात्रा का गाँव खन्नी नगला निवासी युवक मंजेश से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 15 जनवरी की रात छात्रा अपने प्रेमी से फोन पर बात कर रही थी। तभी उसका भाई जाग गया और उसने फोन छीनकर मंजेश से बात की तो मंजेश नें उसे बताया कि वह उसकी बहन के साथ फेरे लेनें की तैयारी कर रहा है। 18 तारीख की सुबह छात्रा लापता हो गयी। छात्रा की माँ नें शहर कोतवाली में तहरीर दी की उनकी बेटी को मंजेश, उसकी माँ नन्ही देवी व मोहित व नितिश बहला-फुसला कर भगा ले गये है। उनकी बेटी अपने साथ सोने-चांदी के लाखो रूपये के जेबरात व नकदी भी ले गयी है। आरोपियों के घर में ताला पड़ा है।

मौरंग बिक्री को लेकर ट्रांसपोर्टर्स में मारपीट

संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात

कस्बा भोगनीपुर में मौरम बिक्री को लेकर ट्रांसपोर्टर्स के बीच में जमकर मारपीट हो गई है। दोनों पक्षों के दो लोग घायल हो गए हैं। थाने में जवाबी रिपोर्ट दर्ज करायी गई है। एक पक्ष ने लूट का आरोप भी लगाया है।

भोगनीपुर निवासी शमीम ने बताया कि वह ट्रांसपोर्ट का धंधा करता है। साथ ही कालपी रोड में मौरंग बिक्री का कार्य भी कर रहा है। बुधवार को ग्राहकों को लोडेड ट्रक की मौरंग दिखा रहा था। इसी बीच भोगनीपुर निवासी ही दूसरे ट्रांसपोर्टर मोह मद आरिफ और उनके दो भाई तथा चार-पांच अज्ञात लोग आकर दखलअंदाजी करने लगे। जिस पर कहासुनी हो गई। इतने में मोह मद आरिफ व उसके भाइयों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी। घायल शमीम ने मारपीट व जान से मारने की धमकी एवं लूट का मुकदमा दर्ज करवाया है। वहीं दूसरे पक्ष के मोह मद आरिफ ने बताया कि वह भी मौरंग बिक्री का धंधा करता है। जब वह ग्राहकों को एक ट्रक में लदी मौरंग की बानगी दिखा रहा था तभी शमीम व उसके साथी आकर गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। उसने मारपीट व लूट का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत करके घायलों का उपचार के लिए पुखरायां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा है। प्राथमिक उपचार के बाद मोह द शमीम को डाक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर किया है।

सर्दी लगने से युवक की मौत

पुखरायां। कानपुर देहात कड़के की ठंड में भोगनीपुर कस्बे के एक युवक की सर्दी लगने से मौत हो गई है। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया है। भोगनीपुर निवासी इरफान ने बताया कि उसका भाई कल्लू (28) बाइक द्वारा घर से कुछ समान लेने भोगनीपुर चौराहा गया था।

शौर्य क्लब इटावा ने मारी बाजी

संवाददाता। कन्नौज

बोर्डिंग ग्राउंड में खेले जा रहे हैं स्वर्गीय ओम प्रकाश पाठक की स्मृति राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में रूप बी का पहला नॉकआउट लीग मैच शौर्य क्लब इटावा क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ के मध्य खेला गया। जिसमें शौर्य क्लब इटावा ने 15 रन से जीत प्राप्त की। बुधवार को मैच का टॉस संजय सामवेदी के द्वारा कराया गया मैच का टॉस शौर्य क्लब इटावा के कप्तान तरुण सिंह ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शौर्य क्लब इटावा की टीम ने 20.4 ओवर में 147 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं उनकी टीम से सर्वाधिक रन का योगदान राहुल तोमर 45 रन का रहा। इसके अलावा बल्लेबाज तरुण सिंह 21 रन निशांत कुशवाहा 18 रन हर्ष त्यागी 14 रन बनाए क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ के गेंदबाज आतिफ साजिद ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट 17 रन देकर प्राप्त किए। गेंदबाज विप्रराज निगम दो विकेट शौर्य सिंह 1 विकेट ,जमशेद आलम एक विकेट ,अभिषेक डिफ्टी ने एक विकेट लिया लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ की टीम 21.4 ओवर में 132 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। लखनऊ की टीम की ओर से सर्वाधिक रन प्रियांशु पांडे ने 46रन बनाए इसके अलावा शौर्य सिंह 23 आतिफ 15रन और हिमांशु शर्मा 12 रन का योगदान किया इटावा टीम के गेंदबाज में अक्षत पांडे ने दो विकेट यश गर्ग 3 विकेट विकास सिंह 2 विकेट तरुण सिंह 1 विकेट निशांत कुशवाहा अतुल मिश्रा 1 विकेट लिया। मैच के अंपायर रितेश शर्मा रोहित सिंह एवं स्कोरर अभिषेक दिक्षित और आकाश मिश्रा रहे कन्नौज क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य के रूप में पवन त्रिवेदी संजय सामवेदी ममतेश तिवारी आनंद मिश्रा पारस दुबे सजल सिंह आदि मैदान पर मौजूद रहे।

अपर्णा को बधाइयां

भाजपा नेताओं ने कहा-परिवारवाद के दलदल से निकलना स्वागत योग्य

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

भाजपा की सदस्यता लेती हुई अपर्णा यादव।

सपा संरक्षक और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव ने बुधवार को दिल्ली में भाजपा का सदस्यता ग्रहण कर ली। राष्ट्रवादी विचारधारा को मानने वाली अपर्णा यादव ने भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या के सामने भाजपा की सदस्यता ली। अपर्णा यादव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना राजनीतिक आदर्श मानती हैं। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता एवं कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने अपर्णा यादव के भाजपा में शामिल होने पर कहा कि उनके आने से पार्टी और भी मजबूत होगी।

अपर्णा यादव के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपर्णा सकारात्मक विचार की महिला हैं। उनमें असीमित भावनाएं हैं। भारतीय जनता पार्टी में उनका स्वागत है। समाजवादी पार्टी के संरक्षक पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधू अपर्णा यादव के भाजपा शामिल होने पर भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने बधाई दी। अपर्णा यादव को परिवारवाद के दलदल से निकलने एवं राष्ट्रवाद के पथ पर अग्रसर होंगी। बधाई देने वालों में कुंज बिहारी मिश्रा, देवेश सिंह, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, विवेक अग्रवाल, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, सचिन जायसवाल, सुभाष वैश्य, राजन शुक्ला, शोभिता श्रीवास्तव, अनुपम मालवीय, आधी भारतीय जनता पार्टी के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी।

चुनाव को लेकर वीडियोग्राफी टीम गठित

संवादाता। अयोध्या

जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि मख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार वीडियो अवलोकन टीम का गठन किया गया था जिसमें आंशिक संशोधन करते हुये विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 हेतु वीडियो अवलोकन टीम का गठन किया जाता है। जिसमें विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 271.रूदौली में अनीता कुमारी उप निबन्धक रूदौली मो. 8303111083 के साथ उप निबन्धक रूदौली कार्यालय के दो लिपिक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 273. मिल्कीपुर अजाद्ध में संजय कुमार यादव उपनिबन्धक मिल्कीपुर मो. 8565936358 के साथ उप निबन्धक मिल्कीपुर कार्यालय के दो लिपिक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 274. बीकापुर में राहुल सिंह उप निबन्धक सोहावल मो. 8318864192 के साथ उप निबन्धक सोहावल कार्यालय के दो लिपिक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 275. अयोध्या में श्री शशि भूषण सिंह उप निबन्धक सदर मो. 9936619394 के साथ उप निबन्धक सदर कार्यालय के दो लिपिक तथा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 276. गोशाईगंज में रविशंकर प्रबन्धक बैंक आफ बड़ौदा सहादतगंज अयोध्या मो. 9886206406 के साथ उप निबन्धक बीकापुर कार्यालय के दो लिपिक को टीम के साथ लगाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि उपरोक्त वीडियो अवलोकन टीम द्वारा निर्वाचन प्रचार प्रसार आदि से स बंधित व्यय की वीडियोग्राफी देखकर सूचना आयोग के निर्धारित प्रारूप पर की गयी वीडियोग्राफी की सीडी रिटर्निंग आफिसर एवं व्यय लेखा हेतु नियुक्त नोडल/सहायक नोडल अधिकारी व्यय अनुवीक्षण सेल को उपलब्ध कराया जाना है। यह आदेश अग्रिम आदेशो तक प्रभावी रहेगा।

मतदाता जागरूकता व युवा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ कार्यक्रम

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी मीनू वोहरा के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता एवं युवा दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन डिजायर कोचिंग सेंटर गिरैया बाजार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मु य अतिथि के रूप में विकास तिवारी उपस्थित होकर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया विशिष्ट अतिथि के रूप में वीरेंद्र सिंह उर्फ कन्हैया सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक जहाँगीरगंज अ श्रेश मिश्रा व शीला भारती द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि नेहरू युवा केंद्र एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में सबकी सहभागिता सुनिश्चित किया है इसका लोग लाभ उठाएं विधानसभा के चुनाव होने हैं इसलिए सभी मतदाता अच्छे प्रतिनिधि को अपना बहुमूल्य मत दें। विशिष्ट अतिथि कन्हैया सिंह ने कहा कि कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए प्रधान मंत्री नरेन्द मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास पर विचार विडियो के माध्यम से सबको साझा किया गया हैं एवं महिला सशक्तिकरण के विषय पर अपना विचार प्रकट किया युवाओं के बीच मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई और उसके महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक जहाँगीरगंज अ श्रेश मिश्रा द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन राहुल पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक तथा ब्लॉक जहाँगीरगंज के 50 से अधिक युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लियाद्य कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वोटरों को धमकाने वाले जाएंगे जेल

अयोध्या। जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नितीश कुमार ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि भारतीय दण्ड संहिता की धारा.171 ख के अनुसार कोई व्यक्ति निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी व्यक्ति को उसके निर्वाचक अधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से नगद या वस्तु के रूप से कोई परितोष देता है या लेता है वह एक वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दोनों से दण्डनीय होगा। इसके अतिरिक्त भारतीय दण्ड संहिता की धारा 171ग के अनुसार जो कोई व्यक्ति किसी अ यर्थी या निर्वाचकए या किसी अन्य व्यक्ति को किसी प्रकार की चोट लगाने की धमकी देता है वह एक वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दो से दण्डनीय है।

इस हेतु उड़न दस्ते द्वारा रिश्वत देने वालों और लेने वालों दोनों के विरुद्ध मामले दर्ज करने के लिए और ऐसे लोगों के विरूद्ध कार्यवाही करने के लिए गठित किये गये हैं जो निर्वाचकों को डरानेध्धमकाने में लिप्त है। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी नागरिकों से अपील किया है कि वे कोई रिश्वत लेने से परहेज करें और यदि कोई व्यक्ति कोई रिश्वत की पेशकश करता है यो उसे रिश्वत और निर्वाचकों को डरानेध्धमकाने की जानकारी है तो उन्हें शिकायत करने के लिए जनपद स्तर पर स्थापित डिस्ट्रिट काटेक्ट सेन्टर के टोलफ्री न बर.1950 पर सूचित करना चाहिए।

जिलाधिकारी ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

● पोलिंग बूथों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्ति करने के दिए निर्देश

निरीक्षण करते डीएमः संजय कुमार खत्री।

प्रयागराज। जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री ने बुधवार को करछना मेजा सहित कई पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पोलिंग बूथों पर मूलभूत सुविधाएं यथा पानी बिजली शौचालय एवं दिव्यांगजनों के लिए रै प आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने सर्व प्रथम बृजमंगल सिंह इण्टर कालेज करछना में व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जो कमियां पाई गईं उसे तत्काल दुरूस्त कराये जाने के लिए कहा। इसके बाद राजकीय बालिका इण्टर कालेज करछना प्राथमिक विद्यालय वेंदो करछना मॉडल प्राथमिक विद्यालय टिकुरी उरूवा बद्रीनाथ तिवारी इण्टर कालेज मेजा रोड पीएस तेदुआ कला मेजा प्रयागराज सहित कई पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स बंधित उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर बिजली पानी शौचालय एवं दिव्यांगजनों के लिए रै पों सहित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करा लिया जाये।

साथ ही साथ उन्होंने आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्वाचन के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता कत्तई क्ष य नही होगा। जिलाधिकारी ने वैक्सीनेशन सेंटरों का भी निरीक्षण किया तथा खण्ड विकास अधिकारी एवं प्रभारी चिकित्साधिकारियों को शत प्रतिशत वैक्सीनेशन कराये जाने का निर्देश दिया है। एडीएम प्रशासन हर्षदेव पाण्डेय उप जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

निर्वाचन कार्यों में लापरवाही और उदासीनता नहीं डीएम

प्रयागराज। जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने विधानसभा चुनाव को सकुशल स पन्न कराने के लिए बुधवार को संगम सभागार में स्कूलों के प्रबन्धकों एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी को निर्वाचन कार्यों में सहयोग प्रदान करने को कहा तथा जिन कालेजों में जो भी बसे और अन्य वाहन है। आवश्यकतानुसार उसे निर्वाचन से स बद्ध किया जायेगा। आरटीओ एआरटीओ को निर्देशित किया है कि इसकी सूची बनाकर तैयार रखे तथा सबसे वार्ता कर सुनिश्चित कर ले। उप निर्वाचन अधिकारी हर्षदेव पाण्डेय समस्त एआरटीओ एवं कालेज के प्रबन्धक उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

देश का हिन्दी कहानियों में रहा है समृद्ध इतिहासः मित्तल

प्रयागराज। देश का हिन्दी कहानियाँ सुनाने का एक समृद्ध इतिहास रहा है। साहित्य के विभिन्न दौर के नामचीन उपन्यासकार लेखक और कवि शामिल रहे हैं। कलाकारों और उनके दशर्कों की पसंद और प्राथमिकताओं को आकार देने में तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ पिछले कुछ सालों में कला काफी बदली है। दीप्ति मित्तल ने एक सॉ टवेयर इंजीनियर के रूप में अपना कॅरियर शुरू किया था। दूसरी ओर भोपाल के लेखक चंद्रभानु स्वतंत्र लेखक के रूप में काम करते हैं। समय के साथ साहित्य की दुनिया में ई बुक्स बड़ी ही तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। स्व प्रकाशक उपन्यासकारों की सं या भी काफी बढ़ गई है। खासकर हिन्दी ई रीडर्स के लिये विभिन्न शैलियों में चुनने के लिये स्व प्रकाशित काफी सारे लेखक हैं। किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग भारत में उपस्थिति के साथ लेखकों के लिये एक ग्लोबल स्व प्रकाशन सेवा है। विज्ञापन को देखकर और किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग पर सेल्फपब्लिशिंग की सहज प्रक्रिया से गुजरते हुए अपनी लंबे समय से लंबित ड्रीम स्टोरी लिखी।

कृषि विवि में सर्वप्रथम संपन्न हुई परीक्षा

मिल्कीपुर अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि कुमारगंज अयोध्या में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के कुशल एवं सजग प्रशासनिक कार्य क्षमताओं के परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय में संचालित समस्त कक्षाओं की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा ;बीएससी प्रथम वर्ष को छोड़कर द्ध समयानुसार संपन्न करा दी गई है। तथा वर्तमान में अगले सेमेस्टर हेतु कोविड.19 संक्रमण को ध्यान में रखते हुए कुलपति महोदय के दिशा निर्देशन एवं देखरेख में ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही है। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि कोविड संक्रमण की गाइडलाइन का पालन करते हुए गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी समयानुसार पाठ्यक्रम चलाकर प्रदेश में सबसे पहले प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा करा ली गई है। बीएससी प्रथम वर्ष में आईसीआर द्वारा नामित छात्रों का अभी तक प्रवेश होने से परीक्षा नहीं कराई जा सकी अब वर्तमान में प्रवेश बंद हो चुके हैं शीघ्र ही पाठ्यक्रम पूरा कर इनकी भी परीक्षा करा ली जाएगी। विगत 2 वर्षों से समयानुसार शिक्षा सत्र संचालित करने का प्रदेश में रिकॉर्ड स्थापित करते हुएए इस वर्ष भी समयानुसार शिक्षा सत्र संचालित कर प्रदेश में सर्वप्रथम परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिए विश्वविद्यालय वचनबद्ध एवं संकल्पित है।

एसएसपी प्रयागराज अजय कुमार हुए कोरोना पॉजिटिव

प्रयागराज। कोरोना संक्रमण का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को प्रयागराज के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार पांडेय भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। अभी दो दिन पहले ही एडीजी जोन प्रेम प्रकाश और माघ मेलाधिकारी शेषमणि पांडेय कोरोना पाजिटिव आये हैं। गौरतलब है कि शरीर और सिर में तेज़ दर्द और गले में ख़राश होने पर एसएसपी अजय कुमार पांडेय ने कोरोना की जाँच कराई। जहां उनका आरटीपीसीआर टेस्ट पॉज़िटिव आया है। एसएसपी ने स्वयं को अपने आवास पर ही आइसोलेट कर लिया है। पुलिस कर्मियों और जनता से अपील की है कि पिछले कुछ दिनों में जो भी लोग उनके निकट संपर्क में आए हों वह अपनी कोरोना की जाँच जरूर करा लें।

शराब बिक्री और अवैध कारोबार को लेकर दिशा निर्देश जारी

अयोध्या। जलाधिकारीध्जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन.2022 हेतु निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर अनुदेशों का सार संग्रह ;अक्टूबरए 2021द्ध दस्तावेज 6.संस्करण 7 के अनुलग्नक.घ13 में भारत निर्वाचन आयोग के दिये गये निर्देशानुसार समय.समय पर विस्तृत अनुदेश जारी किये गये हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मदिरा बिकी की दैनिक मानीटरिंगए स्टाक रजिस्टर का रख.रखाव सुनिश्चित करनाए मदिरा की बिक्री के लिए टोकनों अथवा कूपनों का प्रयोगए मदिरा की संवेदनशील दुकानों की सूची तैयार करना तथा गहन अनुवीक्षण करना एवं निर्वाचन में वितरण के लिए मदिरा के भण्डारण को रोकना आदि अनुदेशों का अनुपालन करने का निर्देश दिया गया है।

मतदाता दिवस 25 जनवरी को बूथ स्तर पर मनाया जाएगा

अयोध्या। मण्डलायुक्त नवदीप रिनवा ने बताया कि 12वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस दिनांक 25 जनवरी 2022 को जिला और बूथ स्तर पर मनाया जाएगा। 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का विषय.वस्तु समावेशी सुगम एवं सहभागी निर्वाचन की ओर अग्रसरष् नामक है। इस स बंध में मण्डलायुक्त ने मण्डल के समस्त जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि उपर्युक्त विषय वस्तु का व्यापक रूप से प्रचार.प्रसार करते हुए राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह का संचालन करें। एनवीडी के दौरान आयोजित किए जाने वाले समारोहों को कोविड उपयुक्त व्यवहार और लागू दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जाय तथा त्योहार को ऑनलाइन मोड में मनाने के लिए भरसक प्रयास भी किया जाय। प्रदेश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में मु य निर्वाचन अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर पहले से मौजूद योजना शामिल होंगी।

शिवसेना के प्रदेश सचिव ने समर्थकों के साथ भाजपा की ली सदस्यता

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

जनपद में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों की लगातार संख्या बढ़ती जा रही है। बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक ने भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी की उपस्थिति में जनपद के संघर्षी और लोकप्रिय नेता शिव सेना के प्रदेश सचिव नंद कुमार तिवारी राना को सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की पट्टिका पहना कर और भाजपा का झंडा पकड़ाकर संगठन की सदस्यता दिलाया।

नन्द कुमार तिवारी को भाजपा की सदस्यता प्रदान करने के उपरांत भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक ने कहा कि भाजपा की बढ़ते जनाधार से विपक्षी दलों में बेचौनी सी छा गई है। लगातार भाजपा का परिवार बढ़ता जा रहा है। प्रतिदिन किसी ना किसी दल के लोकप्रिय जन प्रतिनिधि और राजनीतिज्ञ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे है। भाजपा राजनीति की धुरी सी बन गई है। भारतीय जनता पार्टी सर्व समाज की उत्थान और विकास की राजनीति करती है। भाजपा द्वारा किए गए कार्य देश की प्रगति में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मूल्य आधारित राजनीति कर देश और प्रदेश को स्वच्छ छवि की सरकार देकर भ्रष्ट्राचार से मुक्त,दंगा रहित प्रदेश, गुंडा माफिया से मुक्ति, बेघर को घर, फ्री विजली कनेक्शन, बहू बेटियों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था में बड़ा सुधार कर प्रदेश की जनता को बड़ा उपहार दिया है।

शिव सेना प्रदेश सचिव नन्द कुमार तिवारी राना को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने पर बधाई देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि राना जी के भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने से जनपद में भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है। भाजपा की सदस्यता से अभिभूत नन्द कुमार तिवारी राना ने कहा कि भाजपा की पुनः प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ही देश और प्रदेश में विकास की गति को तेज र तार से बढ़ाया है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय के अनुसार शिव सेना प्रदेश सचिव नन्द कुमार तिवारी राना के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों मे प्रमुख रूप से प्रधान शरद सिंह, पूर्व प्रधान रामू कन्नौजिया, शिव सेना जिला उपाध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव, रमेश तिवारी, महामंत्री आनन्द वर्मा, जिला सचिव महेंद्र पटेल, राम जगत ठाकरे, जनार्दन पांडेय, दिलीप कुमार, विमल भारद्वाज, अरविंद सिंह, नीरज पांडेय, सुरेंद्र विश्वकर्मा, कृष्णा राजभर, धीरज राजभर, बबलू शर्मा, त्रिलोकी मौर्य, मोह मद आमिन, मोह मद नूर मुज्जसम शामिल रहे। उक्त अवसर पर भाजपा जिला मंत्री संजय सिंह,विनय पांडेय,पंकज वर्मा,जिला संयोजक सुशासन विभाग विवेक पाण्डेय,दीपक तिवारी,डाक्टर संतोष सिंह,अभिषेक सिंह सिंटू,अभिमन्यु अग्रहरि,अतुल दुबे उपस्थित रहे।

भव्य माघमेला पर पांच दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी 20 फरवरी से

● माघ मेले के भव्य आयोजन की फोटो और समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों की होगी प्रदर्शनी

प्रयागराज। हरिश्याम मानव कल्याण शिक्षा एवं शोध संस्थान चौफ्टका प्रयागराज की ओर से दिव्य माघ मेला भव्य माघ मेला 2022 पर पांच दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी एवं समाचार पत्रों में प्रकाशित माघमेला के खबरों की पांच दिवसीय प्रदर्शनी 20 फरवरी से एनसीजेडसीसी में शुरू होगी। महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी करेंगे। डीएम प्रयागराज संजय कुमार खत्री होंगे। विशिष्ट अतिथि माघमेला अधिकारी शेषमणि पांडेय किन्नर अखाड़ा वेलफेयर बोर्ड की प्रदेश सदस्य एवं प्रदेश अध्यक्ष किन्नर अखाड़ा महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि और पीठाधीश्वर मतंगीनंद गिरि हैं। प्रदर्शनी के संयोजक पवन द्विवेदी और आयोजन समिति के सचिव राजीव कुमार मिश्र ने संयुक्त रूप से बताया कि कोविड के दौरान माघमेला पूरी सुरक्षा और सतर्कता के साथ हो रहा है। सनातन धर्म की जो परंपरा सदियों से चली आ रही है। इस बार दिव्य माघ मेला और भव्य माघ मेला थीम प्रदर्शनी की थीम है। अनुराग शुक्ला के होंगे। माघ मेले की तैयारियां स्नान घाटो की संत महात्माओं के शिविर हवन पूजन कल्पवास और अन्नक्षेत्र सहित अन्य तस्वीरें और समाचार पत्रों में माघ मेले की प्रकाशित खबरों की प्रदर्शनी लगेगी। राजीव कुमार मिश्र ने बताया कि प्रदर्शनी का अवलोकन दूसरे दिन सचिव पीएनपी प्रयागराज अनिल भूषण चतुर्वेदी यूपी बोर्ड के अपर सचिव प्रयागराज विनय कुमार गिल और सचिव उप्र माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज नवल किशोर करेंगे।

एनआईसी में हुआ प्रथम रेंडमाइजेशन

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में एनआईसी कक्ष में प्रथम रेंडमाइजेशन की बैठक समस्त मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों एवं रिटर्निंग अफसर की उपस्थिति में किया गया। जनपद में कुल एफएलसी ओके बी. यू. 3653, सी.यू. 2752, बी.बी.पैट 2971 जिसमें से प्रथम रेंडमाइजेशन में 277- कटेहरी विधानसभा के लिए बी.यू. 557, सी.यू. 557, वी.वी.पैट 604, 278 -टांडा विधानसभा के लिए बी.यू. 432, सी.यू. 432, वी.वी.पैट 468, 279- आलापुर विधानसभा के लिए बी.यू. 485, सी. यू .485 बी.बी.पैट 526, 280- जलालपुर विधानसभा के लिए बी.यू. 554, सी.यू.554, वीवीपैट600 तथा 281- अकबरपुर विधानसभा के लिए बी.यू.. 464, सी. यू.464, वीवीपैट 502, जिसकी एक-एक प्रति राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार कनौजिया, अतिरिक्त उप जिलाधिकारी रोशनी यादव, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, अभिमन्यु अग्रहरी भाजपा, दीपक तिवारी भाजपा, सुनील यादव सपा, गुलाम रसूल कांग्रेश, आदित्य नारायण तिवारी कांग्रेस तथा शिवबालक बीएसपी मौके पर उपस्थित रहे।

राजस्व में वृद्धि को लेकर दिए गए कड़े निर्देश

प्रयागराज। राजस्व में वृद्धि को लेकर कड़े निर्देश दिए गए हैं। विश्वराज शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमोटर्स ने अट्ठारह जनवरी को एनएसई बल्क और ब्लॉक डील सेगमेंट पर बल्क डील रिपोर्ट के माध्यम से खुले बाजार से प्रमोटर की ओर से भारी खरीदारी की गई। हाल ही में विश्वराज शुगर इंडस्ट्रीज ने शानदार रिजल्ट की घोषणा की थी। नेट प्रॉफिट वित्तीय वर्ष बाइस के नौ महीनों में तीन सौ पंचानवे प्रतिशत बढ़कर 20.67 करोड़ रुपये और राजस्व 27.62 प्रतिशत बढ़कर 337.86 करोड़ रुपये था। विश्वराज शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक मुकेश कुमार ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स में नए ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए अपनी वैल्यू चैन को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। फार्मा ग्रेड चीनी और इथेनॉल पर रेजर शार्प फोकस रखने से अगले पांच वर्षों में प्रति टन गन्ने का रस निकालने से मिलने वाले राजस्व में वृद्धि की उम्मीद है।

कृषि विश्वविद्यालय में हुआ 400 महिलाओं का प्रशिक्षण

● भविष्य में भी इस प्रकार की ट्रेनिंग निरंतर कराई जाएगीः कुलपतिःडॉ. बिजेंद्र सिंह।

मिल्कीपुर अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि कुमारगंजए अयोध्या के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग द्वारा 400 महिलाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम चार चरणों मेंए तीन दिवसीय दिनांक 7 जनवरी से 18 जनवरी तक अयोध्या एवं सुल्तानपुर 2 जनपदों के क्रमशरू 8.8 गांव ;16 गांवद्ध की महिलाओं का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कृषि विकास योजना द्वारा वित्त पोषितष् श्रम दक्षता प्रयोगशाला में जोखिम नामक परियोजना के अंतर्गत दक्षता पूर्वक कृषक महिलाओं में स्वास्थ्य जोखिम कम करने हेतु चलाए जा रहा है। जिसके अंतिम चरण के प्रशिक्षण का समापन दिनांक 18 जनवरी को सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में संपन्न हुआ । समापन समारोह कार्यक्रम के मु य अतिथि विवि के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन की बधाई देते हुए महिलाओं को स्वच्छ भोजन स्वच्छ जल एवं वातावरण की साफ सफाई पर ध्यान देने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि भविष्य में भी विवि में इस प्रकार के प्रशिक्षण कराए जाते रहेंगे ।

मीडिया प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण में मुख्य रूप से गलत मुद्रा में कार्य करने से होने वाले जोखिम स्वच्छता महिलाओं के लिए उपयोगी कृषि यंत्र कृषि से जुड़े उद्योग महिलाओं में खून की कमी के कारण एवं निवारण कृषि कार्यों में जोखिम तथा उसे दक्षता पूर्वक दूर करने के उपाय पूरक आहार बनाने का प्रशिक्षण वस्त्रों की देखभाल व रख रखाव आर्थिक सशक्तिकरण हेतु खाद्य स्वच्छता औषधि एवं फलदार पौधों की खेती बकरी पालन धान मक्का एवं सब्जी की बुवाई में प्रयोग होने वाले यंत्रों के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदर्शन एवं विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण भी कराया गया । परियोजना की मख्य अन्वेशक डॉ. आभा सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं ने मसाला पीसने रूट हार्वेस्टर निराई गुड़ाई एवं धान तथा मक्का की बुवाई करने वाले यंत्रों में विशेष रूचि तथा कार्य करने के विभिन्न सही मुद्राओं को अपनाकर जोखिम कम करने में अपनी विशेष रुप से उत्सुकता दिखाई।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. नमिता जोशी ने कार्यक्रम में प्रशिक्षण देने वाले वैज्ञानिक डॉ. सुमन मौर्य, डॉ. आभा सिंह, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. के सिंह, डॉ साधना सिंह, डॉ. सरिता श्रीवास्तव,डॉ. विभा परिहार,डॉ. प्राची शुक्ला, डॉ स्नेह सिंह, डॉ. डी राम,डॉ. भानु प्रताप, डॉ. मुकेश, डॉ. रविंदर सिंह, एवं डॉ. मनोज सिंह, को धन्यवाद दिया तथा प्रशिक्षण को सफल बनाने में डॉ. सुमंत प्रताप, डॉ. आनंद कुमार, अंकिता सिंह, आदि एवं फसल कार्यिकी विभाग के पीएचडी एवं एमएससी के छात्र. छात्राओं तथा सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के कर्मचारियों के सहयोग हेतु धन्यवाद दिया।

चुनावों के समय
दलितों पर राजनीति

दलितों के प्रति राजनीतिक सद्भावना केवल चुनावों के समय दिखती है। निर्वाचन आयोग ने पंजाब विधानसभा चुनाव 14 फरवरी के बजाय 20 फरवरी को कराने का निर्णय किया है। अपने आप में यह बदलाव उल्लेखनीय न होकर केवल एक प्रशासनिक निर्णय है। लेकिन देश में सभी लोग समझ गए हैं कि यह राजनीतिक रूप से कितना महत्वपूर्ण है। यह सभी राजनीतिक दलों द्वारा विविधता में एकता का आश्चर्यजनक प्रदर्शन है जिन्होंने अपने राजनीतिक मतभेद भुला कर यह सुनिश्चित किया कि चुनाव की तिथियां पंजाब के मतदाताओं के महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सव में बाधा न डालें। चुनाव की बदली तिथियां एक खास दलित समुदाय को 16 फरवरी को गुरु रविदास के जन्मदिन पर वाराणसी जाने का अवसर प्रदान करती हैं। चमत्कारी संत-कवि के समर्थक 'रविदासिया' मुख्यत: पंजाब के दोआबा क्षेत्र में रहते हैं और वे 23 विधानसभा क्षेत्रों में फैले हुए हैं। राज्य की जनसंख्या में 32 प्रतिशत दलित हैं। उनमें से एक तिहाई दोआबा में केन्द्रित हैं और दोआबा के 60 प्रतिशत से अधिक दलित रविदासिया हैं। यह राजनीतिक पार्टियों के 'मानवतावादी' दृष्टिकोण का कारण है। इस निर्णय के बाद पार्टियां इसका श्रेय लेने की होड़ में लगी हैं। उनके लिए यह पुरस्कार महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बहुकोणीय चुनाव में सभी लोग दलितों का अधिकतम समर्थन प्राप्त करना चाहते हैं जो 117 सदस्यों वाली विधानसभा में किसी को भी विजय दिला सकते हैं।

क्या दलितों को इस बात पर आश्चर्य नहीं होगा कि राजनीतिक पार्टियों

की उनके प्रति सद्भावना तभी प्रदर्शित होती है जब चुनावों का समय आता है? दलितों के लिए चुनाव की तिथि इसलिए बदली गई क्योंकि उनका वोट महत्वपूर्ण है और ऐसा न होने पर यही पार्टियां उनके प्रति लापरवाही बरतती हैं। आरक्षण जैसे सकारात्मक कदमों के लाभ उनको निश्चित रूप से मिले हैं और इससे वे मुक्ति के रास्ते पर अग्रसर हैं, लेकिन वे अनेक मामलों में आज भी पहले की तरह जोखिम के शिकार हैं। इनमें मंदिरों में प्रवेश, मूंछे रखने, घोड़े पर सवारी, समान श्मसान स्थलों के प्रयोग आदि पर जातीय हिंसा शामिल है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार भारत में 2020 में हर 10 मिनट पर दलितों के खिलाफहिंसा होती थी और 2021 में भी यह स्थिति बनी हुई है। दलितों पर मामूली कारण होने पर हमला किया जाता है, उनको गुजरात में चमड़े के जूते पहनने पर पीटा जाता है, महाराष्ट्र में एक कुंए में तैरने पर नंगा कर घुमाया जाता है तथा यहां तक कि तमिलनाडु में मंदिर के एक त्यौहार पर बैठे रहने पर मार डाला जाता है। उनके ऊपर पेशाब करने जैसे घृणित व अमानवीय अपमानजनक अत्याचार होते हैं। एक महीने पहले बिहार में हुई एक घटना में गांव में चुनाव हारे एक व्यक्ति ने इसका आरोप दलितों पर लगाया और दंडस्वरूप एक दलित को थूक कर चाटने पर मजबूर किया। दलित महिलाओं और लड़कियों से छेड़खानी, बलात्कार और उनकी हत्या जैसी घटनायें होती हैं। लेकिन चुनाव आने पर दलित राजनीति केन्द्रीय स्थान पर आ जाती है और आम समय में लापरवाही के स्थान पर संवेदना का व्यवहार होने लगता है। यदि पंजाब चुनाव की तिथि बदलना केवल स्वार्थी दृष्टिकोण से एक संकेत नहीं है तो राजनीतिक पार्टियों को सक्रिय रूप से दलितों के खिलाफहोने वाले भेदभाव और हिंसा को संबोधित करना चाहिए तथा इसे केवल अतीत में उत्पीड़न कह कर खारिज नहीं करना चाहिए।

यूपी चुनाव में ओबीसी की भूमिका

भाजपा, जिसने एक हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी के रूप में जन्म लिया, ने सामाजिक रूप से विषम ओबीसी को राष्ट्रीय स्तर पर एक राजनीतिक इकाई के रूप में समेकित किया और धीरे-धीरे यह अपने हिंदू वोट की रीढ़ बन गई।

स्वर्ण कुमार आनंद
(लेखक दि पायनियर के सह संपादक एवं समाचार संपादक हैं)

जाति भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति के डीएनए में है और अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वर्ग के भीतर राजनीतिक रूप से जागृत जातियों के मिश्रित समूह का प्रभाव चुनाव परिणामों को निर्धारित करने में गहरा है। इसलिए, जाति समीकरण में कोई भी बदलाव राजनीतिक दलों द्वारा एक श्रृंखला प्रतिक्रिया को जन्म देता है। उत्तर प्रदेश में इसी तरह की राजनीतिक उथल-पुथल देखी जा रही है, जो ओबीसी मंत्रियों और योगी आदित्यनाथ कैबिनेट और भाजपा के नेताओं के दलबदल से शुरू हुई है। यह भाजपा और अन्य विपक्षी दलों द्वारा राजनीतिक पैंतरेबाज़ी का एक हिमस्खलन बन गया है क्योंकि ओबीसी वोट सभी दलों के लिए मायने रखता है क्योंकि समूह कुल वोट का एक तिहाई से थोड़ा अधिक है। इसके अलावा, विद्रोह ने कुछ हलकों में अटकलें लगाईं - मीडिया और राजनीतिक पर्यवेक्षकों का एक वर्ग - कि ओबीसी नेताओं का पलायन यूपी में भाजपा शासन के अंत को दर्शाता है।

अपनी जातियों के एकमात्र प्रतिनिधि होने का दावा करने वाले ओबीसी मंत्रियों के साथ दुर्व्यवहार के बारे में धारणा से अटकलों को बल मिला है। अगर इस दावे पर कोई भरोसा किया जाता है, तो इन ओबीसी नेताओं ने योगी सरकार को अपनी व्यक्तिगत और राजनीतिक आकांक्षाओं को साकार करने में एक बाधा पाया। लेकिन यह आश्चर्य की बात नहीं है। भाजपा शायद भारत की एकमात्र पार्टी है जहाँ नेता पार्टी या सरकार से बड़े नहीं होते हैं। इसके अलावा, केंद्र में नरेंद्र मोदी और यूपी में योगी के शासन में किसी अन्य नेता को बेलगाम बोलबाला नहीं होने दिया जाता है। हालाँकि, यदि कोई नीतिगत निर्णयों और सरकार की पहुँच की जाँच करता है, तो इस समूह में ओबीसी या किसी भी जाति के खिलाफ भेदभाव का कोई सबूत नहीं है। पलायन का दूसरा कारण भी इस धारणा की ओर इशारा करता है कि क्षत्रिय मुख्यमंत्री आगामी चुनाव में बहुमत बरकरार नहीं रख पाएंगे क्योंकि वह गैर-क्षत्रिय उच्च जाति के मतदाताओं का विश्वास भी बनाए रखने में असमर्थ रहे हैं। और इसके परिणामस्वरूप राजनीतिक मौसम वैज्ञानिकों द्वारा पलायन का तूफान आया, जो बदलती लहर की सवारी करने के किसी भी अवसर को हमेशा हड़प लेते हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ऐसे ही गौरवशाली मौसम वैज्ञानिकों में से एक हैं। वह एक स्व-घोषित क्लैरवॉयंट है जो देखता है कि समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रति वफादारी को स्थानांतरित करने में उसका राजनीतिक भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। हालाँकि, भले ही दलबदल राजनीतिक अवसरवाद के बारे में हो, यह भाजपा, विशेष रूप से योगी के लिए अच्छा नहीं है, क्योंकि यह मतदाताओं को हिंदू वोट के टूटने के बारे में एक बेकार संकेत भेजता है, जिसमें एक वर्ग के अलावा ज्यादातर ओबीसी शामिल हैं। उच्च जातियों और अनुसूचित जातियों के। अटकलें मोदी के भाजपा के सबका साथ संकल्प की ईमानदारी को भी धूमिल करती हैं। तीसरा कारण एक बार फिर यह धारणा है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव विपक्षी खेमे से भाजपा के खिलाफ एक विकट चुनौती के रूप में उभर रहे हैं, जिसके पास कांग्रेस के रूप में कोई अन्य गंभीर खिलाड़ी नहीं है, बावजूद इसके कि प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में कुछ खोई हुई जमीन हासिल करने में असमर्थ है। एक खर्च की गई शक्ति के रूप में अपनी छवि को बहाल करने के लिए। और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अब गिनती में नहीं है। इसके अलावा, पार्टियों के बीच यह एक सामान्य समझ है कि किसी एक दल के पास भाजपा को एक सफल चुनौती देने का साधन नहीं है, दलबदलू अपनी सारी उम्मीदें अखिलेश पर टिका रहे हैं जो बिल में फिट लगते हैं। हालांकि, विभाजित विपक्ष, कुछ यूपीए और अन्य तीसरे मोर्चे को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है, अखिलेश को ओबीसी नेताओं के पलायन के बाद कुछ नुकसान नियंत्रण करने के लिए संघर्ष करने के बावजूद भाजपा की ताकत के खिलाफ पर्याप्त रूप से हथियार नहीं देता है। चुनावी राजनीति में ओबीसी की केंद्रीयता निर्विवाद है लेकिन यूपी में समूह के भीतर भी जातिगत समीकरण बहुत जटिल हैं। मंडल के बाद के युग ने ओबीसी राजनीति की चुनावी संभावनाओं में उल्कापिंड देखा है, लेकिन ये दल क्षेत्रीय जेब तक ही सीमित हैं। ओबीसी वोट यूपी में छोटे एकल-जाति आधारित दलों द्वारा काटा गया है, जैसे ओपी राजभर और अनुप्रिया पटेल ने अपने प्रभाव क्षेत्र में। जहां सपा यादव के नेतृत्व वाली ओबीसी राजनीति मुस्लिम वोट को बरकरार रखते हुए करती है, वहीं बसपा के पास जाटव हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुसलमानों और एससी के विपरीत, ओबीसी वह समरूप राजनीतिक इकाई नहीं है। इसलिए, जाति के नेता उस सार्वभौमिक ओबीसी श्रेणी के उपसमुच्चय हैं। चूंकि क्षेत्रीय धर्मनिरपेक्ष पार्टियां पूरे ओबीसी वोट पर कब्जा नहीं कर सकीं, इसलिए वे समीचीन मुस्लिम वोट को लालच देकर नुकसान की भरपाई करते हैं। हालाँकि, भाजपा, जिसने एक हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी के रूप में जन्म लिया, ने सामाजिक रूप से विषम ओबीसी को राष्ट्रीय स्तर पर एक राजनीतिक इकाई के रूप में समेकित किया और धीरे-धीरे यह अपने हिंदू वोट की रीढ़ बन गई। और इसीलिए भाजपा हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति करने के बावजूद, जो जाति की राजनीति के विपरीत प्रतीत होती है, ओबीसी वोट को मजबूत करने की कोशिश करती है - हिंदू वोट का मूल - और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने की कोशिश करती है। इसलिए, अगर इन अटकलों में कोई सच्चाई है कि ओबीसी मतदाताओं का भाजपा पर से विश्वास उठ गया है, तो यह निश्चित रूप से यूपी में पार्टी के लिए एक श्रद्धांजलि है। हालाँकि, अटकलें कितनी भी मजबूत क्यों न हों, यह कहना जल्दबाजी होगी कि कुछ असंतुष्ट ओबीसी नेताओं द्वारा दलबदल भाजपा से ओबीसी वोट के पलायन में कैसे तब्दील होगा। दिलचस्प बात यह भी है कि इन नेताओं ने योगी सरकार पर ओबीसी ही नहीं युवाओं, किसानों और व्यापारियों की आकांक्षाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है. हालांकि चुनावी राजनीति में, सामाजिक सच्चाई और कुछ नहीं बल्कि जनता के बीच धारणा है कि मतदान केंद्रों पर उनकी प्राथमिकताओं को आकार देता है, जनता की धारणा को मापने के लिए आसान नहीं है। परस्पर विरोधी आख्यानों की स्थिति में धारणाएँ बदलती रहती हैं, और किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि कथाएँ बुनने की कला में भाजपा शीर्ष पर है। इसके अलावा, यूपी में बदलती परिस्थितियों का चुनावी परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि एससी और मुस्लिम अन्य पार्टियों द्वारा पेश किए गए प्रलोभन को कैसे लेते हैं। जहां तक ??मुसलमानों की बात है तो उनका वोट किसी भी होनहार पार्टी या उम्मीदवार को जाना लगभग तय है जो भाजपा के खिलाफ मुख्य दावेदार है। यदि ओबीसी वोट को हथियाने वाली पार्टी द्वारा पूरा मुस्लिम वोट एकत्र नहीं किया जाता है, तो मुस्लिम वोट चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की अपनी ताकत खो देता है। जब कई तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दल मैदान में हैं, तो मुस्लिम वोट के प्रबंधन का यह सबसे मुश्किल हिस्सा है। यह अखिलेश के लिए चिंता का विषय है। दूसरा, यह निश्चित नहीं है कि ओबीसी नेताओं का पलायन भाजपा से ओबीसी वोटों के पलायन में तब्दील हो जाएगा, क्योंकि पहले कुछ ओबीसी नेता सरकार में लगभग पूर्ण कार्यकाल का आनंद लेने के बाद चुनाव के समय वफादारी बदलने के लिए बदनाम हैं। साथ ही नेताओं का पलायन हमेशा नुकसान की भविष्यवाणी नहीं करता है। पश्चिम बंगाल में हमारे पास एक उदाहरण है। मीडिया में बीजेपी के मजबूत होने की अटकलों ने टीएमसी नेताओं द्वारा इसी तरह के पलायन की शुरुआत की थी, लेकिन चुनाव परिणाम सभी गलत साबित हुए। योगी शासन के पिछले पांच वर्षों के दौरान, जनता की धारणा यह है कि मौर्य ने पूर्वी यूपी में ओबीसी पर अपना प्रभाव बरकरार रखा है, लेकिन उत्तर प्रदेश के उस हिस्से में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का निर्वाचन क्षेत्र है, जिसका करिश्मा विशेष रूप से वितरण के बाद फीका नहीं हुआ है। अयोध्या प्रतिज्ञा। साथ ही यह दावा कि मौर्य इस क्षेत्र में निर्विवाद रूप से ओबीसी नेता हैं, तब बिखर गया जब मौर्य भाजपा की स्पष्ट लहर के बावजूद 2017 में अपने बेटे को विधानसभा चुनाव जीतने में मदद नहीं कर सके। लेकिन साथ ही, तथ्य इतिहास है और जब तक भाजपा इन तथ्यों के साथ एक कथा बुनती है, यह धारणा बनाने के लिए कि इन ओबीसी नेताओं ने अपने समुदाय के लिए नहीं बल्कि अपने हितों के लिए भाजपा छोड़ी, भाजपा के लिए नुकसान है कुछ। जबकि राजनीतिक पंडित परिणाम की भविष्यवाणी करते हैं, उनके चेहरे पर अंडे के साथ छोड़ दिया जाएगा यदि वे मोदी के जादू को भाजपा द्वारा भुनाने की संभावना को नकारते हैं। दिलचस्प बात यह है कि न तो यूपी की बीजेपी सरकार ने और न ही केंद्र में कोई नीतिगत फैसला लिया है जो ओबीसी की आकांक्षाओं की अनदेखी करता है। इसके बजाय एनईईटी की अखिल भारतीय श्रेणी में ओबीसी कोटा बढ़ाने का केंद्र का हालिया निर्णय एक उदाहरण है जिसे भाजपा ओबीसी समर्थक कथा बुनने के लिए नियोजित कर सकती है। जैसे ही कोविड की तीसरी लहर चरम पर है, चुनाव आयोग द्वारा शारीरिक चुनावी रैलियों की अनुमति देने की संभावना अधिक है, और फिर सभी की निगाहें मोदी पर होंगी। किसी भी चुनाव परिणाम की भविष्यवाणी करने से पहले मतदान के दिन तक प्रतीक्षा करें क्योंकि राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है।

धार्मिक मतभेदों के बावजूद राष्ट्रीय एकता

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं प्रख्यात स्तम्भकार हैं)

पिछले पखवाड़े मीडिया में कैपिटाल हिल पर हमले की काफी चर्चा हुई जब एक निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेट जो बाइडेन के पक्ष में चुनावी विजय को न स्वीकार कर एक प्रकार से विद्रोह के संकेत दिए थे। कुछ लेखकों ने सुझाव दिए थे कि अमेरिका के रिपब्लिकन बहुसंख्य लाल राज्य डेमोक्रेटिक बहुसंख्य नीले राज्यों से अलग होने की तैयारी कर रहे हैं। इसे उदारवादियों व कट्टरपंथी अमेरिकनों के बीच मतभेद की तरह भी देखा जा सकता है, पर यह कभी भी और किसी प्रकार इतना व्यापक नहीं था कि देश टूटने का कारण बन सके। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका में उत्तरी यांक और दक्षिणी कन्फेडरेट के बीच 1861 से 1865 तक चार साल भयानक गृहयुद्ध हुआ था।

अब्राहम लिंकन ने पूरे जोश से यांक का नेतृत्व कर विजय प्राप्त की थी तथा देश की एकजुटता बनाए रखी थी। इसी कारण उनको संयुक्त राज्य अमेरिका का महानतम राष्ट्रपति माना जाता है। लेकिन यह भी सच है कि पंद्रहवीं शताब्दी के बाद से अनियमित विस्थापन से बने संयुक्त राज्य अमेरिका में एकसूत्रता की भावना नहीं है। यहां यूरोपीय, जापानी, चीनी, कोरियाई, भारतीय, हिस्पैनिक, अरब व अन्य इस्लामी मूल वाले लोग हैं। अधिकांश भारतीय राजनीतिक रूप से अपना सिर नहीं उठाते हैं। अन्य राजनीतिक रूप से शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपना लक्ष्य आगे बढ़ाते रहते हैं। भारतीय मूल के नागरिक ब्रिटेन के क्रिकेट मैदानों में नस्ली आधार पर भारत की टीम का समर्थन करते हैं, जबकि उनके पास ब्रिटिश पासपोर्ट होता है। लेकिन यह एक इच्छित संकेत नहीं है क्योंकि इससे पता चलता है कि देश में एक एकसूत्रता नहीं है और उसके टूटने का खतरा बना हुआ है। हम इसी मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं।

लेकिन ज्यादा दूर जाने की क्या जरूरत? भारत में एक एकसूत्रता के साथ अनेक राजनीतिक भावनायें व्याप्त हैं। 1947 में धार्मिक आधार पर हुए विभाजन के बावजूद हमारे यहां अब भी ऐसे धार्मिक समूह हैं जिनका अंतिम लक्ष्य ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों के समान है। लेकिन अमेरिका व ब्रिटेन के उलट भारत में अनियमित विस्थापन जैसी स्थिति नहीं रही है। भारत की स्थिति इस मामले में एकदम अलग है। कोई इतिहासकार इसे एकसूत्रता की कमी कह सकता है जो हमेशा के लिए और सभी परिस्थितियों में राष्ट्रीय एकजुटता सुनिश्चित करती है। ऐसे समय आते हैं जब परिस्थितियां राष्ट्रीय हितों पर भारी पड़ती हैं। वास्तव में 18वीं शताब्दी के अंत से 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ तक राष्ट्रीय जागरण के नाम पर बहुत कुछ नहीं हुआ। उस समय यदि कोई विचारधारा थी तो वह धर्म या

भाषा आधारित थी। हालांकि, परिस्थितियों से अधिक संबंधित देशों में तत्कालीन नेताओं की गलतियों की ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उदाहरण के लिए फ्रांस पर गौर करें। सभ्यता के एक संकेत के रूप में पेरिस ने समुद्रपारीय साम्राज्य को मेट्रोपालिटन फ्रांस घोषित कर दिया था। इससे अल्जीरिया, मोरक्को, आदि फ्रांसीसी उपनिवेशों के लोग फ्रांस के शहरों और कस्बों में जाने लगे। आज इस यूरोपीय देश में जनसंख्या के दो महत्वपूर्ण हिस्से हैं, यूरोपीय और अफ्रीकन। सांस्कृतिक व धार्मिक रूप से बहुत अलग होने के कारण उनका एकसाथ सह-अस्तित्व बहुत कठिन है। दो विश्वयुद्धों में जर्मनी और तुर्की सहयोगी देश थे। जहां अनेक तुर्कों को समुचित रोजगार नहीं मिला था, वहीं जर्मनी सस्ते श्रमिक चाहता था। इस कारण बड़ी संख्या में तुर्क वहां पहुंचे और उन्होंने जर्मनी को अपना घर बना लिया, लेकिन बर्लिन ने जोर दिया कि वे वहां केवल खोजी कामगारों के रूप में बस सकते हैं, नागरिकों के रूप में नहीं। लेकिन इन अतिथि कामगारों के बच्चों का क्या हुआ? सीरिया में गृहयुद्ध छिड़ने के बाद देश में बड़ी संख्या में शरणार्थी आए जिससे एशियाइयों की संख्या और बढ़ गई। उनका स्वागत करने वालों में पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल भी थीं। ब्रिटेन ने भी द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यही गलती की जब उसको सस्ते श्रमिकों की जरूरत थी। वहां वेस्ट इंडीज़, भारत और पाकिस्तान से लोग पहुंचने लगे। अब वहां बहु-नस्ली राष्ट्रीय जीवन में सभ्यतापूर्ण रहने की समस्यायें सामने आ रही हैं। 17वीं और 18वीं शताब्दी में अमेरिका ने पश्चिम अफ्रीका से बड़े पैमाने पर गुलामों को अपने यहां बुलाया। जैसा कि हमने पहले उल्लेख किया है, गुलामी समाप्त करने की इच्छा रखने वाले उत्तरी राज्यों तथा इस बुराई और अमानवीय संस्थान को वैध जीवनशैली मानने वाले दक्षिणी राज्यों के बीच चार साल गृहयुद्ध चला था। लेकिन अमेरिकी नेताओं ने इससे कोई सबक नहीं सीखा और उन्होंने ज्यादा से ज्यादा बसने वालों को अनुमति देना जारी रखा। डेमोक्रेटिक पार्टी इन आप्रवासियों का समर्थन करती है, जबकि रिपब्लिकन मोटेतौर से संयुक्त राज्य अमेरिका का श्वेत या यूरोपीय चरित्र बनाए रखना चाहते हैं। इसी कारण वहां नीले बनाम लाल राज्यों में मतभेद पाए जाते हैं जिनका उल्लेख पहले किया जा चुका है।

लेकिन भारत इन देशों को सलाह देने वाला कौन है? उसने स्वयं भयानक गलती की है। विभाजन के समय और 1846-47 के पूरे कालखंड में मुस्लिम लीग ने जनसंख्या के हस्तांतरण की बात की थी क्योंकि पाकिस्तान को इस उप-महाद्वीप के सारे मुसलमानों के देश के रूप में पेश किया जा रहा था। स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद ने इस विषय पर 'इंडिया डिवाइडेड' नामक एक पुस्तक लिखी थी। इनमें उन लोगों के लिए एक सुझाव था जो देश छोड़ कर जाने में सफल नहीं हुए थे। वे यहां रह सकते थे, पर नागरिकों के रूप में नहीं। इसके बजाय उनके साथ आवासीय वीसा वाले विदेशियों जैसा व्यवहार होता और उनको कोई राजनीतिक अधिकार न मिलते। पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना ने डा. राजेन्द्र प्रसाद के विचारों से सहमति प्रकट की थी। लेकिन गांधीजी व जवाहरलाल नेहरू ने न केवल इस राजनीतिक समाधान का विरोध किया, बल्कि लाखों लोगों के साथ अन्याय भी किया। विख्यात पाकिस्तानी विद्वान सुश्री आयशा जलाल ने अपनी पुस्तक 'द सोल स्पोक्समैन' में सवाल उठाया, फिर विभाजन क्यों हुआ?

पंजाब व बंगाल के मुस्लिम बहुल प्रांत विभाजन नहीं चाहते थे, बल्कि मुख्यत: उत्तर प्रदेश व बंबई प्रेसीडेंसी के मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रांतों ने देश विभाजन व पाकिस्तान की अवधारणा को बढ़ावा दिया। लेकिन आखिरकार उनके अधिकांश अल्पसंख्यक भारत में बने रहे। इससे पैदा विभीषिका बाद में सबके सामने आई।

आप की बात

जीव-जंतुओं में कोरोना

इंसानों के बाद अब जीव जंतुओं की भी कोरोना संक्रमित होने की खबर आ रही है। कोरोना वायरस के ओमिक्रोन वेरिएंट के कारण बढ़ते संक्रमण के बीच हांगकांग में हैमस्टर (चूहे जैसे दिखने वाले जीव मगर अलग प्रजाति) कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। यहाँ के प्रशासन ने कोरोना संक्रमण की आशंका के चलते करीब दो हजार हैमस्टरों को मारने का फैसला किया है। प्रशासन के इस ऐलान के चलते जानवरों के लिए काम करने वाली संस्थाएं दी लोकल सोसायटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रूएलिटी टू एनिमल्स (एसपीसीए) डरी हुई हैं। उन्हें आशंका है कि कहीं लोग डरकर अपने पालतू जानवरों को छोड़ न दें। एसपीसीए ने कुछ तरीके भी बताए, जिनका पालन करके इंसानों और जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है इसमें जानवरों को न चूमना, उनके नजदीक ना छींकना, उन्हें छूने के बाद हाथ धोना जैसी सावधानियां शामिल हैं। ऑनलाइन याचिकाएं इस बीच हांग कांग में कई लोग प्रशासन से अपना फैसला बदलने की भी अपील कर रहे हैं। दुनियाभर के कई वैज्ञानिकों और हांग कांग के वेटनरी विशेषज्ञों का कहना है कि दुनियाभर मे पालतू जानवरों से इंसानों में संक्रमण फैलने का एक भी मामला साबित नहीं हुआ।

– **विभूति बुपक्या**, आष्टा, मप्र

समावेशी हो बजट

कौटिल्य अर्थशास्त्र में कहा गया है कि राज्य का सबसे महत्वपूर्ण अंग वित्त है अत: राजा को सबसे ज्यादा ध्यान अपने राजकोष देना चाहिए । कोविड-19 ने देश की अर्थव्यवस्था को बहुत बुरी तरह से प्रभावित किया है। बजट केवल गणित विषय नहीं है बल्कि व्यक्तियों की समृद्धि और वर्गों के संबंधों और साम्राज्य की शक्ति की जड़ तक पहुंचते हैं। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि सरकार उन विषयों पर अत्यधिक ध्यान दें जिससे हम इस महामारी से उत्पन्न प्रभाव से उभर सकें। बजट में सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योगों पर खास ध्यान दिया जाना चाहिए वैसे तो जीएसटी की दर जीएसटी परिषद के अधीन होती है लेकिन अगर हमें विनिर्माण क्षेत्र में आगे बढ़ना है और भारत को एक और औद्योगिक राष्ट्र बनाना है तो विनिर्माण के दरों में कमी करने की जरूरत है । विनिवेश की प्रक्रिया अविलंब पूरी की जानी चाहिए जिससे कि सरकार का उठाने का लक्ष्य शीघ्र पूरा हो सके ।कर की चोरी रोकने का एक साधारण उपाय हो सकता है कि प्रत्यक्ष करो कि दरों में कमी लाई जाए। डिजिटल इंडिया का सपना सपना साकार हो सके इसके लिए सरकार को चाहिए कि जिस तरह से गांव में इंटरनेट पहुंच चुका है उसी तरह गांव में ब्राडबैंड सुविधा भी पहुंचाई जाए।

– **मंगल सिंह**, आजमगढ़

संवेदनशीलता का परिचय दें

कोरोना काल मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए घोर आर्थिक संकट का समय है। सारी दुनिया इसकी चपेट में है और चहुंओर इससे बचने के लिए संघर्ष चल रहा है। लोगों की जीविकाए खत्म हुई है। जमीन और घर भी बिक गए है। बैंकों, बीमा की जमा पूंजी भी खत्म हो गई। जीवन को चलाने के लिए अत्यंत संकटों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों की शिक्षा भी पूरी तरह से प्रभावित हुई है। पृथ्वी में पर निर्भरता का जीवन इस तरह संकट में आ जाएगा किसी ने सोचा भी नहीं था। संपन्न वर्ग एवं सरकारें ऐसी आर्थिक नीतियां बनाएं कि सामान्य मध्यम वर्गों के जीवन में भी खुशहाली लाई जा सके। केंद्र और राज्यों के बजट का निर्माण का समय है। अच्छी लोक कल्याणकारी आर्थिक नीतियां बनाकर सरकारें आम जनता के जीवन को आत्म निर्भरता की पटरी पर ला सकती हैं। सरकारें व संपन्न वर्ग संवेदनशीलता का परिचय दें तो अच्छे दिन शीघ्र ही लाए जा सकते हैं। पृथ्वी में सभी को जीवन एक निश्चित समय के लिए मिला है। सभी कर्म योगी व सभ्य होने का परिचय दें।

– **प्रदीप गौतम**, रीवा, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

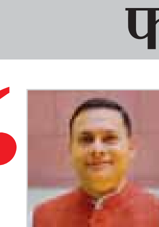

ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक के बीच रार छिड़ी हुई है। डायमंड हार्बर के पोस्टरों में ममता का चित्र नहीं है।

– **अमित मालवीय**
भाजपा नेता

राह दिखा रहा है युवा और युवा भारत! यह उत्साहवर्धक खबर है। आइए गति बनाए रखें। टीकाकरण और सभी कोविड संबंधित प्रोटोकॉल का पालन करना महत्वपूर्ण है।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

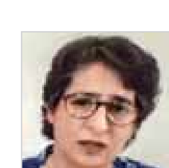

मैं भाजपा नेताओं से सहमत नहीं हूं। महिला शक्ति देश बदलने की क्षमता रखती है।

– **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

सपा को झटका, भाजपा के हुए पूर्व विधायक निर्मल

● बिसवां विधानसभा क्षेत्र से सपा से मांग रहे थे टिकट

संवाददाता। सीतापुर

समाजवादी पार्टी ने भाजपा के विधायक को पार्टी में मिलाया, जवाब में भारतीय जनता पार्टी ने सपा के पूर्व विधायक को पार्टी में शामिल कराया। पिछड़ी जाति के नेता किसके पाले में ज्यादा इसको लेकर भाजपा सपा में चल रही होड़ के बीच बिसवां से पूर्व विधायक निर्मल वर्मा को सपा से भाजपा में शामिल कराकर भाजपा ने संकेत दे दिया है कि बिसवां विधानसभा में वह किसे प्रत्याशी बनाएंगी। हालांकि शुरूआत समाजवादी पार्टी ने की थी, सीतापुर सदर से भाजपा विधायक राकेश राठौर को सपा में शामिल कर भाजपा को तगड़ा झटका दिया था। जैसे-जैसे प्रत्याशियों की घोषणा होने का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे नेताओं का दलबदल का सिलसिला तेज होता जा रहा है। बिसवां से भाजपा विधायक महेन्द्र यादव को लेकर पार्टी के अंदर ही विरोध के स्वर उठ रहे थे, इसी बीच एक अश्लील चैट वायरल हो गई, जिससे विरोधियों को और बल मिल गया। बिसवां से भाजपा विधायक महेन्द्र यादव और सीतापुर से सांसद राजेश वर्मा के बीच 36 के आंकड़े जगजाहिर है, बिसवां में किसी पिछड़ी जाति के मजबूत नेता की भाजपा को जरूरत थी। निर्मल वर्मा को लेकर शायद पार्टी ने वह कमी पूरी कर ली है। निर्मल वर्मा वर्ष 2007 में बसपा से बिसवां के विधायक रह चुके है। 2012 और 2017 में बसपा से फिर किस्मत आजमाई लेकिन हार का सामना करना पड़ा। बाद में बसपा प्रमुख मायावती ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। बिसवां में समाजवादी पार्टी से इस बार उनके प्रत्याशी बनने के चांस ज्यादा बन रहे थे, लेकिन अन्य दावेदार भी थे। ऐसे में उन्हें भी उस दल की जरूरत थी जहां से उनका टिकट पक्का हो जाए और भाजपा को भी उनकी जरूरत थी तो बुधवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय पर ज्वाइनिंग समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने पूर्व विधायक निर्मल वर्मा को भाजपा की सदस्यता दिला दी। इसके पीछे सांसद राजेश वर्मा का अहम रोल माना जा रहा है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव पहुंचे सीतापुर कार्यकर्ताओं के साथ की गहन मंत्रणा

संवाददाता। सीतापुर

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश प्रभारी सत्य नारायण पटेल पार्टी कार्यालय पहुंचे। यहाँ पर उन्होंने स्थानीय कांग्रेस के पदाधिकारियों से मुलाकात की और पार्टी प्रत्याशियों को जीत दिलाने के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की। राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश प्रभारी की सत्य नारायण पटेल ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों को जीत दिलाने के लिए सभी को जुटना होगा। पार्टी ने जिनको भी टिकट दिया है वह ही कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार है। इसलिए सभी एकजुट होकर घोषित उम्मीदवारों को लड़ाएं तथा सभी प्रत्याशियों की जीत को सुनिश्चित करें। जिला प्रभारी प्रदेश महासचिव सुबोध श्रीवास्तव ने कहा कि सभी लोग प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर घोषित प्रत्याशियों को पूरे जोर-शोर से चुनाव लड़ाएंगे और पार्टी को सभी सीटों पर विजय दिलाने का काम करेंगे। जिला अध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी ने आये हुए राष्ट्रीय एवं प्रदेश के पदाधिकारियों का स्वागत कियाऔर विश्वास दिलाया कि कांग्रेस का हर एक कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी से पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में जुटेगा और सकारात्मक परिणाम हासिल करेगा। बैठक के संबंध में जानकारी कांग्रेस जिला प्रवक्ता पुष्पेन्द्र सिंह चौहान ने दी। बैठक में जनपद के सह प्रभारी शाहनवाज मंगल, पूर्व जिला अध्यक्ष विनीत दीक्षित,शहर अध्यक्ष संतोष भार्गव, सदर विधानसभा प्रत्याशी शमीना शफीक, बिसवां विधानसभा प्रत्याशी अभिनव राजा भार्गव तथा अन्य कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मतदाताओं को एक माह में तय करना रहेगा कि उनका विधायक कौन होगा।

भाजपा और सपा प्रत्याशियों की सूची का है इंतजार ?

● भाजपा 20 से 21 जनवरी के बीच जारी कर सकती है प्रत्याशियों की सूची

● सपा भाजपा की सूची के बाद खोलेगी अपने पत्ते

संवाददाता। सीतापुर

पहले आप, पहले आप, आप ने यह कहावत तो सुनी होगी, लेकिन यह इन दिनों भाजपा और सपा के प्रत्याशी चयन पर चरितार्थ हो रही है, पहले आप, पहले आप में किसकी टेञ्न छूटेगी यह समय बताएगा। फिलहाल चतुर्थ चरण के तहत सीतापुर की नौ विधानसभा क्षेत्रों में 23 फरवरी को होने वाले मतदान को लेकर 27 जनवरी से नामांकन की शुरूआत होनी है, लेकिन अभी तक ना भाजपा ने ना सपा ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा की है। विडम्बना देखिए जिसे जनता 5 साल के लिए अपना जनप्रतिनिधि चुनेगी, उसके बारे में जानने का समय एक माह भी पार्टियां नहीं देगी। भाजपा के सूत्रों का कहना है कि पार्टी के प्रत्याशियों की घोषणा 20 से 21 जनवरी के बीच हो सकती है, इसको लेकर टिकट की चाहत रखने वाले लखनऊ से लेकर दिल्ली तक नेताओं की गणेश परिक्रमा कर रहे है। भाजपा ने जो 107 प्रत्याशियों की सूची जारी की, उसमें 20 सेटिंग विधायको के टिकट काट दिए और 21 नए चेहरों के साथ 10 महिलाओं को मौका दिया। इसके बाद से मौजूदा विधायको की धड़कने बढ़ गई। की टिकट कटने वालों में कहीं उनका नम्बर तो नहीं है, भाजपा से विधायको को चुनाव पूर्व बाहरी विरोधियों से नहीं बल्कि पार्टी के अंदर के विरोध से जूझना पड़ रहा है। कई ऐसे विधायक है जिनके विधानसभा क्षेत्र से एक दर्जन से लेकर तीन दर्जन की संख्या में टिकट के दावेदार है। भाजपा विधायको के लिए राहत की बात यह है कि कई भाजपा मंत्रियों और विधायको के पार्टी छोड़ देने से उनकी कद्र बढ़ गई है। उनमें विश्वास घर करने लगा है कि उनका टिकट इतनी आसानी से नहीं काटा जाएगा। लेकिन सीतापुर में विधानसभा की तीन ऐसी सीटे है जहां पार्टी को प्रत्याशी ढूंढ़ने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। यह विधानसभा क्षेत्र है सदर, सिधौली और महमूदाबाद। अब बात कर लेते है समाजवादी पार्टी की। चुनाव पूर्व ही सीतापुर में एक विधायक वाली सपा ने विधायको की संख्या तीन जरूर कर ली है। लेकिन गैरदलों से आए दो विधायको और एक पूर्व विधायक को लेकर पार्टी के अंदर मारामारी मची हुई है, ऐसे में समाजवादी पार्टी, भाजपा के प्रत्याशियों की सूची का इंतजार कर रही है कि भाजपा पहले अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दें ताकि सपा जब प्रत्याशियों की सूची जारी करें तो भगदड़ न मचे। सपा सूत्रों की माने तो 22 जनवरी के आसपास समाजवादी पार्टी अपने विधानसभा प्रत्याशियों की सूची जारी कर सकती है। समाजवादी पार्टी में भी तीन ऐसे विधानसभा क्षेत्र है जहां टिकट को लेकर सबसे ज्यादा मारामारी है। सदर, सिधौली और हरगांव में टिकट वितरण के बाद बवाल मचना तय माना जा रहा है। जब चुनाव भाजपा और सपा के बीच सिमटता जा रहा है तब सबकी निगाहे भी भाजपा और सपा के प्रत्याशियों पर लगी हुई है। यदि सपा और भाजपा ने अपने अपने पार्टी प्रत्याशियों की सूची 22 जनवरी के बाद जारी की तो मतदाता को सिर्फ एक माह में ही यह तय करना रहेगा कि उनका विधायक कौन होगा।

ट्रेन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

बरेली । रात के समय रेलवे लाइन पार कर रहा एक बुजुर्ग ट्रेन की चपेट में आ गया उसकी मौके पर ही मौत हो गई पुलिस ने लाश को अज्ञात के रूप में पोस्टमार्टम के लिए भेजा फरीदपुर थाना क्षेत्र के नई बस्ती और फर्रुखपुर के बीच बीती रात लगभग 12 बजे ट्रेन की चपेट में आने से एक 60 वर्षीय ग्रामीण की मौत हो गई बताया जाता है कि मृतक रात में रेलवे लाइन पार कर रहा था और मानसिक रूप से कमजोर था जिसके चलते वह ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई सुबह होने पर गांव के लोगों ने उसकी लाश को रेलवे लाइन पर देखा और पितांबरपुर रेलवे स्टेशन मास्टर को घटना की जानकारी दी जिसने जीआरपी को घटना की सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश की शिनाख्त कराने की कोशिश की लेकिन कोई भी उसकी शिनाख्त नहीं कर सका ।

ईवीएम और वीवी पैड मशीनों का प्रथम रैण्डमाइजेशन सम्पन्न

● उक्त रैण्डमाईजेशन के संबंध में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को इस कार्यालय के पत्र सं 116 दिनांक 13-12-22 के माध्यम से भी सूचित किया गया था

बरेली। उप जिला निर्वाचन अधिकारीध्अपर जिलाधिकारी ;प्रण्द्ध श्री वीण्केण् सिंह ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन.2022 के दृष्टिगत पूर्व कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 16 जनवरी 2022 को ईवीएम एवं वीण्वीण्पैड मशीनों का प्रथम रैण्डमाईजेशन कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। उक्त रैण्डमाईजेशन के संबंध में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को इस कार्यालय के पत्र संण् 116 दिनांक 13-12-22 के माध्यम से भी सूचित किया गया था। प्रथम रैण्डमाईजेशन के समय जिलाधिकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी समस्त रिटर्निंग आफिसरए जिला सूचना विज्ञान अधिकारी बन्दोवस्त अधिकारी चकबन्दी प्रभारी अधिकारी ईवीएम एवं विभिन्न राजनैतिक दल श्री आशू कुमार विक्रान्त सिंह पाल समाजवादी पार्टी श्री राजबाबू पटेल पंकज कुमार बहुजन समाज पार्टी श्री नीरेन्द्र सिंह राठौर भरतीय जनता पार्टी एवं श्री जुनेद हसन इण्डियन नेशनल कांग्रेस उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक दलों के उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा प्रथम रैण्डमाईजेशन के पश्चात विधानसभा वार आवंटित मशीनों की सूची पर उसके हस्ताक्षर भी लिए गए। उन्होंने कहा कि जिला सूचना विज्ञान अधिकारी द्वारा ईवीएम् एवं वीण्वीण्पैट मशीनों के रैण्डमाईजेशन के संबंध में राजनैतिक पार्टियों के उपस्थित प्रतिनिधियों को विस्तृत जानकारी दी गई।

ट्राली से नीचे गिरा युवक, मौत

● अचानक ट्राली का टायर फटा और गन्ना भरी ट्राली के ऊपर बैठा नीरज नीचे गिर गया

संवाददाता। पिपरिया धनी

पिपरिया धनी कस्बे से 100 मीटर की दूरी पर इलियास पुत्र मुंशीलाल अपना गन्ने से भरी ट्रैक्टर ट्राली राजगढ़ की ओर मंगलवार शाम लगभग 7 बजे ले जा रहा था ट्राली पर गांव के ही नीरज (20) पुत्र रामचंद्र बैठा हुआ था। ट्राली का टायर फटने से नीरज ट्राली के नीचे गिर गया जिससे नीरज को काफी चोटें आई इलियास ने तुरंत 108 डायल कर एंबुलेंस बुलाकर मोहम्मदी सीएसची भेजा जहां डॉक्टरों ने नीरज को मृत घोषित कर दिया।

नीरज के पिता रामचंद्र ने बताया की फ्रंड फिलिंग स्टेशन के पास इलियास पुत्र मुंशीलाल अपनी गन्ना भरी ट्रैक्टर ट्राली से राजगढ़ की तरफजा रहे थे कि अचानक उनकी ट्राली का टायर फटा और गन्ना भरी ट्राली के ऊपर बैठा उनका लड़का नीरज नीचे गिर गया जिससे वह गंभीर घायल हो गया इलियास ने तुरंत 108 नंबर एंबुलेंस सुविधा से मोहम्मदी सीएससी भिजवाया जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नीरज के पिता रामचंद्र ने बताया कि यह जानकारी मुझे फोन द्वारा मिली जिस समय घटना घटित हुई उस समय मैं घर पर था। सूचना मिलते ही मैं तत्काल मोहम्मदी सीएससी पहुंचा तो मुझे पता चला की नीरज मृत अवस्था में स्ट्रेचर पर लेटा हुआ है। पुलिस ने पंचनामा भरते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए लखीमपुर मुख्यालय भेज दिया है।

डीएम की समीक्षा के बाद महज दूसरी खुराक में 8 फीसदी बढ़ोतरी

संवाददाता । लखीमपुर-खीरी

कोविड वैक्सीन की पहली खुराक के सापेक्ष दूसरी खुराक के प्रतिशत में कमी को लेकर जिलाधिकारी द्वारा प्रतिशत को बढ़ाने के लिए समीक्षा का निर्देश दिए गए थे। सीएमओ डॉण् शैलेंद्र भटनागर के नेतृत्व में सभी एसीएमओ और डीपीएम अनिल कुमार यादव द्वारा समीक्षा की गई। जिसमें दूसरी खुराक लेने वाले व्यक्तियों की एंट्री पोर्टल पर ना होना पाया गया है जिसे अब लगातार फीड कराया जा रहा है। जिससे 5 दिनों में पहली खुराक में ढाई प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं दूसरी खुराक में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

डीपीएम अनिल कुमार यादव द्वारा बताया गया कि डीएम महेंद्र बहादुर सिंह द्वारा दिए गए आदेश के क्रम में सीएमओ डॉण् शैलेंद्र भटनागर द्वारा सभी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और डीपीएम यूनिट द्वारा सभी ब्लॉकों की समीक्षा की गई है। जिसमें यह सामने आया कि 15 जनवरी तक वैक्सीन की पहली खुराक का प्रतिशत 85 थाए जिसके सापेक्ष दूसरी खुराक का प्रतिशत महल 48ण्62 था। लगातार जिलाधिकारी द्वारा की जा रही मॉनिटरिंग के चलते स्वास्थ्य विभाग द्वारा 18 जनवरी तक पहली खुराक का प्रतिशत 85 से बढ़कर 87.33 हो गया है। वहीं दूसरी खुराक का प्रतिशत 48.62 से बढ़कर 56.68 हो गया है। 5 दिनों में लगातार की जा रही समीक्षा के क्रम में दूसरी खुराक को बढ़ाने में जिन सीएचसी का प्रतिशत टॉप थ्री में है उनमें निघासन का प्रतिशत 81.1, ईसानगर का प्रतिशत 51.8 व नकहा का प्रतिशत 88.5 हो गया है। सीडीओ अनिल कुमार सिंह द्वारा दिए गए आदेश के क्रम में महज एक दिन में 82601 लाभार्थियों की फीडिंग पोर्टल पर की गई है। इन लाभार्थियों को वैक्सीन की खुराक तो लग चुकी थी परंतु इनकी इनकी पोर्टल पर नहीं की गई थी। जिससे दूसरी खुराक का प्रतिशत बेहद कम दिखाई दे रहा था।

इसी के साथ लगातार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विजिट कर समीक्षा की जा रही है और छुटे हुए लाभार्थियों की संख्या को निकाल कर उन्हें फीड कराया जा रहा है।

जिलाधिकारी कार्यालय में बनी मतदाता जागरूकता वाल

कलेक्ट्रेट स्थित डीएम महेंद्र बहादुर सिंह के अपने दफ्तर में बुधवार को विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में वोटर अवेयरनेस कैंपेन के तहत मतदाता जागरूकता वॉल बनाई गईए जिसमें इलेक्शन आईकॉन एसपी सिंह द्वारा मतदाता जागरूकता वाले आकर्षक एवं जागरूकताप्रद पोस्टर लगाए गए। डीएम ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह इसी प्रकार अपने कार्यालयों में भी मतदाता जागरूकता वाले पोस्टर एवं फ्लेक्स लगवाएं।

अध्यक्ष व ईओ ने की टीका लगवाने की अपील

सिंगाही-खीरी। नगर पंचायत प्रशासन हुआ सक्रिय कोरोना संक्रमण को बढ़ता देखकर नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र ने सभी वार्डों में 14 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को आग्रह करते हुए वैक्सीन लगवाने के लिए कहा। इसके अलावा जिन लोगों ने कोविड-19 टीका नहीं लगवाए हैं वह लोग भी शीघ्र ही स्वास्थ्य केंद्र पर तथा नगर में लग रहे कैंपों में जाकर शीघ्र ही टीकाकरण करवा ले। अधिशासी अधिकारी ने कोविड-19 से बचने के लिए नगर पंचायत सिंगाही में अपनी टीम लगाकर वैक्सीनेशन करवाने के लिए प्रेरित किया

हर फील्ड से तैयार होंगे इलेक्शन आईकॉन

लखीमपुर। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह बताते हैं कि वह प्रत्येक फील्ड में उत्कृष्ट, बेहतर काम करने वालों को इलेक्शन आईकान बनाएंगे जो जिले का मतदाता प्रतिशत बढ़ाने में विशेष प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए उनकी हर क्षेत्र में पारंगत निपुण एवं विशेषज्ञों की तलाश जारी है। जिन्हें वह वोट इलेक्शन आईकॉन के रूप में चिन्हित करेंगे।

खीरी में मतदाता जागरूकता की अलख जगायेंगे एसपी

डीएम ने रवाना की जागरूकता बाइक

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में वोटर अवेयरनेस कैंपेन के तहत बुधवार को कलेक्ट्रेट से वोटर अवेयरनेस बाइक रवाना की। जो खीरी के गांव, गली व मोहल्लों में मतदाता जागरूकता का पैगाम देगी।

जिलेभर में मतदाता जागरूकता की अलख जगाने के लिए डीएम ने मतदाता संदेशों से युक्त बुलेट पर सवार इलेक्शन आईकॉन परिषदीय शिक्षक, एआरपी एसपी सिंह को रवाना किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं भी बाइक पर सवार होकर इलेक्शन आईकान का उत्साहवर्धन किया। इलेक्शन आईकॉन एसपी सिंह जिले के गांव, गली व मोहल्लों में जाकर ना केवल लोगों को मत के महत्व को समझाएंगे बल्कि खीरी में चतुर्थ चरण में 23 फरवरी को होने वाले मतदान के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करेंगे। इस दौरान वह वहां पढ़ने वाले मतदान स्थलों पर लोगों को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाएंगे। इस दौरान डिप्टी डीईओ/एडीएम संजय कुमार सिंह, प्रभारी अधिकारी स्वीप, डाइट प्राचार्य ओपी गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर रेनू, एडीईओ/डिप्टी कलेक्टर अनुराग सिंह व डीएम के ओएसडी रामकुमार मौजूद रहे।

वैक्सीनेशन की प्रगति को देखने खीरी पहुंचे सीडीओ

लखीमपुर खीरी। बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने भ्रमणशील रहकर खीरी टाउन समेत अन्य वैक्सीनेशन स्पॉट का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने टीकाकरण की प्रोग्रेस जानकर टीकाकरण टीमों का उत्साहवर्धन भी किया। बुधवार की दोपहर करीब एक बजे मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह नगर पंचायत खीरी टाउन पहुंचेए जहां स्वास्थ्य महकमे की वैक्सीनेशन टीमों के कामकाज की पड़ताल की। उन्होंने मौजूद अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत वीरेंद्र कुमार यादव को निर्देश दिए कि आज नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित वैक्सीनेशन कैंप में कम से कम 500 लोगों का वैक्सीनेशन हो। वहां वैक्सीनेशन कराने आए लोगों की मौजूदगी देखकर सीडीओ ने जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ आरपी दीक्षित को एक अतिरिक्त टीम लगाने के निर्देश दिए।

तस्करों ने फिर दिया गोवध की घटना को अंजाम

मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश करने में जुटी पुलिस

संवाददाता। बेहजम-खीरी

थाना नीमगांव की पुलिस चौकी सिकंद्राबाद क्षेत्र में रायपुर के पास आये दिन पुलिस को चकमा देकर प्रतिबंधित पशुओं का खेतों में वध कर दिया जाता है। कुछ दिनों से क्षेत्र में प्रतिबंधित पशुओं को बीती रात कुछ अज्ञात लोगों ने पुलिस चौकी सिकंद्राबाद क्षेत्र के गांव रायपुर व घुसी के बीच जाने बाले लिंक मार्ग पर ग्राम रायपुर निवासी किसान सुरेश मिश्रा के गन्ने के खेत में दो गोवंशीय पशुओं की हत्या कर गोकशी की घटना को अंजाम दिया व मौके से फरार हो गये।बुधवार की सुबह खेत देखने गया खेत मालिक का पुत्र अंकित मिश्रा जब खेत के पास पहुंचा तो उसने गन्ने के खेत से कुत्तो को निकलता देख कुछ संदेह हो गया जिस पर गन्ने के अंदर घुस गया। गन्ने के अंदर देख वह दंग रह गया। बताया जाता है गन्ने के खेत में दो गौवंशीय पशुओं का खून काफी मात्रा में पड़ा था तथा शव के अवशेष सहित दोनों पशुओं के सर कटे पड़े थे ।युवक फोन द्वारा चौकी पुलिस सहित नीमगांव कोतवाली पर सूचना कर दी ।इस बीच गौवंशीय पशुओं की हत्या की जानकारी होते ही हिन्दू युवा वाहिनी के पदाधिकारियो सहित अन्य हिन्दू संगठन के लोगों मौके पर एकत्रित हो गये।मौके पर मौजूद लोगों ने बताया है मौके पर पड़ा खून देख कर यह कहा सकता है कि बीती रात को ही गोकशी की घटना को कुछ लोगों ने गन्ने के खेत में अजाम दे फरार हो गये है। घटना की सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह व प्रभारी निरीक्षक नीमगांव राजकरन शर्मा सहित तमाम पुलिस बल मौके पर पहुंच गया तथा मौके का मुआयना करते हुए नीमगांव पुलिस ने बताया है घटना दो दिन पहले की लग रही है ग्रामीणों को जानकारी बाद में हो पायी है। यह कहते हुए घटना का खुलासा करने का मौजूद ग्रामीणों को आश्वासन दिया है और गन्ने के खेत मे मौजूद दो प्रतिबंधित पशुओं के सर सहित शव के अन्य अवशेषों को कब्जे में ले कर जांच के लिए भेजवा दिया है। ग्राम रायपुर निवासी चौकीदार की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर प्रभारी निरीक्षक नीमगांव आर के शर्मा ने नीमगांव पुलिस की कई टीमें गठित कर क्षेत्र में ताबड़तोड़ दबिश दे संदिग्ध लोगों की तलाश में जुटी हुई है। सूत्रों के अनुसार दो दिन पहले रायपुर सेहरू आ मार्ग पर गौ मांस और मोटरसाइकिल पुलिस ने बरामद किया था और कोई मुकदमा भी दर्ज नहीं हुआ जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। दूसरी घटना प्रकाश में आते ही नीमगांव पुलिस ने हरकत में आते हुए चौकीदार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कड़ाके की ठंड से हर कोई बेहाल

संवाददाता। चित्रकूट

सर्दी के मौसम में मौसम का मिजाज खासा सर्द होने से लोग बेहाल हैं। लगातार बढ रही गलन से मंगलवार व बुधवार को लोग खासे परेशान रहे। मंगलवार को सवेरे आसमान में कोहरा छाया रहा तो बुधवार को कोहरा तो नहीं पर गलन बरकरार रही। पारा लुढककर चार डिग्री सेल्सियस से भी कम पहुंच गया। टेऊन व बसों की रफ्तार धीमी रही। बुधवार को निर्धारित समय से काफी देर बाद सूरज के दर्शन हुए। सर्द हवाओं के चलते मंगलवार को दोपहर दो बजे तक सूर्य के दर्शन नहीं हुए। कुछ देर के लिए सूर्यदेव निकले तो सूर्यास्त के बाद हालत कपकपी के बन गये। जिले में मौसम का मिजाज खासा सर्द है। शीतलहर लोगों को कंपा रही है। गलन का हाल ये है कि लोग गर्म कपडे के बाद भी कांप रहे हैं। भीषण सर्दी में रोज कमाने-खाने वाले मजदूर काम करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। आसमान में धुंध छायी रही। सर्दी से बचने को लोगों ने घरों में अलाव तापते रहे। लोगों के सामने जीविकोपार्जन का संकट खडा हो गया है। सरैंया, मानिकपुर, बरगढ, मऊ, राजापुर, भरतकूप, खोही, शिवरामपुर, रामनगर के प्रतिनिधियों के अनुसार कडाके की ठंड में ज्यादातर लोग घरों में ही कैद रहे। गांव व कस्बों में बहुत कम जगह अलाव जलते मिले। इससे बाहर निकले लोग कांपते हुए गंतव्य को जाते दिखे।

कचहरी में अलाव जलवाने की मांग

चित्रकूट। एडवोकेट काउंसिल आफ इंडिया के चित्रकूट प्रभारी रामप्रकाश पाण्डेय एड ने बढती ठंड व कोहरे को देखते हुए जिलाधिकारी से भेंटकर अलाव जलवाने की मांग की है। बुधवार को एडवोकेट काउंसिल आफ इंडिया के चित्रकूट प्रभारी रामप्रकाश पाण्डेय एड ने जिला मुख्यालय में बढती ठंड के मद्देनजर कहा कि इन दिनों कडाके की ठंड व कोहरे से अधिवक्ताओं को कचहरी आने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। कुछ अधिवक्ता मोटरबाइक से कचहरी परिसर 30-35 किमी का सफर तय करके आते हैं। वादकारियों को भी मुकदमों के निस्तारण को दूर-दराज से आना पडता है। उन्होंने कहा कि मौसम का मिजाज खासा सर्द होने से कचहरी परिसर में अलाव की व्यवस्था नितान्त जरूरी है। जिलाधिकारी से भेंटकर कहा कि कचहरी परिसर में अलाव की व्यवस्था कराई जाये, ताकि वकीलों व वादकारियों को ठंड से बचाया जा सके। अधिवक्ता आनन्द मिश्रा ने वकीलों से अपील किया कि मौसम को देखते हुए मजबूत कपडों एवं हैण्डग्लैब्स का प्रयोग करें।

आईएफएस की अनदेखी कर जूनियर को बनाया डीएफओ

चित्रकूट। भारतीय जनता मजदूर टेऊ्ह यूनियन के जिलाध्यक्ष चन्द्रमोहन द्विवेदी ने सूबे के मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव व अपर मुख्य सचिव गृह को लिखे पत्र में कहा कि उप प्रभागीय वनाधिकारी आरके दीक्षित को अनियमित ढंग से प्रभागीय वनाधिकारी बनाने की जांच की जाये।

बुधवार को भारतीय जनता मजदूर टेऊ्ह यूनियन के जिलाध्यक्ष चन्द्रमोहन द्विवेदी ने सूबे के मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव व अपर मुख्य सचिव गृह को लिखे पत्र में कहा कि एसडीओ आरके दीक्षित की नियुक्ति सहायक वन संरक्षकों की सूची में क्रम संख्या 133 सीनियर्टी सूची पर है। चित्रकूटधाम वृत्त सर्किल के तहत इनसे कई सीनियर एसडीओ हैं। वन मंत्री एवं जन्तु उद्यान से मिलीभगत कर आरके दीक्षित ने अनैतिक ढंग से सीनियर आईएफएस कैलाश प्रकाश, जो आज भी शासन के आदेश से तैनात हैं। डीएफओ कैलाश प्रकाश को उपनिदेशक दुधवा राष्ट्रीय उद्यान पलिया लखीमपुर खीरी के पद का अतिरिक्त कार्यभार देते हुए निर्देश दिये हैं कि उनकी गैरहाजिरी में डीएफओ का कार्यभार एसडीओ आरके दीक्षित देखेंगे। उन्होंने बताया कि दीक्षित के प्रभाग में रहने पर एसडीओ को किसी तरह का कोई दायित्व नहीं रहेगा। पूर्व में जारी आदेश की अनदेखी करते हुए प्रमुख सचिव वन लखनऊ ने तीन दिसम्बर 2011 को सबसे जूनियर एसडीओ आरके दीक्षित को कैलाश प्रकाश आईएफएस की तैनाती चित्रकूट में होते हुए भी जूनियर एसडीओ को प्रशासनिक एवं वित्तीय चार्ज मनमानी ढंग से भ्रष्टाचार को बढावा देने को पद सौंप दिया है। सीनियर आईएसएफ की प्रभाग में तैनाती होते हुए भी प्रदेश के सबसे जूनियर एसडीओ को प्रशासनिक एवं वित्तीय चार्ज देना प्रमुख सचिव वन की सांठगांठ प्रतीत होती है।

क्विक न्यूज

बगल में बैठी यात्री महिला ने गहने कर लिये चोरी

मौदहा (हमीरपुर)। मौदहा से सरकारी बस द्वारा सुमेरपुर जा रही महिला के पर पर्स से सोने की बाली समेत नकदी किसी ने पार कर दिए। इस मामले में पीड़ित महिला ने बस में बगल में ही यात्रा कर रही महिला पर सामान चोरी करने का आरोप लगा पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस उक्त महिला को हिरासत में ले पूछताछ कर रही है। नगर के नेशनल रोड निवासी रिचा मंगलवार को बड़े चौराहे से सरकारी बस में बैठकर सुमेरपुर जा रही थी तभी अचानक उसे अपने बैग की चौन खुली होने पर उसने अपना बैग देखा तो उसमें रखी सोने की बाली व दो हजार रुपये गायब थे, उसने अगल बगल पूछताछ कर उसके बगल में यात्रा कर रही महिला पर सोने की बाली व रुपया चोरी करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने उक्त महिला को हिरासत में ले मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। नगर समेत क्षेत्र में महिलाओं की एक टीम टप्पे बाजी व भीड़ भाड़ वाले स्थानों में लोगों का माल साफकरने में सक्रिय है इसके पूर्व में भी ऐसे कई मामले पुलिस तक पहुंच चुके हैं।

ई-श्रम कार्ड बनबाने गयी युवती गायब, पुलिस से शिकायत

कुरारा (हमीरपुर)। कुरारा थाना क्षेत्र के झलोखर गांव निवासी ने पुत्री गायब होने की रिपोर्ट पुलिस ने दर्ज की है। क्षेत्र के झलोखर गांव निवासी मुखिया प्रजापति ने थाने में तहरीर देकर बताया कि 30 दिसम्बर 21 को मेरी पुत्री राधा 18 वर्ष घर से कुरारा ई श्रम कार्ड बनवाने जाने की बात कहकर गयी थी। जिसको बैंक के पास मेरे भतीजे ने देखा था। लेकिन शाम तक वह घर वापस नहीं आयी तो उसकी सभी रिश्तेदारी में खोजबीन की लेकिन उसका कोई पता नहीं चल रहा है। वही पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर गुम शुदगी का मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस ने गांजा के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा

कुरारा (हमीरपुर)। कुरारा थाना क्षेत्र के झलोखर गांवनिवासी ग्रामीण को थाना पुलिस ने अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया है। वही आरोपी का चालान कर जेल भेज दिया गया है। क्षेत्र के झलोखर गांवनिवासी रतीराम पुत्र रामआसरे को उपनिरीक्षक धनंजय कुमार ने गश्त के दौरान अवैध रूप से झोला में गांजा लेकर बिक्री के लिए ले जा रहा था। उसको गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने उसके पास से एक किलो दो सौ पचास ग्राम गांजा बरामद कर अवैध रूप से मादक पदार्थ रखने के मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाहीं की गई है। वही आज चालान कर जेल भेज दिया गया है। थाना क्षेत्र के बचरौली गांव बच्ची से छेड़खानी करने के आरोपी लाला उर्फतेजप्रताप को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गौ सरंक्षण केंद्रों में खुरपका रोग से गौवंश की हालत खस्ता

मौदहा (हमीरपुर)। मौदहा क्षेत्र में लगातार कई दिन तक बारिस होने की वजह से अधिकांश गौ संरक्षण केंद्रों में खुरपका रोग से बड़ी संख्या में यहां बंद मवेशी चलने फिरने लायक नहीं बचे संबंधित गांव प्रधानों को कहना है कि इनमें से खुर पका की बीमारी फैल गई जिससे इनका चलना फिरना दूभर हो रहा है और गाय कमजोर हो रही है और चारा भी नही खा रही हैं इस सम्बंध में छानी गौशाला में तैनात चौकीदार बलबीर ने बताया कि बारिश के बाद से ही मवेशियों में यह बीमारी हो रही है और वह चल तक नही पा रहे है। वही ग्राम प्रधान राकेश पाल ने बताया कि इसकी सूचना पशु चिकित्सा अधिकारियों को दी जा चुकी है पर वह अभी तक नही आ पाए। इसी तरह चांदी कला गांव स्थित गांव संरक्षण केंद्र में बंद गोवंश में खुरपका की बीमारी बुरी तरह फैल गई थी पशु चिकित्सक को बुलाकर दवा भी कराई गई जिससे कुछ आराम भी मिला है इन गांव के अलावा अन्य स्थानों पर जहां गौ संरक्षण केंद्रों में खड़ंजा अच्छी व्यवस्था नहीं है और उनमें बारिश के समय पर बड़े पैमाने पर कीचड़ होने पर यह बीमारी घर कर गई।

बाइक सवारों ने सड़क पर सब्जी बेच रहे किशोर के साथ की अभद्रता

राठ (हमीरपुर)। राठ कस्बे के रामलीला मैदान में सब्जी बेच रहे किशोर के द्वारा आवारा सांड को भगाने पर सांड एक बाइक से टकरा गया। जिससे आक्रोशित होकर बाइक पर सवार दो युवक ने सब्जी बेच रहे किशोर के साथ गाली गलौच करते हुए अभद्रता कर दी। शोर शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने बाइक सवारों को वहां से भगाया।रामलीला मैदान में सब्जी बेच रहे किशोर कार्तिक ने बताया कि बुधवार को एक आवारा सांड अचानक उसकी सब्जियों में मुंह मारकर उन्हें खाने लगा। तभी उसने सांड को वहां से भगाया। जिसके बाद हड़बड़ाहट में भाग रहा सांड एक चलती बाइक से टकरा गया। जिससे बाइक पर सवार दो युवक उसके साथ गाली गलौच करते हुए उससे अभद्रता करने लगे। जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बाइक सवार युवकों को वहां से भगाकर मामला शांत कराया।

ठंड से युवक की मौत

राठ (हमीरपुर) । कस्बे के गायत्री नगर पठानपुरा मोहल्ले में एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत पर परिजनों का रो रोककर बुरा हाल है। मोहाल के मनकचंद्र गुप्ता पुत्र विश्वनाथ गुप्ता बुधवार की सुबह 8 बजे नहाकर आया था। उसी दौरान उसके सीने दर्द होने से हालत बिगड़ गई। परिजन इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने उसे मेडिकल कालेज झांसी रेफर कर दिया है। जहां बरुआ सागर के उसने दम तोड़ दिया है। मृतक के बड़े भाई जगदीश उर्फबबलू ने बताया कि उसका छोटा भाई हलवाई का काम करके परिवार का भरण पोषण करता था। बताया उसकी छोटी बहू संध्या की 28 दिसंबर 21 को बीमारी के चलते मौत हो गई थी। बताया कि उसका भाई अपने पीछे दो पुत्री खुशी, मांडवी छोड़ गया है। युवक की मौत पर परिजनों का रो रोककर बुरा हाल है।

नीति आयोग की सहयोगी पिरामल करा रही टीकाकरण

चित्रकूट। नीति आयोग की सहयोगी संस्था पिरामल स्वास्थ्य के प्रतिनिधि के सहयोग से कामतानाथ परिक्रमा स्थल पर कोरोना वैक्सीनेशन कराया जा रहा है। बुधवार को पिरामल स्वास्थ्य के प्रतिनिधि डीपीएल विमल कुमार ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति स्थायी या अस्थायी रुप से परिक्रमा स्थल पर कार्यरत है। प्रत्येक से पूंछकर जिनका टीकाकरण नहीं हुआ, उन्हें प्रेरित कर टीकाकरण करने वाली टीम उनका टीकाकरण कर रही है। मन्दिर परिसर के साधु, कर्मचारी, बैठने वाले भिखारी, बाबाजी, ठेलिया दुकानदार तथा अन्य सभी दुकानदारों का टीकाकरण कराया गया। उन्होंने बताया कि रामघाट में 45 लोगों का व कामतानाथ परिक्रमा स्थल में 43 लोगों का टीकाकरण कराया गया। टीकाकरण का विशेष अभियान जारी है।

उत्कृष्ट युवा मंडल 29 तक करें आवेदन

उरई (जालौन)। नेहरू युवा केन्द्र रवि दीक्षित ने बताया कि नेहरू युवा केंद्र द्वारा पंजीकृत तथा सक्रिय युवा मंडलों से वर्ष 2020-21 हेतु उत्कृष्ट युवा मंडल हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं जिसकी अंतिम तिथि 29 जनवरी 2022 है इच्छुक तथा पंजीकृत युवा मंडल 29 जनवरी तक अपने आवेदन नेहरू युवा केंद्र कार्यालय में जमा कर सकते हैं जिला स्तरीय कमेटी सभी आवेदनों की जांच कर उत्कृष्ट युवा मंडल का चयन करेगी जिला स्तर पर उत्कृष्ट युवा मंडल को प्रथम पुरस्कार हेतु 25 हजार की राशि निर्धारित की गई है जो कि युवा मंडल के खाते में दी जाएगी इस संबंध में अन्य जानकारी हेतु कार्यालय जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केंद्र जालौन में संपर्क किया जा सकता है।

1291 लाइसेंसी शस्त्रों में से 901 ही हुए अब तक जमा

कोंच (जालौन)। आसन्न विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने व शस्त्रों का सत्यापन करने के लिए लाइसेंस धारकों से अपने शस्त्र कोतवाली में जमा कराने पर प्रशासन ने जोर दिया है। कोतवाल बलिराज शाही ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि जिन लोगों के शस्त्र जमा नहीं होंगे उनके लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि अभी तक सत्तर फीसदी ही असलहे जमा हुए हैं, जो बचे हैं वे भी तत्काल जमा कराएं। कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र में प्रचलित शस्त्र लाइसेंस धारकों से उनके असलहे प्राथमिकता से जमा कराने में जुटी है। इसके लिए सभी चौकी प्रभारियों, थानेदारों और बीट सिपाहियों को लगाया गया है जो शस्त्र धारकों के घर घर जाकर उनके हथियार जमा करा रहे हैं। बुधवार को उन लाइसेंस धारकों जिनके शस्त्र अभी तक जमा नहीं हुए हैं, को नोटिस जारी कर शीघ्र ही शस्त्र जमा करने की चेतावनी दी गई है। कोतवाल बलिराज शाही ने कोतवाली में पत्रकार वार्ता करते हुए बताया कि कोतवाली क्षेत्र में कुल 1291 शस्त्र लाइसेंस धारक हैं जिनमें से 901 शस्त्र अभी तक जमा हो चुके हैं। चूंकि पंचायत चुनाव में सभी शस्त्रों का सत्यापन नहीं हो पाया था लिहाजा जिनके असलहे जमा नहीं हुए हैं वे भी तत्काल जमा कर दें ताकि उनके सत्यापन की प्रक्रिया पूरी हो सके। अगर किसी को जमा करने से छूट चाहिए है तो वह वैध कारण बताते हुए स्क्रीनिंग कमेटी को आवेदन देकर छूट प्राप्त करें या कोतवाली में शीघ्र ही जमा कराए। अन्यथा की स्थिति में उनके शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

समाजसेवी युवाओं ने झुग्गी बस्तियों में बांटे गर्म ऊनी कपड़े

कोंच (जालौन)। लगातार नीचे गिर रहे पारे में सर्द हवाओं के बीच गलन भरी सर्दी से आम जनमानस ठिठुरता नजर आ रहा है।बीते कई दिनों से पूरे पूरे दिन सूर्य भगवान के दर्शन न होने से झुग्गी बस्तियों में रहने वाले गरीब मजदूर वर्ग के लोगों को सर्वाधिक परेशान होना पड़ रहा है।ऐसे गरीब वर्ग के लोगों को सर्दी से बचाने के लिए समाजसेवी युवाओं ने आगे आकर एक नेक काम किया है।बुधवार को युवा समाजसेवी सौरभ पुरवार, आकाश अग्रवाल, अमन सक्सेना, विकास पटेल आदि ने नगर के इंडस्ट्रियल एरिया, पंचानन चौराहा, क्रय विक्रय समिति के समीप झुग्गी झोपड़ी बनाकर रहने वाले दर्जनों की संख्या में बच्चों व महिलाओं से लेकर बड़े बूढ़ों को उनकी आवश्यक के अनुरूप गर्म व ऊनी कपड़े बांटे।सर्दी से ठिठुर रहे गरीब वर्ग के लोगों ने गर्म कपड़े पाकर राहत महसूस की।सौरभ पुरवार ने बताया कि गर्म व ऊनी कपड़े मुहल्ले से एकत्रित किये गये हैं।

चेयरमैन समेत सभी आरोपियों को हाईकोर्ट से मिल गई जमानत

मौदहा (हमीरपुर)। नगर पालिका परिषद के चेयरमैन समेत आधा दर्जन से अधिक जिम्मेदारों के खिलाफ लाखों रुपया का गबन करने का मामला दर्ज होते ही चेयरमैन भूमिगत हो इस मामले को अपने को पाक साफ साबित करने के लिए प्रयासरत थे, जबकि मामला दर्ज कराने वाले सभासद मुख्यालय में अनशन कर चेयरमैन की गिरफ्तारी की मांग करते रहे हैं फ्लिहाल हाईकोर्ट से उक्त मामले में चेयरमैन सहित सभी आरोपियों को जमानत मिलने से सभी ने राहत की सांस ली है।

नगर पालिका परिषद में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर नगर के सभासदों ने चेयरमैन राम किशोर, अधिशासी अधिकारी, अवर अभियंता व ठेकेदारों समेत आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ नगर पालिका परिषद के विकास कार्यों में लाखों रुपया गबन करने का आरोप लगा जिलाधिकारी से शिकायत की थी। इस मामले में जांच टीम द्वारा शिकायत की जांच करने के बाद कोतवाली मौदहा में चेयरमैन समेत आधा दर्जन से अधिक जिम्मेदारों के खिलाफ लाखों रुपया गबन कर बंदरबांट करने का मामला दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होते ही चेयरमैन सहित सभी आरोपियों में हड़कंप मच गया। मुकदमा दर्ज होते ही चेयरमैन भी भूमिगत होकर इस समस्या को सुलझाने के लिए लगातार इधर-उधर प्रयास में लगे हुए थे जबकि मुकदमा दर्ज कराने वाले वादी सभासद गण चेयरमैन के खिलाफ कार्रवाई ना होते देख मुख्यालय में धरना प्रदर्शन कर चेयरमैन व अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग भी करते रहे, जहां उन्हें अधिकारियों द्वारा उन्हें इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई होने का आश्वासन भी दिया गया था। इधर हाईकोर्ट ने चेयरमैन समेत सभी आरोपियों को इस मामले में जमानत देते हुए देश से बाहर ना जाने की हिदायत दी है। फ्लिहाल कई महीनों से भूमिगत चल रहे चेयरमैन जल्द ही नगर पालिका या जनता के सामने प्रकट हो सकते हैं वही चेयरमैन को जमानत इस मामले में जमानत मिल जाने से उनके समर्थकों में अच्छा खासा उत्साह देखा जा सकता है।

कुकर्म के आरोप में दस साल कठोर कारावास की सजा व पचास हजार रुपये का अर्थदंड

हमीरपुर। मुस्करा थानाक्षेत्र के एक गांव में साढ़े तीन वर्ष पूर्व एक 12 वर्षीय बालक के साथ हुए कुकर्म के मामले में अदालत ने आरोपित को दस वर्ष का कठोर कारावास व 50 हजार रुपये का अर्थदंड सुनाया है। यह धनराशि पीड़ित को दिलाए जाने के आदेश दिए है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अवध नरेश सिंह चंदेल ने बताया कि 23 अगस्त 2018 को मुस्करा थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी 12 वर्षीय बालक गांव के ही बालेंद्र पुत्र महेंद्र के खेत में काम करने गया था। तभी शाम 5रू30 बजे बालेंद्र ने बालक को अपने नलकूप के अंदर बुलाया। जिसके बाद उसे निर्वस्त्र कर उसके साथ कुकर्म किया। वह चिल्लाया लेकिन उसकी आवाज किसी ने नही सुनी। घटना को अंजाम दे बालेंद्र मौके से भाग निकला। पीड़ित ने घटना की जानकारी स्वजन को दी। जिस पर पीड़ित के चाचा ने घटना के दूसरे दिन मुस्करा थाने में बालेंद्र के खिलाफ कुकर्म व चार पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया। मामले की सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट नीरज कुमार महाजन ने बालेंद्र को पीड़ित के साथ कुकर्म का दोषी मान दस वर्ष का कारावास व 50 हजार रुपये का जुर्माना सुनाया है। वहीं जुर्माने की धनराशि पीड़ित को दिलाने के आदेश दिए है।

पुलिस ने आठ कुंटतल गांजे के साथ दो को किया गिरफ्तार

हमीरपुर। बिवार क्षेत्र मे आज पुलिस ने आठ कुंटल गांजा के साथ दो अभियुक्तो को गिरफ्तार कर लिया है जिसकी कीमत 80 लाख रुपये बतायी गयी है।

पुलिस अधीक्षक केंके दीक्षित ने बताया कि 14 जनवरी को चालीस बोरियों में आठ कुंतल गांजा छत्तीसगढ़ से लोड करके प्रदेश के अंदर लाया गया था। बोरियों को लोहे के चूरा में छिपाकर रखा गया था। लोहे के चूरा को लखनऊ खाली करना था, जबकि गांजा की डिलेवरी तस्करों द्वारा महोबा में किसी फरीद भाई नाम के शख्स को दी जानी थी। एसपी ने बताया कि इस मादक पदार्थ की तस्करी की सूचना मिलने पर आज बिवांर पुलिस ने बिवांर-मुस्करा होते हुए मुस्करा की ओर जाने वाले इस ट्रक को मौदहा तिराहे के पास जैसे ही रोका। वैसे ही ट्रक सवार दो युवकों ने भागने की कोशिश की, जिन्हें पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में ट्रक चालक दानिश खान निवासी ग्राम नरायच और रईस खान निवासी मदारपुर थाना मौदहा ने बताया कि ट्रक में लदे आठ कुंतल गांजा की सप्लाई महोबा निवासी फरीद भाई को करनी थी। एसपी ने बताया कि शीबू खान नाम का शख्स कुछ समय से रायपुर में रहकर मादक पदार्थों के धंधे में लिप्त है। इसके अलावा उसके साथी फरीद भाई, हारुन निवासी मदारपुर और आरिफ निवासी ग्राम नरायच की भी तलाश की जा रही है। आरिफ और हारुन ट्रक की निकासी में लगे हुए थे, जो ट्रक पकड़े जाने के बाद फरार हो गए। एसपी ने बताया कि बरामद गांजे की कीमत करीब अस्सी लाख रुपए है। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को पच्चीस हजार रुपये का इनाम दिया है।

विभिन्न मुकदमों में वांछित 50 हजार का इनामिया अभियुक्त को एसटीएफ ने गिरफ्तार

राठ (हमीरपुर)। राठ कोतवाली क्षेत्र के बसेला स्टैंड के पास आज प्रयागराज एसटीएफकी टीम ने विभिन्न मुकदमों में वांछित चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। एसटीएफने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करके कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया है। जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने सरकारी अस्पताल में अभियुक्त का मेडिकल परीक्षण कराकर उसे जेल भेज दिया। कोतवाल आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि महोबा जनपद के बफरेता गांव निवासी नरेन्द्र पाल पुत्र शंकरपाल को एसटीएफप्रयागराज की टीम ने कोतवाली क्षेत्र के बसेला स्टैंड से गिरफ्तार किया है। बताया कि, गिरफ्तार अभियुक्त पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। जो कि विभिन्न आपराधिक घटनाओं में भी शामिल था। बताया कि अभियुक्त नरेन्द्र पाल का सरकारी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराकर उसे जेल भेज दिया गया है।

विधानसभा चुनाव को निर्वाचन आयोग की मंशानुरूप निष्पक्ष सपन्न कराने में जुटें अधिकारीः शुभ्रांत कुमार

● जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव में लगे अधिकारियों को दिए अवश्य दिशा-निर्देश

चित्रकूट। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल, निष्पक्ष सुचारू रूप से, शन्तिपूर्वक निर्विघ्न तथा निष्पक्ष रूप से सम्पादित कराने के लिए जिला निर्वाचन शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में नोडल/सहायक नोडल अधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त नोडल अधिकारियों एवं सहायक नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो उन्हें दायित्व सौंपा गया है, समय से अपने कार्यो का सम्पादन कर निर्वाचन को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न करायें।

बुधवार को डीएम ने निर्देश दिया कि मतदान/मतगणना कार्मिक की नियुक्ति तथा उनकी रवानगी, माइक्रोआब्जर्वर, मतगणना कार्मिकों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण प्रदान करना एवं उक्त कार्मिकों का रेण्डमाइजेशन एवं उनके पहचान-पत्र से सम्बन्धित कार्य ससमय पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। मतदाता जागरूकता अभियान के लिए सुनियोजित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) एवं ईएलसी से सम्बन्धित भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुरूप समस्त कार्यवाही ससमय पूर्ण कराना एवं नियत प्रारूपों पर सूचनाओं को पूर्ण कराना एवं नियत प्रारूपों पर सूचनाओं के प्रेषण से सम्बन्धित समस्त कार्य नामित नोडल अधिकारियों/सहायक नोडल अधिकारियों द्वारा समय से सुनिश्चित किया जाए।

सुंदरीकरण के लिए ईओ ने जिला अस्पताल के बाहर से हटवाया अतिक्रमण

चित्रकूट। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल के निर्देशानुसार जिला अस्पताल के बाहर सुंदरीकरण करने के निर्देश पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका चित्रकूट धाम कर्वी रामअचल कुरील ने बुधवार को अतिक्रमण हटाकर सराहनीय कदम बढ़ाया है। बुधवार को ईओ रामअचल कुरील ने निर्देश पर अस्पताल के बाहर झुग्गी झोपड़ी को दुकानदारों ने स्वयं हटा लिया और जो स्थाई अतिक्रमण था उसे जेसीबी लगाकर हटाया गया। अधिशासी अधिकारी रामअचल कुरील ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार 14लाख इसके सौंदर्यीकरण के लिए पास हुआ है। इससे पूरे कच्चे स्थान पर इंटरलॉकिंग की जाएगी और सुंदरता के लिए वृक्षारोपण किया जाएगा। इसी कार्य के लिए आज अतिक्रमण हटाया गया अतिक्रमण हटाने में अवर अभियंता अमित सिंह, रवि ज्ञानेंद्र, ठेकेदार प्रभाकर पांडे, राजेंद्र राम, अंकित जयसवाल, सफाई नायक दुलीचंद एवं समाजसेवी शंकर यादव, सभासद सुशील श्रीवास्तव उर्फ नेताजी आदि मौजूद रहे।

31 जनवरी तक हर हाल में हो शत-प्रतिशत वैक्सीनेशनः डीएम

वैक्सीनेशन का निरीक्षण करते डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल।

चित्रकूट। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने मऊ ब्लाक के ताडी, बियावल व काशीनाथ के पुरवा का औचक मुआयना कर वैक्सीनेशन का जायजा लिया। प्रधानों से कहा कि कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए अपने गांव में ज्यादा से ज्यादा वैक्सीनेशन करायें। बाहर रहने वालों के परिजनों से जानकारी कर वैक्सीनेशन करायें। बुधवार को जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने गांव का मुआयना कर कहा कि वैक्सीन लगवाने से जो मना कर रहे हैं, उन्हें भी प्रेरित करके वैक्सीन लगवायें। ग्रामीणों से अपील किया कि साठ वर्ष से ऊपर के लोगों का शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन करायें। जिनके घरों में 15 से 18 वर्ष के बच्चे-बच्चियां हैं। उनका भी वैक्सीनेशन करायें। प्रथम डोज लगने के बाद 84 दिन पूरे होने पर सेकेण्ड डोज लगवायें। सरकार का लक्ष्य है कि 31 जनवरी तक शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन हो जाये। उन्होंने एएनएम व आशा, आंगनबाडी कार्यकत्रियों तथा पंचायत सहायकों से कहा कि वैक्सीनेटर को लेकर घर-घर जाकर वैक्सीनेशन करायें। कोई भी व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए। डीएम ने एसडीएम व बीडीओ को निर्देश दिये कि टीमों के साथ लेखपाल व सचिव को भी घर-घर जाकर वैक्सीनेशन के कार्य में लगायें।

पुलिस के सघन चेकिंग अभियान में कार से 12 लाख की नकदी मिली

संवाददाता। जालौन (उरई)

विधानसभा चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने व पैसों के दुरुपयोग रोकने के लिए पुलिस सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को चेकिंग के दौरान कार से 12 लाख रूपए बरामद हुए। रुपए के बारें में जानकारी मिलने पर उसे छोड़ दिया है।

चुनाव को शान्तिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न करने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। अपराधियों की धरपकड़ रोकने व पैसों के चुनाव में दुरूपयोग रोकने के लिए प्रयासरत रह। कोतवाली पुलिस लगातार देवनगर चौराहे व कोंच चौराहे पर वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है। बुधवार की सुबह सी ओ संतोष कुमार, कोतवाली प्रभारी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में कोतवाली व चौकी पुलिस की संयुक्त टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान देवनगर चौराहे पर एक बुलेरो कार से 12 लाख रूपए बरामद हुई। पुलिस ने कैस के साथ मौजूद आकाश व संजीव कुमार से पैसों के बारे में पूछताछ की जिस पर बताया गया है यह पैसा एलआईसी का है तथा वह बैंक में जमा करने जा रहे हैं। एलआईसी के शाखा प्रबंधक की पुष्टि के बाद पुलिस ने पैसा जाने दिया। पुलिस की इस कार्रवाई पैसा लेकर चलने वालों में सतर्कता बढ़ गयी है। इस मौके पर चौकी प्रभारी रामजी दुबे, महिला चौकी प्रभारी नीलम सिंह समेत पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

बीस लीटर कच्ची शराब सहित युवक गिरफ्तार

जालौन (उरई)। उप निरीक्षक अनिल कुमार ने दहगंवा से संदिग्ध अवस्था में घूम रहे दलालनपुरा निवासी संदीप कुमार को गिरफ्तार किया है जिसके पास से 20 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई है। युवक के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

वैक्सीनेशन सेंटरों का संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण

जालौन (उरई)। नगर में चल रहे वैक्सीनेशन सेंटरों का संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया तथा सफाई कर्मचारियों को बूस्टर डोज लगायी गयी। जिलाधिकारी द्वारा गठित टीम के सदस्य ईओ डीडी सिंह, नायब तहसीलदार आलोक कटिहार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डां सहन विहारी गुप्ता की टीम ने बुधवार को नगर में चल रहे वैक्सीनेशन सेंटरों का निरीक्षण किया। छत्रसाल इंटर कालेज, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरीपुरा में चल रहे में चल रहे किशोर के वैक्सीनेशन कार्यक्रम को गति देने के निर्देश दिए। टीम ने वैक्सीनेशन सेंटर के आसपास के क्षेत्र में घूम घूम कर लोगों को कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन लगवाने की अपील की तथा बुजुर्ग को वैक्सीनेशन कराने के सेंटर पर पहुंचाया गया है। बुधवार को नगर पालिका परिषद में शिविर लगाकर फ्रंट लाइन वर्कर सफाई कर्मचारियों को वैक्सीन लगवायी। इस मौके पर सफाई निरीक्षक देवेंद्र सिंह, चन्दन यादव आदि लोगों ने सहयोग किया।

पोलिंग पार्टियों के रवाना स्थल का एडीएम ने किया निरीक्षण

● हाइवे स्थित नवीन गल्ला मंडी से तीनों विधानसभा क्षेत्रों की चुनावी गतिविधियां होंगी संचालित

उरई (जालौन)। बुधवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी पूनम निगम ने नवीन गल्ला मंडी स्थल पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जनपद की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान के लिए 19 फरवरी को नवीन गल्ला मंडी से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सकुशल निष्पक्ष शांतिपूर्ण पारदर्शी ढंग से मतदान को संपन्न कराए जाने में सभी अधिकारीगण अपना अपेक्षित सहयोग प्रदान करें। निर्वाचन के इस अति महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि पोलिंग पार्टी लगाने की स्थल पर कोविड-19 प्रोटोकॉल का भी पालन कराया जाएगा इसके लिए कोविड-19 हेल्पडेस्क भी स्थापित की जाएगी। मंडी सचिव मंडी में भ्रमण कर शौचालय पानी विद्युत प्रकाश आदि की व्यवस्था चेक कर लें। उन्होंने मंडी समिति में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोलिंग पार्टियों की रवानगी के लिए लगाई जाने वाली टेबल वाहनों के रूट आज की स्थिति को एक बार चेक कर लिया जाए।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पोलिंग पार्टियों की रवानगी एवं मतदान के उपरांत ईवीएम सहित अन्य सामान जमा करने हेतु एक ही स्थान चिन्हित किया जाए। इससे पोलिंग पार्टियों को ईवीएम अन्य सामान जमा करने में किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न ना हो। पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल पर सघन एवं मजबूत बैरिकेडिंग की जाए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

चार वर्षों से जमे ग्राम विकास व ग्राम पंचायत अधिकारियों की शिकायत

कदौरा (जालौन)। थाना क्षेत्र के ग्राम रैला निवासी सपा के पूर्व जिला सचिव रमेश चन्द्र यादव ने बुधवार मुख्य निर्वाचन आयोग को भेजे गए पत्र में अवगत कराया कि कदौरा ब्लॉक कार्यालय में 4-4 वर्षों से ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारी जमे हुए हैं। और उनके पास सजातीय प्रधानों के गांव है और उन्ही गांव में उनके रिश्तेदारी है। उक्त अधिकारी सत्ता पक्ष का सहयोग कर रहे हैं। और उन्ही के इशारे पर संचालित योजनाओं का लाभ अपात्रों को दे रहे हैं। जबकि विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लग चुकी है। उसके बावजूद अपनी अपनी ग्राम पंचायतों में खास पार्टी को वोट देने के लिए प्रभावित कर रहे हैं। इस कार्य मे उच्चाधिकारी भी शामिल हैं। इससे पूर्व में भी शिकायत की गई थी लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई है। अधिकारी शासन की गाइडलाइन का उलंघन भी बड़े स्तर पर कर रहे है। सपा नेता ने जांच करवा कर हटाने की मांग की है ताकि विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके।

सपा छोड़कर भाजपा में आए एमएलसी का जोरदार स्वागत

संवाददाता। गौरीगंज अमेठी

सुल्तानपुर अमेठी विधान परिषद सीट से सदस्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह का अमेठी जनपद भाजपा कार्यालय गौरीगंज में शिष्टाचार हेतु आगमन हुआ। जहां पर भाजपाइयों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया ए

कार्यालय पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यालय आगमन के उपरांत पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए शैलेन्द्र प्रताप सिंह जी ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में मोदी जी एवं योगी जी और अमेठी की सांसद हम सबकी दीदी स्मृति इरानी जी के प्रयास से अमेठी जनपद में सरकार की योजनाएं एवं कानून अवस्था और पूरे प्रदेश में सुशासन की व्यवस्था बहुत ही अच्छी रही इससे प्रभावित होकर हमने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की आगे अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी अमेठी जनपद की सभी सीटों पर जिसे भी प्रत्याशी बनाती है उसमें हम सभी परिश्रम करके जितवाने का काम करेंगे एवं पार्टी के द्वारा मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी उसका मैं ईमानदारी के साथ निर्वाहन करुंगा।

प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि विधान परिषद सदस्य समाजवादी पार्टी छोड़कर दो दिन पहले प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता गहराई सदस्यता गहन करने के उपरांत आज जनपद कार्यालय पर सभी पदाधिकारियों से शिष्टाचार भेंट हेतु आगमन हुआ इस अवसर पर जिला महामंत्री राकेश त्रिपाठी जिला कोषाध्यक्ष रामप्रसाद मिश्रा जिला उपाध्यक्ष ब्लॉक प्रमुख प्रवीण सिंह जिला उपाध्यक्ष भवानी अध्यक्ष पूर्व किसान मोर्चा अध्यक्ष छोडना तिवारी जी गौरी का मंडल अध्यक्ष नगर अजय अग्रवाल अमेठी मंडल अध्यक्ष अजय तिवारी जिला मंत्री प्रभात शुक्ला विद्यमान तिवारी माधव द्विवेदी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

25 जनवरी को मनाया जाएगा भव्य मतदाता जागरूकता दिवस

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 25 जनवरी को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पूरे उत्साह के साथ आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कोविड.19 के दृष्टिगत ऑनलाइन सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं जिसके क्रम में उन्होंने बताया कि जनपद अमेठी में उक्त दिवस का आयोजन प्रत्येक विभाग महाविद्यालयों द्वारा भी अपने मतदाताओं को जागरूक किए जाने के उद्देश्य से किया जाएगाए जिनके द्वारा अपने.अपने कार्यालयों विद्यालयों के अधीनस्थ क्षेत्र में कार्य करने वाले कार्मिकोंध्छात्र छात्राओं के साथ गूगलध्जूममीट अथवा किसी अन्य ऑनलाइन माध्यम से दोपहर 12. 00 से 2. 00 के बीच एक ऑनलाइन मीट आयोजित करेंगेए इस मीट में मतदाता जागरूकता संबंधी शपथ दिलाने के साथ.साथ निबंधए पेंटिंगए गायन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्कूल व शैक्षणिक संस्थाओं में प्रजातांत्रिक मूल्यों के उत्प्रेरण हेतु एचुनावों को समावेशीए सुगम और सहभागी बनानाए विषय पर विभिन्न गतिविधियां जिसमें निबंधए वाद.विवाद प्रतियोगिता माक पोलए ड्राइंग और क्विज प्रतियोगिता आदि राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पूर्व संध्या पर अथवा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दिन ऑनलाइन आयोजित की जाएंए उक्त के अतिरिक्त सभी कार्यालयों में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाए जाने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्देश दिए गए हैं उसी कार्यक्रमों में अधीनस्थ अधिकारियोंध् कर्मचारियों को मतदाताओं द्वारा ली जाने वाली शपथ दिलाई जाएए स्कूल व शैक्षणिक संस्थाओं में ऑनलाइन गतिविधियां एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने के साथ ही अपने अधीनस्थ सभी कार्यालयों में 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर अपने अधीनस्थ कर्मचारियों अधिकारियों को कोविड गाइडलाइन प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए मतदाताओं द्वारा ली जाने वाली शपथ दिलाने का कार्यक्रम आयोजित कराने के साथ ही फेटोग्राफ्स हैशटैग का प्रयोग करते हुए सोशल मीडिया अथवा वेबसाइट पर अपलोड भी की जाए।

क्विक न्यूज

खराब रास्तों को ठीक कराने के आश्वासन के बाद मतदान को लोग हुये सहमत

लालगंज रायबरेली। तहसील लालगंज क्षेत्र के बहाई और देवखेडा ग्राम पंचायतो मे सडक खराब होने के चलते लोगों ने मतदान बहिष्कार का बैनर लगा दिया था।मामले की सूचना मिलते ही एसडीएम विजय कुमार ने दोनों गांवो मे वहां के लोगों के साथ बैठक करते हुये खराब व जर्जर हो गये मार्गो को ठीक कराये जाने का आस्वासन दिया। देवखेडा मे आदर्स आचार संहिता के बाद शीघ्र से शीघ्र विकास कार्य कराये जाने के आस्वासन के बाद वहां के लोग मतदान के लिये सहमत हो गये।इसी तरह बहाई गांव मे भी एसडीएम व तहसीलदार लालगंज ने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि की मौजूदगी मे बैठक की। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामप्रकास यादव ने एक दो दिन मे कार्य शुरू कराने की बात कहने पर लोग मतदान के लिये सहमत हो गये। इन बैठको मे वहां के लोग मौजूद रहे।

अवैध असलहे के साथ एक को भेजा जेल

लालगंज रायबरेली। लालगंज पुलिस ने चांदा नहर पुलिया के पास से एक अभियुक्त ओमप्रकास पुत्र राम आसरे निवासी नई बाजार लालगंज को अवैद्य असलहे के साथ पकडा है।प्रभारी निरीक्षक राजेस सिंह के निर्देस पर एसआई दिलीप राय और सिपाही महेस फौजी ने उक्त अभियुक्त को पकडकर विधिक कार्यवाही की है।उसके पास से पुलिस ने 315 बोर का एक अदद तमंचा और एक जिन्दा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है।

इलेक्ट्रानिक्स की दुकान में आग लगने से लाखों का नुकसान

लालगंज रायबरेली। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के शेखवापुर बैंक आफबडौदा के सामने स्थित इलक्ट्रानिक्स की दुकान शोभित राज एंड ब्रदर्स की शाप मे मंगलवार की देर शाम रात 8 बजे अज्ञात कारणों से आग लग गयी जिससे भारी नुकसान हुआ है।दुकान लालगंज सर्राफा मंडी की रहने वाली बबली गुप्ता पत्नी सिवगोपाल की है।बबली गुप्ता ने लालगंज कोतवाली मे अग्निकांड की सूचना दी है।बबली गुप्ता की माने तो करीब आठ लाख रूपये का नुकसान हुआ है।

जमुनहा अधिवक्ता संघ का चुनाव सम्पन्न

श्रावस्ती। जमुनहा . न्यू मॉडर्न बार एसोसिएशन जमुनहा का चुनाव बुधवार को सम्पन्न हुआ। कुल 126 अधिवक्ता मतदाताओं में से 123 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस चुनाव में सत्य नारायण यादव अध्यक्ष व हजारी लाल पाठक महामंत्री चुने गए। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष रशीद अहमद कल्यानपुरी ने बताया कि बुधवार को तहसील सभागार में सुबह 10 बजे से 3 बजे तक मतदान प्रक्रिया कराई गई।जिसमें अध्यक्ष पद पर हुए मतदान में सत्य नारायण यादव को 64 व राम नारायण सिंह को 58 मत मिले।इस प्रकार सत्य नारायण यादव 6 मतों से अध्यक्ष पद पर विजयी घोषित किये गए।इसी प्रकार महामंत्री पद के लिए हुए मतदान में वीरबल वर्मा को 27 महेंद्र शर्मा को 28 व हजारी लाल पाठक को 68 मत मिले।इस प्रकार हजारी लाल पाठक 40 मतों से महामंत्री पद पर एक तरफा जीत हासिल किया।वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में शिव शंकर चौधरी को 58 व दिनेश वर्मा को 65 मत मिले।इस प्रकार दिनेश वर्मा 7 मतों से वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए।इस दौरान अधिवक्ता दीप चन्द्र वर्मा मोहम्मद सद्दीक सुरेंद्र वर्मा मौजूद रहे।

गांवो मे बैठक कर शत प्रतिशत मतदान के लिये किया प्रेरित

लालगंज रायबरेली। सरेनी विधानसभा के रिटर्निग आफिसर एसडीएम डलमऊ आसीस कुमार और डलमऊ तहसीलदार ने बेहटाकला,खजूरगांव और ऐहार मे मतदाताओं के साथ बैठक कर अधिक से अधिक मतदान के लिये प्रेरित किया।एसडीएम आसीस कुमार ने बूथों का भी निरीक्षण किया।उन्होने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिये शत प्रतिसत मतदान जरूरी है।प्रत्येक मतदाता को निर्भीकता और बिना किसी लालच के वोट करना चाहिये तभी लोकतंत्र मजबूत होगा।इस मौके पर लालगंज कोतवाल राजेस सिंह सहित भारी फोर्स मौजूद रही।

एस.जे.एस. लालगंज में कैंप लगाकर हुआ बच्चों का कोविड टीकाकरण

लालगंज रायबरेली। क्षेत्र के बहुचर्चित एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल लालगंज के प्रांगण में कोविड टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया।टीकाकरण के प्रति बच्चों को प्रबंधक अग्रज सिंह व प्रधानाचार्या अंजू सिंह ने अपने अध्यापकों के सहयोग से पहले ही जागरूक किया था और 'सतर्कता ही बचाव है' के नारे पर जोर देने का हर संभव प्रयास किया। टीकाकरण का कार्यक्रम अपने निश्चित समय प्रातः 10 बजे प्रारंभ हो गया। कक्षा 9 से 12 (15 से 18 वर्ष) तक के सभी छात्र - छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा की तैयारियों को लेकर हुआ मंथन

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कल देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में 23 जनवरी 2022 को आयोजित होने वाली उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा 2021 टीईटी को नकल विहीनए सकुशल व निर्विघ्न तरीके से सम्पन्न कराये जाने को लेकर सभी स्टैटिकध्सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि टीईटी की परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जनपद में 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैंए जिसमें कुल 11612 परीक्षार्थी शामिल होंगेए परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी प्रथम पाली प्रात: 10. 00 से 12. 30 बजे तक जिसमें 7006 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगेए द्वितीय पाली अपराहन 2.30 बजे से 5. 00 बजे तक जिसमें 4606 परीक्षार्थी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा को नकल विहीन व सकुशल संपन्न कराने के लिए 13 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 13 स्टैटिक मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं साथ ही सभी केंद्रों के लिए पर्यवेक्षक नामित किए गए हैं। उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर जनपद की तैयारियों

के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा किसी भी परीक्षार्थी को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े कोई भी परीक्षार्थी ड्यूटी में लगाये गये समस्त अधिकारीध्कार्मिक ;सेक्टर मजिस्ट्रेट पर्यवेक्षक परीक्षा केंद्र में मोबाइलए घड़ी ए0टी0एम0कार्ड किसी भी तरह की डिवाइस विद्युत उपकरण चेन अंगूठी लॉकेट इत्यादि उपकरण न लेकर जाएं। समस्त क्रेन्द्र व्यवस्थापक परीक्षा केन्द्रों में दीवार घड़ी अवश्य लगवा लेंए जिससे की परीक्षार्थियों को समय के बारे में सही जानकारी प्राप्त होती रहे। चूंकि परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में घड़ी आदि उपकरण ले जाना वर्जित रहेगा। मास्कए सेनिटाईजर की छोटी सीसी अनिवार्य रहेगी। किसी भी प्रकार की औपचारिता बर्दाशत नही की जायेगी। सभी कार्मिक सही तरीके से परीक्षा सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा यह बहुत ही महत्वपूर्ण परीक्षा है सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट सेक्टर मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित कर लें कि परीक्षा की सारी तैयारियां गुणवत्तापूर्वक हों। प्रश्न पत्रों की शील्ड पैक परीक्षा कक्ष में ही सी0सी0टी0वी0 की निगरानी में निर्धारित समय पर खुलवाना सुनिश्चित करेंगे व परीक्षा समाप्त होने के उपरान्त परीक्षा कक्ष में ही शील्ड पैक कराना सुनिश्चित करें। सभी सम्बन्धित इस बात को सुनिश्चित कर लें कि समस्त परीक्षा कक्षों पर अपनी पैनी नजर रखेंए परीक्षा को स्वतंत्र निष्पक्ष पारदर्शी सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए टीम भावना से सभी लोग कार्य करें। समस्त परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में विद्युत व्यवस्थाए पानी व्यवस्था शौचालय आदि की व्यवस्था सुचारू रूप से रहनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने सम्बन्धितों को निर्देश दिए असामाजिक तत्वों पर भी पैनी नजर बनाए रखेंए जनपद में एलआईयूए एसटी0एफ आदि टीम सक्रिय रहकर कार्य करेंए जो भी व्यक्ति परीक्षा में किसी और की जगह परीक्षा देने आते हैं ऐसे असामाजिक तत्वों पर धरपकड़ अभियान चलाया जाए और सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कक्ष निरीक्षकों से प्रमाण पत्र अवश्य ले लिया जाये कि कोई भी परीक्षार्थी उनके परिचित न होंए परीक्षा के दौरान कोई भी बाहर नहीं जायेगा तथा कक्ष निरीक्षक को भी परीक्षा के दौरान किसी भी व्यक्ति को बाहर जाने की अनुमति नही होगी। साथ ही जब तक सम्बन्धित कक्ष निरीक्षक संतुष्ट न हो जायें की समस्त ओ0एम0आर0 शीट आदि पूर्ण रूप से जमा हो गयी हैं तब तक कोई भी परीक्षार्थी कक्ष से बाहर नहीं जायेगा। सामग्री जमा कराने की जिम्मेदारी सम्बन्धित स्टेटिक मजिस्ट्रेट की होगी।उन्होंने कहा सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपने.अपने केन्द्रों में समय से अवश्य पहुंच जायें। स्टैटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्र पर स्थानीय प्रशासन व आयोग के प्रतिनिधि के रुप में संपूर्ण अवधि उपस्थित रहकर सम्बन्धित के सहयोग से निर्मित परीक्षा संपन्न कराएंगे। स्टैटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्र के मुख्य प्रवेश द्वार पर यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा सुरक्षा संबंधी कार्रवाई संस्था द्वारा विद्यार्थियों की जांच कर अभ्यर्थियों को केंद्र के अंदर भेजा जाएए सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी लगाए जाने के निरीक्षण कर लें। परीक्षा केंद्र पर पुरुष एवं महिला शौचालयए पेयजलए कोविड.19 का अनुपालन अभ्यर्थियों के मोबाइल बैग इत्यादि जमा करने की व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे।

शिक्षक पात्रता परीक्षा जनपद के 26 परीक्षा केन्द्रों पर 23 जनवरी को होगी

रायबरेली। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार की अध्यक्षता में शिक्षक पात्रता परीक्षा को नकलविहीन व शांतिपूर्वक सकुशल सम्पन्न कराने के लिए बचत भवन के सभागार में बैठक की गई। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश परीक्षा नियामक प्राधिकारी प्रयागराज द्वारा संचालित उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) जनपद के 26 केन्द्रों पर 23 जनवरी 2022 (रविवार) को 2 सत्र पर करायी जायेगी। जिसमें प्राथमिक स्तर कक्षा 1 से 5 तक प्रातः 10:00 बजे से 12:30 बजे तक तथा उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा 6 से 8 तक अपरान्ह 2:30 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित की जायेगी। प्रश्नगत परीक्षा के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए परीक्षा को कुशलता एवं शुचिता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु परीक्षा केन्द्रों की भौगोलिक स्थिति के दृष्टिगत 02 अथवा 03 परीक्षा केन्द्रों पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों पर दोनों पालियों हेतु 9 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 46 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 26 केन्द्र व्यवस्थापक, 52 पर्यवेक्षक तथा 05 सचल दल प्रतिपाली अलग-अलग तैनात होगें। परीक्षा केन्द्र पर पर्यवेक्षक गोपनीय परीक्षा सामग्री सेक्टर मजिस्ट्रेट से प्राप्त कर अपनी उपस्थिति में नियत समय पर गोपनीय पैकेट खुलवायेंगे और परीक्षा समाप्ति पर सामग्री के पैकेट अपनी देखरेख में सील करवायेंगे। परीक्षा समाप्ति के बाद सील्ड गोपनीय पैकेटस कोषागार रायबरेली में उसी दिन निर्देशानुसार तत्काल भेजने का प्रधान दायित्व स्टेटिक मजिस्ट्रेट का होगा।

बाल कल्याण समिति कर रही गुमशुदा बच्चों को परिवार से मिलाने का प्रयास

संवाददाता। रायबरेली

विगत चार साल से बिछड़े नाबालिग बालिका को बाल कल्याण समिति रायबरेली द्वारा परिजनों से मिलाया गया। जानकारी के अनुसार बालिका सविता बाल कल्याण समिति (पिछले सत्र) रायबरेली द्वारा 15.09.2017 को गांधी सेवा निकेतन बालगृह बालिका में आवासित थी। पिछले चार वर्षो से अज्ञात बालिका अपने परिजनों से बिछुड़ गई थी। इसकी जानकारी नहीं होने के कारण बच्ची बालगृह में ही आवासित है। कई बार काउंसिलिंग करने के बाद बच्ची अपने घर का पता बता पाई। इसके बाद बाल कल्याण समिति रायबरेली ने काफी प्रयास किया गया। बालिका के माता पिता उत्तर प्रदेश के हाजीपुर (रायबरेली) की रहने वाली है। बच्ची के माता पिता मजदूरी करते हैं बच्ची भटककर कहीं चली गई थी उस समय अल्पआयु होने के कारण वह अपने घर व माता पिता के सम्बंध में कुछ नहीं बता पा रही थी। उक्त नाबालिग बालिका की गुमशुदगी की सूचना

पर बाल कल्याण समिति द्वारा बालक की खोजबीन करने विभिन्न बाल गृहों एव बालिका से जानकारी लेने का प्रयास किया गया। उक्त बालिका उत्तर प्रदेश के हाजीपुर (रायबरेली) जिले में होने की जानकारी प्राप्त हुई। बाल कल्याण समित रायबरेली के अध्यक्ष ओजस्कर पाण्डेय एवं सदस्य मिलिंद द्वेदी के प्रयास से बालिका को अपने परिवार में मिलाया गया। समिति द्वारा किशोर न्याय (बालकों के देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 अधिनियम 2 सन 2016 के तहत बालक के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए उसे परिजनों को सुपुर्द किया गया। इसकी पुष्टि के लिए बच्ची से माता लक्ष्मी से वीडियो कॉल से कराई गई। वीडियो कॉल के माध्यम से हुई इस बातचीत में बालक ने अपनी मां को पहचान लिया। मां से बात करने के बाद बालक की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जानकारी के अनुसार सविता बाल कल्याण समिति ने बाल गृह बालिका में आवासित किया गया था। जिस संबंध में बाताया गया कि बालिका आज्ञात है। जबकि आज की जांच के बाद जानकारी मिली कि बालिका का घर हाजीपुर थाना गुरूबक्शगंज है। बालिका के पिता का नाम बसंत गौतम (पुत्र चंपा लाल गौतम) है जो असम में ईंट भट्ठा पर काम करता है। माता लक्ष्मी है जो अपने घर में रहकर ही मजदूरी का काम करती है। सविता के एक भाई राज व बहन पूजा है जो दोनों सविता से छोटी हैं। बच्ची की जानकारी मिलने के बाद बाल कल्याण समिति ने सर्वसमिति से निर्णय लिया है कि बच्ची सविता को घर भेजना युक्तिसंगत नहीं है। काल व परिस्थिति को देखते हुए सविता को 18 वर्ष तक बाल गृह में ही रखा जाए ततपश्चात बालिका को आफ्टर केयर में भेजकर उसे अपने पैरों पर खड़ा होने के हुनर व बालिका को विकास कौसल योजना से जोड़ा जाए ताकि बालिका कालांतर में अपने आपको संभाल सके। इसके अतिरिक्त बाल कल्याण समिति मा. उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन रिट पिटीशन चिल्ड्रन इन स्ट्रीट सिच्यूएशन के अनुपालन करते हुए चिन्हिकरण करते हुए भी कार्य कर रही है। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी जय पाल वर्मा, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ओजस्कर पाण्डेय, सदस्य मिलिंद द्वेदी, पूनम सिंह, रूपा गुप्ता, राजेश्वरी सिंह एवं रामकरण यादव उपस्थित रहे।

क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार व शिक्षक अमित मिश्रा का निधन, पत्रकारिता व शिक्षा जगत की अपूरणीय क्षति

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

असमय ही सज्जन लोगों का चला जाना ईश्वर का परिवारी जनों व नजदीकी लोगों पर कुठाराघात सा होता है। बीती रात क्षेत्र के वरिष्ठ शिक्षकों में शुमार, बहुमुखी प्रतिभा के धनी एवं कुशल व्यक्तित्व की साक्षात प्रतिमूर्ति शिक्षाविद् व पत्रकार अमित मिश्रा के निधन से क्षेत्र में ही नहीं अपितु जनपद में शोक की लहर दौड़ गई है। विदित हो कि अमित कुमार मिश्रा अपनी निष्पक्ष लेखनी एवं मृदुभाषिता के दम पर प्रबुद्ध जनों के दिलों पर राज एवं युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत थे। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमित मिश्रा बीते कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। इस दुखद क्षण के मौके पर तमाम जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रीय लोगो एवं पत्रकार बंधुवो ने पहुँचकर शोक स्तब्ध परिवार को ढाढस बधाते हुये शोक संवेदना व्यक्त की। वहीं सोशल मीडिया पर जैसे ही अमित मिश्रा के निधन की जानकारी मिली शोक संवेदना व्यक्त करने वालों लोगों का तांता लगा रहा। उनके परिवारी जनों बच्चों व पत्नी का पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल है वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ कर गए हैं।

अपर्णा यादव के भाजपा में शामिल होने का लोगों ने किया स्वागत

लालगंज रायबरेली। मुलायम सिंह यादव और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेस यादव के परिवार की बहू अपर्णा यादव के भाजपा मे शामिल होने पर सरेनी विधानसभा के भाजपाइयों ने जोरदार प्रसन्नता जतायी है।गेगासो मंडल अध्यक्ष जगन्नाथ पाण्डेय ने कहा कि जब सपा मुखिया के परिवार की महिला ही उनकी कारगुजारियों से आहत है,तो जनता का क्या होगा।पूर्व मंडल अध्यक्ष सिवप्रकास पाण्डेय ने भाजपा मे अपर्णा यादव का स्वागत करते हुये कहा कि भाजपा नेतृत्व मे समाजवादी पार्टी को जोरदार झटका दिया है। अपर्णा यादव पढी लिखी महिला है।उनके आने से महिलाओं के बीच पार्टी मजबूत होगी। इसके साथ भाजपा नेता दीपप्रकास शुक्ला,विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह,भाजपा नेता अनूप पाण्डेय,भाजपा नेता जेपी सिंह आदि ने भी अपर्णा यादव के भाजपा मे आने का स्वागत किया है और कहा कि भाजपा नेतृत्व ने अपर्णा को पार्टी मे शामिल करके मुलायम सिंह यादव और अखिलेस यादव के चेहरे पर जोरदार चपत लगायी है।

जीवनदीप माइक्रो क्रेडिट कंपनी के फ्रॉड को लेकर क्षेत्रीय जनता ने थाने में दिया शिकायती पत्र

प्रलोभन व बीमा के नाम पर ठगे गए भोले भाले ग्रामीण

बछरावां रायबरेली -- बछरावां विकासखंड के बन्नावा, ठकुराइन खेड़ा, सब्जी, अघौरा, ताला समेत दर्जनों ग्राम सभा के नागरिकों ने जीवनदीप माइक्रो क्रेडिट के फ्रॉड के बारे में बछरावां थाना अध्यक्ष को लिखित शिकायत पत्र देकर अवगत कराया है कि फ्रॉड टाइप के कुछ व्यक्ति जीवनदीप माइक्रोक्रेडिट के रूप में आकर गांव गांव में समूह में प्रति व्यक्ति को बीमा हेतु नगद 2350 प्रति व्यक्तियों व महिला से जमा कराने को कहा साथ ही साथ प्रलोभन देकर जमा भी कराया। वहीं इसके साथ ही साथ भोले-भाले ग्रामीणों को बताया कि बीमा के पैसा जमा करने के बाद

सभी लोगों के खाते में 18 जनवरी 2022 को 3. 00 बजे के बाद साठ हजार रुपए आ जाएंगे। जब रुपए निश्चित समय में ग्रामीणों के खाते में नहीं आए तो हर समूह की महिलाओं-पुरुषों ने पोस्ट ऑफिस के बगल में स्थित जीवन दीप माइक्रोक्रेडिट के ऑफिस के पास इकट्ठा हुई। वहां ऑफिस में ताला बंद रहा तो उपस्थित महिला पुरुषों ने अपने आप को ठगा हुआ महसूस किया। ठगे जाने पर जीवनदीप माइक्रोक्रेडिट के नाम बछरावां थाने में लिखित शिकायत पत्र दिया व न्याय दिलाने की गुहार लगाई। वही ठगने वाले बहुरूपिया ने प्रत्येक गांव में 40 से 50 समूह बनाकर लगभग दस रुपए ठग कर फरार हो गए हैं। ग्रामीणों ने अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा प्रलोभन के चक्कर में ठगों के हाथ सौंप दिया और ठग रुपए लेकर चंपत हो गए। इस मौके पर कांति, प्रीति, निशा, अशोक कुमार, चंद्रावती, राजकुमारी सिंह, किरण सिंह, प्रमिला, कैसर बानो, रजनीकांती, समा बानो, कामिनी यादव, प्रीति, कृष्णावती, रुचि, पूनम, सबीना बानो, रामेश्वरी व राजिदा बानो मौजूद रही।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने नोडल अधिकारियों के साथ की मंत्रणा

श्रावस्ती। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल व शन्तिपूर्वक सम्पादित कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा प्रकाश की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नोडलध्सहायक नोडल अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। मतदान को व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए 23 नोडल अधिकारियों एवं 95 सहायक नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त नोडल अधिकारियों एवं सहायक नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो उन्हें दायित्व सौंपा गया हैए समय से अपने कार्यो का सम्पादन कर विधानसभा सामान्य निर्वाचन.2022 को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न करायें।

उन्होने निर्देश दिया कि मतदानध्मतगणना कार्मिक की नियुक्ति तथा उनकी रवानगी स्टाफ मंगवानाए आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलवार अधिकारियों कर्मचारियों की नियुक्ति करानाए उनको मतदान स्थलों तक पहुंचाना तथा मा0 भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षकों द्वारा चाही गयी सूचनायें समय से उपलब्ध कराना एवं उक्त कार्मिकों का रेण्डमाइजेशन एवं उनके पहचान.पत्र से सम्बन्धित कार्य ससमय पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। मतदाता जागरूकता अभियान हेतु सुनियोजित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता ;स्वीपद्ध एवं ई0एल0सी0 से सम्बन्धित भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा समय.समय पर जारी निर्देशों के अनुरूप समस्त कार्यवाही ससमय पूर्ण कराना एवं नियत प्रारूपों पर सूचनाओं को पूर्ण कराना एवं नियत प्रारूपों पर सूचनाओं के प्रेषण से सम्बन्धित समस्त कार्य नामित नोडल अधिकारियोंध्सहायक नोडल अधिकारियों द्वारा समय से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी तैनात नोडल अधिकारीध्सहायक नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारीए उ0प्र0 से प्राप्त दिशा.निर्देशों का अक्षरशः पालन करके निर्वाचन कार्य सुचारू रूप से निर्विघ्न सम्पन्न करायेंगे। अपने प्रकोष्ठ से सम्बन्धित समस्त कार्य पूर्ण कराने हेतु आवश्यकतानुसार अल्पतम संख्या में अपने अधीनस्थ विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों का सहयोग लेकर निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण कराया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।

अब 'उदयभान' की कमान से ही होगा करिश्मा!

संवाददाता। बस्ती

- तहसीलदार की नौकरी छोड़ राजनीति में आने वाले उदयभान बन गए हैं सभी के चहेते
- बहुजन समाज के लोग अभी से ही इन्हें अपना नेता मान रहे हैं
- बामसेफका मिल रहा पूरा समर्थन, भाजपा का टिकट मिलते ही बसपा का झंडा फेंकने को तैयार, बसपा के वोटबैंक में सेंधमारी तय

महादेवा विधानसभा सुरक्षित क्षेत्र के लोग इस बार बदलाव की ओर देख रहे हैं। यहां के लोगों ने इस बार मन बना लिया है, कि वे किसी भी कीमत पर बाहरी प्रत्याशी को विधायक नहीं बनने देंगे। अगर किसी पार्टी ने बाहरी प्रत्याशी को जबरिया थोंप भी दिया तो उसे मुंह की खानी पड़ेगी। इस विधानसभा क्षेत्र के लोगों का मानना हैं, कि अभी तक किसी भी दल ने स्थानीय लोगों को मौका नहीं दिया, जिसका नुकसान उन्हें और क्षेत्र के विकास के रुप में उठाना पड़ा, यही कारण है, कि क्षेत्र की गिनती आज भी पिछड़े में होती है। क्षेत्र के अधिकाशं लोगों का मानना है, कि अगर भाजपा ने स्थानीय कार्यकर्त्ता 'उदयभान' को टिकट देती है, तो जीत पक्की है। क्यों कि इन्हे दलित समाज का अपार समर्थन मिल रहा है। कहते हैं कि जिस दिन इन्हें भाजपा का टिकट मिला उसी दिन वे लोग जो बसपा का झंडा लेकर घूम रहे हैं, उसे फेंक इनके समर्थन में खुले आम आ जाएगें, और जिसका लाभ महादेवा विधानसभा के आलावा अन्य चार विधानसभाओं के भाजपा प्रत्याशी को भी मिलेगा। इनका सबसे अधिक उत्साह वर्धन 'बामसेफ' से जुड़े लोग कर रहे है, जो जीत का आधार शिला रखेगे। क्षेत्र के लोगों का कहना हैं, कि उदयभान को अगर भाजपा मौका देती है, तो इसका सबसे अधिक लाभ दलित समाज के उन लोगों को मिलेगा जिन्हें अभी तक किसी दलित विधायक से नहीं मिला, यहां तक कि उनकी किसी ने सुनी ही नहीं, क्यों कि वे सभी बाहरी थे, स्थानीय होने से कम से कम लोग अपनी पीड़ा तो साझा कर सकते हैं। उत्पीड़न होने पर जिले सहित विधानसभा में आवाज तो उठा सकते है। खुद 'उदयभान' का कहना है, कि उनके साथ अभी से ही 50 फीसद से अधिक दलित समाज के लोग जुड़ चुके हैं। अवशेष उस दिन जुड़ जाएगें जिस दिन उन्हें टिकट मिलेगा। कहते हैं, कि लंबे समय से बसपा में रहने का लाभ उन्हें शतप्रतिशत मिलेगा। इनके बारे में कहा भी जा रहा है, कि अगर कोई बसपा के वोट बैंक में सेंधमारी कर सकता है, तो वह हैं, 'उदयभान'। यही भाजपा के जीत का मूल कारण बनेगा। तहसीलदार की अच्छी खासी नौकरी छोड़कर राजनीति में आने से पहले यह दो बार आईएएस का साक्षात्कार दे चुके है। कुदरहा ब्लॉक के अईलिया गांव के रहने वाले उदयभान की शैक्षिक योग्यता एमएससी 'गणित' और एलएलबी तक की है। गरीब परिवार से जुड़े रहने के कारण इन्हें अच्छी तरह पता है, कि गरीबी क्या होती है। अपने ही समाज के लोगों की उपेक्षा और उनकी पीड़ा देखकर ही इन्होंने अच्छी खासी नौकरी छोड़ राजनीति में आने का निर्णय लिया, ताकि वह दलित समाज की सेवा कर सके। वर्तमान में यह भाजपा के सक्रिय सदस्य हैं। इनकी पत्नी दुर्गेश नंदनी 2007 से 2012 तक राज्य महिला आयोग की सदस्य रह चुकी है। यह 1999 में बसपा के सेक्टर अध्यक्ष हुए, 2006 से 2008 तक जिलाध्यक्ष रहे। 2008 में इनकी सेवाओं को देखते हुए इन्हें मंडल कोआर्डीनेटर बनाया गया। 2009 से 2017 तक 11 मंडलों के मुख्य जोन कोआर्डिनेटर रहे। 2017 से 2021 तक मुख्य जोन इंचार्ज रहे। 1999 में बीडीसी रहे। 2000 में ब्लॉक प्रमुख का चुनाव लड़ा, मगर मात्र तीन वोट से हार गए। 2005 में इनके परिवार में प्रधानी रहा। 2005 में इनके परिवार में ब्लॉक प्रमुखी रहा। 2005 में इन्होंने रिकार्ड 23750 वोट पाकर जिला पंचायत सदस्य चुने गए। 1999 से ही सभी विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव में सक्रिय रहे। मतदान एजेंट से लेकर काउंटिगं एजेंट तक की भूमिका निभाया। इनके ही प्रयास से तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती इनके पैतृक गांव अईलिया आई, मायावती इनके आवास भी गई थी, और परिवार से मिली भी थी। उस समय यह विधानसभा अध्यक्ष थे। कहते हैं कि वह दिन उनके लिए गौरवपूर्ण दिन रहा। 1999 में इनका चयन तहसीलदार के पद पर हुआ। इनका कहना है, कि पार्टी तथा सामाजिक संगठनों के द्वारा चलाए गए विभिन्न क्रियाकलापों में सामाजिक और राजनैतिक रुप से सम्मिलित रहे। इनका दावा है, कि इन्हें प्रत्याशी बनाए जाने की स्थित में पार्टी को मिलने वाले वोट में 20 फीसद की बढ़ोत्तरी होगी। कहते हैं कि उनके क्रियाकलापों को देख ही क्षेत्र. की जनता उन्हें अत्यधिक सम्मान और प्यार दे रही है, जिसका लाभ विधानसभा में भाजपा को अवश्य मिलेगा।

ओमीक्रोन के कहर से बचना है, लगवाइए बूस्टर डोज:डीएम

- हेल्थ और फ्रंटलाइन वर्कर और वरिष्ठ नागरिकों से की प्रिकाशन डोज की अपील

बस्ती। डीएम सौम्या अग्रवाल ने हेल्थ वर्कर, फ्रंटलाइन वर्कर और वरिष्ठ नागरिकों से कोविड-19 की प्रिकॉशन डोज लगवाने की अपील की है। जूम माध्यम से अधिकारियों की बैठक में उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी से कहा कि दो दिन के भीतर सभी आंगनवाड़ी कार्यकत्री तथा सहायिका को बूस्टर डोज लगवाना सुनिश्चित करें। कहा कि 17 जनवरी 2021 से टीकाकरण शुरू हुआ था। मार्च 2021 तक लगे टीका वाले व्यक्ति नौ माह के बाद बूस्टर डोज के लिए पात्र हो जाते हैं। कोरोना के नये वेरिएंट ओमीक्रोन का संक्रमण बढ़ता हुआ देखकर ऐसे सभी पात्र व्यक्तियों को प्रिकॉशन डोज लगवा लेना चाहिए।उन्होंने बीएसए से कहा कि बीआरसी के माध्यम से बूस्टर डोज के लिए पात्र व्यक्तियों को टेलीफोन से रिमाइंडर कराएं। डीएम ने बताया कि कुछ शिकायतें मिली हैं कि बिना टीका लगाए ही पोर्टल पर विवरण दर्ज कर दिया जाता है, जो कि अनुचित है। उन्होंने सभी एमओआईसी को भी निर्देशित किया है कि पहला और दूसरा डोज लगने के बाद ही लाभार्थी का विवरण पोर्टल पर दर्ज किया जाए। बताया कि लगभग 30 लाख लोगों को टीका लग चुका है। इसलिए ड्यूलिस्ट के अनुसार छूटे हुए लोगों को ही टीका लगाया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में कुल 3158741 डोज टीका लगाया गया है, जिसमें से 1938804 फर्स्ट डोज तथा 1212813 सेकंड डोज एवं 7124 प्रिकॉशन डोज लगाया गया है। उन्होने ब्लाकवार टीकाकरण की समीक्षा किया तथा निर्देश दिया कि मोबलाइजर कर्मचारी की तैनाती करे, जो ड्यूलिस्ट के अनुसार लोगों को टीकाकरण केन्द्र तक लायेंगा।

उन्होने अधिक से अधिक टीकाकरण के लिए गॉव तथा नगर निकाय के वार्डो में निगरानी समिति को सक्रिय करने का निर्देश दिया। जूम मीटिंग के दौरान सीडीओ डॉ. राजेश कुमार प्रजापति, सीएमओ डॉक्टर चंद्रशेखर, ज्वाइंट मजिस्टेज्ट/एसडीएम अमृत पाल कौर, आनन्द श्रीनेत, गुलाब चन्द्र, जी.के. झा., बीएसए जगदीश शुक्ला, डॉ. फखरेयार हुसैन, एमओआईसी, बीडीओ, सीडीपीओ, एबीएसए, ईओ नगर पालिका/नगर पंचायत, पूर्ति निरीक्षक, एडीओ पंचायत जुड़े रहे।

रिश्ते की दुहाई बहुत काम आई!

नियम तोड़कर सेक्रेटरी ने 'साले' की फर्म को कर दिया भुगतान

संवाददाता। बस्ती

- गौर ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेलवरिया के पूर्व प्रधान सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने की शिकायत
- सीडीओ ने खंड विकास अधिकारी को दिया जांच का आदेश

...जीजा सेक्रेटरी ने साले के रिश्तों को मजबूत करने के लिए सारे नियम कानून तोड़ कर साले के फर्म को हजारों का भुगतान कर दिया, जबकि यह भुगतान पूर्व प्रधान के उस फर्म को होना चाहिए था, जहां का बकाया था। यह भुगतान प्रशासक के रुप में एडीओ और सेक्रेटरी ने मिलकर किया। जीजा इसी तरह के आरोप में निलंबित चल रहा है। पूर्व प्रधान ने इसकी शिकायत सीडीओ से करते हुए पैसा वापस दिलाने की मांग की है। इस पर सीडीओ डा. राजेश कुमार प्रजापति ने बीडीओ गौर को गंभीरता से जांच करने और पूर्व प्रधान को भुगतान करने को लिखित आदेश दिया है। मामला गौर ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेलवरिया का है।

सीडीओ से की गई शिकायत में पूर्व प्रधान संभाष चंद्र त्रिपाठी ने कहा, कि पंचायत चुनाव से पहले अधिकारियों के दबाव में उन्होंने 15.27 लाख का पंचायत भवन, 6.29 लाख का सामुदायिक शौचालय एवं तीन इंडिया मार्का हैंडपंप का रिबोर कराया, मगर अभी तक उन्हें भुगतान नहीं हुआ जबकि सामान देने वाली फर्म बकाए का भुगतान करने के लिए बराबर दबाव बना रही है। बताया कि प्रशासक और सचिव ने मिलकर 30 मार्च 21 को अपने साले सौरभ टेडर्स के फर्म में कर दिया। जबकि इस फर्म से मेरे द्वारा कोई भी सामग्री क्रय नहीं की गई। बताया कि पहले 24 मार्च को और फिर 30 मार्च को सौरभ टेडर्स के नाम भुगतान किया गया। बताया कि उनके द्वारा रिबोर कराए गए तीन हैंडपंप का 81 हजार का भुगतान अभी तक नहीं किया गया। यह भुगतान यादव कांटक्शन को होना है। बताया कि सेक्रेटरी के द्वारा इसी तरह की अनियमितता अन्य कई ग्राम पंचायतों में किया गया, जिसके चलते उन्हें निलंबित कर दिया, और वर्तमान में वह गौर ब्लॉक पर अटैच हैं। यह पहला मामला नहीं हैं, जब प्रशासक और सचिव ने मिलकर धन का बंदरबांट नहीं किया। एक दिन पहले हर्रैया ब्लॉक के ग्राम पंचायत जमुहना कला में पूर्व प्रधान महेंद्र प्रताप सिंह ने 32 लाख का गबन करने वाले सेक्रेटरी और प्रशासक के खिलाफ उनके बकाए का धन का बंदरबांट कर लेने का आरोप लगा चुके है। इस प्रधान को मुख्यमंत्री राष्टीय पुरस्कार भी मिल चुका है।

विरोध करने का खामियाजा भुगत रहे जिला पंचायत सदस्य

- विधुत विभाग के जेई और लाइन मैन पर लगाया मारने पीटने, रुपया छीनने का आरोप

बस्ती। गौर तृतीय से निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य शंकर प्रसाद यादव का कहना है, कि उसे जिला पंचायत अध्यक्ष का विरोध करने का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। कहा कि राजनैतिक दबाव में पहले तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया, और अब राजनैतिक दबाव में उनका मुकदमा दर्ज नहीं हाने दिया जा रहा है। इनका कहना है, पुलिस सीधे कहती है, कि उनपर मुकदमा दर्ज न करने का दबाव है। जबकि उनके पक्ष में भारी संख्या में स्थानीय नागरिक थाने भी गए थे, बावजूद पुलिस उनका मुकदमा दर्ज नहीं कर रही है। कहते हैं कि वह किसी से डरने वाले नहीं हैं, और अब तो उन्होंने अपनी जमानत भी करा ली हैं, और अब वह खुलकर जिला पंचायत के अनियमित कार्यो का विरोध करेगें। कहा कि जिला पंचायत की बैठक में उनका विरोध करना अब उन्हें भारी पड़ रहा है। एसओ गौर ने बताया कि तहरीर मिली हैं, जांच पड़ताल चल रहा है, अगर आरोप सही पाया गया, तो मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

पुलिस को दी गई तहरीर में कहा गया हैं, कि 13 जनवरी 22 को विधुत विभाग के संविदा पर कार्य करने वाले लाइनमैन कैंप लगने के नाम पर उपभोक्ताओं से धन उगाही कर रहा थे, यह सब कुछ जेई के इशारे पर हो रहा था। टिनिच बाजार के उपभोक्ता शिवनाथ अग्रहरी और रामनाथ जिनका बाजार में मकान और दुकान एक साथ है, उन दोनों से जबरिया वसूली कर रहे थे, उसी समय मैं भी मौके पर पहुंच गया। जब वसूली का विरोध किया और इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से करने की बात कही तो जेई साहब नाराज हो गए, और अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए लाइनमैन से कहा कि मारो बहुत विरोध करता है। लाइनमैन ने मारने के लिए दौड़ाया तब वह भागकर रामनाथ के दुकान में घुस गए। दुकान में घुसकर लाइनमैन ने लातों घूसों से खूब मारा और रास्ते में गिरा उनका 1260 रुपया भी ले लिया। कहा कि दुकान में रखी तेजाब की शीशी उठाकर लाइनमैन ने उनके उपर फेंका मगर वह शीशी बिजली के पोल से टकरा गया, जिससे वह जलने से बच गए। बताया कि घटना की जानकारी थाने पर दी गई, मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिला पंचायत सदस्य ने इसकी जानकारी एसपी को भी लिखित में देते हुए दोनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करने की मांग की है, मगर अभी तक कोई कार्रवाई नही हुई, जबकि इन्ही लोगों की तहरीर पर उसके खिलाफ पांच धाराओं में मुकदमा ठोंक दिया गया।

डीएम-एसपी ने स्कूल प्रबन्धकों से की चुनाव में सहयोग की अपेक्षा

बैठक करते डीएम-एसपी।

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ द्वारा संयुक्त रुप से आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन वर्ष - 2022 के दृष्टिगत चुनावों को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु जनपद में आने वाले केन्द्रीय सुरक्षा बलों के जवानों व पुलिस बल के रहने व उनके व्यवस्थापन के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के स्कूल प्रबन्धकों के साथ गोष्ठी कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। गोष्ठी के दौरान अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अंशुमान मिश्र, क्षेत्राधिकारी घनघटा रामप्रकाश, क्षेत्राधिकारी मेंहदावल अम्बरीष सिंह भदौरिया सहित अन्य प्रशासनिक / पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन पर्चा दाखिला के लिए वेबसाइट

- ऑनलाइन पद्धति से नामांकन भरने के उपरान्त जमानत धनराशि को भी ऑनलाइन जमा करने का प्राविधान किया गया है

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिला निर्वाचन अधिकारी /जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल के निर्देश के क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया है कि मुख्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सम्पन्न कराने हेतु जनपद में अवस्थित 312-मेंहदावल, 313 खलीलाबाद तथा 314-धनघाटा(अ0जा0) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए भारत निर्वाचन द्वारा ऑनलाइन पद्धति से नामांकन करने हेतु अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध कराई गयी हैं। ऑनलाइन नामांकन हेतु वेव लिंक पर उपलब्ध है, ऐसे अभ्यर्थी जो ऑनलाइन पद्धति से नामांकन करना चाहते है, वे उपरोक्त लिंक के माध्यम से नामांकन पत्र प्रवृष्ट कर सकते है एवं उसका प्रिन्ट निकाल कर प्रारूप-1 में रिर्टनिंग ऑफिसर द्वारा निर्गत सूचना इंगित स्थान पर नामांकन दाखिल कर सकते है। उन्होंने बताया कि उक्त लिंक के माध्यम से ऑनलाइन नॉमिनेशन भर कर एवं प्रिन्ट आउट को नोटराइजेशन के पश्चात रिर्टनिंग ऑफिसर के समक्ष दाखिल कर सकते है। ऑनलाइन पद्धति से नामांकन भरने के उपरान्त जमानत धनराशि को भी ऑनलाइन जमा करने का प्राविधान किया गया है। ऑनलाइन पद्धति से नामांकन भरने के उपरान्त जमानत धनराशि को भी ऑनलाइन जमा करने का प्राविधान किया गया है। इस हेतु नामांकन पत्र सफलतापूर्वक सबमिट करने के उपरान्त जमानत धनराशि जमा करने हेतु विकल्प पेय लिंक दर्शित होगा, जिस पर क्लिक करते हुए ऑनलाइन पेमेंट किया जा सकता है। अभ्यर्थी उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के अन्तर्गत निकट रूप से ट्रेजरी चालान के माध्यम से जमानत धनराशि जमा कर सकते है।

जिला अस्पताल रैन बसेरा बन गया गंदगी का डेरा

संवाददाता। बस्ती

- कड़ाके की ठंड में कराह रहे मरीजों के तीमारदार, अस्पताल प्रशासन खामोश
- तीमारदारों को नहीं मिल रहा लाखों की लागत से बना रैन बसेरा
- पीड़ितों का मजाक उड़ा रहा रैन बसेरा

लाखों की लागत से जिला अस्पताल में बना रैनबसेरा तीमारदारों का मजाक उड़ा रहा है। कड़ाके की ठंड में जहां यह रैनबसेरा मरीजों के तीमारदारों के लिए सहायक साबित होना चाहिए, वहां पर कूड़ा रखा हुआ है। पिछले एक साल से यह रैन बसेरा हाथी का दांत साकिबत हो रहा है। तीमारदार परेशान है, मगर अस्पताल प्रशासन को कोई चिंता नहीं है। अस्पताल प्रशासन की घोर लापरवाही के चलते दो मंजिला का रैनबसेरा मजाक बना हुआ है। तीमारदार ठंड में खुलेआसमान के नहचे रहने को मजबूर है, और इन लोगों का ध्यान रखने वाला कोई नहीं हैं, हालत यह हो गई हैं, ठंड के चलते कई तीमारदार बीमार होते जा रहे है। जिला प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की जा रही है, ताकि तीमारदारों को राहत मिल सके। यह अस्पताल जितना अनियमित कार्य के लिए जाना जाता है, उतना नियमित कार्य के लिए नहीं, यही कारण है, कि इस अस्पताल के प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लग चुके है। हाल ही में एक दलित फार्मासिस्ट ने एसआईसी पर गंभीर आरोप लगा कर सबको चौका दिया था। कार्रवाई तो नहीं हुई अलबत्ता संघ के पदाधिकारियों के आपसी गुटबाजी के कारण एसआईसी को अवश्य धरना प्रदर्शन का सामना नहीं करना पड़ा।

कड़ाके के ठंड के बीच रैन बसेरों की जो व्यवस्था हैं, वह पीड़ितों का मजाक उड़ाने से कम नहीं है। वर्तग्मान में जब पारा दिन प्रतिदिन कम हो रहा है, तो ऐसे में सबसे अधिक परेशानी बुजुर्ग और गरीब एवं असहाय की बढ़ जाती है। संपन्न लोग तो अपना बचाव कर लेते हैं, मगर असहाय लोगों के सामने सरकार का ही सहारा रह जाता है, और सरकार की ऐसी व्यवस्था हैं कि उससे राहत मिलता नहीं दिख रहा है। कागजों में कुछ और धरातल पर कुछ और जैसा हो रहा है। अगर एनजीओ आगे न आए तो न जाने कितने असहाय बीमार हो जाए। शहर में देखा जाए तो बहुतेरे रैन बसेरे प्लास्टिक की पन्नी के उपर नए चारपाई और सामानों से दिख रहे है, लेकिन हकीकत कुछ और ही है, निश्चित तौर पर सरकार के द्वारा रैन बसेरों को रखरखाव खानपान और अन्य मदों में अच्छा खासा बजट आता होगा, मगर लगता है, कि यह सब कागजों में ही सिमट कर रह जाता है। पन्नी तक ही रह जाता है। जबकि प्रशासन के पास ऐसे बहुत भवन है, जहां के अंदर ही रैन बसेररे को संचालित किया जा सकता है। जिससे वास्तव में ठंड पीड़ितो राहत मिल सकता है। रोटी कपड़ा बैक के जरिए अवश्य कुछ सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं, मगर इसे पर्याप्त नहीं माना जा रहा है, इसके लिए प्रशासन को अन्य एनजीओ को आगे आने की अपील करनी पड़ेगी।

एडीएम-एएसपी ने पुलिस फोर्स के साथ मेहदावल में किया फ्लैग मार्च

पुलिस फोर्स के साथ गश्त करते एडीएम-एएसपी

संतकबीरनगर। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन, गोरखपुर अखिल कुमार पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र, बस्ती राजेश मोदक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ के मार्गदर्शन में आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन - 2022 को शांतिपूर्ण माहौल में सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत अपर जिला मजिस्ट्रेट सन्तकबीरनगर मनोज कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी मेंहदावल, क्षेत्राधिकारी मेहदावल अम्बरीश सिंह भदौरिया तथा प्रभारी निरीक्षक थाना मेंहदावल जयवर्धन सिंह के नेतृत्व में अर्द्ध सैनिक बलों व पुलिस बल के साथ मेंहदावल थाना क्षेत्रान्तर्गत जमोहरा, अंजहिया बाजार, चौक बाजार, पश्चिम टोला, भितरी मोहल्ला, ठाकुरद्वारा, हरदी व रोडवेज में एरिया डामीनेशन हेतु फ्लैग मार्च कर आम जनमानस में सुरक्षा एवं शांति पूर्ण महौल मे चुनाव संपन्न कराने का संदेश दिया गया।

मतदान कार्मिकों व सुरक्षा बलों का होगा कैशलेस ट्रीटमेंट: डीएम

संवाददाता। गोंडा

विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 हेतु निर्वाचन डियूटी के दौरान सुरक्षाबलों एवं मतदान कार्मिकों को कैशलेस ट्रीटमेन्ट उपलब्ध कराई जाएगी। इस संबंध में महानिदेशक स्वास्थ्य द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार निर्देश जारी किए गए हैं।

यह जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी मार्कंडेय शाही ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 के दृष्टिगत निर्वाचन डियूटी के दौरान सुरक्षाबलों एवं मतदान कार्मिकों को कैशलेस ट्रीटमेन्ट उपलब्ध कराये जाने के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग से निर्देश प्राप्त हुआ है। इसमे विधान सभा निर्वाचन 2022 में तैनात किये गये सुरक्षा कर्मियों व अन्य मतदान कर्मियों को चुनाव के दौरान नजदीकी राजकीय चिकित्सालयों में कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। इस हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी जिले के राजकीय चिकित्सालयों एवं यथा आवश्यकता निजी अस्पतालों में भी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे तथा जिलाधिकारी से निरन्तर सम्पर्क में रहते हुए समन्वय स्थापित करेंगे। यदि प्रश्नगत कर्मियों को आपात स्थिति में जिले से समीपस्थ मेडिकल कालेज में रेफर करने की आवश्यकता पायी जाती है तो सम्बन्धित मुख्य चिकित्साधिकारी इस हेतु जिलाधिकारी को अवगत कराते हुए सम्बन्धित कार्मिक को तत्काल समीपस्थ मेडिकल कालेज में शिफ्ट करने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। चुनाव कार्यों में लगे मतदान कर्मियों के कैशलेस ट्रीटमेन्ट पर आने वाले वित्तीय व्ययभार की प्रतिपूर्ति सम्बन्धित जिले के जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी तथा सुरक्षा कर्मियों के कैशलेस ट्रीटमेन्ट पर आने वाले वित्तीय व्यय भार की प्रतिपूर्ति पुलिस अधीक्षक द्वारा किया जायेगा। जिलाधिकारी ने इस संबंध में शीर्ष प्राथमिकता पर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही से शासन को अविलम्ब अवगत कराने के निर्देश सीएमओ को दिए हैं।

ऑनलाइन नामांकन भी कर सकेंगे प्रत्याशी

गोंडा। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट मार्कंडेय शाही ने बताया है कि विधानसभा निर्वाचन 2022 में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ऑनलाइन पद्धति से नामांकन करने की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ऑनलाइन नामांकन हेतु वेब लिंक उपलब्ध है, ऐसे अभ्यर्थी जो ऑनलाइन पद्धति से नामांकन करना चाहते हैं, वह दिए गए लिंक के माध्यम से नामांकन पत्र की प्रविष्टि कर सकते हैं एवं उसका प्रिंट निकाल कर प्रारूप-1 में रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा निर्गत सूचना में इंगित स्थान पर नामांकन दाखिल कर सकते हैं। इसी प्रकार शपथ पत्र भी उपरोक्त लिंक के माध्यम से ऑनलाइन भर सकते हैं एवं प्रिंट आउट को नोटराइजेशन के पश्चात रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष दाखिल कर सकते हैं। ऑनलाइन पद्धति से नामांकन भरने के उपरांत जमानत राशि को भी ऑनलाइन जमा करने का प्रावधान किया गया है। इस हेतु नामांकन पत्र सफलतापूर्वक सबमिट करने के पश्चात जमानत धनराशि जमा करने हेतु विकल्प पे पर लिंक दर्शित होगा, जिस पर क्लिक करते हुए ऑनलाइन पेमेंट किया जा सकता है। अभ्यर्थी उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के अंतर्गत नकद रूप से ट्रेजरी चालान के माध्यम से जमानत धनराशि जमा कर सकते हैं।

ई-संजीवनी एप के जरिए घर से लें चिकित्सा परामर्श

गोंडा। जिलाधिकारी मार्कंडेय शाही ने बताया है कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरो को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार हेतु त्वरित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ई संजीवनी पोर्टल एवं ई संजीवनी एप की व्यवस्था प्रत्येक जिले में की गई है जिससे कोरोना संक्रमण काल में संक्रमित व्यक्ति घर पर रहते हुए चिकित्साधिकारी से ऑनलाइन परामर्श प्राप्त कर अपना उपचार कर सकते हैं।जिलाधिकारी ने बताया इसके लिए कलेक्ट्रेट स्थित कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में चिकित्साधिकारी डॉक्टर शिवांगी राज एवं डॉक्टर तविश महमूद खान को नियुक्त किया गया है। इसका उद्देश्य लोगो कोविड संक्रमण को देखते हुए मरीजों का लोगों के संपर्क में आने और संक्रमण से बचने के लिए उपचार हेतु अस्पताल जाने से बचाव करना है। उन्होंने मरीजों से अपील किया है कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही चिकित्सा परामर्शदाता के सुझाव पर चिकित्सा सुविधा हेतु अस्पताल जाएं। अन्यथा ई संजीवनी ओपीडी का सहारा लें। ई संजीवनी ओपीडी का समय प्रातः 9रू00 बजे से 5रू00 बजे तक है। मरीज उपरोक्त समय में चिकित्साधिकारी से अपना उपचार प्राप्त कर सकते है अथवा आवश्यक होने पर मोबाइल नंबर 9454419055 पर संपर्क करके चिकित्सा सहायता ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि ई संजीवनी पोर्टल पर कोई भी व्यक्ति घर बैठे स्वास्थ संबंधी परामर्श प्राप्त कर सकता है और यह सुविधा पूरी तरह से निशुल्क है।

कैलिडोस्कोपिक दृश्य

पंकज कुमार ने नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल के लिए अपनी गुवाहाटी यात्रा के दौरान इस क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति, विविध नृत्य परंपराओं, टिकाऊ शिल्प और फुट-टैपिंग संगीत की एक झलक देखी और इसको अपने कैमरे में कैद किया

एक रसीला पैलेट

उमा नायर कहती हैं, अप्पाराव गैलरी में प्रदर्शित सोहन कादरी की कृतियों में दोतरफा विरोधों का एक शांत सह-अस्तित्व है।

अप्पाराव गैलरी में कागज पर सोहन कादरी के कार्यों की प्रदर्शनी, टीएपी इंडिया प्लेटफॉर्म पर, एक ऐसे कलाकार की भावना और अभिव्यक्ति है जो एकांत में काम करने में प्रसन्नता रखता है। कवि और तांत्रिक गुरु कादरी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कलाकार थे, जो आध्यात्मिकता और योग से गहराई से जुड़े थे। प्रसिद्ध कला समीक्षक डोनाल्ड कुस्पित ने कादरी को ''आधुनिकता के पूर्व-प्रतिष्ठित सौंदर्यवादी रहस्यवादी'' कहा।

कागज पर ये काम आपके अस्तित्व को चमकीले रंग और चिपचिपाहट की झांकी की तरह आलिंगन करते हैं; वे भारत के देहाती गांवों में जीवन के हरे-भरे पैलेट को भी याद करते हैं। कादरी, जिन्होंने कुमार गैलरी में एक साक्षात्कार में मुझसे कहा, 'मैं एक बिंदु हूं', ने उत्कृष्टता की अपनी खोज में अमूर्त प्रतिनिधित्व को छोड़ दिया। इन कार्यों में उनके बारे में एक तैरती हुई वस्तु की एक अदृश्य कृपा है।

कलात्मक अन्वेषण के मामले में कादरी की कागज और डाई का उपयोग करने की प्रक्रिया अद्वितीय और दुर्लभ थी। वह कागज को तरल से नहलाता था और ब्रश से स्याही और रंग लगाते समय उसे कई चरणों में तराशता था। ये कृतियाँ तुरंत जीवंत और सूक्ष्म रंगों से ओत-प्रोत हैं। कागज के साथ कादरी का सबसे बड़ा प्रतीक चिन्ह दाँतेदार सतहें थीं जिनके बारे में उनके बारे में ऊर्जा और लचीली लय की आभा थी। कादरी, द्रष्टा और विचारक के हाथों में, कागज की प्रकृति ही त्रि-आयामी माध्यम में बदल जाएगी।

पश्चिम में उनके कई वर्षों ने उन्हें अधिकांश भारतीय कलाकारों की तुलना में अमूर्तता का अभ्यास और गहरी समझ दी, जो केवल यह सोचते हैं कि यह प्रतिनिधित्व है। उसके लिए, रंग की पट्टी, गहरी तह और उसके क्षेत्र में कहीं न कहीं एक छोटी सी बिंदी के संकेत उसके बारे में दुर्लभ और अदृश्य दोनों तरह का आध्यात्मिक उत्साह रखते थे। उनके अधिकांश संग्राहक यूरोपीय थे जो डिजाइन की गतिशीलता को समझते थे और अक्सर कहते थे कि वह भारत के रोथको थे।

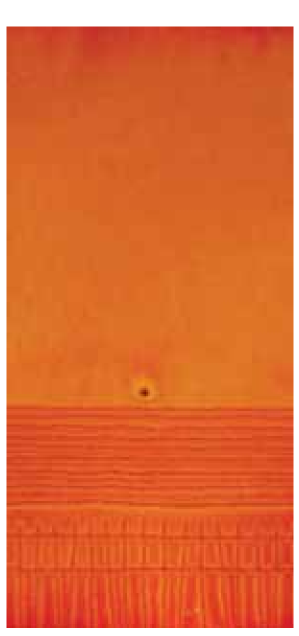

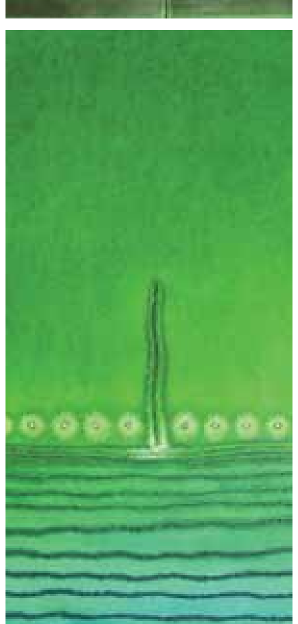

कादरी के सबसे अधिक शो दिल्ली में कुमार गैलरी और न्यूयॉर्क में सुंदरम टैगोर द्वारा आयोजित किए गए थे। कादरी के काम में द्विअर्थी विरोधों का एक शांत सह-अस्तित्व है – पुरुष और महिला, ज्ञात और अज्ञात, भौतिक और आध्यात्मिक। यह प्राच्य दर्शन के प्रतीकों के शाब्दिक अनुवाद से कहीं अधिक है। जब कादरी पेंट करते हैं, तो वे बताते हैं, ''पहले मैं अपने दिमाग को सभी छवियों से खाली कर देता हूं। वे आदिकालीन स्थान में विलीन हो जाते हैं। केवल खालीपन जो मुझे लगता है कि कैनवास के खालीपन के साथ संवाद करना चाहिए।''

एक हिंदू-सिख परिवार में जन्मे, कादरी की कला एक आध्यात्मिक यात्रा से बहुत प्रभावित थी जो कम उम्र में शुरू हुई थी। उन्हें सात साल की उम्र में योग अभ्यास में शुरू किया गया था। एक किशोर के रूप में, वह उच्च सत्य की तलाश में एक तिब्बती बौद्ध मठ में भाग गया। उन्होंने अंत में हिमालय और तिब्बत के सुदूर मंदिरों में दिन बिताए। उस समय उन्होंने जिस अलगाव का अनुभव किया, वह पेंट करने के लिए उनके प्रभावों में से एक था। बाद में जीवन में, वह सूफीवाद और वज्रयान बौद्ध धर्म से मोहित हो गए, जो बाद के कार्यों के लिए प्रेरणा के प्रबल स्रोत बन गए।

आज़ादी की खोज

नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली ने कला कुंभ कलाकार कार्यशालाओं के साथ आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया।

नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली ने कला कुंभ के साथ आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया – भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों की वीरता की कहानियों का प्रतिनिधित्व करते हुए लगभग 750 मीटर मापने वाले स्क्रॉल के लिए कलाकार कार्यशालाएँ।

ये स्क्रॉल देश के विविध भौगोलिक स्थानों से कला के विभिन्न रूपों के साथ राष्ट्रीय गौरव और उत्कृष्टता को व्यक्त करने के साधन के रूप में कला की क्षमता का विश्लेषण करते हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत के सच्चे सार का उत्सव इन कार्यशालाओं में दिखाई देता था जहां भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों के वीर जीवन और संघर्षों को चित्रित करते हुए हमारे देश की सांस्कृतिक पहलुओं में समृद्ध विविधता देखी गई थी। इन पर दो स्थानों, ओडिशा और चंडीगढ़ में फैले 500 से अधिक कलाकारों द्वारा परिश्रमपूर्वक शोध किया गया है और उत्साहपूर्वक चित्रित किया गया है। संस्कृति मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम के अनुरूप इन कार्यशालाओं में सहयोग और सामूहिक कार्य के पहलू को रेखांकित किया गया है। ओडिशा में, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली ने 11 से 17 दिसंबर के बीच भुवनेश्वर में कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और सिलिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ सहयोग किया और चंडीगढ़ में 25 दिसंबर से 2 जनवरी तक चितकारा विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया गया।

कला कुंभ-आजादी का अमृत महोत्सव भारत के 75 साल और इसके लोगों, संस्कृति और इसकी उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए विविधता में एकता के सार को दर्शाता है। इन कार्यशालाओं में चित्रित स्क्रॉल को भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान के बारे में प्रगतिशील सभी के एक अवतार के रूप में देखा जा सकता है, जिसे एनजीएमए के महानिदेशक, प्रख्यात वरिष्ठ कलाकार अद्वैत गरनायक की कलात्मक दृष्टि के अनुसार बड़े पैमाने पर स्क्रॉल पर प्रमुखता प्रदान की गई है।

लगभग 750 मीटर के दस विशाल स्क्रॉल वीरता की कहानियों और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों की विरासत को चित्रित करते हैं। प्रेरणा भारत के संविधान में रचनात्मक दृष्टांतों से भी ली गई है जिसमें नंदलाल बोस और उनकी टीम द्वारा चित्रित कलात्मक तत्वों ने भारत की स्वदेशी कलाओं के कई अभ्यावेदन के साथ एक विशिष्ट अपील प्रदान की है। ये भारत की स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए गुमनाम नायकों द्वारा किए गए संघर्षों की अंतर्दृष्टि के साथ-साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व और प्रदर्शन करते हैं। भुवनेश्वर में, आख्यानों ने ओडिशा, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, बंगाल, भारत के उत्तरपूर्वी हिस्सों और आंध्र प्रदेश पर केंद्रित स्वतंत्रता संग्राम के भारत के आंदोलन की वीरता और ऐतिहासिक तत्वों की कहानियों को कलात्मक अभिव्यक्तियों के साथ दर्शाया है, जो कला के स्वदेशी रूपों को दर्शाती हैं जैसे कि पट्टाचित्र, तलपत्र चित्र, मंजुसा, मधुबनी और जादू पटुआ कुछ नाम हैं।

चंडीगढ़ में, कथाएं लद्दाख, जम्मू, कश्मीर, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान के गुमनाम नायकों की वीरता की कहानियों का प्रतिबिंब रही हैं, जिसमें कलात्मक अभिव्यक्तियां कला के स्वदेशी रूपों जैसे फड़, को दर्शाती हैं। पिचवई, लघु, कलमकारी, मंदाना, थंगका और वारली। छात्रों ने दोनों जगहों का दौरा किया। एनसीसी कैडेटों ने चंडीगढ़ में स्वतंत्रता संग्राम के भारत के गुमनाम नायकों के रचनात्मक प्रतिनिधित्व को भी देखा है। लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा, एसएम, चीफ ऑफ स्टाफ, मुख्यालय पश्चिमी कमान, लेफ्टिनेंट कर्नल अभिनव नवनीत, पीआरओ (रक्षा), डीपीआर, मेजर डीपी सिंह (सेवानिवृत्त) के साथ-साथ रक्षा मंत्रालय के अन्य अधिकारियों ने भी चंडीगढ़ में कार्यशाला का दौरा किया। चंडीगढ़ में कलाकुंभ-आजादी का अमृत महोत्सव के समापन समारोह में पंजाब के राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित और भुवनेश्वर में सांसद डॉ अच्युत्य सामंत, जो केआईआईटी और केआईएसएस के संस्थापक भी हैं, ने शिरकत की। इन कार्यशालाओं के दौरान शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जो पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र और उत्तरी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से भारत की लोक और स्वदेशी प्रदर्शन कलाओं की समृद्ध परंपराओं को दर्शाती है। अगले चरण में, इन स्क्रॉलों को गणतंत्र दिवस समारोह के लिए राजपथ पर कलात्मक रूप से रखा जाएगा। इन स्क्रॉलों का रणनीतिक स्थान सभी नागरिकों के लिए एक खुली गैलरी के रूप में काम करेगा और इसका उद्देश्य लोगों को समृद्ध राष्ट्रीय विरासत और भारत की विरासत के बारे में सही मायने में प्रेरित करना है।

द. अफ्रीका ने पहले वनडे में भारत को हराया

●वान डेर डूसेन और बावुमा ने जड़े शतक

भाषा। पार्ल (दक्षिण अफ्रीका)

रेसी वान डेर डुसेन और कप्तान तेंबा बावुमा के विपरीत अंदाज में जड़े शतक और दोनों के बीच दोहरी शतकीय साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को यहां पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को 31 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई। वान डेर डुसेन (96 गेंद में नाबाद 129, नौ चौके, चार छक्के) और बावुमा (143 गेंद में 110 रन, आठ चौके) के बीच चौथे विकेट की 204 रन की साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 296 रन बनाए।

भारतीय टीम इसके जवाब में शिखर धवन (79), विराट कोहली (51) और शारदुल ठाकुर (नाबाद 50) के अर्धशतक के बावजूद आठ विकेट पर 265 रन ही बना सकी। धवन और कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 92 रन भी जोड़े। दोनों जब तक क्रीज पर थे तब तक भारत का पलड़ा भारी नजर आ रहा था लेकिन इन दोनों के जल्दी जल्दी आउट होने के बाद शारदुल ही टिककर बल्लेबाजी कर पाए। शारदुल ने जसप्रीत बुमराह (नाबाद 14) के साथ 51 रन की अटूट साझेदारी करके हार के अंतर को कम किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एंडिले फेहलुकवायो ने 26, तबरेज शम्सी ने 52 और लुंगी एनगिडी ने 64 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। केशव महाराज ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 42 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत ने कप्तान लोकेश राहुल (12) का विकेट जल्द गंवा दिया जो गेंदबाजी का आगाज करने वाले कामचलाऊ स्पिनर ऐडन मार्कराम की गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच दे बैठे। धवन शुरुआत से ही अच्छी लय में दिखे। उन्होंने मार्को जेनसन को निशाने पर रखा और उनके पहले चार ओवर में पांच चौके मारे। कोहली ने मार्कराम पर चौके के साथ खाता खोला और नौवें ओवर में भारत के रनों का अर्धशतक पूरा किया। धवन ने बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज की गेंद पर एक रन के साथ सिर्फ 51 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। धवन और कोहली ने 25वें ओवर में टीम का स्कोर 137 रन तक पहुंचाया। धवन 26वें ओवर में केशव महाराज की गेंद पर बोल्ड हो गए। बाएं हाथ के इस स्पिनर की आफ साइड में पिच हुई गेंद काफी अधिक स्पिन हुई और धवन को छकाते हुए विकेटों में समा गई। धवन ने 84 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके मारे।

कोहली ने महाराज की गेंद पर एक रन के साथ 60 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में शम्सी की गेंद को स्वीप करने की कोशिश में बावुमा को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 63 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके मारे। पंत और अय्यर ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। पंत छह रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब शम्सी की गेंद पर शॉर्ट कवर पर बावुमा ने उनका कैच टपका दिया।

अय्यर हालांकि एनगिडी की उछाल लेती गेंद पर डिकॉक को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 17 रन बनाए। एक गेंद बाद पंत भी फेहलुकवायो की गेंद पर स्टंप हो गए जिससे भारत का स्कोर पांच विकेट पर 182 रन हो गया।

पंत ने 16 रन बनाए। वेंकटेश अय्यर (02) भी एनगिडी की उछाल लेती गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में वान डेर डुसेन को कैच दे बैठे। फेहलुकवायो ने रविचंद्रन अश्विन (07) को बोल्ड किया। भारत के 200 रन 39वें ओवर में पूरे हुए। भारत को अंतिम 10 ओवर में 94 रन की दरकार थी और टीम के लिए यह लक्ष्य पहाड़ जैसा साबित हुआ। शारदुल ने मैच की अंतिम गेंद पर एक रन के साथ अपना पहला अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 43 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा। इससे पहले धीमी शुरुआत के बाद वान डेर डुसेन और बावुमा ने भारत के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी करके टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। भारत के लिए सबसे सफल गेंदबाज बुमराह रहे जिन्होंने 48 रन देकर दो विकेट चटकाए। अश्विन ने 53 रन देकर एक विकेट चटकाया। बोलैंड पार्क की धीमी पिच पर दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बुमराह ने पांचवें ओवर में आउटस्विंगर पर सलामी बल्लेबाज यानेमन मलान (06) को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। भारतीय गेंदबाजों ने रन गति पर अंकुश लगाए रखा जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 10 ओवर में एक विकेट पर 39 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के बाद पहला मैच खेल रहे क्विंटन डिकॉक (41 गेंद में 27 रन) और बावुमा को रन बनाने के लिए जूझना पड़ रहा था। डिकॉक जून 2017 के बाद पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे अश्विन की सीधी गेंद को कट करने की कोशिश में बोल्ड हो गए।

वेंकटेश अय्यर ने सटीक निशाने पर मार्कराम (04) को रन आउट करके दक्षिण अफ्रीका को तीसरा झटका दिया। डुसेन और बावुमा ने इसके बाद पारी को संवारा।

दोनों ने नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाई। वान डेर डुसेन ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया। उन्होंने युजवेंद्र चहल पर रिवर्स स्वीप से चौका जड़कर खाता खोला और फिर स्वीप से इस लेग स्पिनर पर दो और चौके जड़े। वान डेर डुसेन ने शारदुल ठाकुर की फ्री हिट पर पारी का पहला छक्का जड़ा। उन्होंने अपनी पारी में कुल नौ चौके और चार छक्के लगाए।

बावुमा ने 45वें ओवर जबकि वान डेर डुसेन ने 48वें ओवर में शतक जड़ा। दोनों ही बल्लेबाजों का यह दूसरा शतक है। शारदुल के पारी के अंतिम ओवर में 17 रन बने जिससे मेजबान टीम 300 रन के स्कोर के करीब पहुंची।

शतक पूरा करने के बाद रेसी वान डेर डुसेन

अर्धशतकीय पारी के दौरान एक गेंद को बाउंड्री के लिए भेजते विराट कोहली

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका: क्विंटन डिकॉक बो अश्विन 27, यानेमन मलान का पंत बो बुमराह 06, तेंबा बावुमा का राहुल बो बुमराह 110, ऐडन मार्कराम रन आउट 04, रेसी वान डेर डुसेन नाबाद 129, डेविड मिलर नाबाद 02

अतिरिक्त: 18

कुल: 50 ओवर में चार विकेट पर: 296 रन

विकेट पतन:1-19, 2-58, 3-68, 4-272

गेंदबाजी: बुमराह 10-0-48-2, भुवनेश्वर 10-0-64-0, शारदुल 10-1-72-0, अश्विन 10-0-531, चहल 10-0-53-0

भारत: लोकेश राहुल का डिकॉक बो मार्कराम 12, शिखर धवन बो महाराज 79, विराट कोहली का बावुमा बो शम्सी 51, ऋषभ पंत स्टं डिकॉक बो फेहलुकवायो 16, श्रेयस अय्यर का डिकॉक बो एनगिडी 17, वेंकटेश अय्यर का वान डेर डुसेन बो एनगिडी 02, रविचंद्रन अश्विन बो फेहलुकवायो 07, शारदुल ठाकुर नाबाद 50, भुवनेश्वर कुमार का बावुमा बो शम्सी 04, जसप्रीत बुमराह नाबाद 14

अतिरिक्त: 13

कुल: 50 ओवर में आठ विकेट पर: 265 रन

विकेट पतन: 1-46, 2-138, 3-152, 4-181, 5-182, 6-188, 7-199, 8-214

गेंदबाजी:

मार्कराम 6-0-30-1, जेनसन 9-0-49-0, महाराज 10-0-42-1, एनगिडी 10-0-64-2, शम्सी 10-1-52-2, फेहलुकवायो 5-0-26-2

पीवी सिंधु हमवतन खिलाड़ी को हराकर अगले दौर में पहुंचीं

सैयद मोदी बैडमिंटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शीर्ष वरीय पीवी सिंधु ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल सुपर 300 बैडमिंटन में आसान जीत के साथ अगले दौर में जगह बना ली है। बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में खेले गए महिला एकल मैच में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने हमवतन तान्या हेमंत को 27 मिनट चले मैच में 21-9, 21-9 से हराया। पहले गेम में तान्या ने कुछ अंक जुटाए लेकिन सिंधु ने उम्दा कोर्ट कवरेज के सहारे अंक जुटाने शुरू किए और पहले 8-3 और फिर 14-5 की बढ़त बनाई।

इसके बाद तान्या 4 अंक और जुटा सकीं। सिंधु ने उम्दा स्मैश और ड्राप शॉट के सहारे तान्या को खासा छकाया और पहला गेम 21-9 से जीत लिया। दूसरे गेम में सिंधु तान्या से 2-1 पिछड़ गयीं। हालांकि सिंधु ने कुछ उम्दा ड्राप शॉट खेलकर अंक जुटाए। दोनों के बीच एक-एक अंक के लिए संघर्ष हुआ लेकिन सिंधु ने 8-4 से बढ़त के बाद 16-8 के स्कोर से लगातार अंक जुटाते हुए 20-8 स्कोर पर गेम प्वाइंट बनाया लेकिन अगली ही सर्विस पर तान्या ने गेम प्वाइंट बचाया। हालांकि कुछ पल बाद सिंधु ने अंक जुटाते हुए 21-9 से मैच अपने नाम कर लिया।

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु की अब अगले दौर में अमेरिका की लॉरेन लैम से टक्कर होगी, जिन्होने ईरा शर्मा को 15-21, 21-16, 21-16 से मात दी थी। सिंधु ने पिछला खिताब दो साल पहले जीता था।

उन्हें इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में हार मिल थी। महिला एकल में भारत की कनिका कंवल ने अमेरिका की दिशा गुप्ता को 21-15, 16-21, 21-6 से मात दी। पांचवी सीड रूस की एवगेनिया कोसत्सकाया ने भारत की वैदेही चौधरी को 21-16, 21-10 से मात दी। अन्य मैचों में छठीं वरीय थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग ने भारत की श्रीकृष्णा कुद्रावल्ली को 21-13, 21-13 से हराया। एक अन्य मैच में फ्रांस की येले होयॉक्स ने भारत की अनुरा प्रभुदेसाई को 21-17, 21-18 से हराया।

बुल्गारियन इंटरनेशनल की चैंपियन भारत की सामिया इमाद फारूकी ने श्रुति मुंदादा को तीन गेम तक चले मुकाबले में 17-21, 21-11, 21-10 से हराया। सामिया का अगले दौर में हमवतन कनिका कंवल से मुकाबला हागा। वहीं भारत की छठीं वरीय रिया मुखर्जी का अभियान हार से खत्म हो गया। उनको अमेरिका की इशिका जायसवाल ने 21-8, 21-15 से जीत दर्ज की। साई उत्तेजिता राव चुका ने अंजना कुमारी को 21-9 21-12 से मात दी। साई उत्तेजिता की अब आकर्षी कश्यप से टक्कर होगी। मिश्रित युगल में चौथी वरीय भारत के वेंकट गौरव प्रसाद व जूहील देवानगर ने हमवतन क्षितिज त्यागी व मेनी बोरा को करीबी मुकाबले में 21-18, 21-17 से हराया।

दूसरी वरीय मलेशिया के चेन तांग जेई व पेइक येन वेई ने भारत के प्रतीक रानाडे व कनिका कंवल को 21-14, 21-12 से हराया। पुरुष एकल में भारत के 10वीं वरीय चिराग सेन ने भारत में नंबर टू अंसल यादव को आसानी से 21-9, 21-6 से मात दी। पुरुष एकल में कौशल व मिथुन मंजूनाथ ने भी जीत दर्ज की। महिला डबल्स में सातवीं वरीय टी. जॉली व गायत्री गोपीचंद ने भारत की महक नायक व सौम्या सिंह को 21-1, 21-4 से हराया।

आठ खिलाड़ियों की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव

लखनऊ। चैंपियनशिप में दूसरे दिन आठ खिलाड़ियों की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव मिली। इसमें ऋद्धि कौर तूर, लिखिता श्रीवास्तव, सतेंद्र मलिक, अपूर्व जावेडकर, दीपक खत्री, कुशल राज और गर्व साहनी व एक अन्य खिलाड़ी की रिपोर्ट पाजिटिव मिली। मिश्रित युगल में मयंक राणा की पार्टनर ऋद्धि कौर तूर की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव रही, जिसके चलते ये जोड़ी भी बाहर हो गयी। महिला युगल में भारत की नवधा मंगलम व लिखिता श्रीवास्तव और आफरीन विश्नोई व चितवन खत्री का मैच था लेकिन लिखिता की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव थी जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी जोड़ी में से भी एक खिलाड़ी की रिपोर्ट पाजिटिव थी जिसके चलते यह मैच कैंसिल हो गया। पुरुष डबल्स में सतेंद्र मलिक व पंकज नैथानी की जोड़ी में से सतेंद्र की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव होने से ये जोड़ी भी बाहर हो गयी। पुरुष डबल्स में ऋत्विक अंबेकर व अपूर्व जावेडकर का भारत की ही केतन चहल व दीपक खत्री से मैच था, लेकिन अपूर्व जावेडकर व दीपक खत्री की रिपोर्ट पाजिटिव होने से ये जोड़ी भी बाहर हो गई। पुरुष डबल्स में भारत के कुशल राज व प्रकाश राज की जोड़ी भी मैच से बाहर हो गई। भारत के ही गर्व साहनी की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव होने से बाहर हो गई।

राफेल नडाल, ऐश बार्टी और ओसाका आसान जीत के साथ तीसरे दौर में

आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

एपी। मेलबर्न

अपने रिकार्ड 21वें ग्रैंडस्लैम की कवायद में लगे राफेल नडाल और महिलाओं के वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी और गत चैम्पियन नाओमी ओसाका ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आसान जीत के साथ आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। बार्टी ने रॉड लेवर एरिना पर विश्व में 142वीं रैंकिंग की लूसिया ब्रोनजेटी को आसानी से 6-1, 6-1 से पराजित किया। वह लगातार छठे वर्ष इस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। बार्टी ने पिछले 48 गेम से अपनी सर्विस नहीं गंवाई है।

पहले दौर में केवल एक गेम गंवाने वाली बार्टी का अगला मुकाबला इटली की एक अन्य खिलाड़ी और 30वीं वरीयता प्राप्त कैमिला जियोर्गी से होगा जिन्होंने चेक गणराज्य की टेरेजा मार्टिनकोवा को 6-2, 7-6 से हराया। वहीं पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ओसाका ने मेडिसन ब्रेंगल को आसानी से 6-0, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई, जहां उनका सामना 20 वर्षीय अमेरिकी अमांडा एनीसिमोवा से होगा जिन्होंने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बेलिंडा बेनसिच को 6-2 7-5 से पराजित किया। पुरुष वर्ग में छठी वरीयता प्राप्त नडाल ने जर्मनी के क्वालीफायर यानिक हांफमैन को 6-2, 6-3, 6-4 से हराया। नडाल के पास तीसरे सेट के नौवें गेम में हांफमैन की सर्विस पर दो मैच प्वाइंट थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए। इसके बाद अगले गेम में भी अपनी सर्विस पर उनके पास दो मैच प्वाइंट थे। हांफमैन के फोरहैंड बाहर मार देने से नडाल ने दो घंटे 42 मिनट तक चला यह मैच अपने नाम किया। सर्बिया के मियोमीर केसमानोविच भी अमेरिका के टॉमी पॉल को 7-6 (7), 7-5, 7-6 (8) से हराकर तीसरे दौर में पहुंच गए है। केसमानोविच को शुरुआती कार्यक्रम के अनुसार पहले दौर में हमवतन जोकोविच से भिड़ना था। दूसरे दौर के अन्य मैचों में 23वीं वरीयता प्राप्त रेली ओपेल्का ने डोमिनिक कोएफर पर 6-4, 6-3, 7-6 (4) से, 19वीं वरीयता प्राप्त पाब्लो कारेनो बुस्टा ने टैलन ग्रिक्सपुर को 6-3, 6-7 (6), 7-6 (3), 3-6, 6-4 से और 31वें नंबर के कार्लोस अल्कराज ने डुसान लाजोविच को 6-2, 6-1, 7-5 से हराया।

कनाडा के 14वीं वरीयता प्राप्त डेनिस शापोवालोव को दक्षिण कोरिया के सुन वू क्वान के खिलाफ 7-6 (6), 6-7 (3), 6-7 (6), 7-5, 6-2 से जीत दर्ज करने में पांच सेट तक जूझना पड़ा। यह मैच चार घंटे 25 मिनट तक चला। इस बीच महिला वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त पाउला बाडोसा ने भी इटालियन क्वालीफायर मार्टिना ट्रेविसान को 6-0, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। दो बार की आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका भी जिल टिचमान को 6-1, 6-2 से हराकर आगे बढ़ने में सफल रही। अमेरिका की मेडिसन कीज ने रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टीन को 6-2, 7-6 से पराजित किया।

जीत के बाद राफेल नडाल

लूसिया ब्रोनजेटी के खिलाफ खेलतीं ऐश बार्टी

रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा बाहर

मेलबर्न। भारत के रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा बुधवार को यहां अपने पहले दौर के मैच गंवाने के कारण क्रमशः पुरुष और महिला युगल के पहले दौर से बाहर हो गए। बोपन्ना और फ्रांस के उनके जोड़ीदार एडुआर्ड रोजर वेसलिन ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले क्रिस्टोफर रंगकाट और ट्रीट हुए के खिलाफ अच्छी शुरुआत की लेकिन इसके बाद उनकी लय गड़बड़ा गई और आखिर में उन्हें पहले दौर के इस मैच में 6-3, 6-7(2), 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटा 48 मिनट तक चला। दूसरी तरफ सानिया और यूक्रेन की उनकी जोड़ीदार नादिया किचनोक स्लावानिया की तमारा जिदानसेक और काजा जुवान की जोड़ी से एक घंटे 37 मिनट में 4-6, 6-7(5) से हार गई। किचनोक आज लय में नहीं थी और उन्होंने कई सहज गलतियां की। बोपन्ना और सानिया अब मिश्रित युगल में अपना भाग्य आजमाएंगे। बोपन्ना ने क्रोएशिया की दारिया जुराक श्राइबर जबकि सानिया ने अमेरिका के राजीव राम के साथ जोड़ी बनाई है। भारत के चार खिलाड़ियों ने एकल क्वालीफायर्स में हिस्सा लिया था लेकिन उनमें से कोई भी मुख्य ड्रा में जगह नहीं बना पाया।

सानिया मिर्जा 2022 सत्र के बाद संन्यास लेंगी

मेलबर्न। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने बुधवार को घोषणा की कि 2022 उनका अंतिम सत्र होगा क्योंकि उनका शरीर थक रहा है और उनके अंदर प्रत्येक दिन के दबाव के लिए ऊर्जा और प्रेरणा अब पहले जैसी नहीं है। सानिया (35 वर्ष) ने छह ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम किए हैं जिसमें तीन मिश्रित युगल ट्राफियां शामिल हैं। वह भारत की सबसे सफल महिला टेनिस खिलाड़ी के तौर पर संन्यास लेंगी।

सानिया ने अपनी जोड़ीदार नादिया किचनोक के साथ आस्ट्रेलियाई ओपन के महिला युगल के पहले दौर में हारने के बाद संन्यास की यह घोषणा की।

न्यूजीलैंड का आस्ट्रेलिया दौरा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

एपी। क्राइस्टचर्च

न्यूजीलैंड का सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए 30 जनवरी से शुरू होने वाला आस्ट्रेलिया का दौरा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है।

क्योंकि न्यूजीलैंड की सरकार ने कोविड-19 से जुड़े प्रतिबंधों के कारण खिलाड़ियों को स्वदेश वापसी पर अनिवार्य कड़े पृथकवास से छूट देने से इन्कार कर दिया।

न्यूजीलैंड को इस दौरे में 30 जनवरी से आठ फरवरी के बीच तीन एकदिवसीय और एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना था लेकिन इसे अब अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है क्योंकि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि खिलाड़ी वापस न्यूजीलैंड लौट सकते हैं। कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रान की लहर को देखते हुए न्यूजीलैंड सरकार ने 10 दिन के कड़े पृथकवास नियम को लागू किया है।

कप्तान प्रेस्ट के आलराउंड प्रदर्शन के चलते इंग्लैंड की आसान जीत

अंडर-19 विश्व कप

●दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान ने भी अपने-अपने मैच जीते

भाषा। बासेटेरे (सेंट कीट्स)

कप्तान टॉम प्रेस्ट ने पहले 93 रन की लाजवाब पारी खेली और बाद में तीन विकेट लिए जिससे इंग्लैंड ने आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के ग्रुप ए लीग मैच में कनाडा पर 106 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 320 रन बनाए। प्रेस्ट ने अपनी पारी में 93 गेंद का सामना किया और 10 चौके लगाए। उनके अलावा जार्ज बेल (57), जार्ज थामस (51) और विलियम लक्सटन (41) ने उपयोगी योगदान दिया। इसके बाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोशुआ बोडेन (44 रन देकर चार विकेट) तथा स्पिनर जैकब बाथेल (45 रन देकर तीन) और प्रेस्ट (38 रन देकर तीन) ने गेंदबाजी में कमाल दिखाया जिससे इंग्लैंड ने कनाडा को 48.1 ओवर में 214 रन पर समेट दिया। इंग्लैंड की यह टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप बी के मैच में युगांडा पर 121 रन से आसान जीत दर्ज की।

दक्षिण अफ्रीका पहले बल्लेबाजी करते हुए डेवाल्ड ब्रेविस के 104 रन की मदद से नौ विकेट पर 231 रन बनाए। इसके जवाब में युगांडा 33.4 ओवर में 110 रन बनाकर आउट हो गया। उसके केवल तीन बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे। उधर ग्रुप सी में अफगानिस्तान ने पापुआ न्यूगिनी (पीएनजी) को 135 रन से करारी शिकस्त देकर जीत से अपने अभियान की शुरुआत की।

अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.2 ओवर में 200 रन पर आउट हो गई लेकिन उसने पीएनजी को केवल 20.5 ओवर में 65 रन पर ढेर कर दिया। अफगानिस्तान की तरफ से इजराहुल हक नावीद ने तीन जबकि नावीद जादरान, नांगयालाइ खान और नूर अहमद ने दो-दो विकेट लिए।

इससे पहले अफगानिस्तान की तरफ से कप्तान सुलेमान सफी (62), एजाज अहमद अहमदजई (45) और खैबर वली (30) ही कुछ योगदान दे पाए। पीएनजी के लिए केटेनालकी सिंगी ने चार और रासन केवाउ ने तीन विकेट लिए।

भारतीय महिला टीम की दो सदस्य कोविड-19 जांच में पॉजिटिव मिलीं

एशियाई कप

भाषा। मुंबई

भारतीय महिला फुटबॉल टीम की दो खिलाड़ियों को एएफसी एशियाई कप से पहले बुधवार को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया जिससे आयोजकों ने उन्हें पृथकवास के लिए एक चिकित्सा सुविधा में रख दिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने ट्वीट किया, एएफसी महिला एशियाई कप भारत 2022 के लिए भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम की दो सदस्यों को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया है और उन्हें इस समय चिकित्सा सुविधा में पृथकवास में रखा गया है।

आयोजक महासंघ ने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि एआईएफएफ अपने खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देता है और एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) द्वारा जारी जरूरी स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन कर रहा है। एआईएफएफ के करीबी एक सूत्र ने कहा कि इन दोनों में से एक खिलाड़ी ईरान के खिलाफ मैच में शुरूआती एकादश में खेली होती। मेजबान भारत अपने अभियान की शुरूआत ईरान के खिलाफ नवी मुंबई में डीवाई पाटिल स्टेडियम में करेगा।

इन दोनों पॉजिटिव मामलों के बावजूद टूर्नामेंट के आयोजन को कोई खतरा नहीं होगा क्योंकि एआईएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने सोमवार को कहा था कि मैच में भाग ले रही दोनों टीमों में अगर 13-13 खिलाड़ी उपलब्ध हैं तो मैच रद्द नहीं किए जाएंगे। स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) के चेयरमैन पटेल ने कहा था कि अगर प्रतिभागी टीम की सदस्य वायरस से संक्रमित आती हैं तो इस तरह के हालात से निपटने के लिए आकस्मिक योजना बनाई गई हैं। उन्होंने कहा था कि संक्रमित खिलाड़ी या खिलाड़ियों को पृथकवास में रखा जाएगा।

चेल्सी की खिताब जीतने की उम्मीदों को लगा झटका

इंग्लिश प्रीमियर लीग

एपी। ब्राइटन

चेल्सी को शुरुआती बढ़त के बावजूद मंगलवार की रात को यहां ब्राइटन के खिलाफ मैच 1-1 से ड्रा खेलना पड़ा जिससे उसकी इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब जीतने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा।

चेल्सी लीग में पिछले चार मैच से जीत दर्ज नहीं कर पाया है। उसे हाकिम जिएक ने 29वें मिनट में बढ़त दिला दी थी लेकिन ब्राइटन के डिफेंडर एडम वेबस्टर ने 60वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

चेल्सी अब भी पहले की तरह तीसरे स्थान पर है। वह शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी से 12 अंक पीछे है। सिटी के 22 मैचों में 56 और चेल्सी के 23 मैचों में 44 अंक हैं। लिवरपूल 21 मैचों में 45 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

रीयल बेटिस बड़ी जीत से स्पेनिश लीग में तीसरे स्थान पर बरकरार

मैड्रिड। स्ट्राइकर बोर्जा इगलेसियास के दो गोल की मदद से रीयल बेटिस ने अलावेस को 4-0 गोल से करारी शिकस्त देकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपने तीसरे स्थान को मजबूत किया। इस जीत से रीयल बेटिस चौथे नंबर पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक आगे हो गया है। वह शीर्ष पर काबिज रीयाल मैड्रिड से 12 अंक पीछे है।

बेटिस ने इगलेसियास के दो गोल और सर्जियो कनालेस के एक गोल से पहले हाफ में ही 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी। जुआनमी जिमीनेज ने दूसरे हाफ के शुरू में टीम की तरफ से चौथा गोल करके उसकी बड़ी जीत सुनिश्चित की।